

Kumar Edutainment Presents

Current Affairs Magazine

AUG 2025

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

- भारत FIFA रैंकिंग में 133वें स्थान पर खिसका - 9 सालों में सबसे खराब
- जैनिक सिनर और इगा स्विगटेक ने विंबलडन 2025 का खिताब जीता
- अमेरिका ने WHO सुधारों से किनारा किया, USAID को बंद किया
- दलाई लामा के उत्तराधिकारी की चुनौती: चीन के नियंत्रण पर सवाल
- मैराथन धावक फौजा सिंह और अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का निधन
- ट्रंप का "वन बिग ब्यूटीफुल बिल" क्या है? जाने विस्तार से
- लीला अबुलेला ने 2025 का पेन पिंटर पुरस्कार जीता
- कोल्हापुरी फुटवियर विवाद को लेकर प्राडा पर दबाव
- 5 उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त
- थाईलैंड 2025: राजनीतिक संकट गहराया

पराग
जैन



विशेषता:

- लघु लेख
- प्रश्न बैंक
- क्विक बाइट्स
- इन्फोग्राफिक्स



फौजा
सिंह



मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com

कुमार एडुटेन्मेंट

सभी कॉपीराइट सुरक्षित

पता: 7 जवाहर नगर, खंदारी, आगरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 8882388888

मेल: Kumariasacademy@gmail.com

वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>



अस्वीकरण

यह पुस्तक शैक्षिक और सीखने के उद्देश्यों के लिए है। पुस्तक के लेखक (ओं) ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित देखभाल की है कि पुस्तक की सामग्री किसी भी तरह से किसी भी व्यक्ति के किसी भी मौजूदा कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है। घटना में लेखक किसी भी स्रोत को ट्रैक करने में असमर्थ है / और यदि कोई कॉपीराइट अनजाने में उल्लंघन किया गया है, तो कृपया प्रकाशक को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लिखित रूप में सूचित करें।

इस प्रकाशन में त्रुटियों या चूक से बचने का हर संभव प्रयास किया गया है। इसके बावजूद, त्रुटियों में कमी हो सकती है। विख्यात किसी भी गलती, त्रुटि या विसंगति को हमारे ध्यान में लाया जा सकता है जिसे अगले संस्करण में ध्यान रखा जाएगा। यह अधिसूचित किया गया है कि प्रकाशक या लेखक या विक्रेता किसी भी प्रकार के, किसी भी तरीके से, किसी भी प्रकार की किसी भी क्षति या कार्रवाई के नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। यह सुझाव दिया जाता है कि किसी भी सदेह से बचने के लिए पाठक को मूल प्रकाशन या सूचनाओं के साथ प्रकाशन के सभी तथ्यों, कानून और सामग्री को पार करना चाहिए।

बाइंडिंग मिस्टेक, मिसप्रिंट्स या गुम पृष्ठों आदि के लिए, प्रकाशक की देनदारी समान संस्करण द्वारा खरीद के सात दिनों के भीतर बदलने तक सीमित है। इस संबंध में सभी खर्च क्रेता द्वारा वहन किए जाने हैं।

सभी कॉपीराइट सुरक्षित

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी तरह से (ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टेपिंग, या सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली सहित) या किसी डिस्क, टेप, छिद्रित मीडिया या अन्य सूचना भंडारण पर पुनः प्रस्तुत या कॉपी आदि, प्रकाशकों की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। इस शर्त का उल्लंघन कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है।

लेखक प्रतिनिधित्व करता है और वारंट करता है कि लेखक ही संपूर्ण रूप से सभी अधिकारों का एकमात्र मालिक है, कि कॉपीराइट के कार्यों के ऐसे अंशों को छोड़कर कार्य मूल है क्योंकि कॉपीराइट स्वामी की अनुमति के साथ शामिल किया जा सकता है, जिससे कार्य किसी भी व्यक्ति के निजता के अधिकार का हनन या उल्लंघन नहीं करता है और साथ ही यह किसी भी कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट या दूसरों के किसी भी अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है।



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com



Kumar Edutainment Presents **CURRENT AFFAIRS MAGAZINE**

प्रिय अभ्यर्थी,

में पूरे संस्थान की ओर से आपका स्वागत करता हूं और हम में आपकी रुचि दिखाने के लिए धन्यवाद।

वर्षों से हम युवा छात्र एवं छात्राओं को शिक्षित कर रहे हैं जिन्होंने हमारे साथ जुड़ कर एक जिम्मेदार नागरिकों और कॉरपोरेट्स प्रमुख में अपना परिवर्तन अनुभव किया। हमारे साथ जुड़कर, आप एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत कर रहे हैं जो परिवर्तनकारी है - अकादमिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से। "उत्कृष्टता और मूल्य" हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं जो संस्थान की प्रत्येक गतिविधि में परिलक्षित होते हैं।



हमारी हैंडबुक कई प्रतियोगी और सरकारी परीक्षाओं में बड़ी भूमिका निभाती है। यह आपकी सफलता के अवसर को बनाने या तोड़ने की शक्ति रखता है। इसलिए, उम्मीदवारों को करेंट अफेयर्स को अच्छी तरह और स्मार्ट तरीके से कवर करना चाहिए। विभिन्न परीक्षाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमारी हैंडबुक को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है। दिए गए करेंट अफेयर्स की प्रस्तुति की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है। इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह पाठकों के जेहन में लंबे समय तक बना रहे।

हमारा मिशन एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है जिसमें प्रत्येक छात्र हमेशा बदलते, वैश्विक समुदाय के कुशल, उत्पादक सदस्य बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करेगा। हमारे संकाय व्यक्तियों का एक बहुत ही समर्पित समूह है जो हमारे छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव निर्देश प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है।

एक बार फिर, साझा सिद्धांतों एवं मूल्यों के हमारे समुदाय में आपका स्वागत है। आने वाले वर्षों में आपके सुखद, स्वस्थ और फलदायी होने की कामना करते हैं।

संस्थान में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com



समाचार श्रेय:

बीबीसी/

रॉयटर्स/

अलजजीरा/

पीआईबी/

पीटीआई/

बिजनेस स्टैंडर्ड/

द हिंदू/

इंडियन एक्सप्रेस/

टाइम्स ऑफ इंडिया/

इकोनॉमिक टाइम्स/

बिजनेस लाइन/

इंडिया टुडे/

मनीकंट्रोल एवं अन्य

सभी प्रमुख समाचार

पत्र



Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

इस संस्करण में शामिल हैं

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1	नियुक्तियाँ	1
2	राजतन्त्र एवं शासन	14
3	अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ	20
4	अर्थव्यवस्था एवं व्यापार	32
5	रक्षा एवं सुरक्षा	37
6	सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ	41
7	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	45
8	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	49
9	संस्कृति एवं इतिहास	53
10	खेल-कूद	57
11	निधन	61
12	परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन	66
13	पुस्तकें एवं लेखक	67
14	अभ्यास हेतु प्रश्न बैंक	68
15	क्विक बाइट्स	94
16	इन्फोग्राफिक्स	97

हमारे बारे में:

संस्करण: अगस्त 2025

संपादक का नाम: कुमार एडुटिमेंट

सलाहकार का नाम: मुकेश कुमार

पता: 7 जवाहर नगर, खंदारी, आगरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 8882388888

मेल: Kumariasacademy@gmail.com

वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>

नियुक्तियाँ

सरकार ने पूर्व वित्त सचिव अजय सेठ को 3 साल के लिए IRDAI का नया अध्यक्ष नियुक्त किया



अजय सेठ को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

- कार्यकाल: 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो।
- अनुमोदन: कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा नियुक्ति को मंजूरी।
- रिक्ति अवधि: देबाशीष पांडा का कार्यकाल मार्च 2025 के मध्य में समाप्त होने के बाद, IRDAI अध्यक्ष का पद 4 महीने से अधिक समय तक रिक्त रहा।
- IRDAI मुख्यालय: हैदराबाद में स्थित।
- अन्य उम्मीदवार: सेठ को गिरिधर अरमाने (पूर्व रक्षा सचिव) और एम नागराजू (वित्तीय सेवा सचिव) की जगह चुना गया।

प्रमुख लंबित परियोजनाएँ:

- बीमा सुगम - एकीकृत बीमा बाज़ार
- बीमा विस्तार - व्यापक बंडल बीमा उत्पाद
- बीमा वाहक - अंतिम-मील बीमा वितरण मॉडल

पृष्ठभूमि और अनुभव

पूर्व भूमिकाएँ:

- जून 2025 में वित्त सचिव के पद से सेवानिवृत्त।
- पूर्व सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग।
- आईएस बैच: 1987 बैच, कर्नाटक कैडर।

विशेषज्ञता:

- सार्वजनिक वित्त, कर नीति, बजट निर्माण
- विदेशी निवेश, बुनियादी ढाँचा वित्तपोषण
- विकास वित्त, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी), सामाजिक क्षेत्र की योजनाएँ

प्रमुख भूमिका: भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान वित्त क्षेत्र का नेतृत्व किया।

शिक्षा:

बी.टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) - आईआईटी रुड़की
एमबीए - एटैनियो डी मनीला विश्वविद्यालय, फिलीपींस

नेस्ले इंडिया के बोर्ड ने मनीष तिवारी को सीएमडी नियुक्त किया



मनीष तिवारी को नेस्ले इंडिया का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति 1 अगस्त 2025 से प्रभावी होगी। वर्तमान अध्यक्ष और एमडी, सुरेश नारायणन, 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे और दोनों पदों से मुक्त हो जाएँगे।

मनीष तिवारी (नवनियुक्त सीएमडी) के बारे में:

- पूर्व भूमिका: अमेज़न इंडिया में उपाध्यक्ष और कंट्री मैनेजर के रूप में कार्य किया।
- अनुभव: FMCG और डिजिटल कॉमर्स नेतृत्व में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव।
- शिक्षा: IIM अहमदाबाद के पूर्व छात्र।

सुरेश नारायणन (निवर्तमान सीएमडी) के बारे में:

- 1999 में नेस्ले में शामिल हुए और अगस्त 2015 से नेस्ले इंडिया का नेतृत्व कर रहे हैं।
- 2015 के संकट के बाद मैगी ब्रांड को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कंपनी पृष्ठभूमि:

- नेस्ले इंडिया लिमिटेड, नेस्ले एस.ए., स्विट्जरलैंड की एक सहायक कंपनी है।
- मैगी, नेस्कैफे, किटकैट, मिल्कमेड और सेरेलैक जैसे ब्रांडों के लिए जानी जाती है।
- मुख्यालय: गुडगांव, हरियाणा।
- बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स का हिस्सा।

दीपक बागला अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के मिशन निदेशक नियुक्त



दीपक बागला ने आधिकारिक तौर पर अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के नए मिशन निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है।

दीपक बागला

- भारत की राष्ट्रीय निवेश संवर्धन और सुविधा एजेंसी - इन्वेस्ट इंडिया के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ।
- विश्व निवेश संवर्धन एजेंसी संघ (डब्ल्यूएआईपीए) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत।
- नवाचार, निवेश और उद्यमिता से संबंधित कई उच्च-स्तरीय सरकारी समितियों के सदस्य।

योगदान और मान्यता

उनके नेतृत्व में, इन्वेस्ट इंडिया को कई वैश्विक पुरस्कार मिले। निम्नलिखित को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई:

- उद्यमिता
- नवाचार
- भारत भर में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र
- कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और भारत की वैश्विक निवेश उपस्थिति को मजबूत करने में मदद की।

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के बारे में

- प्रारंभकर्ता: नीति आयोग, भारत सरकार
- उद्देश्य: स्कूलों, कॉलेजों और स्टार्टअप्स में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना

प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- अटल टिकरिंग लैब्स (एटीएल)
- अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)
- एमएसएमई के लिए एआरआईएसई कार्यक्रम

आशिम कुमार घोष ने हरियाणा के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली



शिक्षाविद और वरिष्ठ भाजपा नेता आशिम कुमार घोष ने बंडारू दत्तात्रेय के स्थान पर हरियाणा के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

आशिम कुमार घोष की पृष्ठभूमि

वे प्रशिक्षण से राजनीतिशास्त्री और कोलकाता के पूर्व कॉलेज प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1999 से 2002 तक पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रारंभिक वर्षों के दौरान अपनी वाकपटुता, वैचारिक स्पष्टता और अनुशासित दृष्टिकोण के लिए जाने जाते थे। हालाँकि हाल ही में वे

राजनीति में सक्रिय नहीं रहे, फिर भी पार्टी के भीतर एक सम्मानित व्यक्ति बने रहे।

हरियाणा:

- स्थापना तिथि: 1 नवंबर 1966 (पंजाब से विभाजित)
- राजधानी: चंडीगढ़ (पंजाब के साथ साझा)
- सीमाएँ: पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली
- मुख्य फ़सलें: गेहूँ, चावल, गन्ना
- कृषि: 80% से अधिक भूमि पर खेती
- औद्योगिक केंद्र: गुड़गांव - प्रमुख आईटी, ऑटोमोबाइल, बीपीओ केंद्र
- निर्यात: भारत में तीसरा सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर निर्यातक
- राज्य पशु: काला हिरण
- राज्य पक्षी: काला फ्रेंकोलिन
- राज्य वृक्ष: पीपल
- राज्य पुष्प: कमल
- ऐतिहासिक स्थल: कुरुक्षेत्र (महाभारत), राखीगढ़ी (सिंधु घाटी)
- लोक नृत्य: घूमर, धमाल
- त्यौहार: लोहड़ी, बैसाखी, तीज
- भारत की खेल राजधानी के रूप में जाना जाता है
- प्रसिद्ध एथलीट: नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया

न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली



न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। न्यायमूर्ति कुमार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शपथ दिलाई।

- पूर्व पद: पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत
- नियुक्ति का कारण: 10 जुलाई, 2025 को मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्रोई की सेवानिवृत्ति के बाद यह पदभार ग्रहण करेंगे।

व्यावसायिक पृष्ठभूमि:

आपराधिक और संवैधानिक कानून में अपने न्यायिक कार्य के लिए जाने जाते हैं। बिहार न्यायपालिका में कई वर्षों तक कार्यरत रहे।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय:

भारत के सबसे पुराने उच्च न्यायालयों में से एक (1948 में स्थापित)

असम, नागालैंड, मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश पर अधिकार क्षेत्र रखता है।

असम

- राजधानी: दिसपुर
- मुख्यमंत्री: हिमंत बिस्वा सरमा
- राज्यपाल: लक्ष्मण आचार्य
- पक्षी: सफेद पंखों वाला बत्तख
- फूल: फॉक्सटेल आर्किड
- राज्यसभा: 7 सीटें
- लोकसभा: 14 सीटें

न्यायमूर्ति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे



- शपथ ग्रहण समारोह: न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने मद्रास उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में आधिकारिक रूप से शपथ ली। राज्यपाल आर.एन. रवि ने शपथ दिलाई, जिसमें मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, वरिष्ठ मंत्री, न्यायाधीश और शीर्ष नौकरशाह उपस्थित थे।
- स्थानांतरण और नियुक्ति: उन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है, जहाँ वे 6 फ़रवरी, 2024 से मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। वे न्यायमूर्ति के.आर. श्रीराम का स्थान लेंगे, जिन्हें अब राजस्थान उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

पृष्ठभूमि और करियर

- जन्म: 6 मार्च, 1964, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
- कानूनी व्यवसाय: मध्य प्रदेश बार काउंसिल में पंजीकृत (5 अक्टूबर, 1987); रायगढ़ जिला न्यायालय, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालयों में वकालत की।
- वरिष्ठ अधिवक्ता: 31 जनवरी, 2005 को पदनामित
- न्यायिक प्रवेश: 10 दिसंबर, 2009 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत

न्यायिक भूमिकाएँ और स्थानांतरण

- 18 अक्टूबर, 2021 को राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थानांतरित
- 6 फ़रवरी, 2024 को राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश बने
- सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की सिफ़ारिश के बाद, 14 जुलाई, 2025 को केंद्र सरकार द्वारा मद्रास उच्च न्यायालय स्थानांतरण के लिए अनुशंसित

- कार्यकाल अवधि: न्यायमूर्ति श्रीवास्तव के 6 मार्च, 2026 को अपनी सेवानिवृत्ति तक मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करने की उम्मीद है।
- न्यायालय प्रोफ़ाइल: 1862 में चेन्नई में स्थापित मद्रास उच्च न्यायालय, भारत के सबसे पुराने न्यायालयों में से एक है और अब इसमें मुख्य न्यायाधीश सहित 75 न्यायाधीशों की स्वीकृत क्षमता है।

तमिलनाडु

- राजधानी: चेन्नई
- मुख्यमंत्री: एम. के. स्टालिन
- राज्यपाल: आर. एन. रवि
- पक्षी: एमराल्ड डव
- फूल: ग्लोरियोसा लिली
- स्थापना: 1 नवंबर 1956

मुकुहलानी को ACA का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत की उम्मीद



ज़िम्बाब्वे क्रिकेट (ZC) के अध्यक्ष तवेंगा मुकुहलानी को ACA की 27वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान सभी 23 सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से अफ्रीका क्रिकेट संघ (ACA) का स्थायी अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने नवंबर 2024 से अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और अब स्थायी रूप से इस पद पर हैं।

अफ्रीका क्रिकेट संघ

- स्थापना: 1997
- उद्देश्य: क्रिकेट प्रशासन
- मुख्यालय: बेनोनी, दक्षिण अफ्रीका
- सदस्यता: 23

न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली



न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने हैदराबाद के राजभवन में आयोजित एक समारोह में तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति सिंह, न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल का स्थान लेंगे, जिनका कलकत्ता उच्च न्यायालय में स्थानांतरण हो गया है।

कार्यकाल की मुख्य विशेषताएँ:

- 17 अप्रैल, 2023 से त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत।
- इससे पहले, वे झारखंड उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे, जहाँ उन्हें 2012 में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2014 में स्थायी न्यायाधीश बने।
- कुछ समय के लिए झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (दिसंबर 2022 - फरवरी 2023) के रूप में कार्यभार संभाला।

पृष्ठभूमि:

7 जुलाई, 1965 को जन्मे, उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.ए. (ऑनर्स) और एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त की है। एक प्रतिष्ठित कानूनी परिवार से आते हैं; उनके परदादा, न्यायमूर्ति बी.पी. सिन्हा, भारत के छठे मुख्य न्यायाधीश थे।

स्थानांतरण प्रक्रिया:

उनके स्थानांतरण की सिफारिश सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने 26 मई, 2025 को की थी और बाद में केंद्र सरकार ने इसे मंजूरी दे दी थी।

तेलंगाना

- राजधानी: हैदराबाद
- मुख्यमंत्री: रेवंत रेड्डी
- राज्यपाल: जिष्णु देव वर्मा
- स्थापना: 2 जून 2014
- ज़िले: 33

डॉ. जे रविशंकर बीएमआरसीएल के नए प्रबंध निदेशक नियुक्त



कर्नाटक सरकार ने 2001 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. जे रविशंकर को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। वह महेश्वर राव का स्थान लेंगे, जो अतिरिक्त प्रभार के रूप में इस पद पर कार्यरत थे।

नियुक्ति का संदर्भ

उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब बीएमआरसीएल दक्षिण बेंगलुरु और इलेक्ट्रॉनिक सिटी के लिए एक प्रमुख संपर्क, येलो लाइन (आरवी रोड से बोम्मासांद्रा) शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल):

- स्थापना: 2006
- 750V डीसी थर्ड रेल ट्रैक्शन वाली भारत की पहली मेट्रो रेल परियोजना
- कुल परिचालन लंबाई: 70 किमी से अधिक (2025 के मध्य तक)
- एमडी (जुलाई 2025 तक): डॉ. जे रविशंकर, आईएएस

न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली



न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बेंगलुरु स्थित राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित एक औपचारिक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। पूर्व पद और पृष्ठभूमि: इस नियुक्ति से पहले, न्यायमूर्ति विभु बाखरू दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायपालिका के एक सम्मानित सदस्य होने के नाते, वे अपनी नई भूमिका में संवैधानिक और दीवानी मामलों का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं।

नियुक्ति प्रक्रिया: मुख्य न्यायाधीश के पद पर उनकी पदोन्नति सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिशों पर आधारित थी, जिन्हें केंद्र सरकार को भेजा गया था और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश:

संवैधानिक पद

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 214 से 231 उच्च न्यायालयों से संबंधित है। प्रत्येक उच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अन्य न्यायाधीश होते हैं।

नियुक्ति

भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की सिफारिशों पर आधारित। नियुक्ति के दौरान राज्य के राज्यपाल और भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) से परामर्श किया जाता है।

कार्यकाल

- कोई निश्चित अवधि नहीं।

- सेवानिवृत्ति आयु: 62 वर्ष (उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए)।
- सिफारिश होने पर सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया जा सकता है।

अमेरिका के साथ खनिज सौदे में प्रमुख वार्ताकार, यूलिया स्विरीडेको, यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री नियुक्त



यूक्रेन की संसद ने यूलिया स्विरीडेको को 19वीं प्रधानमंत्री के रूप में मंजूरी दे दी, उनके पक्ष में 450 में से 262 मत पड़े।

पृष्ठभूमि और परिचय:

- 25 दिसंबर, 1985 को चेर्नोहिव में जन्म।
- कीव राष्ट्रीय व्यापार एवं अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त।
- इससे पहले नवंबर 2021 से प्रथम उप-प्रधानमंत्री और अर्थव्यवस्था मंत्री के रूप में कार्यरत।

कैबिनेट फेरबदल संदर्भ:

- 2022 के रूसी आक्रमण के बाद पहली बड़ी सरकारी फेरबदल का हिस्सा।
- निवर्तमान प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल को रुस्तम उमरोव की जगह रक्षा मंत्री के रूप में पुनः नियुक्त किया गया।

प्रमुख रणनीतिक लक्ष्य:

राजकोषीय अनुशासन लागू करने और बजट उपयोग को अनुकूलित करने के लिए सार्वजनिक वित्त के राष्ट्रव्यापी ऑडिट का नेतृत्व किया। विनियमन में तेजी लाने, घरेलू हथियारों के उत्पादन को बढ़ावा देने और सैन्य एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने का संकल्प

अंतर्राष्ट्रीय आयाम:

अप्रैल 2025 में अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर बातचीत करने और वाशिंगटन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए जानी जाती हैं। उनकी पदोन्नति का उद्देश्य आंशिक रूप से अमेरिका-यूक्रेन सहयोग को पुनर्जीवित करना है, खासकर भविष्य के ट्रम्प प्रशासन के तहत।

- नई ज़मीन तैयार करना: यूक्रेन के इतिहास में केवल दूसरी महिला प्रधानमंत्री और यूलिया टिमोशेंको के बाद 15 वर्षों में पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- राजनीतिक परिदृश्य: ज़ेलेंस्की की सर्वेंट ऑफ़ द पीपल पार्टी का बहुमत प्राप्त है, लेकिन मार्शल लॉ के तहत सत्ता के एकीकरण को लेकर आलोचना जारी है।

यूक्रेन

- राजधानी: कीव

- राष्ट्रपति: वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की
- मुद्रा: यूक्रेनी रिव्निया
- आधिकारिक भाषा: यूक्रेनी

न्यायमूर्ति सचदेवा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधीश बने, पद की शपथ ली



न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। समारोह स्थल: राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भोपाल स्थित राजभवन में शपथ दिलाई।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

26 दिसंबर 1964 को दिल्ली में जन्म। 1985 में बी.कॉम (ऑनर्स) और 1988 में दिल्ली विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की।

- कानूनी करियर की शुरुआत: 1 अगस्त 1988 को एक वकील के रूप में नामांकित।
- न्यायिक नियुक्तियाँ: अप्रैल 2013 में दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश और मार्च 2015 में स्थायी न्यायाधीश बने।
- अंतर्राष्ट्रीय अनुभव: ब्रिटिश काउंसिल छात्रवृत्ति के तहत 1992 में लंदन में कॉमनवेल्थ यंग लॉयर्स कोर्स में भाग लिया।
- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में स्थानांतरण: मई 2024 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में स्थानांतरण।
- कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश: जुलाई से सितंबर 2024 तक और फिर मई 2025 में दो बार कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।
- न्यायिक शक्ति संदर्भ: उनकी नियुक्ति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को मजबूत बनाने के व्यापक प्रयासों के तहत हुई है, जो न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहा है।

पुनीत कुमार गोयल मणिपुर के नए मुख्य सचिव नियुक्त



पुनीत कुमार गोयल को मणिपुर का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया।

- बैच और कैडर: एजीएमयूटी कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी, गोयल प्रशांत कुमार सिंह का स्थान लेंगे।
- पूर्व भूमिकाएँ: गोवा के मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत, दिल्ली के परिवहन विभागों और केंद्रीय एससी/एसटी/ओबीसी मंत्रालयों में वरिष्ठ पदों पर रहे।
- कार्यकाल: मणिपुर में उनकी प्रतिनियुक्ति 31 अगस्त 2025 को उनकी सेवानिवृत्ति तक वैध है।
- नियुक्ति का संदर्भ: जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद, फरवरी 2025 से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बीच यह नियुक्ति हुई है।
- निवर्तमान अधिकारी की नई भूमिका: प्रशांत कुमार सिंह अब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।
- प्रशासनिक महत्व: इस नियुक्ति को शासन व्यवस्था को बहाल करने और आगामी नीतिगत बदलावों के प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।
- संकट की पृष्ठभूमि: मणिपुर मैतेई-कुकी जातीय हिंसा से उबर रहा है, जिसमें 260 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई थी और लगभग 70,000 लोग विस्थापित हुए थे।

मणिपुर

- राजधानी: इम्फाल (कार्यकारी शाखा)
- राज्यपाल: अजय कुमार भल्ला
- संघ में प्रवेश: 15 अक्टूबर 1949
- राज्य के रूप में: 21 जनवरी 1972
- केंद्र शासित प्रदेश के रूप में: 1 नवंबर 1956
- ज़िले: 16

विक्रम मिसरी ने नए विदेश सचिव का पदभार संभाला



चीन के मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले अनुभवी राजनयिक विक्रम मिसरी ने भारत के नए विदेश सचिव का पदभार संभाला। 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी मिसरी ने विनय क्रात्रा का स्थान लिया। मिसरी ने ऐसे समय में महत्वपूर्ण पदभार संभाला है, जब भारत पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के बाद चीन के साथ अपने ठंडे संबंधों सहित विभिन्न विदेश नीति चुनौतियों से निपटने की कोशिश कर रहा है। मिसरी अपने पिछले कार्यकाल में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। उन्हें तीन

प्रधानमंत्रियों - इंदर कुमार गुजराल, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के निजी सचिव के रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है। उप एनएसए के रूप में नियुक्त होने से पहले, मिसरी 2019-2021 तक चीन में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत थे। अपने शानदार करियर में मिसरी ने स्पेन (2014-2016) और म्यांमार (2016-2018) में भारत के राजदूत के रूप में भी काम किया है, इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान, अमेरिका, जर्मनी, बेल्जियम और श्रीलंका सहित कई भारतीय मिशन में भी कार्य किया है।

केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे



केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उन्हें नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए तीसरी बार प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 72 वर्षीय ओली पुष्प कमल दहल प्रचंड का स्थान लेंगे, जो प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हार गए थे। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने श्री ओली को नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल)-नेपाली कांग्रेस (एनसी) गठबंधन का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।

नेपाल:

- राजधानी: काठमांडू
- राष्ट्रपति: राम चंद्र पौडेल
- मुद्रा: नेपाली रुपया

डॉ. अभिजात शेट को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया



भारत सरकार ने डॉ. अभिजात शेट को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. शेट वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) के अध्यक्ष हैं। एनबीईएमएस, नीट-पीजी और सुपर-स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रमों जैसी प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करता है।

पृष्ठभूमि:

डॉ. शेठ, डॉ. बी. एन. गंगाधर का स्थान लेंगे, जिन्होंने अक्टूबर में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन किसी अन्य पद के अभाव में उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं होने के कारण वे पद पर बने रहे। डॉ. शेठ अगस्त में होने वाली नीट-पीजी परीक्षा समाप्त होने तक अस्थायी रूप से एनबीईएमएस का नेतृत्व करते रहेंगे।

एनएमसी से जुड़ी समस्याएँ:

लगभग 9 महीनों तक, एनएमसी के अंतर्गत आने वाले चार स्वायत्त बोर्डों में प्रमुख पद रिक्त रहे, जिनमें चार में से तीन अध्यक्ष शामिल थे। यहाँ तक कि अध्यक्ष और एकमात्र सक्रिय अध्यक्ष ने भी इस्तीफा दे दिया था, जो स्वीकार नहीं किया गया।

भ्रष्टाचार के आरोप:

केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने मेडिकल कॉलेज नियमन में भ्रष्टाचार और हेराफेरी से संबंधित एक प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपों में शामिल हैं:

- गोपनीय निरीक्षण कार्यक्रम लीक करना
- अस्पष्ट संकाय और नकली मरीज़
- निजी संस्थानों को अनुकूल अनुमोदन के लिए रिश्त

एनएमसी क्या है?

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) भारत में चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा पेशेवरों के लिए नियामक निकाय है।

- स्थापना तिथि: 25 सितंबर 2020
- भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) का स्थान लिया

उद्देश्य:

- भारत में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना
- शुल्क, कॉलेजों और चिकित्सा नैतिकता को विनियमित करना
- चिकित्सा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना

सोनाली मिश्रा रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक नियुक्त



वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की पहली महिला महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किया गया है। वह मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मंजूरी दे दी है। वह 31 अक्टूबर, 2026 को अपनी सेवानिवृत्ति तक आरपीएफ की महानिदेशक के रूप में कार्यरत रहेंगी। मिश्रा, मनोज यादव का स्थान लेंगी, जो 31 जुलाई, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

करियर की मुख्य बातें

वर्तमान में मध्य प्रदेश पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक (चयन) के रूप में कार्यरत। पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ की किसी इकाई की कमान संभालने वाली पहली महिला (जुलाई 2021 में नियुक्त)। कश्मीर घाटी में महानिरीक्षक, बीएसएफ की खुफिया शाखा की प्रमुख और बीएसएफ में एडीजी के रूप में कार्य कर चुकी हैं। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमडीएस) और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएमएमएस) से सम्मानित।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के बारे में

- आरपीएफ अधिनियम, 1957 के तहत गठित।
- 1966 से रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्जे के मामलों में पूछताछ, गिरफ्तारी और मुकदमा चलाने का अधिकार प्राप्त।
- 20 सितंबर, 1985 को संघ का एक सशस्त्र बल घोषित किया गया।
- आरपीएफ रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार है।

अभिजीत किशोर 2025-26 के लिए COAI के अध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित



सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) ने अपनी वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपने नेतृत्व की घोषणा की है। वोडाफोन आइडिया (VIL) के मुख्य परिचालन अधिकारी अभिजीत किशोर को COAI का पुनः अध्यक्ष चुना गया है, जबकि भारती एयरटेल के मुख्य नियामक अधिकारी राहुल वत्स को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

COAI (सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया):

- 1995 में स्थापित
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत

मुख्य भूमिका:

- दूरसंचार ऑपरेटर्स, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और नेटवर्क अवसंरचना प्रदाताओं के हितों का प्रतिनिधित्व
- दूरसंचार विभाग (DoT) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) जैसे सरकारी निकायों के साथ मिलकर काम करता है
- नीतिगत सुधारों, विनियमों, स्पेक्ट्रम प्रबंधन और उद्योग विकास की वकालत करता है

सदस्य कंपनियाँ:

- मुख्य सदस्य:
- भारती एयरटेल

- रिलायंस जियो इन्फोकॉम
- वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (VIL)
- सहयोगी सदस्य: उपकरण निर्माता, अवसंरचना प्रदाता और प्रौद्योगिकी प्रदाता (जैसे, सिस्को, एरिक्सन, नोकिया, कालकॉम, आदि)

महानिदेशक: लेफ्टिनेंट जनरल एसपी कोचर (सेवानिवृत्त) प्रिया नायर हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त



हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL) ने 1 अगस्त, 2025 से प्रभावी, प्रिया नायर को नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) और प्रबंध निदेशक (MD) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। वह FMCG क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी में CEO और MD का पद संभालने वाली पहली महिला होंगी।

वर्तमान और पूर्व भूमिकाएँ:

प्रिया नायर वर्तमान में यूनिलीवर में ब्यूटी एंड वेल-बीइंग की अध्यक्ष हैं। नियामक अनुमोदन के अधीन, वह HUL के बोर्ड में भी शामिल होंगी और यूनिलीवर लीडरशिप एक्जीक्यूटिव की सदस्य बनी रहेंगी। सुश्री नायर 1995 में HUL में शामिल हुईं और उन्होंने होम केयर, ब्यूटी एंड वेल-बीइंग, और पर्सनल केयर विभागों में बिक्री, विपणन और कार्यकारी प्रबंधन में प्रमुख नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाई हैं।

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (HUL):

- क्षेत्र: फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG)
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र
- मूल कंपनी: यूनिलीवर पीएलसी (यूके स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी)
- स्थापना: 1933 (लीवर ब्रदर्स इंडिया लिमिटेड के रूप में)
- पुनर्नामकरण: HUL: 2007

भारतीय मूल के कार्यकारी सबीह खान को Apple Inc. का मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया गया

Apple Inc. ने भारतीय मूल के कार्यकारी सबीह खान को अपना नया मुख्य परिचालन अधिकारी (COO) नियुक्त करने की घोषणा की है। वे जेफ विलियम्स का स्थान लेंगे। खान, जो लगभग 30 वर्षों से Apple में कार्यरत हैं, वर्तमान में परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और इस महीने के अंत में औपचारिक रूप से COO का कार्यभार संभालेंगे।



Apple में नेतृत्व परिवर्तन

यह नियुक्ति एक नियोजित नेतृत्व परिवर्तन का हिस्सा है। जेफ विलियम्स, जो 2015 से COO के रूप में कार्यरत थे, इस वर्ष के अंत में अपनी सेवानिवृत्ति तक Apple Watch और डिज़ाइन टीमों की देखरेख करते हुए, CEO टिम कुक के साथ काम करते रहेंगे। विलियम्स की सेवानिवृत्ति के बाद, डिज़ाइन टीम सीधे टिम कुक को रिपोर्ट करेगी।

Apple Inc.

- स्थापना: 1 अप्रैल, 1976
- स्टीव जॉब्स, स्टीव वोज़नियाक और रोनल्ड वेन द्वारा
- मुख्यालय: क्यूपर्टिनो, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका
- सीईओ: टिम कुक

हरदीप सिंह बरार को BMW ग्रुप इंडिया का अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया गया



BMW ग्रुप ने हरदीप सिंह बरार को 1 सितंबर 2025 से BMW ग्रुप इंडिया का नया अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया है। वे विक्रम पावाह का स्थान लेंगे, जिन्हें BMW ग्रुप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का सीईओ नियुक्त किया गया है।

BMW ग्रुप इंडिया

- मुख्यालय: गुरुग्राम, हरियाणा
- विनिर्माण सुविधा: चेन्नई, तमिलनाडु
- क्षेत्रीय केंद्र: पुणे (वितरण), गुरुग्राम (प्रशिक्षण)
- प्रबंधित ब्रांड: BMW, MINI, BMW Motorrad

BMW:

- पूरा नाम: Bayerische Motoren Werke AG (BMW)
- स्थापना: 7 मार्च 1916
- मुख्यालय: म्यूनिख, बवेरिया, जर्मनी
- अध्यक्ष और CEO: ओलिवर जिप्से
- स्वामित्व वाले वैश्विक ब्रांड: BMW, MINI, रोल्स-रॉयस, BMW Motorrad (मोटरसाइकिल)

ICC ने संजोग गुप्ता को अपना नया CEO नियुक्त किया

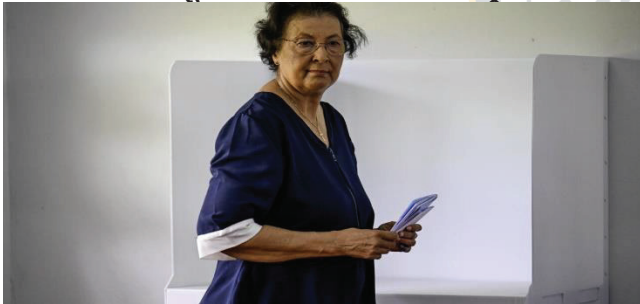


एक प्रमुख नेतृत्व विकास में, भारतीय मीडिया कार्यकारी संजोग गुप्ता को 7 जुलाई, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। मार्च 2025 में शुरू किए गए वैश्विक भर्ती अभियान के बाद गुप्ता इस पद पर आसीन हुए, जिसमें 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदक आए। एक सावधानीपूर्वक चयन प्रक्रिया के बाद, 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया, और गुप्ता को अंततः नामांकन समिति द्वारा अनुशंसित किया गया।

ICC

- गठन: 15 जून 1909
- मुख्यालय: दुबई, संयुक्त अरब अमीरात
- सदस्यता: 108 सदस्य
- अध्यक्ष: जय शाह
- उप अध्यक्ष: इमरान ख्वाजा

जेनिफर सिमंस सूरीनाम की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं



जेनिफर सिमंस को सूरीनाम की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है, जो दक्षिण अमेरिकी देश के राजनीतिक इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह चुनाव एक करीबी संसदीय चुनाव के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन समझौते के बाद हुआ है।

सूरीनाम की नेशनल असेंबली द्वारा निर्वाचित

सूरीनाम एक अप्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली का पालन करता है, जहां नेशनल असेंबली दो-तिहाई बहुमत से राष्ट्रपति का चुनाव करती है। डॉक्टर और संसद की पूर्व अध्यक्ष सिमंस ने सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच गठबंधन समझौते के बाद आवश्यक समर्थन हासिल किया।

सूरीनाम:

- राजधानी: पारामारिबो
- मुद्रा: सूरीनामी डॉलर (एसआरडी)

- राष्ट्रपति: जेनिफर सिमंस (पहली महिला राष्ट्रपति, 2025 में निर्वाचित)
- सीमाएँ:
- ब्राज़ील (दक्षिण)
- गुयाना (पश्चिम)
- फ्रेंच गुयाना (पूर्व)
- अटलांटिक महासागर (उत्तर)

प्रमुख नदियाँ:

- सूरीनाम नदी
- मारोनी नदी
- कोरेन्टाइन नदी

औपनिवेशिक इतिहास:

- पूर्व डच उपनिवेश
- 1975 में स्वतंत्रता प्राप्त की
- प्राकृतिक संसाधन: बॉक्साइट, सोना, तेल, लकड़ी, जलविद्युत क्षमता

अर्थव्यवस्था:

सोने और तेल के खनन और निर्यात पर काफी हद तक निर्भर उभरता हुआ अपतटीय तेल अन्वेषण क्षेत्र

राजनीतिक व्यवस्था:

एकात्मक राष्ट्रपति गणराज्य

राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से नेशनल असेंबली द्वारा किया जाता है

अंतर्राष्ट्रीय सदस्यताएँ: कैरिकॉम, यूएन, ओएसएस, एसीपी, G77

थाईलैंड ने राजनीतिक संकट के बीच दूसरे कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति की



राजनीतिक अस्थिरता की एक नई लहर में, थाईलैंड ने संवैधानिक न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावत्रा को निलंबित किए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही अपने दूसरे कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति कर दी है। यह निलंबन पूर्व कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ लीक हुई फोन बातचीत के जवाब में किया गया है, जिसमें कथित तौर पर मंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन किया गया था।

फुमथम वेचायाचाई ने अंतरिम भूमिका संभाली

थाईलैंड के आंतरिक मंत्री फुमथम वेचायाचाई ने आधिकारिक तौर पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला, उन्होंने सूर्या जुंगरुंगरेंगिकिट की जगह ली, जिन्होंने केवल एक दिन के लिए पद संभाला था। यह निर्णय नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक

के दौरान लिया गया, जो राजा महा वजीरालोंगकोर्न द्वारा मंत्रियों को शपथ दिलाने के बाद आयोजित की गई थी।

पैतोंगटार्न शिनावारा के खिलाफ आरोप

38 वर्षीय प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावारा को संवैधानिक न्यायालय द्वारा अस्थायी रूप से उनके कर्तव्यों से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जो अब जून के मध्य में हुन सेन के साथ एक फोन कॉल को लेकर उनकी जांच कर रहा है। इस आह्वान का उद्देश्य एक झड़प के बाद सीमा पर तनाव को कम करना था जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी, इसमें ऐसी टिप्पणियाँ शामिल थीं जिन्हें थाईलैंड के आलोचकों ने अपमानजनक माना - विशेष रूप से हुन सेन को "अंकल" कहना और थाई सेना के कमांडर की आलोचना करना।

अदालत ने 36 सीनेटरों की याचिका स्वीकार कर ली, जिसमें कहा गया था कि मंत्री पद की नैतिकता के उल्लंघन का संदेह करने के लिए पर्याप्त कारण थे, जिसके कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया।

थाईलैंड:

- राजधानी: बैंकॉक
- मुद्रा: थाई बहत (THB)
- वर्तमान सम्राट: राजा महा वजीरालोंगकोर्न (राम एक्स)
- वर्तमान कार्यवाहक प्रधानमंत्री: फुमथम वेचायाचाई (पैतोंगटार्न शिनावारा के निलंबन के बाद)
- महत्वपूर्ण नदी: चाओ फ्राया नदी
- प्रमुख क्षेत्र: पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, ऑटोमोबाइल, वस्त्र
- प्रमुख निर्यात: चावल, रबर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री भोजन
- आसियान, APEC, BIMSTEC, WTO के सदस्य
- राष्ट्रीय प्रतीक: हाथी
- पारंपरिक पोशाक: चुत थाई
- प्रसिद्ध त्यौहार: सोंगक्रान (थाई नव वर्ष - अप्रैल), लोय क्रथोंग (रोशनी का त्यौहार - नवंबर)
- संयुक्त राष्ट्र सदस्य: 1946 से
- आसियान संस्थापक सदस्य: हाँ (1967)

अमिताभ कांत को इंडिगो का गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया



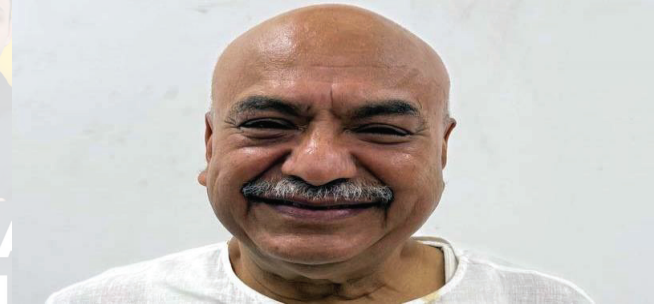
भारत की अग्रणी कम लागत वाली एयरलाइन, इंडिगो ने पूर्व G20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत को अपना गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य भारत के व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास के

अगले चरण में योगदान देने के इंडिगो के दृष्टिकोण का समर्थन करना है।

इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड):

- स्थापना: 2005; 4 अगस्त 2006 को परिचालन शुरू हुआ
- मुख्यालय: गुड़गांव, हरियाणा; प्रमुख केंद्र: दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, कोच्चि
- पुरस्कार: CAPA द्वारा "एयरलाइन ऑफ़ द ईयर 2024" नामित; स्काईट्रैक्स द्वारा दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ कम लागत वाली एयरलाइन (2024)
- उत्पाद: A321neo पर "इंडिगो स्टेच" (बिजनेस-क्लास) पेश किया गया; लॉयल्टी प्रोग्राम ब्लूचिप; महिला-विशिष्ट सीट वरीयता परीक्षण
- सीईओ: पीटर एल्बर्स (पूर्व में केएलएम के सीईओ) 2022 से
- संस्थापक: राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल

सुधांशु मित्तल भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने गए



भारतीय खेल प्रशासन में एक बड़े घटनाक्रम में, सुधांशु मित्तल को नई दिल्ली में महासंघ के मुख्यालय में हुए चुनावों के बाद भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है।

नए शासी निकाय की घोषणा

श्री मित्तल के साथ, नवगठित शासी निकाय में नए महासचिव के रूप में उपकार सिंह विर्क शामिल हैं। निकाय में ये भी शामिल हैं:

- 8 उपाध्यक्ष
- 4 संयुक्त सचिव
- 13 कार्यकारी सदस्य

इसके अलावा, एथलीट अश्विनी बिपिन पाटिल और मोनिका को एथलीट आयोग के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI):

- स्थापना: 1955 (पहला राष्ट्रीय टूर्नामेंट 1959 में)
- संबद्धता: अंतर्राष्ट्रीय खो-खो महासंघ (2018 से); एशियाई खो खो महासंघ
- अध्यक्ष: सुधांशु मित्तल
- महासचिव: एम.एस. त्यागी

पराग जैन दो साल के कार्यकाल के लिए नए रॉ प्रमुख नियुक्त किए गए



कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (राँ) का नया सचिव नियुक्त किया है। वे दो साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जो 30 जून, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी जैन वर्तमान में एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी) का नेतृत्व कर रहे हैं, जो हवाई निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए जाना जाता है। एआरसी ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

करियर की मुख्य बातें:

एसएसपी चंडीगढ़ के रूप में कार्य किया और जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद विरोधी प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के दौरान पाकिस्तान डेस्क को संभाला। श्रीलंका और कनाडा में भारतीय मिशन में तैनात; उत्तरी अमेरिका में खालिस्तानी मॉड्यूल पर नज़र रखी। क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खुफिया अभियानों में अनुभव के साथ राँ में 20 से अधिक वर्षों की सेवा।

अनुसंधान और विश्लेषण विंग:

- स्थापना तिथि: 21 सितंबर 1968
- द्वारा स्थापित: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी
- प्रथम प्रमुख: आर. एन. काओ
- मूल संगठन: कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार
- सीधे भारत के प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करता है
- वर्तमान प्रमुख: पराग जैन (30 जून, 2025 से 2 साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त)
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत

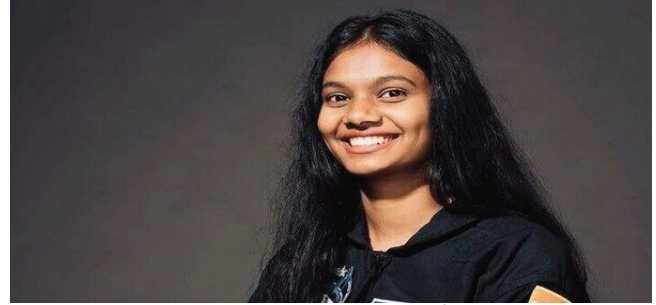
महत्वपूर्ण नोट:

- RAW संसद के प्रति जवाबदेह नहीं है (कई अन्य एजेंसियों के विपरीत), संचालन में गोपनीयता सुनिश्चित करता है।
- इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) के विपरीत, जो आंतरिक खुफिया जानकारी संभालता है, RAW बाहरी या विदेशी खुफिया जानकारी संभालता है।

इसकी विशेष शाखाएँ हैं जैसे:

- ARC (एविएशन रिसर्च सेंटर) - हवाई निगरानी के लिए
- NTRO (साझा समन्वय के साथ) - तकनीकी खुफिया जानकारी के लिए

भारत की जाह्नवी डांगेटी टाइटन्स स्पेस मिशन (2029) पर पहली भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनेंगी



आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले की 23 वर्षीय अंतरिक्ष उत्साही जाह्नवी डांगेटी 2029 में निर्धारित टाइटन्स स्पेस मिशन पर उड़ान भरने वाली पहली भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनने वाली हैं। अमेरिका स्थित निजी अंतरिक्ष एजेंसी टाइटन्स स्पेस इंडस्ट्रीज (TSI) द्वारा संचालित यह मिशन निजी वैश्विक अंतरिक्ष मिशनों में भारत के प्रतिनिधित्व में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित होगा।

टाइटन्स स्पेस मिशन 2029 के बारे में

टाइटन्स स्पेस ऑर्बिटल मिशन का पहला चरण पाँच घंटे तक चलेगा, जिसके दौरान अंतरिक्ष यान पृथ्वी की दो बार परिक्रमा करेगा, जिससे अंतरिक्ष यात्री दो सूर्योदय और दो सूर्यास्त देख सकेंगे। यह तीन घंटे तक निरंतर शून्य गुरुत्वाकर्षण भी प्रदान करेगा, जो वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष उड़ान विकास के लिए मूल्यवान परिस्थितियाँ प्रदान करेगा।

इस मिशन का नेतृत्व नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री और सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना कर्नल विलियम मैकआर्थर जूनियर करेंगे, जो वर्तमान में टाइटन्स स्पेस में मुख्य अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्यरत हैं।

केंद्र ने CBDT के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ाया



मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने रवि अग्रवाल को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। उनका बढ़ा हुआ कार्यकाल 1 जुलाई, 2025 से 30 जून, 2026 तक या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

अनुबंध के आधार पर पुनर्नियुक्ति

सरकारी अधिसूचना के अनुसार, रवि अग्रवाल की पुनर्नियुक्ति अनुबंध के आधार पर है। उनकी सेवा शर्तें भर्ती नियमों में आवश्यक छूट के साथ, पुनर्नियोजित केंद्र सरकार के अधिकारियों पर लागू मानक नियमों द्वारा शासित होंगी।

रवि अग्रवाल कौन हैं?

रवि अग्रवाल आयकर संवर्ग से 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी हैं। वे जुलाई 2023 से CBDT से जुड़े हुए हैं और जून 2024 में नितिन गुप्ता (1986 बैच के IRS अधिकारी) का स्थान लेते हुए अध्यक्ष का पदभार संभाला।

सीबीडीटी अध्यक्ष की भूमिका

सीबीडीटी अध्यक्ष के रूप में अग्रवाल निम्नलिखित के लिए जिम्मेदार हैं:

- प्रत्यक्ष कर नीतियों को तैयार करना और लागू करना
- आयकर विभाग की देखरेख करना
- प्रत्यक्ष कर मामलों पर वित्त मंत्रालय को सलाह देना
- सीबीडीटी आयकर विभाग के शीर्ष नीति-निर्माण निकाय के रूप में कार्य करता है और इसका नेतृत्व एक अध्यक्ष करता है, साथ ही विशेष सचिव के पद के छह सदस्य होते हैं।
- के तहत स्थापित: केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- पहले अध्यक्ष: जेम्स विल्सन (भारत में आयकर प्रणाली के संस्थापक, हालांकि सीबीडीटी संरचना बाद में विकसित हुई)
- रिपोर्ट: राजस्व सचिव, वित्त मंत्रालय

गीता गोपीनाथ आईएमएफ से इस्तीफा देंगी और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में फिर से शामिल होंगी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप-प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने अगस्त 2025 में पद छोड़ने और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अपनी शैक्षणिक भूमिका में लौटने की घोषणा की है। वह 1 सितंबर, 2025 को ग्रेगरी और एनिया कॉफ़ी अर्थशास्त्र की प्रथम प्रोफेसर के रूप में पुनः कार्यभार संभालेंगी।

शैक्षणिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि

गोपीनाथ का जन्म 1971 में कोलकाता में हुआ था।

शिक्षा:

- दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में बीए और एमए
- वाशिंगटन विश्वविद्यालय से एमए
- प्रिंसटन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी

शैक्षणिक कैरियर:

- शिकागो विश्वविद्यालय बूथ स्कूल में सहायक प्रोफेसर (2001-2005)
- हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर (2005-2022)
- आईएमएफ में मुख्य अर्थशास्त्री (2019-2022)
- आईएमएफ में प्रथम उप प्रबंध निदेशक (जनवरी 2022 से)

आईएमएफ में योगदान

- कोविड-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, समान टीका वितरण के लिए वैश्विक महामारी योजना का सह-लेखन किया।
- आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जोवा द्वारा वर्णित:
- उत्कृष्ट बौद्धिक नेता
- शानदार प्रबंधक
- आईएमएफ के मिशन और सदस्य देशों के प्रति समर्पित

पदभार

- पद: संस्थान: कार्यकाल
- मुख्य अर्थशास्त्री: आईएमएफ: 2019-2022
- प्रथम उप प्रबंध निदेशक: आईएमएफ: 2022-2025
- जॉन ज्वानस्ट्रा प्रोफेसर: हार्वर्ड विश्वविद्यालय: 2005-2022
- सहायक प्रोफेसर: शिकागो विश्वविद्यालय बूथ स्कूल: 2001-2005

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ):**स्थापना:**

27 दिसंबर 1945 (औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया) कार्यक्रम 1 मार्च 1947 को शुरू हुआ

- मुख्यालय: वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका
- सदस्यता: 190 देश (2024 तक)
- लेनदेन की मुद्रा: विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) - आईएमएफ की लेखा इकाई
- प्रबंध निदेशक (2024 तक): क्रिस्टालिना जॉर्जोवा (बुल्गारिया)
- मतदान शक्ति: कोटा प्रणाली पर आधारित - कोई देश जितना अधिक योगदान देता है, उसके पास उतने ही अधिक वोट होते हैं।

उद्देश्य:

- अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना
- वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाना
- उच्च रोज़गार और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना
- दुनिया भर में गरीबी कम करना

भारत और आईएमएफ:

- भारत एक संस्थापक सदस्य है।
- वर्तमान कोटा हिस्सेदारी: लगभग 2.75%
- मतदान शक्ति के मामले में भारत 8वें स्थान पर है (लगभग)

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यकाल के बीच में ही इस्तीफा दे दिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस्तीफा दे दिया। उन्होंने 2022 में पदभार ग्रहण किया था और भारतीय इतिहास में अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा देने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति बने।



इस्तीफे से संबंधित संवैधानिक प्रावधान

- संविधान के अनुच्छेद 67(क) के अनुसार, उपराष्ट्रपति भारत के राष्ट्रपति को लिखित त्यागपत्र देकर इस्तीफा दे सकते हैं।
- अनुच्छेद 67 उपराष्ट्रपति के कार्यकाल को नियंत्रित करता है।
- संविधान में कार्यवाहक उपराष्ट्रपति का प्रावधान नहीं है।

उपराष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वहन कौन करता है?

- उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, राज्यसभा के उपसभापति, वर्तमान में हरिवंश नारायण सिंह, सदन की अध्यक्षता करेंगे।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति भी होते हैं।

चुनाव कब होगा?

उपराष्ट्रपति पद के रिक्त पद को भरने की कोई निश्चित समय सीमा नहीं है। चुनाव आयोग कार्यक्रम की घोषणा करेगा। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के तहत होता है।

उपराष्ट्रपति का चुनाव कैसे होता है?

- निर्वाचित: संसद के दोनों सदनों के सदस्यों, जिनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं, से मिलकर बना एक निर्वाचक मंडल।

- मतदान पद्धति: एकल संक्रमणीय मत के साथ आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली का उपयोग करते हुए गुप्त मतदान।
- स्थान: मतदान संसद भवन, नई दिल्ली में होता है।
- निर्वाचन अधिकारी: लोकसभा या राज्यसभा के महासचिव (रोटेशन के आधार पर)।

नए उपराष्ट्रपति का कार्यकाल

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पूरे पाँच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेंगे - केवल धनखड़ के शेष कार्यकाल के लिए नहीं।

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्रता मानदंड

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए, व्यक्ति को निम्नलिखित योग्यताएँ पूरी करनी होंगी:

- भारत का नागरिक होना चाहिए
- कम से कम 35 वर्ष का होना चाहिए
- राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के योग्य होना चाहिए
- किसी संसदीय क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए
- सरकार के अधीन कोई लाभ का पद धारण नहीं करना चाहिए (राष्ट्रपति, राज्यपाल या मंत्री को छोड़कर)

ऐतिहासिक संदर्भ

जगदीप धनखड़, कार्यकाल के बीच में इस्तीफा देने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति हैं, इससे पहले:

- वी.वी. गिरि (राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दिया)
- आर. वेंकटरमन (इसी कारण से इस्तीफा दिया)
- उनके बाद क्रमशः गोपाल स्वरूप पाठक और शंकर दयाल शर्मा ने पदभार संभाला।

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है !
लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता !!

"जिन्दगी में तकलीफ कितनी भी हो कभी हताश मत होना
क्योंकि धूप कितनी भी तेज क्यों न हो समंदर कभी
सुखा नहीं होता !!

राजतन्त्र एवं शासन

संसद ने राज्यसभा द्वारा अनुमोदित बिल ऑफ लैडिंग विधेयक 2025 को पारित कर दिया है।

मार्च में लोकसभा में पारित होने के बाद, बिल ऑफ लैडिंग (संशोधन) विधेयक, 2025 को राज्यसभा द्वारा संसद में पारित कर दिया गया है।

- उद्देश्य: औपनिवेशिक काल के भारतीय बिल ऑफ लैडिंग अधिनियम, 1856 को समुद्री नौवहन दस्तावेज़ीकरण के लिए एक आधुनिक, सुव्यवस्थित कानूनी ढाँचे से प्रतिस्थापित करना।

मुख्य प्रावधान:

- पुराने कानून का प्रतिस्थापन: 1856 के अधिनियम को निरस्त और प्रतिस्थापित करते हुए, इसका नाम बदलकर बिल ऑफ लैडिंग अधिनियम, 2025 कर दिया गया है।
- आधुनिक कानूनी स्पष्टता: व्यापार-अनुकूल भाषा अपनाई गई है, प्रावधानों को पुनर्गठित किया गया है, और अस्पष्टता को कम किया गया है।
- धारकों के अधिकार: यह पुष्टि करता है कि प्राप्तकर्ता या किसी भी पृष्ठांकितकर्ता को बिल ऑफ लैडिंग के अंतर्गत माल और देनदारियों पर पूर्ण कानूनी अधिकार प्राप्त हैं।
- सरकारी निर्देश सक्षम: केंद्र सरकार को प्रभावी कानून कार्यान्वयन के लिए निर्देश जारी करने का अधिकार देता है।
- कानूनी निरंतरता: 1856 अधिनियम के तहत पिछले कार्यों को वैध बनाए रखने के लिए मानक निरसन और छुटकारे संबंधी खंड शामिल हैं।

रणनीतिक प्रभाव:

- वैश्विक संरेखण: वैश्विक व्यापार में सहायता के लिए भारत के शिपिंग दस्तावेज़ों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों—जैसे, इलेक्ट्रॉनिक बिल ऑफ लैडिंग को अपनाना—के साथ सुसंगत बनाता है।
- दक्षता और स्पष्टता: कम कागजी कार्रवाई, तेज़ कार्गो हैंडलिंग और कम विवादों को बढ़ावा देता है।
- आर्थिक प्रोत्साहन: सागरमाला पहल (बंदरगाहों और तटीय बुनियादी ढांचे में ₹5.5 लाख करोड़ का निवेश) का समर्थन करता है, 2014 से बंदरगाह क्षमता को दोगुना करता है और 2047 तक शीर्ष पाँच जहाज निर्माण का लक्ष्य रखता है।

लोकसभा में दो विधेयकों—राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025—का प्रस्ताव।

सरकार बहुप्रतीक्षित 'राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025' को संसद में पेश करेगी। इस विधेयक के पारित होने से राष्ट्रीय महासंघों (एनएसएफ) के पारदर्शी और निष्पक्ष कामकाज के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार होगा और सुरक्षित खेल एवं शिकायत

निवारण प्रणालियों के माध्यम से एथलीटों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025:

- एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) की स्थापना, जिसके पास राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने या उनकी मान्यता रद्द करने का अधिकार होगा, और महत्वपूर्ण कुशासन या धन के दुरुपयोग की निगरानी के लिए आरक्षित प्राधिकरण होगा।
- एक स्वतंत्र चुनाव पैनल के तहत अनिवार्य चुनाव, जिसमें पूर्व चुनाव अधिकारी पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करेंगे।
- महासंघ की कार्यकारी समितियों में "उत्कृष्ट योग्यता" वाले दो एथलीटों और कम से कम चार महिलाओं को शामिल किया जाएगा।
- राष्ट्रीय खेल महासंघों, जिनमें बीसीसीआई जैसी पूर्व स्वायत्त संस्थाएँ भी शामिल हैं, पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम लागू करना, जिससे वित्तीय और निर्णय लेने में पारदर्शिता सुनिश्चित हो।
- चयन, चुनाव और प्रशासन से संबंधित विवादों का शीघ्र निपटारा करने के लिए एक राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण का गठन, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में अपील का विकल्प भी शामिल है।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025:

- विश्व डोपिंग रोधी संहिता और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के मानकों के अनुरूप, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और उसके अपील पैनल की स्वतंत्रता और स्वायत्तता को सुदृढ़ करना।
- वाडा के नियमों को—जैसे, डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघनों को शामिल करना—लागू करने योग्य भारतीय कानून में शामिल करके कानूनी संरेखण सुनिश्चित करें।
- सरकारी हस्तक्षेप की चिंताओं को दूर करते हुए, नाडा पर सरकारी निगरानी वाले बोर्ड के नियंत्रण की अनुमति देने वाले पिछले खंडों को हटाएँ।
- नाडा को परिचालन स्वायत्तता प्रदान करें—इसका नेतृत्व खेल महासंघों, ओलंपिक/पैरालंपिक समितियों या सरकारी संस्थाओं से प्रभावित नहीं हो सकता।
- स्वतंत्र डोपिंग रोधी पैनलों को सशक्त बनाएँ, एथलीटों की शिक्षा के पक्ष में दंडात्मक जुर्माने कम करें, और प्रक्रियाओं को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाएँ।

बीसीसीआई के लिए इसका क्या अर्थ है?

- बीसीसीआई अब एनएसबी के तहत कानूनी ढाँचे के अंतर्गत आएगा और उसे किसी भी अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघ की तरह पारदर्शिता, चुनाव नियमों, आरटीआई और शासन मानकों का पालन करना होगा।
- इसके संचालन—प्रशासन, वित्त और चयन तंत्र सहित—जांच, लेखा परीक्षा और कानूनी जवाबदेही के अधीन होंगे, जो पिछली स्वायत्तता से बदलाव का प्रतीक है।

कर्नाटक में प्रस्तावित नया रोहित वेमुला विधेयक 2025 क्या है? जाने विस्तार से

2016 में आत्महत्या करने वाले दलित पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला के नाम पर एक विधेयक कर्नाटक में विचाराधीन है ताकि राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के साथ भेदभाव को रोका जा सके।

- उद्देश्य और दायरा: इसका उद्देश्य सभी उच्च शिक्षा संस्थानों - सरकारी, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों - में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक छात्रों के लिए जाति-आधारित बहिष्कार को रोकना और शिक्षा और सम्मान के अधिकार को संरक्षित करना है।
- नाम: डॉ. रोहित वेमुला, एक दलित पीएचडी स्कॉलर, जिनकी 2016 में जातिगत भेदभाव का हवाला देते हुए आत्महत्या ने व्यापक बहस छेड़ दी थी।
- कानूनी वर्गीकरण: भेदभाव के अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती हैं, जिसका अर्थ है कि तत्काल पुलिस कार्रवाई और बिना वारंट के गिरफ्तारी की अनुमति है।

दंड:

- पहला अपराध: न्यूनतम 1 वर्ष का कारावास, ₹10,000 का जुर्माना, और पीड़ित को ₹1 लाख तक का संभावित मुआवजा।
- बार-बार अपराध करने पर: 3 साल की कैद, ₹1 लाख का जुर्माना
- पीड़ित निवारण: पीड़ित या उनके परिजन जाति-आधारित भेदभाव के लिए सीधे पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
- संस्थागत जवाबदेही: समान पहुँच (जाति, नस्ल, लिंग, पंथ के आधार पर) से वंचित करने वाली संस्थाओं पर जुर्माना लगाया जा सकता है, उन्हें कारावास हो सकता है और राज्य के वित्त पोषण या अनुदान से वंचित होने का जोखिम हो सकता है।
- प्रक्रियात्मक ढाँचा: इस विधेयक के तहत अपराधों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए विशेष अदालतें और सरकारी अभियोजक स्थापित किए जाएंगे।
- विधायी समय-सीमा: राहुल गांधी द्वारा वेमुला के नाम पर कानून बनाने की सिफारिश के बाद, जुलाई 2025 के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा।

कर्नाटक

- राजधानी: बेंगलुरु (कार्यकारी शाखा)
- मुख्यमंत्री: सिद्धारमैया
- राज्यपाल: थावर चंद गहलोत
- पक्षी: इंडियन रोलर
- ज़िले: 31

केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को और अधिक शक्तियाँ दीं

केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को और अधिक शक्तियाँ दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम,

2019 में संशोधन किया है, जिससे उपराज्यपाल के अधिकार काफी मजबूत हो गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा अधिनियम के तहत 'कारोबार के लेन-देन के नियमों' में संशोधन करते हुए एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि ये नियम आधिकारिक राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे। यह कदम अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों, पुलिस के स्थानांतरण और पोस्टिंग के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के मामलों में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को और अधिक सशक्त बनाएगा। अतीत में, पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवाओं और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संबंधित प्रस्तावों को उपराज्यपाल के पास पहुँचने से पहले जम्मू-कश्मीर के वित्त विभाग से अनुमोदन की आवश्यकता होती थी। संशोधित नियमों के तहत, ऐसे प्रस्तावों को अब केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव के माध्यम से सीधे उपराज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

जम्मू और कश्मीर:

- केंद्र शासित प्रदेश: 31 अक्टूबर 2019
- राजधानियाँ: श्रीनगर (मई-अक्टूबर), जम्मू (नवंबर-अप्रैल)
- उपराज्यपाल: मनोज सिन्हा

लघु लेख

बिहार में भारत का पहला मोबाइल ई-वोटिंग: चुनाव सुधार में एक मील का पथर

28 जून, 2025 को, बिहार पायलट आधार पर मोबाइल-आधारित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग (ई-वोटिंग) लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया। यह पहल शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान चुनिंदा जिलों में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को अधिक समावेशी, सुलभ और तकनीक-सक्षम बनाना था।

प्रमुख कार्यान्वयन निकाय:

- राज्य चुनाव आयोग (एसईसी), बिहार
- उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक)
- पटना, बक्सर, रोहतास, पूर्वी चंपारण में स्थानीय नगर निकाय
- आईआईटी मद्रास सहित विभिन्न संस्थानों से तकनीकी सहायता

मोबाइल ई-वोटिंग के उद्देश्य:

- दूरस्थ स्थानों से मतदान की सुविधा प्रदान करके अधिक मतदान सुनिश्चित करना।
 - प्रवासी श्रमिकों, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधा प्रदान करना।
 - भारतीय चुनाव प्रणाली में सुरक्षित, ऐप-आधारित, दूरस्थ मतदान की व्यवहार्यता का परीक्षण करना।
- सार्वजनिक मतदान प्रक्रियाओं में ब्लॉकचेन, बायोमेट्रिक सत्यापन और एन्क्रिप्शन के एकीकरण का पता लगाना।

यह प्रणाली कैसे काम करती है:**चरण: प्रक्रिया**

1. पंजीकरण: मतदाता एसईसी बिहार मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र और आधार विवरण के साथ पंजीकरण करते हैं।
2. प्रमाणीकरण: धोखाधड़ी को रोकने के लिए चेहरे की पहचान, ओटीपी सत्यापन और बायोमेट्रिक पुष्टिकरण किया जाता है।
3. मतदान मतदाता: निर्धारित समय सीमा के भीतर मोबाइल ऐप के माध्यम से अपना वोट डालें।
4. मतदान रिकॉर्डिंग: सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉकचेन एन्क्रिप्शन का उपयोग करके वोट रिकॉर्ड किए जाते हैं।
5. सत्यापन: ऑडिट ट्रेल्स और मॉनिटरिंग डैशबोर्ड जैसी सुविधाओं के साथ एक सुरक्षित डिजिटल लॉग प्रत्येक डाले गए वोट का रिकॉर्ड रखता है।

पायलट चरण के परिणाम:

- दिनांक: 28 जून, 2025
- शामिल नगर पालिकाएँ: पटना, रोहतास, पूर्वी चंपारण और बक्सर में 6

मतदान प्रतिशत:

- मोबाइल मतदान के लिए 10,000 से ज़्यादा मतदाताओं ने पंजीकरण कराया
- भाग लेने वाले क्षेत्रों में मोबाइल ई-वोटिंग के ज़रिए 70% से ज़्यादा मतदान हुआ
- पहला मतदाता: भारत में पहला रिकॉर्डेड मोबाइल वोट मोतिहारी की बिभा कुमारी नामक महिला ने डाला
- उल्लेखनीय भागीदारी: विदेशों (दुबई, कतर) से आए प्रवासी मतदाताओं ने दूर से ही सफलतापूर्वक मतदान किया

पहल का महत्व:

लोकतांत्रिक समावेशन:

घरेलू प्रवासियों और बुजुर्गों को मतदान की मुख्यधारा में लाने का अपनी तरह का पहला प्रयास

तकनीकी प्रगति:

चुनावों में ब्लॉकचेन तकनीक का अग्रणी उपयोग बायोमेट्रिक फेस ऑथेंटिकेशन और मोबाइल-आधारित सुरक्षित लॉगिन का उपयोग

बढ़ी हुई पहुँच:

घर से या निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से मतदान की आसान पहुँच भौतिक मतदान ढाँचे पर कम दबाव

भविष्योन्मुखी मॉडल:

विधायी परिवर्तनों के अधीन, राज्य और राष्ट्रीय चुनावों में अपनाने की व्यवहार्यता प्रदर्शित करता है।

चुनौतियाँ और चिंताएँ:**चुनौती: विवरण**

- साइबर सुरक्षा जोखिम: डेटा लीक, हैकिंग के प्रयास, या परिणामों में हेरफेर
- डिजिटल विभाजन: ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्टफ़ोन/इंटरनेट तक सीमित पहुँच
- प्रमाणीकरण संबंधी समस्याएँ: चेहरे की पहचान या आधार लिंकिंग में त्रुटियाँ मतदाताओं को मतदान से बाहर कर सकती हैं।
- कानूनी सीमाएँ: राष्ट्रीय स्तर पर दूरस्थ ई-वोटिंग का समर्थन करने के लिए मौजूदा चुनावी कानूनों में संशोधन की आवश्यकता हो सकती है।

कानूनी और संवैधानिक दृष्टिकोण:

- अनुच्छेद 326: सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करता है।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951: मतदान की प्रक्रियाएँ निर्धारित करता है (अधिकतर व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा)।
- यदि मोबाइल ई-वोटिंग को देश भर में अपनाया जाता है, तो इसके लिए निम्नलिखित की आवश्यकता होगी:

विधायी संशोधन

- मज़बूत डेटा सुरक्षा कानून
- सुरक्षित और सूचित भागीदारी के लिए मतदाता शिक्षा कार्यक्रम

वैश्विक मॉडलों के साथ तुलना:

- देश: ई-वोटिंग की स्थिति
- एस्टोनिया: 2005 से राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन वोटिंग वाला एकमात्र देश
- अमेरिका: सीमित पायलट परियोजनाएँ; राष्ट्रीय स्तर पर कोई अपनाया नहीं गया
- भारत: बिहार नगरपालिका चुनावों के लिए मोबाइल ई-वोटिंग शुरू करने वाला पहला राज्य बना

ट्रम्प का "वन बिग ब्यूटीफुल बिल": अमेरिकी नीति में व्यापक बदलाव

वन बिग ब्यूटीफुल बिल अधिनियम, 119वीं अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित एक बजट सुलह कानून है, जिसमें कर और व्यय नीतियाँ शामिल हैं जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का मूल आधार हैं। इस विधेयक पर राष्ट्रपति ट्रम्प ने 4 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षर किए थे।

उत्पत्ति और विधायी यात्रा

मई 2025 की शुरुआत में, रिपब्लिकन नेतृत्व वाले सदन ने H.R.1 का अनावरण किया, जिसे "वन बिग ब्यूटीफुल बिल" भी कहा

जाता है। बजट सुलह का उपयोग करके तैयार किए गए इस विधेयक ने सीनेट के फिलिबस्टर नियमों को दरकिनार कर दिया और प्रक्रिया को गति दी। निकटवर्ती संशोधनों के बाद, दोनों सदनों ने जुलाई की शुरुआत में इसे मंजूरी दे दी। सीनेट ने इसे 51-50 के मामूली अंतर से पारित कर दिया, जिसमें उपराष्ट्रपति वेंस ने टाई-ब्रेकिंग वोट डाला, जबकि सदन ने इसे 218-214 से पारित कर दिया। राष्ट्रपति ट्रम्प ने 4 जुलाई, 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए, जिससे यह विधेयक अमेरिका के लिए एक नए युग की शुरुआत करने वाली स्वतंत्रता की आधुनिक घोषणा बन गया।

अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में, ट्रम्प ने इस विधेयक को कामकाजी परिवारों, छोटे व्यवसायों और राष्ट्रीय सुरक्षा से किए गए वादों की पूर्ति बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह मज़बूत आर्थिक विकास, बढ़ी हुई ऊर्जा स्वतंत्रता और मज़बूत सीमा सुरक्षा प्रदान करेगा।

ओबीबीबीए में सैकड़ों प्रावधान शामिल हैं, अनुमान है कि इससे राष्ट्रीय ऋण में लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी और 10 वर्षों की अवधि में कर राजस्व में लगभग 4.46 ट्रिलियन डॉलर की कटौती होने का अनुमान है।

कर सुधार

- 2017 कर कटौती: ट्रम्प-युग की व्यक्तिगत कर दरों को स्थायी रूप से बढ़ाया गया।
- एसएएलटी कटौती: 500,000 डॉलर से कम कमाने वालों के लिए 5 वर्षों के लिए सीमा को बढ़ाकर 40,000 डॉलर कर दिया गया, उसके बाद इसे वापस 10,000 डॉलर कर दिया गया।
- टिप्स और ओवरटाइम: 150,000 डॉलर से कम कमाने वाले श्रमिकों के लिए कर कटौती (25,000 डॉलर तक) का प्रावधान; 2028 में समाप्त हो रहा है।
- ऑटो लोन ब्याज: अमेरिका में निर्मित कार लोन (2025-2028) के लिए \$10,000/वर्ष तक की कटौती की अनुमति देता है; \$100,000/\$200,000 से अधिक आय पर चरणबद्ध तरीके से समाप्त।
- वरिष्ठ कर राहत: \$75,000 से कम आय वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए \$6,000 की कटौती प्रदान करता है (इससे अधिक पर चरणबद्ध तरीके से समाप्त); 2028 में समाप्त।
- बाल कर क्रेडिट: \$2,200 तक बढ़ाया गया और मुद्रास्फीति के अनुसार अनुक्रमित; कम आय वाले परिवारों के लिए वापसी योग्य हिस्सा अपरिवर्तित।
- ट्रम्प खाते: 2025-2028 में जन्मे बच्चों के लिए जन्म के समय \$1,000 प्रदान करता है; माता-पिता शिक्षा, प्रशिक्षण या घर के डाउन पेमेंट के लिए \$5,000/वर्ष तक कर-स्थगित योगदान कर सकते हैं।

ऊर्जा एवं पर्यावरण

हरित कर क्रेडिट चरणबद्ध समाप्ति:

- पवन/सौर: 2028 तक समाप्त, बशर्ते परियोजनाएँ जून 2026 तक शुरू न हो जाएँ या दिसंबर 2027 तक ऑनलाइन न हो जाएँ।
- ईवी कर क्रेडिट सितंबर 2025 तक समाप्त; ईवी चार्जर क्रेडिट जून 2026 तक समाप्त।
- जैव ईंधन क्रेडिट: 2031 तक बढ़ाया गया।
- मीथेन शुल्क: 10 वर्षों के लिए स्थगित।
- ऊर्जा पक्षपात: धातुकर्म कोयले के लिए 2.5% कर क्रेडिट लागू।

संघीय व्यय एवं ऋण

- ऋण सीमा: \$5 ट्रिलियन तक बढ़ाई गई।
- खर्च में कटौती: \$1.2 ट्रिलियन की कटौती, मुख्यतः मेडिकेड और SNAP से।
- मेडिकेयर दवा वार्ता: वार्ता शक्ति को कमजोर करती है, जिससे अनुमानित \$5 बिलियन की बचत का नुकसान होता है।

स्वास्थ्य सेवा और मेडिकेड

मेडिकेड सुधार:

- कार्य आवश्यकता: 19-64 आयु वर्ग के लिए 80 घंटे/माह।
- कुछ नामांकित व्यक्तियों के लिए सेवा शुल्क में \$35 तक की वृद्धि।
- अर्द्धवार्षिक पात्रता जाँच और नई आय-आधारित लागत-साझाकरण।
- प्रदाता कर को 2031 तक 6% से घटाकर 3.5% किया गया।
- 1 महीने से अधिक की पूर्वव्यापी कवरेज समाप्त।
- न्यूनतम नर्सिंग होम स्टाफिंग अनिवार्य।
- पात्रता प्राप्त करने से पहले ग्रीन कार्ड धारकों के लिए 5 साल की प्रतीक्षा।
- नियोजित पितृत्व के लिए मेडिकेड के उपयोग को 1 वर्ष के लिए अवरुद्ध किया गया।
- \$50 बिलियन का ग्रामीण अस्पताल कोष बनाया गया (पहले \$25 बिलियन)।
- प्रीमियम कर क्रेडिट को सीमित किया गया और अनुचित भुगतानों को कम किया गया।

SNAP (खाद्य सहायता)

- कार्य आवश्यकताएँ: 18-64 वर्ष की आयु तक बढ़ाई गई।
- राज्य लागत साझाकरण: 6% से अधिक त्रुटि दर वाले राज्य लाभ लागत का 15% तक भुगतान करते हैं।
- कटौती:
- 2025-2034 तक \$186 बिलियन की कटौती।
- राज्यों के लिए प्रशासनिक लागत विभाजन बढ़ाकर 75% कर दिया गया।
- मोटापा निवारण अनुदान निरस्त।
- मितव्ययी खाद्य योजना के अद्यतनों को सीमित करता है।

छात्र ऋण सीमाएँ:

- स्नातक ऋण: \$20,500/वर्ष, \$100,000 आजीवन।
- व्यावसायिक डिग्रियाँ: \$50,000/वर्ष, \$200,000 आजीवन।
- कुल आजीवन उधारी \$257,000 तक सीमित।
- स्नातक प्लस ऋण समाप्त।
- आय-आधारित पुनर्भुगतान का पुनर्गठन।
- भ्रामक स्कूलों से ऋण रद्द करने वाले बाइडेन-युग के नियम को स्थगित।

रक्षा व्यय - कुल: 150 अरब डॉलर विवरण:

- 29 अरब डॉलर: जहाज निर्माण
- 25 अरब डॉलर: "गोल्डन डोम" मिसाइल रक्षा
- 25 अरब डॉलर: युद्ध सामग्री
- 16 अरब डॉलर: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सैन्य तकनीक (जैसे, ड्रोन)
- 15 अरब डॉलर: परमाणु निवारण
- 12 अरब डॉलर: हिंद-प्रशांत अभियान
- 25 अरब डॉलर: आवास और बुनियादी ढाँचा
- 23 अरब डॉलर: अमेरिकी तटरक्षक बल

आव्रजन और सीमा सुरक्षा - कुल: 170 अरब डॉलर

- आईसीई बजट: 2029 तक 10 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर से अधिक किया गया।
- प्रमुख आवंटन:
- 46.5 अरब डॉलर: सीमा दीवार
- 45 अरब डॉलर: हिरासत केंद्र (1 लाख क्षमता)
- 29.9 अरब डॉलर: एजेंटों की भर्ती और निर्वासन अभियान (10 हजार नए अधिकारी)
- 17.3 अरब डॉलर: राज्य/स्थानीय सीमा प्रवर्तन
- 10 अरब डॉलर: रक्षा मंत्रालय की प्रतिपूर्ति
- 7.8 अरब डॉलर: सीमा गश्त (3,000 नए एजेंट)
- \$6.2 बिलियन: सीमा प्रौद्योगिकी
- \$3.3 बिलियन: आव्रजन न्यायाधीश और कर्मचारी

शुल्क:

- प्रति वर्ष \$100 शरण आवेदन शुल्क
- रोज़गार प्राधिकरण के लिए \$550
- अस्थायी संरक्षित स्थिति के लिए \$500
- गैर-आप्रवासी वीज़ा के लिए \$250
- प्रेषण पर 1% कर (हाउस संस्करण में 3.5% प्रस्तावित)

शिक्षा एवं बंदोबस्ती

- कॉलेज बंदोबस्ती कर: 3,000 से अधिक छात्रों वाले कॉलेजों पर 1.4-8% और \$500,000/छात्र बंदोबस्ती।
- धार्मिक कॉलेज: बर्द नियम के कारण कोई छूट नहीं।
- 10 वर्षों में \$761 मिलियन जुटाए।

विविध व्यय और कार्यक्रम

- नासा निधि - \$10 बिलियन:
- \$4.1 बिलियन: अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली
- \$2.6 बिलियन: चंद्र गेटवे
- \$1.25 बिलियन: अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन संचालन
- \$700 मिलियन: मंगल दूरसंचार कक्षीय यान

स्टेनिस, केनेडी, जॉनसन आदि में सुविधाओं का उन्नयन

- हवाई यातायात नियंत्रण: \$12 बिलियन
- विरासत परियोजनाएँ: \$40 मिलियन: अमेरिकी नायकों का राष्ट्रीय उद्यान

कृषि:

- \$54 बिलियन: बढ़ी हुई मूल्य हानि कवरेज
- \$6.3 बिलियन: फसल बीमा
- \$2.9 बिलियन: आपदा राहत

प्रौद्योगिकी और विनियमन:

- FCC/NTIA 2034 तक 600 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी करेगा (जिसका मूल्य \$85 बिलियन तक होगा)
- \$800 से कम की न्यूनतम शुल्क-मुक्त आयात सीमा को निरस्त करता है।
- उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो की निधि को आधार करता है।

बंदूकें और विकिरण:

- सप्रेसर्स और छोटी बैरल वाली राइफलों पर 200 डॉलर का कर समाप्त।
- विकिरण जोखिम क्षतिपूर्ति अधिनियम का विस्तार।
- मूल्यहास: योग्य उत्पादन संपत्ति पर धारा 179 के तहत 100% कटौती की अनुमति।

सार्वजनिक और राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ समर्थकों का दृष्टिकोण

- इसे श्रमिक-समर्थक, परिवार-समर्थक और अमेरिकी लघु-व्यवसाय समर्थक पैकेज के रूप में चित्रित किया गया है।
- इसमें परिवारों के लिए वापसी योग्य अतिरिक्त क्रेडिट, नवजात बचत खाते और बेहतर ओवरटाइम उपचार शामिल हैं।
- व्हाइट हाउस का दावा है कि अधिकांश परिवारों को घर ले जाने वाले वेतन में 10,000 डॉलर तक की वृद्धि मिलेगी।

आलोचकों की चिंताएँ

- विपक्षी नेता इसे एक प्रतिगामी सामाजिक वापसी कहते हैं, खासकर मेडिकेड और पोषण कार्यक्रमों में कटौती के कारण।
- हास्य कलाकारों और टिप्पणीकारों ने विधेयक की प्राथमिकताओं की खिल्ली उड़ाई है—खासकर स्वास्थ्य और भूख सहायता में भारी कटौती के साथ-साथ आव्रजन प्रवर्तन के लिए धन में वृद्धि।

- तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों ने चिंता जताई है: स्वच्छ-तकनीक प्रोत्साहनों को वापस लेने से अमेरिकी नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता बाधित हो सकती है।
- क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने राजकोषीय गैर-ज़िम्मेदारी और खराब प्रशासन का हवाला देते हुए अमेरिकी परिदृश्य को कम कर दिया है।
- वित्तीय बाजारों ने बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और अमेरिका के लिए कमजोर क्रेडिट परिदृश्य के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रभाव

- शुरुआत में धन प्रेषण पर 5% शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा गया था; इसे घटाकर 1% कर दिया गया, जिससे विदेश में धन भेजने वाले अप्रवासी परिवारों पर प्रभाव कम हो गया।
- वीजा शुल्क पर्यटकों, छात्रों और पेशेवरों के लिए लागत बढ़ा सकता है, जिससे वैश्विक समुदायों और विदेशी सरकारों की चिंता बढ़ गई है।
- बढ़ते घाटे और कम होती जलवायु प्रतिबद्धताओं ने व्यापार भागीदारों और निवेशकों के बीच अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व और वित्तीय स्थिरता को लेकर बहस छेड़ दी है।

भारत पर प्रभाव

1. धन प्रेषण कर

अमेरिका से आने वाले धन पर 1% कर उन भारतीय परिवारों को प्रभावित करता है जो विदेश में अपने रिश्तेदारों द्वारा भेजे गए धन पर निर्भर हैं।

हालाँकि यह प्रारंभिक प्रस्तावित 3.5% से कम है, फिर भी यह लाखों भारतीय परिवारों की प्रयोज्य आय को कम करता है।

2. वीजा अखंडता शुल्क

छात्र (F1), कार्य (H1B), और पर्यटन (B1/B2) श्रेणियों सहित अधिकांश गैर-आप्रवासी वीजा पर \$250 का शुल्क लगाता है। अमेरिका में पढ़ाई या काम करने की लागत बढ़ाता है, जिससे सालाना हज़ारों भारतीय छात्र और पेशेवर प्रभावित होते हैं।

3. छात्र ऋण सीमाएँ

स्नातक छात्र ऋणों पर सीमाएँ और स्नातक प्लस ऋणों को रद्द करने से भारतीय छात्रों के लिए अमेरिकी शिक्षा, विशेष रूप से चिकित्सा, कानून या एमबीए कार्यक्रमों जैसे महंगे क्षेत्रों में, वहन करना कठिन हो जाता है।

4. ग्रीन कार्ड और मेडिकेड प्रतिबंध

नए ग्रीन कार्ड धारकों के लिए मेडिकेड का उपयोग करने से पहले 5 साल की प्रतीक्षा अवधि शुरू की गई है।

"संघर्ष इंसान को मज़बूत बनाता है !
फिर चाहे वह कितना भी कमजोर क्यों न हो !!

हाल ही में भारत से आए प्रवासियों की स्वास्थ्य सुरक्षा कम हो जाती है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत बढ़ जाती है।

5. तकनीक और हरित क्षेत्र में कटौती

स्वच्छ ऊर्जा और ईवी क्रेडिट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से वैश्विक हरित नवाचार धीमा पड़ सकता है, जिसका असर भारतीय स्वच्छ-तकनीकी साझेदारियों पर पड़ सकता है। अमेरिकी उपभोक्ता और वित्तीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए आधी धनराशि भारत से जुड़ी ऑफशोरिंग और डिजिटल वित्त फर्मों की जाँच को कम कर सकती है।

6. STEM सहयोग में कमी

सार्वजनिक अनुसंधान खर्च में कटौती और विज्ञान अनुदानों पर प्रतिबंध STEM क्षेत्रों में भारत-अमेरिका शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास सहयोग को कम कर सकते हैं।

शेष विश्व पर प्रभाव

क्षेत्र	प्रभाव
प्रेषण:	वैश्विक प्रवासी समुदायों के लिए बढ़ी हुई लागत
आव्रजन:	अमेरिका में प्रवेश की सख्ती और प्रवासियों के लिए लंबा इंतज़ार
जलवायु:	नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक मंदी
व्यापार:	व्यवधान, कम लागत वाली सीमा पार शिपिंग
शिक्षा:	बढ़ती लागत और ऋण सीमा के कारण अमेरिका वैश्विक प्रतिभाओं के लिए कम आकर्षक
भू-राजनीति:	अधिक सैन्य वित्तपोषण से हिंद-प्रशांत और उसके बाहर तनाव बढ़ सकता है

आगे की ओर देखना: कानूनी और विधायी लड़ाई

- कुछ रिपब्लिकन पहले से ही SNAP, WIC और सार्वजनिक आवास जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों में अतिरिक्त कटौती को लक्षित करने वाले संशोधनों का मसौदा तैयार कर रहे हैं।
- डेमोक्रेटिक नेताओं का लक्ष्य सामाजिक सेवाओं में और कटौती को रोकने के लिए कांग्रेस पर दबाव बनाना है।
- प्रजनन स्वास्थ्य संगठनों को प्रभावित करने वाली मेडिकेड कार्य आवश्यकताओं और प्रावधानों की वैधता को लेकर मुकदमे सामने आ रहे हैं।
- विश्लेषक सामाजिक सुरक्षा जाल, आर्थिक असमानता और पर्यावरण नीति पर संभावित दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दे रहे हैं।

"सफलता का मुख्य आधार !
सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास है !!"

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ

वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में भारत 77वें स्थान पर पहुँचा

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने अब तक की सबसे बड़ी छलांग लगाई है, जो जनवरी के 85वें स्थान से 8 पायदान ऊपर चढ़कर जुलाई 2025 की रैंकिंग में 77वें स्थान पर पहुँच गया है।

भारत की रैंकिंग में सुधार:

- वर्तमान रैंक: 77वीं (2024 में 85वें स्थान से ऊपर)।
- इससे पहले, भारत 2024 में 5 पायदान नीचे खिसका था।

भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा-मुक्त पहुँच:

भारत के पास अब 59 देशों में वीज़ा-मुक्त या आगमन पर वीज़ा की सुविधा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 2 देशों की मामूली वृद्धि है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स क्या है?

- यह वीज़ा-मुक्त पहुँच के आधार पर दुनिया भर के पासपोर्टों की रैंकिंग करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (IATA) के आंकड़ों पर आधारित।
- बिना पूर्व वीज़ा के पहुँच योग्य गंतव्यों की संख्या के आधार पर पासपोर्ट की मज़बूती को मापता है।

वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग (2025):

- सिंगापुर 227 में से 193 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त पहुँच के साथ शीर्ष स्थान पर है।
- जापान और दक्षिण कोरिया दूसरे स्थान पर हैं, जहाँ 190 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त यात्रा की अनुमति है।
- सात यूरोपीय संघ के देश (डेनमार्क, फ़िनलैंड, फ़्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, स्पेन) 189 गंतव्यों तक पहुँच के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

पारंपरिक रूप से मज़बूत पासपोर्ट में उल्लेखनीय बदलाव:

- अमेरिकी पासपोर्ट 182 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त पहुँच के साथ 9वें स्थान से 10वें स्थान पर खिसक गया।
- ब्रिटिश पासपोर्ट 186 गंतव्यों तक पहुँच के साथ 5वें स्थान से छठे स्थान पर आ गया।

संयुक्त राज्य अमेरिका दिसंबर 2026 तक यूनेस्को से अलग हो जाएगा

संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) से अलग होने के अपने निर्णय की घोषणा की है, यह निर्णय 31 दिसंबर, 2026 से प्रभावी होगा।

मुख्य अंश:

घोषणाकर्ता: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

कारण:

- यूनेस्को के "विभाजनकारी सामाजिक और सांस्कृतिक एजेंडे" का विरोध
- इज़राइल विरोधी भावना के आरोप

- फिलिस्तीन राज्य को सदस्य के रूप में शामिल करने का विरोध
- संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ यूनेस्को के संरक्षण की धारणा, जिसे अमेरिकी प्रशासन "वैश्विक वैचारिक एजेंडा" कहता है

यूनेस्को की भूमिका:

- शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है
- विश्व धरोहर स्थलों (जैसे, अमेरिका में ग्रैंड कैन्यन राष्ट्रीय उद्यान) को नामित करने के लिए जाना जाता है

अमेरिका-यूनेस्को संबंध समयरेखा:

- 1945: अमेरिका यूनेस्को का संस्थापक सदस्य बना
- 1984: वित्तीय कुप्रबंधन और अमेरिका के प्रति पूर्वाग्रह का हवाला देते हुए पहली बार यूनेस्को से अलग हुआ
- 2003: सुधारों के बाद राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में फिर से शामिल हुआ
- 2017: ट्रम्प प्रशासन के तहत फिर से अलग हुआ
- 2023: राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में फिर से शामिल हुआ
- 2026: ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में दूसरी बार अलग होने की घोषणा की

फ़्रांसीसी कंपनी CYGR और RRP डिफेंस नवी मुंबई में 50 मिलियन डॉलर का ड्रोन प्लांट स्थापित करेंगी

साझेदारी और निवेश: RRPDefence Ltd (अपनी सहायक कंपनी, Vimananu Ltd के माध्यम से) और फ़्रांस स्थित CYGR ने नवी मुंबई में संयुक्त रूप से एक ड्रोन निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का प्रारंभिक निवेश 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग ₹430 करोड़) है, जिसे बाद में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की योजना है।

- रणनीतिक फोकस: इस सुविधा का उद्देश्य रक्षा, मातृभूमि सुरक्षा और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए नैनो ड्रोन, ISR (खुफिया, निगरानी और टोही) ड्रोन और हाथ से प्रक्षेपित फिक्स्ड-विंग ड्रोन सहित अगली पीढ़ी के यूएवी का उत्पादन करना है।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सह-विकास: यह उद्यम फ़्रांसीसी-अमेरिकी ड्रोन प्रौद्योगिकियों को भारतीय विनिर्माण क्षमताओं के साथ जोड़ता है, जिससे भारत की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और प्लेटफार्मों के सह-विकास की सुविधा मिलती है।
- उत्पादन और निर्यात परिदृश्य: आरआरपी के अध्यक्ष ने 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक ऐतिहासिक निर्यात

कमीशनिंग अनुबंध का उल्लेख किया, जिसके तहत सालाना सैकड़ों ड्रोन इकाइयाँ तैयार होने की उम्मीद है। इस संयंत्र का लक्ष्य लगभग 3,000 ड्रोन की मासिक उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

- कॉर्पोरेट संरचना और हिस्सेदारी: कुछ रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में आरआरपी डिफेंस की 90% और सीवाईजीआर की 10% हिस्सेदारी हो सकती है, जिसमें नवी मुंबई में एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र बनाने की योजना भी शामिल है (जबकि व्यापक साझेदारी ड्रोन उत्पादन पर केंद्रित है)।

पाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने त्रिपक्षीय रेल समझौते पर हस्ताक्षर किए

पाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने काबुल और लोगार से होकर गुजरने वाली एक प्रस्तावित रेलवे लाइन के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए एक त्रिपक्षीय रेल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य व्यापार मार्गों को मज़बूत करना और अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के माध्यम से मध्य एशिया को दक्षिण एशिया से जोड़ना है।

समझौते का विवरण

अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते पर लोक निर्माण मंत्रालय (अफ़ग़ानिस्तान), परिवहन मंत्रालय (उज़्बेकिस्तान) और रेल मंत्रालय (पाकिस्तान) के बीच हस्ताक्षर किए गए। 640 किलोमीटर लंबी यह रेलवे लाइन उज़्बेकिस्तान की सीमा को हैरातन (अफ़ग़ानिस्तान) से जोड़ेगी, काबुल और लोगार से होते हुए, और कुर्रम ज़िले में खारलाची सीमा पार करके पाकिस्तान में प्रवेश करेगी।

उद्देश्य और लाभ

इस रेल संपर्क का मुख्य उद्देश्य स्थल-रुद्ध मध्य एशियाई देशों को पाकिस्तानी बंदरगाहों तक सीधी पहुँच प्रदान करना, क्षेत्रीय व्यापार, पारगमन और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना से अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर क्षेत्रीय विकास, स्थिरता और प्रगति में वृद्धि होने की उम्मीद है।

क्षेत्रीय विकास पर ध्यान

तीनों देश इस अंतर-क्षेत्रीय संपर्क परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए एक-दूसरे से जुड़े रहने पर सहमत हुए हैं। इस परियोजना से क्षेत्र की आर्थिक क्षमता का दोहन होने और भाग लेने वाले देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने की उम्मीद है।

भारत, फ़्रांस लड़ाकू इंजनों के लिए ₹61,000 करोड़ के सौदे पर सहयोग करेंगे

भारत के रक्षा मंत्रालय ने 120 kN थ्रस्ट वाले अगली पीढ़ी के लड़ाकू इंजन के सह-विकास के लिए फ़्रांस की कंपनी सफ़्रान के

साथ ₹61,000 करोड़ के रणनीतिक गठबंधन को हरी झंडी दे दी है।

- पूर्ण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: सफ़्रान 100% प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पेशकश करता है, जिसमें डिज़ाइन, विकास, प्रमाणन और उत्पादन शामिल हैं—प्रतिस्पर्धियों की तुलना में एक अभूतपूर्व पैकेज।
- प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव: भारत ने सफ़्रान और रोल्स-रॉयस के प्रस्तावों का मूल्यांकन किया। सफ़्रान का चयन भारत की AMCA समय-सीमा के अनुरूप होने और बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) हस्तांतरित करने की इच्छा के आधार पर किया गया।
- इच्छित प्लेटफ़ॉर्म: यह इंजन भारत के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (AMCA) और भविष्य के उच्च-प्रदर्शन प्लेटफ़ॉर्म के लिए विकसित किया जा रहा है।
- स्वदेशी क्षमता निर्माण: यह समझौता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक बदलाव का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता से घरेलू इंजन निर्माण की ओर बढ़ना है।
- पृष्ठभूमि: भारत ने पहले कावेरी परियोजना के माध्यम से स्वदेशी इंजन विकसित करने का प्रयास किया था, लेकिन यह लड़ाकू विमानों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाया। इसका डिज़ाइन अब यूएवी और समुद्री अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त है।
- अतिरिक्त अमेरिकी सहायता: भारत को LCA Mk-1A के लिए अपना दूसरा GE F404 इंजन प्राप्त हुआ है और वह लगभग 80% तकनीकी हस्तांतरण के साथ अधिक शक्तिशाली F414 इंजन के सह-उत्पादन पर बातचीत कर रहा है।
- सहक्रियात्मक पारिस्थितिकी तंत्र: यह साझेदारी चल रही एयरोस्पेस पहलों का पूरक है, जिसमें HAL द्वारा राफेल के धड़ों की घरेलू स्तर पर असेंबली और हैदराबाद में सफ़्रान की नियोजित MRO सुविधा शामिल है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

यह समझौता एक महत्वपूर्ण क्षण है: यह भारत के एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक स्तर की इंजन तकनीक से सशक्त बनाता है, भारत-फ़्रांस रणनीतिक संबंधों को मज़बूत करता है, और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के लिए भारत की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाता है।

फ़्रांस

- राजधानी: पेरिस
- राष्ट्रपति: इमैनुएल मैक्रों
- प्रधानमंत्री: फ़्रांस्वा बायर्सू
- आधिकारिक भाषा: फ़्रांसीसी

रिलायंस ने घरेलू उपकरण कंपनी केल्विनेटर का अधिग्रहण किया

ईशा अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस रिटेल ने इलेक्ट्रोलक्स से केल्विनेटर ब्रांड का अधिग्रहण कर लिया है।

- प्रीमियम उपकरणों को बढ़ावा: इस कदम का उद्देश्य प्रीमियम उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, खासकर रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन, के बाजार में रिलायंस की उपस्थिति का महत्वपूर्ण विस्तार करना है।
- ब्रांड विरासत मूल्य: 1960-80 के दशक से भारत में "सबसे बेहतरीन" के रूप में जानी जाने वाली केल्विनेटर, एक मजबूत विरासत और उपभोक्ता विश्वास लाती है।

रिलायंस रिटेल

- स्थापना: 2006
- मुख्यालय: मुंबई
- अध्यक्ष: मुकेश अंबानी
- प्रबंध निदेशक: ईशा अंबानी
- मूल संगठन: रिलायंस इंडस्ट्रीज, रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड
- सहायक कंपनियाँ: जियोमार्ट, स्मार्ट बाज़ार, रिलायंस डिजिटल, जस्ट डायल, आदि।

कोचीन शिपयार्ड ने समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए दक्षिण कोरिया की KSOE के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) ने दुनिया की अग्रणी समुद्री इंजीनियरिंग फर्मों में से एक, दक्षिण कोरिया की HD कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (KSOE) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

समझौता ज्ञापन के अनुसार, दोनों कंपनियाँ निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग करेंगी:

- भारत और विदेशों में नई जहाज निर्माण परियोजनाओं की संयुक्त खोज
- तकनीकी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना
- उत्पादकता और क्षमता उपयोग में सुधार
- कार्यबल का कौशल विकास और प्रशिक्षण
- भविष्य की जहाज निर्माण से संबंधित परियोजनाओं की खोज

राष्ट्रीय समुद्री दृष्टिकोण के साथ संरेखण

यह समझौता समुद्री भारत विजन 2030 और समुद्री अमृत काल विजन 2047 के तहत भारत के रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

केएसओई के बारे में

केएसओई वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी है और इसके संचालन का प्रबंधन करता है:

- हुंडई हेवी इंडस्ट्रीज

- हुंडई मिपो डॉकयार्ड
- हुंडई समहो हेवी इंडस्ट्रीज

अमेरिका, इंडो-पैसिफिक साझेदार समुद्री सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए

QUAD (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान) ने इंडो-पैसिफिक समुद्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण:

- विवादित जल पर चीनी मुखरता।
- बल या दबाव का उपयोग करके यथास्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयास।
- अपतटीय संसाधन विकास में हस्तक्षेप, और नेविगेशन और ओवरफ्लाइट में बाधा।
- चीनी तट रक्षक और मिलिशिया जहाजों द्वारा टक्कर मारना, अवरोध डालना और पानी की तोप का उपयोग करना जैसे खतरनाक युद्धाभ्यास।

QUAD महत्वपूर्ण खनिज पहल

QUAD महत्वपूर्ण खनिज पहल की शुरुआत:

- महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित और विविधतापूर्ण बनाना।
- QUAD देशों के बीच आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक लचीलापन मजबूत करना।

फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

- खनिज व्यापार में गैर-बाजार नीतियों और प्रथाओं को संबोधित करना।
- खनिज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाना।
- हालाँकि चीन का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करना है।

उत्तर कोरिया

QUAD ने उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण, परमाणु कार्यक्रम विस्तार और दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों की निंदा की। उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य संबंधों पर चिंता जताई, कहा कि इस तरह का सहयोग वैश्विक अप्रसार व्यवस्था को कमजोर करता

अमेरिका ने WHO के महामारी प्रतिक्रिया सुधारों से खुद को अलग कर लिया

संयुक्त राज्य अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा हाल ही में अपनाए गए महामारी प्रतिक्रिया सुधारों में भाग नहीं लेगा, जिससे रोग प्रकोप समन्वय और प्रतिक्रिया को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास को प्रभावी रूप से नकार दिया गया है।

- मुख्य चिंताएँ: अमेरिका ने तर्क दिया कि नए नियम WHO के अधिकार क्षेत्र का विस्तार करेंगे, और "अस्पष्ट और

व्यापक शब्दावली" का उपयोग करेंगे जिससे WHO के "नौकरशाह" राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं और संप्रभुता को खतरा बन सकते हैं।

- टीका और उपचार आवंटन: एक प्रमुख सुधार के तहत देशों को महामारी के दौरान WHO को 20% टीके, परीक्षण और उपचार आवंटित करने होंगे ताकि समान वैश्विक पहुँच सुनिश्चित हो सके। अमेरिका ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया
- संप्रभुता और नागरिक स्वतंत्रताएँ: सचिव रुबियो और एचएचएस सचिव कैनेडी जूनियर सहित रिपब्लिकन अधिकारियों ने कहा कि इस समझौते को अस्वीकार करने से अमेरिकी संप्रभुता की रक्षा होती है और भाषण, गोपनीयता और नागरिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप को रोका जा सकता है।
- डिजिटल स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ: अमेरिकी अधिकारियों ने डिजिटल स्वास्थ्य प्रमाणपत्रों के प्रावधानों को भी गोपनीयता के लिए जोखिम बताया और चेतावनी दी कि ये नियम "डिजिटल स्वास्थ्य दस्तावेज़ों" को सक्षम कर सकते हैं जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता को खतरा पैदा करते हैं।
- डब्ल्यूएचओ वापसी का अनुवर्ती कदम: यह निर्णय राष्ट्रपति ट्रम्प के जनवरी 2025 के कार्यकारी आदेश के बाद आया है, जिसमें जनवरी 2026 तक डब्ल्यूएचओ की सदस्यता से अमेरिका की औपचारिक वापसी की शुरुआत की गई थी।
- वैश्विक स्वास्थ्य जोखिम: विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने और इन सुधारों को अस्वीकार करने से अमेरिका प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, प्रकोप डेटा साझाकरण और टीका विकास साझेदारी से बाहर हो सकता है।

डब्ल्यूएचओ

- स्थापना: 7 अप्रैल 1948
- प्रकार: संयुक्त राष्ट्र विशेष एजेंसी
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- महानिदेशक: टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयसस
- उप महानिदेशक: माइकल रयान
- मूल संगठन: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद
- बजट: 6.83 अरब डॉलर (2024-2025)

ईरान ने परमाणु तनाव के बीच IAEA के साथ सहयोग निलंबित किया

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के साथ सहयोग निलंबित करने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं।

- विधायी समर्थन: 290 सीटों वाले सदन में 221 मतों के पक्ष में, 1 मत अनुपस्थित और किसी विरोध के बिना ईरान की संसद में विधेयक पारित किया गया।
- निलंबन का कारण: यह कदम हाल ही में इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सैन्य झड़पों के बाद उठाया

गया है, जो 13 जून को शुरू हुआ और 24 जून को अमेरिका द्वारा समर्थित युद्धविराम के साथ समाप्त हुआ।

- परमाणु सुविधाओं पर हमला: ईरान की मिसाइल जवाबी कार्रवाई के बाद 22 जून को अमेरिका ने ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान पर हमला किया।
- ईरान का रुख: ईरान ने अमेरिकी हमलों की निंदा करते हुए इसे "क्रूर हमला" बताया और अपने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- IAEA पर आरोप: ईरान ने संघर्ष के दौरान IAEA पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया, इसे सहयोग वापस लेने का मुख्य कारण बताया।
- अंतर्राष्ट्रीय चिंता: यह कानून ईरान की परमाणु नीति में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जिससे परमाणु पारदर्शिता और निगरानी पर वैश्विक चिंताएँ बढ़ गई हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी:

- स्थापना: 1957
- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया
- मूल संगठन: संयुक्त राष्ट्र (यूएन)
- महानिदेशक: राफेल मारियानो ग्रॉसी (अर्जेंटीना)
- द्वारा नियुक्त: IAEA बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और जनरल कॉन्फ्रेंस
- मुख्य उद्देश्य: परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना और परमाणु हथियारों सहित सैन्य उद्देश्यों के लिए इसके उपयोग को रोकना।
- कुल सदस्य: 178 देश (2025 तक)
- भारत की सदस्यता: भारत IAEA का संस्थापक सदस्य है

ब्रिटेन और फ्रांस के बीच वन-इन-वन-आउट प्रवासी समझौते में क्या है?

यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस ने "वन-इन, वन-आउट" प्रवासी योजना शुरू की है जिसका उद्देश्य इंग्लिश चैनल के माध्यम से अवैध रूप से छोटी नावों के आवागमन में वृद्धि को संबोधित करना है - जो एक बढ़ती मानवीय और राजनीतिक चुनौती है। अकेले 2025 में, 21,000 से अधिक प्रवासी ब्रिटिश तटों पर पहुँच चुके हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 56% की वृद्धि दर्शाता है। इस खतरनाक पारगमन की कोशिश में 70 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

इस समझौते में क्या शामिल है

इस पायलट समझौते के तहत, ब्रिटेन द्वारा फ्रांस भेजे जाने वाले प्रत्येक अनियमित प्रवासी के लिए, ब्रिटेन फ्रांस से एक शरणार्थी को स्वीकार करेगा - लेकिन केवल तभी जब वे ब्रिटेन में पहले से रह रहे किसी व्यक्ति के साथ सत्यापन योग्य पारिवारिक संबंध साबित कर सकें। इस अदला-बदली तंत्र को निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है:

- अवैध प्रवासन को कम करना
- कानूनी शरण मार्गों को प्रोत्साहित करना

- ब्रेक्सिट के बाद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना
- शुरुआत में, इस पायलट परियोजना से प्रति सप्ताह लगभग 50 प्रवासियों की वापसी की सुविधा मिलने की उम्मीद है, जो प्रभावशीलता के आधार पर सालाना 2,600 तक हो सकती है।

कानूनी रास्ते और प्रवर्तन

ब्रिटिश सीमा बल अवैध रूप से आने वाले प्रवासियों को हिरासत में लेंगे और उनकी वापसी की प्रक्रिया शुरू करेंगे। फ्रांस में शरण चाहने वालों (ब्रिटेन के पारिवारिक संबंधों वाले) को सुरक्षित मार्ग के लिए आवेदन करने की अनुमति देने के लिए एक ऑनलाइन आवेदन प्लेटफॉर्म स्थापित किया जा रहा है।

यूरोपीय संघ की चिंताएँ

कई यूरोपीय संघ के सदस्य देशों - इटली, स्पेन, ग्रीस, माल्टा और साइप्रस - ने विरोध व्यक्त किया है, उन्हें डर है कि व्यापक यूरोपीय संघ प्रवास पुनर्वितरण नियमों के कारण यह समझौता प्रवासियों के दबाव को उन पर पुनः निर्देशित कर सकता है। फ्रांस भी एक बारीक रेखा पर चल रहा है - यह संकेत देते हुए कि ब्रिटेन का द्विपक्षीय समझौता यूरोपीय संघ के ढाँचों से स्वतंत्र रूप से संचालित नहीं हो सकता, विशेष रूप से प्रवासी पुनर्वास के मुद्दों पर।

टीआरएफ कौन है: पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार पाकिस्तानी संगठन, जिसे अब अमेरिका ने आतंकवादी समूह घोषित कर दिया है

- **टीआरएफ कौन है?** रेजिस्टेंस फ्रंट 2019 में स्थापित एक उग्रवादी समूह है, जिसे पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (LeT) की एक शाखा माना जाता है। इसे अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद एक धर्मनिरपेक्ष, स्वदेशी प्रतिरोध समूह के रूप में प्रस्तुत करने के लिए बनाया गया था।
- **स्थापना कब और क्यों:** अक्टूबर 2019 में उभरा, कथित तौर पर FATF की जाँच से बचने और स्थापित आतंकवादी संस्थाओं से रणनीतिक मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए एक स्थानीय आख्यान के तहत काम करने के लिए।
- **कार्यक्षेत्र:** अनंतनाग, पुलवामा, बांदापोरा, श्रीनगर जैसे जम्मू और कश्मीर के जिलों में सक्रिय, अक्सर टेलीग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से भर्ती करता है।
- **सबसे उल्लेखनीय हमला:** 22 अप्रैल, 2025 के पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली गई, जिसमें बंदूकधारियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी, जो 2008 के बाद से भारत में सबसे घातक नागरिक हमला था।
- **यूएपीए के तहत भारत में प्रतिबंध:** टीआरएफ को भारत सरकार द्वारा जनवरी 2023 में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम के तहत आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था, इसके संस्थापक शेख सज्जाद गुल थे। आतंकवादी घोषित

- **अमेरिकी आतंकवादी घोषित (18 जुलाई, 2025):** अमेरिकी विदेश विभाग ने पहलगाम हमले में इसकी भूमिका के बाद टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- **प्रतिबंध और कानूनी प्रभाव:** यह पदनाम अमेरिका को टीआरएफ की संपत्तियों को ज़ब्त करने, वित्तीय लेनदेन को रोकने और समर्थन को आपराधिक बनाने में सक्षम बनाता है—जिससे इसके वित्तपोषण और वैश्विक संचालन में कमी आती है।
- **भारत-अमेरिका आतंकवाद-रोधी सहयोग:** भारत ने इस कदम का स्वागत किया, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देशों के बीच सहयोग की "एक मजबूत पुष्टि" बताया।

यह क्यों मायने रखता है

यह छद्म आतंकवादी समूहों को वैश्विक रूप से अलग-थलग करने के भारत के कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करता है। राष्ट्रपति ट्रंप के पहले के "न्याय के आह्वान" के बाद आतंकवाद-रोधी कानूनों के अमेरिकी प्रवर्तन में एक दृढ़ कदम को दर्शाता है।

यह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी नेटवर्क से मजबूती से जुड़कर एक धर्मनिरपेक्ष, स्वतंत्र समूह होने का दिखावा करने की कोशिशों का खंडन करता है।

एपस्टीन की फाइलें क्या हैं और ट्रंप प्रशासन उन्हें क्यों जारी नहीं कर रहा है? जाने विस्तार से

7 जुलाई, 2025 को, अमेरिकी संघीय एजेंसियों ने आधिकारिक तौर पर कहा कि जेफरी एपस्टीन की जेल में आत्महत्या से मृत्यु हो गई और आपराधिक आरोपों से जुड़ी कोई गुप्त "ग्राहक सूची" नहीं है। इस बयान का उद्देश्य एपस्टीन के यौन तस्करी नेटवर्क से जुड़े अप्रकाशित नामों को लेकर अटकलों को विराम देना था।

कोई नई रिलीज़ नहीं:

अधिकारियों ने पुष्टि की कि एपस्टीन से संबंधित कोई और दस्तावेज़ जारी नहीं किया जाएगा, यह कहते हुए कि उपलब्ध रिकॉर्ड पहले ही सार्वजनिक कर दिए गए हैं या असंबंधित कारणों से कानूनी रूप से सील कर दिए गए हैं।

ट्रंप ने प्रचार की निंदा की:

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विवाद को "डेमोक्रेटिक धोखा" करार दिया और दावा किया कि यह उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाने के लिए गढ़ा गया था। उन्होंने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी (ट्रंप द्वारा नियुक्त) से कहा कि वे जो भी दस्तावेज़ "विश्वसनीय" समझें, उन्हें जारी करें, यदि कोई हो।

विभाजित रिपब्लिकन प्रतिक्रिया:

इस मुद्दे ने रिपब्लिकन पार्टी के भीतर दरार पैदा कर दी। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन जैसे कुछ नेताओं ने पारदर्शिता का समर्थन किया, जबकि मार्जोरी टेलर ग्रीन और स्टीव बैनन जैसे

ट्रंप समर्थक प्रभावशाली लोगों ने षड्यंत्र के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और मामले को छुपाने का आरोप लगाया।

एलोन मस्क की विवादास्पद टिप्पणी:

एलोन मस्क ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि एपस्टीन की सीलबंद फाइलों में ट्रंप का नाम शामिल है। व्हाइट हाउस ने किसी भी नए आरोप का खंडन करते हुए कहा कि ट्रंप और एपस्टीन के बीच किसी भी ज्ञात संबंध का खुलासा पिछली जाँचों और मीडिया रिपोर्टों में पहले ही हो चुका है।

ट्रंप और एपस्टीन का अतीत:

ट्रंप और एपस्टीन 1980 और 2000 के दशक की शुरुआत में एक-दूसरे से मिलते-जुलते थे। 2002 के एक साक्षात्कार में, ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन को "खूबसूरत महिलाएं पसंद थीं, जिनमें से कई कम उम्र की थीं।" बाद में ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 2004 में पाम बीच की एक संपत्ति को लेकर हुए विवाद के बाद संबंध तोड़ लिए थे।

निजीकरण से पहले ब्रिटेन ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन PIA पर लगा 5 साल का प्रतिबंध हटाया

ब्रिटेन प्रतिबंध हटा: ब्रिटेन ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (PIA) पर लगा पाँच साल का प्रतिबंध हटा लिया है, जिससे उसे ब्रिटेन में उड़ान संचालन के लिए फिर से आवेदन करने की अनुमति मिल गई है।

- पूर्व प्रतिबंध का कारण: यह प्रतिबंध 2020 में कराची में PIA विमान दुर्घटना के बाद लगाया गया था, जिसमें 97 लोग मारे गए थे और जाँच से पता चला था कि लगभग एक-तिहाई पाकिस्तानी पायलटों के पास संदिग्ध लाइसेंस थे।
- सुरक्षा सुधार: पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने प्रमुख सुरक्षा सुधार लागू किए जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय विमानन प्राधिकरणों ने मान्यता दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिबंध हटा लिया गया।
- उड़ान बहाली योजनाएँ: PIA शुरुआत में इस्लामाबाद और मैनचेस्टर के बीच तीन साप्ताहिक उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें लंदन, बर्मिंघम और न्यूयॉर्क के लिए मार्ग फिर से शुरू करने की संभावना है।
- प्रतिबंध का वित्तीय प्रभाव: इस निलंबन से PIA को सालाना लगभग ₹40 बिलियन का नुकसान हुआ, जिससे उसके सबसे लाभदायक अंतरराष्ट्रीय मार्ग बुरी तरह प्रभावित हुए।
- निजीकरण की गति: PIA ने 21 वर्षों में पहली बार परिचालन लाभ अर्जित करना शुरू कर दिया है, जिससे सरकार द्वारा निजीकरण योजनाओं को आगे बढ़ाने के साथ इसकी संभावनाओं को बल मिला है।
- बोली लगाने में रुचि: चार निवेशक समूहों को PIA में 51-100% हिस्सेदारी के लिए बोली लगाने की अनुमति मिल गई है, और अंतिम प्रस्ताव वर्ष के अंत में आने की उम्मीद है।
- व्यापक प्रभाव: ब्रिटेन में परिचालन फिर से शुरू होने से 16 लाख से अधिक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिकों को लाभ होने,

द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलने और निजीकरण से पहले PIA के मूल्यांकन में वृद्धि होने की उम्मीद है।

जनवरी 2026 से बुल्गारिया यूरोज़ोन के 21वें सदस्य के रूप में यूरो को अपनाएगा

यूरोपीय संघ के वित्त मंत्रियों ने बुल्गारिया को 1 जनवरी, 2026 से बुल्गारियाई लेव की जगह यूरो को अपनी आधिकारिक मुद्रा के रूप में अपनाने की अंतिम मंजूरी दे दी है। इस कदम के साथ, बुल्गारिया यूरोपीय संघ में शामिल होने के लगभग 19 साल बाद यूरो क्षेत्र में शामिल होने वाला 21वाँ देश बन गया है।

स्थिर विनिमय दर और परिवर्तन योजनाओं की घोषणा

यूरो-से-लेव विनिमय दर आधिकारिक तौर पर 1 यूरो = 1.95583 लेव निर्धारित की गई है। बुल्गारियाई प्रधानमंत्री रोसेन जेलियाज़कोव ने इस निर्णय को एक ऐतिहासिक क्षण बताया, सभी संस्थानों को धन्यवाद दिया और जनता के लाभ के लिए एक सुचारू परिवर्तन का आश्वासन दिया।

पृष्ठभूमि: यूरोपीय संघ और ईसीबी ने पात्रता की पुष्टि की

जून 2025 में, यूरोपीय आयोग और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) ने पुष्टि की कि बुल्गारिया यूरो को अपनाने के लिए आवश्यक मानदंडों—जैसे मूल्य स्थिरता, सुदृढ़ सार्वजनिक वित्त और विनिमय दर स्थिरता—को पूरा करता है।

बुल्गारिया

- राजधानी: सोफिया
- मुद्रा: बुल्गारियाई लेव (BGN) (31 दिसंबर, 2025 तक)
- 1 जनवरी, 2026 से यूरो (€) अपनाएगा
- राष्ट्रपति: रुमेन रादेव
- प्रधानमंत्री: रोसेन जेलियाज़कोव
- सीमाएँ: रोमानिया, सर्बिया, उत्तरी मैसेडोनिया, ग्रीस, तुर्की और काला सागर

सदस्यताएँ:

- 2007 से यूरोपीय संघ (EU) का सदस्य
- नाटो, संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन (WTO) का सदस्य
- यूरोज़ोन में शामिल होने वाला 21वाँ देश होगा (जनवरी 2026 से)

यूएसएआईडी आधिकारिक तौर पर बंद

यूएसएआईडी (यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) आधिकारिक तौर पर 1 जुलाई, 2025 को बंद हो गया।

यूएसएआईडी के अधिकांश मुख्य कार्यों को अमेरिकी विदेश विभाग में मिला दिया गया है। पुनर्गठन का उद्देश्य विदेशी सहायता को वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रीय हित प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करना था। इन प्राथमिकताओं के साथ संरेखित नहीं होने वाले कार्यक्रमों को समाप्त कर दिया गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने स्वास्थ्य और

मानवीय कार्यक्रमों के लिए जोखिम का हवाला देते हुए इस कदम की आलोचना की।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले यूएसएआईडी को "कट्टरपंथी पागलों" द्वारा संचालित बताया था। एक ज्ञापन ने कर्मचारियों को सूचित किया कि कानूनी रूप से आवश्यक या मिशन-महत्वपूर्ण माने जाने वाले पदों को छोड़कर, अधिकांश यूएसएआईडी पदों को समाप्त कर दिया गया है। म्यांमार भूकंप के बाद सहायता जैसे आपदा प्रतिक्रिया अभियान सक्रिय बने हुए हैं। यूएसएआईडी की स्थापना मूल रूप से 1961 में हुई थी और यह 100 से अधिक देशों में सालाना 40 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता का प्रबंधन करता था। 2025 की शुरुआत तक, USAID के 83% कार्यक्रम रद्द कर दिए गए थे और इसके 94% से ज़्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। USAID के 300 से भी कम कर्मचारी बचे हैं और उनके काम अब स्टेट डिपार्टमेंट में एकीकृत हो गए हैं। पुनर्गठित प्रणाली को वैश्विक संकटों के दौरान आपातकालीन भोजन, पानी और ज़रूरी आपूर्ति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह बदलाव अमेरिकी विदेशी सहायता रणनीति में व्यापक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें सुरक्षा और आर्थिक लाभ पर ज़ोर दिया गया है।

क्वाड ने इंडो-पैसिफिक में पहला संयुक्त तटरक्षक मिशन शुरू किया

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, समुद्री सुरक्षा और सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के तटरक्षकों ने संयुक्त रूप से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में पहला "क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन" शुरू किया है।

मिशन का उद्देश्य और प्रतिभागी

इस मिशन के तहत, प्रत्येक क्वाड राष्ट्र से दो अधिकारी (महिला अधिकारियों सहित) यूएस कोस्ट गार्ड कटर (यूएससीजीसी) स्टेटन पर सवार हुए हैं, जो वर्तमान में गुआम के रास्ते पर है। यह पहल 2024 विलमिंगटन घोषणा का हिस्सा है, जिसमें समुद्री सुरक्षा और अंतर-संचालन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग बढ़ाने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है।

लघु लेख

पुनर्जन्म और प्रतिरोध: दलाई लामा के उत्तराधिकारी ने चीनी नियंत्रण को कैसे चुनौती दी

14वें दलाई लामा, जिनका जन्म 1935 में तिब्बत के अमदो क्षेत्र में तेनज़िन ग्यात्सो के रूप में हुआ था, को दो वर्ष की आयु में अपने पूर्ववर्ती के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया था। ल्हासा में सिंहासनारूढ़ होकर, उन्होंने 1950 में पूर्ण राजनीतिक अधिकार ग्रहण किया, ठीक उसी समय जब चीनी सैनिक तिब्बत में प्रवेश कर रहे थे। 1959 में, चीनी शासन के विरुद्ध एक असफल विद्रोह के बाद, वे भारत भाग गए, जहाँ उन्होंने निर्वासित तिब्बती सरकार

की स्थापना की और वैश्विक तिब्बती प्रवासी समुदाय के आध्यात्मिक और प्रतीकात्मक नेता बन गए।

पिछले दशकों में, वे शांति, करुणा और प्रतिरोध के एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त व्यक्ति बन गए हैं। हालाँकि, जैसे-जैसे वे 90 वर्ष की आयु के करीब पहुँच रहे हैं, ध्यान एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित हो गया है: उनका उत्तराधिकारी कौन होगा?

तिब्बती पुनर्जन्म परंपरा

तिब्बती बौद्ध धर्म में, दलाई लामा को करुणा के बोधिसत्व, अवलोकितेश्वर का अवतार माना जाता है। प्रत्येक दलाई लामा को "टुल्कु" माना जाता है - एक पुनर्जन्म वाली आत्मा जो लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए वापस आती है। पुनर्जन्म और मान्यता का यह चक्र 14वीं शताब्दी से जारी है, जिसने दलाई लामा को न केवल एक आध्यात्मिक व्यक्ति बनाया है, बल्कि तिब्बती बौद्ध धर्म के लिए निरंतरता और नेतृत्व का प्रतीक भी बनाया है। परंपरागत रूप से, पुनर्जन्म की पहचान वरिष्ठ भिक्षुओं द्वारा किए गए संकेतों, दर्शन और परीक्षणों के माध्यम से की जाती है। सपनों की व्याख्या करने, दैवज्ञों से परामर्श करने और उनकी आध्यात्मिक वैधता को दर्शाने वाले विशिष्ट अनुष्ठानों का पालन करने के बाद एक छोटे बच्चे की पहचान की जा सकती है। उत्तराधिकार पर दलाई लामा का बयान वर्तमान दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकार के लिए लंबे समय से तैयारी की है। पिछले कुछ वर्षों में अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि दलाई लामा की संस्था तभी जारी रहनी चाहिए जब तिब्बती लोग इसे प्रासंगिक और लाभकारी पाएँ। उन्होंने एक उत्तराधिकार योजना की रूपरेखा तैयार की है जिसमें पुनर्जन्म की पहचान करने के पारंपरिक तरीके शामिल होंगे, लेकिन किसी सरकार के बजाय तिब्बती आध्यात्मिक अधिकारियों की देखरेख में। जैसे-जैसे उनकी उम्र 90 वर्ष के करीब पहुँची, उन्होंने फिर से पुष्टि की कि 15वें दलाई लामा होंगे और इस उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं के अनुसार होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का केंद्रीय अधिकार गादेन फोडरंग ट्रस्ट के पास रहेगा - वह संगठन जो उनके लौकिक और आध्यात्मिक मामलों का प्रबंधन करता है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगला पुनर्जन्म एक "स्वतंत्र देश" में जन्म लेगा, यह संकेत देते हुए कि यह राजनीतिक नियंत्रण या जबरदस्ती के तहत नहीं होगा। उल्लेखनीय रूप से, उन्होंने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि अगला दलाई लामा एक महिला या तिब्बत के बाहर पैदा हुआ कोई व्यक्ति हो सकता है।

चीन की स्थिति और स्वर्ण कलश विधि

➤ हालाँकि, चीनी सरकार पूरी तरह से विपरीत दृष्टिकोण रखती है। यह दावा करती है कि दलाई लामा का पुनर्जन्म पूरी तरह से धार्मिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसे राज्य द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए। चीनी अधिकारियों ने ऐसी नीतियाँ बनाई हैं, जिनके अनुसार सभी पुनर्जन्मों को सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए, और यह चयन लॉटरी-शैली

"स्वर्ण कलश" वाली ऐतिहासिक विधि के माध्यम से किया जाना चाहिए।

- इस दृष्टिकोण के अनुसार, बीजिंग की स्वीकृति के बिना मान्यता प्राप्त कोई भी दलाई लामा अवैध माना जाएगा। चीन जोर देता है कि यह अधिकार ऐतिहासिक मिसाल पर आधारित है और तिब्बत से संबंधित सभी मामले आंतरिक मामले हैं।
- यह स्थिति केवल प्रशासनिक नहीं है - यह यह सुनिश्चित करने के प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है कि कोई भी भावी दलाई लामा चीन के राजनीतिक लक्ष्यों और क्षेत्रीय दावों के साथ संरेखित हो, जो प्रभावी रूप से तिब्बती लोगों की धार्मिक स्वायत्तता को कमजोर करता है।

प्रतिद्वंद्वी दलाई लामाओं का भविष्य?

विभिन्न पदों को देखते हुए, दो प्रतिद्वंद्वी दलाई लामाओं को शामिल करने वाला परिदृश्य - एक निर्वासित तिब्बती अधिकारियों द्वारा चुना गया, और दूसरा चीन द्वारा नियुक्त किया गया - बहुत संभावना है। यह तिब्बती बौद्ध धर्म में दूसरे सबसे बड़े व्यक्ति पंचेन लामा से जुड़े पिछले प्रकरण को दर्शाता है। 1990 के दशक के मध्य में, दलाई लामा ने एक छोटे लड़के को 11वें पंचेन लामा के रूप में मान्यता दी, लेकिन चीनी अधिकारियों ने उस बच्चे को हिरासत में ले लिया और अपने स्वयं के नियुक्त व्यक्ति को नियुक्त किया।

यदि दलाई लामा के साथ भी ऐसी ही स्थिति होती है, तो इससे दुनिया भर में तिब्बती बौद्धों के बीच भ्रम और विभाजन पैदा हो सकता है। बीजिंग द्वारा चुने गए दलाई लामा को राज्य का समर्थन और चीन के भीतर मठों तक पहुँच मिल सकती है, लेकिन तिब्बती प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध समुदाय द्वारा उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा। इसके विपरीत, पारंपरिक तिब्बती प्रथाओं के माध्यम से चुना गया उत्तराधिकारी विश्वासियों की नज़र में आध्यात्मिक रूप से वैध होगा, लेकिन तिब्बत में उसे राजनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा।

उत्तराधिकार प्रक्रिया में भारत की भूमिका

भारत ने 1960 से दलाई लामा और निर्वासित तिब्बती सरकार की मेजबानी की है। जबकि भारत सरकार ने ऐतिहासिक रूप से मानवीय और सांस्कृतिक आधार पर तिब्बती कारण का समर्थन किया है, इसने चीन के साथ अपने जटिल संबंधों को प्रबंधित करने की आवश्यकता के साथ इस समर्थन को सावधानीपूर्वक संतुलित किया है।

जैसे-जैसे दलाई लामा का उत्तराधिकार अधिक आसन्न होता जा रहा है, भारत की भूमिका अधिक संवेदनशील होती जा रही है। यदि अगला दलाई लामा भारतीय क्षेत्र में या भारत में निर्वासित तिब्बती समुदायों के बीच पाया जाता है, तो चीन द्वारा मजबूत कूटनीतिक दबाव के साथ जवाब दिए जाने की संभावना है। फिर भी, भारत में कई लोग - जिनमें धार्मिक नेता, विद्वान और नीति निर्माता शामिल हैं - मानते हैं कि अगले दलाई लामा की पहचान की प्रक्रिया तिब्बती धार्मिक परंपरा द्वारा निर्धारित की जानी

चाहिए, न कि राजनीतिक हस्तक्षेप द्वारा। भारत ने संकेत दिया है कि वह पारंपरिक तरीकों से दलाई लामा की आध्यात्मिक वंशावली को जारी रखने का समर्थन करता है।

व्यापक वैश्विक निहितार्थ

- दलाई लामा के उत्तराधिकार का प्रश्न न केवल धार्मिक मामला है, बल्कि भू-राजनीतिक भी है। कई लोकतांत्रिक देशों ने सार्वजनिक रूप से तिब्बती लोगों को राज्य के हस्तक्षेप के बिना अपने आध्यात्मिक नेतृत्व को निर्धारित करने की अनुमति देने के महत्व को स्वीकार किया है।
- कुछ देश, विशेष रूप से पश्चिम में, इस मुद्दे को धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के चश्मे से देखते हैं। अन्य देश सतर्क हैं, चीन को भड़काने से सावधान हैं। नतीजतन, भविष्य के दलाई लामा की मान्यता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का मामला बन सकती है।
- दुनिया भर के तिब्बतियों के लिए, अगला दलाई लामा उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करता है। चीन के लिए, यह तिब्बत पर अपने नियंत्रण को मजबूत करने का एक साधन है। वैश्विक समुदाय के लिए, यह इस बात की परीक्षा है कि क्या आध्यात्मिक नेतृत्व तेजी से राजनीतिक होती दुनिया में स्वतंत्र रह सकता है।

आगे क्या है

- दलाई लामा ने अपने स्वास्थ्य और दीर्घायु के बारे में आशा व्यक्त की है, यह सुझाव देते हुए कि उनके उत्तराधिकारी की पहचान होने में अभी भी समय है। फिर भी, यह सुनिश्चित करने के लिए तैयारियाँ चल रही हैं कि जब समय आएगा, तो प्रक्रिया पारदर्शी, प्रामाणिक और परंपरा में निहित होगी।
- अगले दलाई लामा की वास्तविक पहचान में वर्षों लग सकते हैं, क्योंकि इसमें पारंपरिक रूप से सावधानीपूर्वक जांच, गोपनीयता और आध्यात्मिक अनुष्ठान शामिल हैं। फिर भी आज जो आधारशिला रखी जा रही है, वह प्रक्रिया और उसके स्वागत को आकार देगी।
- जबकि दलाई लामा की आध्यात्मिक विरासत करुणा और अहिंसा पर आधारित है, उनके उत्तराधिकारी को चुनने की प्रक्रिया तनावपूर्ण और राजनीतिक रूप से आवेशित माहौल में सामने आने की संभावना है। क्या तिब्बती बौद्ध धर्म की आध्यात्मिक परंपराएँ आधुनिक भू-राजनीति के दबावों से बच सकती हैं, यह एक खुला और गहरा परिणामकारी प्रश्न बना हुआ है।

2025 में थाईलैंड की राजनीतिक उथल-पुथल: आगे का परिदृश्य?

थाईलैंड इस समय हाल के वर्षों में अपने सबसे अशांत राजनीतिक प्रकरणों में से एक से गुजर रहा है। संवैधानिक न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावत्रा को निलंबित किए

जाने से देश के राजनीतिक और सामाजिक ताने-बाने में हलचल मच गई है। नैतिकता जांच से जुड़े इस फैसले ने न केवल विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा दिया है और राजनीतिक धुवीकरण को तेज किया है, बल्कि थाईलैंड के लोकतंत्र के भविष्य को लेकर भी गंभीर चिंताएं पैदा की हैं।

प्रधानमंत्री का निलंबन

- 1 जुलाई, 2025 को थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावत्रा के खिलाफ निलंबन आदेश जारी किया। यह फैसला उनके और कंबोडिया के एक पूर्व प्रधानमंत्री के बीच लीक हुई फोन बातचीत की जांच से उपजा है। कॉल में, उन्होंने कथित तौर पर एक थाई सैन्य कमांडर को "विपक्ष" कहा और कंबोडियाई समकक्ष के प्रति अधीनस्थ भाषा का इस्तेमाल किया। आलोचकों ने उनकी टिप्पणियों को कूटनीतिक रूप से अनुचित और राष्ट्रीय अखंडता से समझौता करने वाला कृत्य करार दिया।
- सीनेटर्स के एक समूह की याचिका के बाद, न्यायालय ने जांच के नतीजे आने तक पैतोंगटार्न को निलंबित करने के पक्ष में 7-2 से मतदान किया। उन्हें जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया। हालांकि उन्हें अभी तक पद से स्थायी रूप से नहीं हटाया गया है, लेकिन जांच के दौरान उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोक दिया गया है।

गठबंधन टूटना और सार्वजनिक अशांति

- 28 मई, 2025 को थाई और कंबोडियाई बलों के बीच एक घातक सीमा घटना के बाद स्थिति तेजी से बढ़ गई। कंबोडिया के पूर्व नेता से सीधे बात करके तनाव को कम करने के पैतोंगटार्न के निजी प्रयास को औपचारिक राजनयिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना गया। कॉल लीक होने के बाद, जनता का गुस्सा भड़क गया।
- इसके तुरंत बाद, एक प्रमुख गठबंधन सहयोगी-भूमजैथाई पार्टी-शासित गठबंधन से बाहर हो गई, जिससे पैतोंगटार्न की सरकार को बहुत कम बहुमत मिला। इस राजनीतिक अलगाव ने उनके नेतृत्व को काफी कमजोर कर दिया और उनके प्रशासन को कानूनी और संस्थागत कमजोरियों के सामने उजागर कर दिया।
- इसके बाद बड़े पैमाने पर सड़क पर विरोध प्रदर्शन हुए। 28 जून को हजारों लोग बैंकॉक के विजय स्मारक पर उनके इस्तीफे की मांग करने के लिए एकत्र हुए। राष्ट्रवादी गुटों ने प्रदर्शनों का नेतृत्व किया और उन्हें देशद्रोही करार दिया। प्रदर्शनकारियों ने उन पर थाई संप्रभुता को कमजोर करने और सेना की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। रैलियों में "उंग इंग, बाहर निकलो" (उनके लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक उपनाम) जैसे नारे छारे रहे, जबकि रूढ़िवादी समूहों ने न्यायपालिका द्वारा कार्रवाई न करने पर खुले तौर पर सैन्य हस्तक्षेप का आह्वान किया।

राजनीतिक पैटर्न और संस्थागत तनाव

- थाईलैंड में कानूनी और सैन्य साधनों के माध्यम से राजनीतिक व्यवधान का एक सुप्रलेखित इतिहास है। पैतोंगटार्न का निलंबन एक आवर्ती पैटर्न में फिट बैठता है, जहाँ कुछ राजनीतिक वंशों, विशेष रूप से शिनावत्रा के निर्वाचित नेताओं को अनिर्वाचित संस्थाओं द्वारा हटा दिया जाता है। उनके पिता, थाकसिन शिनावत्रा को 2006 में एक सैन्य तख्तापलट में हटा दिया गया था, और उनकी चाची, यिंगलक शिनावत्रा को 2014 में न्यायिक निष्कासन का सामना करना पड़ा था।
- इस प्रकार 2025 के निलंबन को न केवल एक स्वतंत्र घटना के रूप में देखा जाता है, बल्कि थाईलैंड की राजनीतिक संरचना में एक प्रणालीगत असंतुलन के हिस्से के रूप में भी देखा जाता है। आलोचकों का तर्क है कि न्यायपालिका और सेना जैसी संस्थाएँ असंगत प्रभाव रखती हैं, जो अक्सर चुनावी जनादेश को दरकिनार कर देती हैं। जब तक इस अतिक्रमण को सीमित करने के लिए संवैधानिक सुधार पेश नहीं किए जाते, तब तक थाईलैंड का लोकतांत्रिक विकास नाजुक बना रहेगा।

अंतरिम नेतृत्व और कैबिनेट फेरबदल

- उनके निलंबन के तुरंत बाद, उप प्रधान मंत्री सूर्या जुआंगरुंगरुंगकिट को कार्यवाहक प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया। हालांकि, कुछ ही दिनों में मंत्रिमंडल में एक और बदलाव हुआ, जिसमें फुमथम वेचायाचाई ने कार्यवाहक सरकार का नेतृत्व संभाला।
- पेटोंगटार्न की दोहरी भूमिकाओं के बारे में सवाल बने हुए हैं। निलंबन के समय, वह संस्कृति मंत्री के पद पर भी थीं। कानूनी विशेषज्ञ अभी भी इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या वह प्रधानमंत्री पद के अपने कर्तव्यों से निलंबित होने के दौरान कानूनी रूप से इस भूमिका की शपथ ले सकती हैं।

संभावित राजनीतिक परिदृश्य

थाईलैंड का भविष्य अब कई संभावित घटनाक्रमों पर टिका है:

1. स्थायी बर्खास्तगी

अगर अदालत पेटोंगटार्न को नैतिक उल्लंघन का दोषी पाती है, तो उन्हें स्थायी रूप से पद से हटाया जा सकता है। यह शिनावत्रा परिवार के भीतर पिछले राजनीतिक सफाए को दर्शाता है।

2. पार्टी के भीतर से नया नेतृत्व

अगर पेटोंगटार्न को हटाया जाता है, तो उनकी पार्टी आम चुनाव को टिगर किए बिना प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए किसी अन्य वरिष्ठ व्यक्ति को नामित कर सकती है। संभावित उम्मीदवारों में सूर्या या फुमथम शामिल हो सकते हैं।

3. गठबंधन का पुनर्निर्माण

सत्तारूढ़ पार्टी छोटी, वैचारिक रूप से जुड़ी पार्टियों के साथ गठबंधन करके अपने बहुमत का पुनर्निर्माण करने का प्रयास कर सकती है। हालांकि, विश्वास की कमी और राजनीतिक थकान इसे एक चुनौतीपूर्ण मार्ग बनाती है।

4. अचानक चुनाव

हालाँकि 2023 के आम चुनाव की निकटता के कारण इसकी संभावना कम है, लेकिन जनता की मांग और बढ़ती अशांति के कारण समय से पहले चुनाव हो सकते हैं, अगर संसदीय माध्यमों से शासन के लिए वैध मार्ग बहाल नहीं किया जा सकता है।

5. सैन्य हस्तक्षेप

सबसे चरम परिदृश्य में, सैन्य हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता है। थाईलैंड के सशस्त्र बलों ने अतीत में कई तख्तापलट किए हैं और राजनीतिक घटनाक्रम पर पर्याप्त प्रभाव डालना जारी रखा है।

अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर व्यापक प्रभाव

राजनीतिक अनिश्चितता निवेशकों के विश्वास और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रही है। विवाद के शुरू होने के तुरंत बाद थाई शेयर बाजार में तनाव के संकेत दिखे। साथ ही, व्यापार प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से तैरिफ जैसे बाहरी दबाव थाईलैंड के वित्तीय तनाव को बढ़ा रहे हैं।

थाईलैंड के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का भी परीक्षण किया जा रहा है। द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर रखने के प्रयासों के बावजूद, लीक हुए फोन कॉल ने कंबोडिया के साथ अपने राजनयिक संबंधों को जटिल बना दिया है। इस घटना को अब न केवल घरेलू घोटाले के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि एक संभावित भू-राजनीतिक चिंता के रूप में भी देखा जा रहा है।

घटती लोकप्रियता और वंशवादी थकान

पेटोंगटार्न शिनावत्रा, जिन्हें कभी एक शक्तिशाली राजनीतिक राजवंश के युवा मशालवाहक के रूप में देखा जाता था, अब घटती सार्वजनिक स्वीकृति का सामना कर रही हैं। हाल के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि उनकी लोकप्रियता एकल अंकों में गिर गई है। उनकी नेतृत्व शैली, हालाँकि आधुनिक और सुधार-उन्मुख है, लेकिन उनके परिवार की राजनीतिक विरासत और संस्थागत प्रतिरोध के वजन से प्रभावित हो रही है।

यह क्षण थाई राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है - संभवतः शिनावत्रा युग के अंत का संकेत। चाहे पेटोंगटार्न सत्ता में वापस आए या नहीं, वंशवादी नेतृत्व की भूख कम होती दिख रही है।

थाई लोकतंत्र के लिए निहितार्थ

यह संकट निर्वाचित नेतृत्व और जड़ जमाए हुए संस्थानों के बीच व्यापक संघर्ष को उजागर करता है। हालाँकि चुनावों ने लगातार प्रगतिशील सुधारों के लिए जनता का समर्थन दिखाया है, लेकिन थाई प्रणाली के संरचनात्मक तत्व - जैसे कि सीनेट, संवैधानिक न्यायालय और सेना की भूमिका - अक्सर मतदाताओं की इच्छा को नकारते हैं।

कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का तर्क है कि जब तक थाईलैंड संस्थागत शक्ति को लोकतांत्रिक जवाबदेही के साथ संतुलित करने वाले सार्थक सुधार लागू नहीं करता, तब तक भविष्य की सरकारें - चाहे उनकी लोकप्रियता कुछ भी हो - इसी तरह के व्यवधानों के प्रति संवेदनशील रहेंगी।

निष्कर्ष: आगे का अनिश्चित मार्ग

जैसा कि थाईलैंड इस गहराते संकट से जूझ रहा है, तत्काल चुनौती लोकतांत्रिक मानदंडों का सम्मान करते हुए राजनीतिक स्थिरता बहाल करना है। चाहे अदालती फैसलों के माध्यम से, संसदीय वार्ताओं के माध्यम से, या सार्वजनिक दबाव के माध्यम से, परिणाम आने वाले वर्षों के लिए देश की राजनीतिक दिशा को आकार देंगे।

क्या थाईलैंड इस संकट से नए सिरे से लोकतांत्रिक जोश के साथ उभरेगा - या चुनावी प्रक्रियाओं के नाम पर संस्थागत तानाशाही की ओर और आगे बढ़ेगा? आने वाले दिन इस सवाल का जवाब तय करने में महत्वपूर्ण होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की पाँच देशों की यात्रा (2-9 जुलाई, 2025) का सारांश

1. घाना (2-3 जुलाई)

घाना की पहली ऐतिहासिक यात्रा।

- घाना की संसद में भाषण दिया, राजनीतिक और सांस्कृतिक जुड़ाव के माध्यम से भारत-घाना राजनयिक संबंधों को मज़बूत किया।
- रक्षा सहयोग, आतंकवाद-रोधी सहयोग और खनिज संसाधनों के समन्वय, विशेष रूप से दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों, जो रणनीतिक उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं, पर ध्यान केंद्रित किया गया।

2. त्रिनिदाद और टोबैगो (3-4 जुलाई)

- त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की पहली यात्रा।
- दोनों देशों के साझा हितों को दर्शाते हुए ऊर्जा और हाइड्रोकार्बन में सहयोग को प्राथमिकता दी गई।
- चूँकि इन द्वीपों में भारतीय मूल के लोगों का एक बड़ा समुदाय है, इसलिए प्रवासी संबंधों को मज़बूत किया गया, जिससे लोगों के बीच संबंध बढ़ें।

3. अर्जेंटीना (4-5 जुलाई)

- द्विपक्षीय बैठकों में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और जैव ईंधन में साझेदारी पर ज़ोर दिया गया।
- अनुसंधान एवं विकास संबंधों को मज़बूत करने के उद्देश्य से विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।
- रक्षा उपकरणों और फार्मास्यूटिकल्स में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

4. ब्राज़ील और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (5-7 जुलाई)

- ब्राज़ील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जिससे समूह में भारत की भूमिका और मज़बूत हुई।

- ऊर्जा, जलवायु कार्रवाई, डिजिटल अर्थव्यवस्था, व्यापार सुगमता जैसे क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- वैश्विक शासन, आतंकवाद-निरोध और तकनीकी साझेदारी पर समन्वित वक्तव्यों के साथ दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मज़बूत किया।

5. नामीबिया (7-9 जुलाई)

- नामीबिया की संसद को संबोधित किया—किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा संबोधन।
- खनिज खनन, विशेष रूप से यूरेनियम, जो भारत की परमाणु ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है, में संबंधों को मज़बूत किया।
- स्वास्थ्य सेवा (जैसे, टेलीमेडिसिन) और शिक्षा में सहयोग का वादा किया, विकास सहयोग का विस्तार किया।

प्रमुख समझौते और फोकस क्षेत्र

- देश फोकस क्षेत्र समझौते/पहल
- घाना रक्षा; दुर्लभ-पृथ्वी खनिज; आतंकवाद-रोधी समझौता ज्ञापन रक्षा प्रशिक्षण पर; खनिज सर्वेक्षण सहयोग
- त्रिनिदाद और टोबैगो ऊर्जा; प्रवासी जुड़ाव ऊर्जा-क्षेत्र सहयोग; सांस्कृतिक आदान-प्रदान पहल
- अर्जेंटीना कृषि; जैव ईंधन; तकनीक कृषि तकनीक में अनुसंधान एवं विकास समझौते; संयुक्त अनुसंधान प्रोटोकॉल
- ब्राज़ील (ब्रिक्स) रणनीतिक उद्योग; डिजिटल अर्थव्यवस्था जलवायु वित्त पर ब्रिक्स वक्तव्य; एआई शासन; व्यापार सुविधा समझौते
- नामीबिया खनन; स्वास्थ्य; शिक्षा यूरेनियम खनन में सहयोग; टेलीमेडिसिन समझौता ज्ञापन; छात्रवृत्ति और प्रशिक्षण कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक सम्मान

देश सम्मान का महत्व

- घाना ऑर्डर ऑफ़ द स्टार ऑफ़ घाना के अधिकारी 2 जुलाई को प्राप्त; विशिष्ट राजनेता और वैश्विक नेतृत्व के लिए सम्मानित
- त्रिनिदाद और टोबैगो ऑर्डर ऑफ़ द रिपब्लिक ऑफ़ त्रिनिदाद और टोबैगो (ओआरटीटी) इसे प्राप्त करने वाले पहले विदेशी नेता; राजनयिक जुड़ाव और प्रवासी समुदायों के साथ संबंधों के लिए सम्मानित
- ब्राज़ील ग्रैंड कॉलर ऑफ़ द नेशनल ऑर्डर ऑफ़ द सदर्न क्रॉस, ब्राज़ील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, यह उनका 26वाँ वैश्विक सम्मान है।
- नामीबिया ऑर्डर ऑफ़ द मोस्ट एन्शिअेंट वेल्फ़ेयर मिराबिलिस, नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार; मोदी इसे प्राप्त करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने, यह उनका 27वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

रणनीतिक उद्देश्य और अंतर्दृष्टि

- पहली बार यात्राएँ: घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और नामीबिया, सभी किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्राएँ हैं, जो कूटनीति में भारत के विस्तार को दर्शाती हैं।
- भौगोलिक पहुँच: यात्रा में अफ्रीका, कैरिबियन और लैटिन अमेरिका शामिल थे, जिससे महाद्वीपों में पहुँच पर ज़ोर दिया गया।
- क्षेत्रीय फ़ोकस: प्रमुख विषय—रक्षा, ऊर्जा, खनिज, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल तकनीक और जलवायु वित्त—प्रदर्शित किए गए।
- ब्रिक्स नेतृत्व: ब्रिक्स में भारत की भूमिका को सुदृढ़ किया, जलवायु वित्त और एआई शासन पर वक्तव्यों का समन्वय किया, और दक्षिण-दक्षिण कूटनीति को जारी रखा।
- भारत के आर्थिक हित: साझेदारी का उद्देश्य भारत की रणनीतिक माँग के अनुरूप महत्वपूर्ण संसाधनों - दुर्लभ-पृथ्वी, खनिज और यूरेनियम - को सुरक्षित करना है।
- भारत का वैश्विक प्रयास: कूटनीति, रक्षा और विकास साझेदारी
- कूटनीति और विदेश नीति: विकासशील देशों के साथ बेहतर संबंधों को दर्शाते हुए, वैश्विक दक्षिण की ओर भारत के झुकाव को दर्शाता है।
- रक्षा कूटनीति: सैन्य सहयोग पर समझौता ज्ञापन रणनीतिक पहुँच के विस्तार को रेखांकित करते हैं।
- संसाधन सुरक्षा: खनन में भागीदारी महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा के भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य को दर्शाती है।
- बहुपक्षवाद: ब्रिक्स में सक्रिय भागीदारी, बहुपक्षीय वक्तव्यों के साथ भारत की वैश्विक आवाज़ को बढ़ावा देना।
- प्रवासी कूटनीति: त्रिनिदाद में भारत की सांस्कृतिक और जन-केंद्रित विदेश नीति को प्रदर्शित करते हुए।
- स्वास्थ्य और शिक्षा: सॉफ्ट पावर आउटरीच और छात्रवृत्ति के माध्यम से क्षमता निर्माण में भारत की भूमिका पर ज़ोर।

यात्रा पर एक नज़र

- यात्रा तिथियाँ: 2-9 जुलाई, 2025।
- यात्रा किए गए देश: घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, नामीबिया।
- पहली बार प्रधानमंत्री के दौरे: घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, नामीबिया।
- संसद संबोधन: घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, नामीबिया में।
- ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का स्थान: ब्राज़ील।
- प्रमुख क्षेत्र: रक्षा, खनिज, ऊर्जा, कृषि, अनुसंधान एवं विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, जलवायु वित्त।
- रणनीतिक परिणाम: दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मज़बूत किया; रक्षा, संसाधन सुरक्षा, प्रवासी संबंधों और विकास सहयोग पर समझौते हुए।

1. घाना

- राजधानी: अकरा
- मुद्रा: घानियन सेडी (GHS)
- वर्तमान राष्ट्रपति: जॉन ड्रामानी महामा
- सबसे बड़ी नदी: वोल्टा नदी
- प्रसिद्धि: घाना अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वर्ण भंडार, कोको उत्पादन और उभरते तेल उद्योग के लिए जाना जाता है। पश्चिम अफ्रीका में इसकी मज़बूत लोकतांत्रिक संस्थाएँ भी हैं।
- सीमावर्ती देश: पश्चिम में कोट डी आइवर, उत्तर में बुर्किना फ़ासो और पूर्व में टोगो।
- मुख्य आयात/निर्यात:
- निर्यात: सोना, कोको बीन्स, लकड़ी, तेल
- आयात: पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य पदार्थ

2. त्रिनिदाद और टोबैगो

- राजधानी: पोर्ट ऑफ़ स्पेन
- मुद्रा: त्रिनिदाद और टोबैगो डॉलर (TTD)
- वर्तमान नेतृत्व: राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू; प्रधान मंत्री कीथ रोवले
- सबसे बड़ी नदी: एक द्वीपीय राष्ट्र होने के नाते, इसकी कोई वैश्विक महत्व की प्रमुख नदी प्रणाली नहीं है।
- प्रसिद्धि: अपने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संसाधनों, जीवंत बहुसांस्कृतिक समाज और कार्निवल समारोहों के लिए प्रसिद्ध। यहाँ बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं।
- सीमावर्ती देश: यह कैरिबियन में एक द्वीपीय देश है जिसकी कोई स्थलीय सीमा नहीं है।
- मुख्य आयात/निर्यात:
- निर्यात: पेट्रोलियम, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी), अमोनिया, मेथनॉल, लोहा और इस्पात
- आयात: मशीनरी, खाद्य, निर्माण सामग्री, रसायन

3. अर्जेंटीना

- राजधानी: ब्यूनस आयर्स
- मुद्रा: अर्जेंटीना पेसो (ARS)
- वर्तमान राष्ट्रपति: जेवियर माइली
- सबसे बड़ी नदी: पराना नदी
- प्रसिद्धि: गोमांस उत्पादन, शराब, फुटबॉल संस्कृति, टैंगो संगीत और नृत्य, और पेटागोनिया और इगुआज़ू जलप्रपात जैसे प्राकृतिक अजूबों के लिए जाना जाता है।

- सीमावर्ती देश: चिली, बोलीविया, पैराग्वे, ब्राज़ील, उरुग्वे और दक्षिण अटलांटिक महासागर
- मुख्य आयात/निर्यात:
- निर्यात: सोयाबीन, मक्का, गेहूँ, गोमांस, सूरजमुखी तेल
- आयात: औद्योगिक मशीनरी, परिवहन उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन

4. ब्राज़ील

- राजधानी: ब्रासीलिया
- मुद्रा: ब्राज़ीलियाई रियल (BRL)
- वर्तमान राष्ट्रपति: लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा
- सबसे बड़ी नदी: अमेज़न नदी (आयतन के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी)
- प्रसिद्धि: ब्राज़ील विश्व स्तर पर अमेज़न वर्षावन, कॉफ़ी उत्पादन, फुटबॉल विरासत और कार्निवल उत्सव के लिए जाना जाता है। यह एक प्रमुख कृषि और खनन केंद्र भी है।
- सीमावर्ती देश: चिली और इक्वाडोर को छोड़कर सभी दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ सीमा साझा करता है।
- मुख्य आयात/निर्यात:
- निर्यात: सोयाबीन, लौह अयस्क, कच्चा तेल, चीनी, कॉफ़ी, बीफ़
- आयात: विद्युत उपकरण, मशीनरी, ईंधन, ऑटोमोबाइल

5. नामीबिया

- राजधानी: विंडहोक
- मुद्रा: नामीबियाई डॉलर (NAD), दक्षिण अफ्रीकी रैंड (ZAR) से 1:1 अनुपात में
- वर्तमान राष्ट्रपति: नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह (नामीबिया की पहली महिला राष्ट्रपति)
- सबसे बड़ी नदी: नामीबिया में अधिकांश नदी तल सूखे हैं; ज़ाम्बेज़ी और कुनेने नदियाँ मौसमी रूप से महत्वपूर्ण हैं
- प्रसिद्धि: नामीबिया अपने यूरेनियम और हीरे के खनन, अद्भुत रेगिस्तानी परिदृश्यों (जैसे नामीब रेगिस्तान) और विविध वन्य जीवन के लिए जाना जाता है।
- सीमावर्ती देश: उत्तर में अंगोला, उत्तर-पूर्व में ज़ाम्बिया, पूर्व में बोत्सवाना, दक्षिण में दक्षिण अफ्रीका और पश्चिम में अटलांटिक महासागर।
- मुख्य आयात/निर्यात:
- निर्यात: यूरेनियम, हीरे, तांबा, मछली, जस्ता
- आयात: पेट्रोलियम उत्पाद, वाहन, मशीनरी, खाद्य पदार्थ, बिजली

"जीवन में ऊँचे उठते समय लोगो से अच्छा व्यवहार करें !
क्योंकि यदि आप फिर निचे आये तो सामना इन्हीं
लोगो से करना होगा !!"

"जीतने का असली मज़ा तो तब है !
जब सब आपके हारने का इंतज़ार कर रहे हो !!"

अर्थव्यवस्था एवं व्यापार

भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मुलाकात के दौरान भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

FTA का आर्थिक प्रभाव:

- ब्रिटेन से भारत को निर्यात: 2040 तक 60% बढ़कर 15.7 बिलियन पाउंड के बराबर होने की उम्मीद है।
- कुल द्विपक्षीय व्यापार वृद्धि: 2040 के अनुमानों के अनुसार 39% या 25.5 बिलियन पाउंड/वर्ष बढ़ने का अनुमान है।

लाभ प्राप्त करने वाले क्षेत्र:

- ब्रिटेन: व्हिस्की, कार, निर्मित वस्तुएँ।
- भारत: कपड़ा, दवाइयाँ, इंजीनियरिंग वस्तुएँ, और अन्य।
- शुल्क उन्मूलन: भारत को अपनी 99% शुल्क लाइनों पर शुल्क उन्मूलन प्राप्त होगा, जो व्यापार मूल्य का लगभग 100% होगा।
- प्रतिभा गतिशीलता: FTA भारतीय पेशेवरों और प्रतिभाओं के लिए ब्रिटिश बाजार में पहुँच को आसान बनाएगा।
- विज्ञान 2035 रोडमैप: मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ, रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए एक नया यूके-भारत विज्ञान 2035 रोडमैप भी लॉन्च किया जाएगा।

- भारत 82.7% शुल्क श्रृंखलाओं पर शुल्क कम करेगा, जिसका प्रभाव EFTA के 95.3% निर्यात पर पड़ेगा, हालाँकि सोने पर शुल्क अपरिवर्तित रहेगा।
- उपभोक्ता प्रभाव: स्विस् वस्तुओं—जैसे घड़ियाँ, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियाँ—पर आयात शुल्क 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाएगा, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को लाभ होगा।
- सेवा व्यापार: भारत ने EFTA के लिए 105 सेवा उप-क्षेत्रों (कंप्यूटर सेवाएँ, लेखा, कानूनी, स्वास्थ्य सेवा सहित) को खोला है, जबकि स्विट्जरलैंड से 128, नॉर्वे से 114, लिकटेन्स्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएँ हासिल की हैं।
- निर्यात के अवसर: भारतीय निर्यातक यूरोपीय संघ के बाजारों तक पहुँचने के लिए स्विट्जरलैंड को एक केंद्र के रूप में उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि स्विस् सेवाओं के निर्यात का 40% से अधिक यूरोपीय संघ को जाता है।
- समर्पित डेस्क: व्यापार, निवेश और साझेदारी सुविधा को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एकल-खिड़की भारत-EFTA डेस्क की स्थापना की गई है।
- रणनीतिक महत्व: यह समझौता भारत का अब तक का सबसे व्यापक समझौता है, जिससे फार्मा, फिनटेक, एग्रीटेक, स्वच्छ ऊर्जा में वृद्धि और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भारत-ईएफटीए मुक्त व्यापार समझौता 1 अक्टूबर से लागू होगा

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की है कि भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर, 2025 से लागू होगा। 16 वर्षों से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद, इस समझौते पर 10 मार्च, 2024 को हस्ताक्षर किए गए थे।

- भागीदार देश: इसमें भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) शामिल हैं—स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेन्स्टीन।
- निवेश प्रतिबद्धता: EFTA देशों ने 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने का संकल्प लिया है—पहले 10 वर्षों में 50 अरब अमेरिकी डॉलर और उसके बाद के 5 वर्षों में 50 अरब अमेरिकी डॉलर।
- रोज़गार सृजन: इस निवेश से भारत में लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है।

शुल्क में कमी:

- EFTA अपनी 92-100% उत्पाद श्रृंखलाओं पर शुल्क में छूट प्रदान करेगा, जो यूरोपीय संघ को भारत के 99.6% निर्यात को कवर करेगा।

RBI ने HDFC बैंक और श्रीराम फाइनेंस पर लगाया आर्थिक जुर्माना

भारतीय रिज़र्व बैंक ने नियामक दिशानिर्देशों के विशिष्ट उल्लंघनों के लिए दो प्रमुख वित्तीय संस्थानों पर आर्थिक जुर्माना लगाया है।

संलिप्त संस्थान:

- HDFC बैंक - ₹4.88 लाख का जुर्माना
- श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड - ₹2.70 लाख का जुर्माना

जुर्माने का आधार

HDFC बैंक

- फेमा के तहत विदेशी निवेश मानदंडों का उल्लंघन किया।
- उल्लंघन में एक सावधि ऋण जारी करना शामिल था जो RBI के मास्टर निर्देशों के अनुरूप नहीं था।
- कारण बताओ नोटिस और बैंक के लिखित और मौखिक जवाबों के मूल्यांकन के बाद कार्रवाई की गई।

श्रीराम फाइनेंस

- डिजिटल ऋण दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया।
- ऋण चुकौती को सीधे कंपनी के खाते में भेजने के बजाय किसी तीसरे पक्ष के खाते के माध्यम से भेजने की अनुमति दी।

- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इसके वित्तीय रिकॉर्ड के वैधानिक निरीक्षण के दौरान विसंगति का पता चला।

HDFC बैंक

- स्थापना: अगस्त 1994
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र, भारत
- अध्यक्ष: अतनु चक्रवर्ती
- CEO: शशिधर जगदीशन

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने भारत के पहले समुद्री क्षेत्र के NBFC - सागरमाला फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (SMFCL) का शुभारंभ किया

केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सागरमाला फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (SMFCL) का उद्घाटन किया - जो समुद्री क्षेत्र के लिए समर्पित भारत का पहला NBFC है। SMFCL का उद्देश्य वित्तपोषण की कमी को दूर करना और बंदरगाहों, MSMEs, स्टार्टअप्स और संस्थानों को अनुकूलित वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह पहल समुद्री अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप है, जो भारत को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने और विकसित भारत को प्राप्त करने के लक्ष्य का समर्थन करती है।

मुख्य लॉन्च और पहल:

- सागर सेतु प्लेटफॉर्म: समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के लिए लॉन्च किया गया।
- मानकीकृत दर पैमाने का खाका: बंदरगाह शुल्कों में एकरूपता लाने के लिए प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरणों के लिए जारी किया गया।
- गेटवे टू ग्रीन रिपोर्ट: बंदरगाहों को ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाने के लिए रोडमैप प्रदान करने के लिए अनावरण किया गया।
- सी-डैक के साथ समझौता ज्ञापन: डिजिटल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए हस्ताक्षरित, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करना।

एसएमएफसीएल:

- प्रकार: सरकारी स्वामित्व वाला मिनी रत्न-I केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
- स्थापना: अगस्त 2016 को निगमित, जून 2025 को एनबीएफसी के रूप में पुनः पंजीकृत
- मूल मंत्रालय: बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार
- मुख्यालय: नई दिल्ली

सेबी ने नियामकीय चूक के लिए बीएसई पर ₹25 लाख का जुर्माना लगाया

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने कॉरपोरेट प्रकटीकरण और व्यापार निगरानी से संबंधित नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर ₹25 लाख

का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई फरवरी 2021 और सितंबर 2022 के बीच किए गए निरीक्षण के बाद की गई है।

सेबी - भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

- स्थापना: आरंभ में स्थापित: 12 अप्रैल, 1988 (एक गैर-सांविधिक निकाय के रूप में)
- दिया गया वैधानिक अधिकार: 30 जनवरी, 1992 सेबी अधिनियम, 1992 के माध्यम से
- मुख्यालय: स्थान: मुंबई, महाराष्ट्र
- वर्तमान अध्यक्ष: माधवी पुरी बुच, सेबी की पहली महिला अध्यक्ष, निजी क्षेत्र की पहली अध्यक्ष

बीएसई - बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज:

- स्थापना: 1875
- मुख्यालय: मुंबई
- बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स
- नियामक: सेबी
- सूचीबद्ध: बीएसई (2017)
- सीईओ और एमडी: सुंदररामन राममूर्ति

कोलंबिया और उज्बेकिस्तान न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) में शामिल हुए

कोलंबिया और उज्बेकिस्तान आधिकारिक तौर पर न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) में शामिल हो गए हैं, जिससे इसकी कुल सदस्यता बढ़कर 11 देशों की हो गई है। यह घोषणा 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले की गई है।

NDB के बारे में

न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना 2015 में ब्रिक्स देशों-ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए की गई थी।

ग्लोबल साउथ और इनोवेशन पर ध्यान

NDB की अध्यक्ष डिल्मा रूसेफ ने बैंक की 10वीं निदेशक मंडल बैठक में बोलते हुए ग्लोबल साउथ का समर्थन करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इनोवेशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे फोकस क्षेत्रों पर जोर दिया, खासकर सदस्य देशों को चौथी औद्योगिक क्रांति के अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए।

वर्तमान NDB सदस्य

NDB के 11 सदस्य देश हैं:

भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका (संस्थापक सदस्य) बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, अल्जीरिया, कोलंबिया और उज्बेकिस्तान

मुख्यालय और परियोजनाएँ

NDB का मुख्यालय शंघाई, चीन में है। बैंक ने विभिन्न क्षेत्रों में 120 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है जैसे:

- स्वच्छ ऊर्जा
- परिवहन
- पर्यावरण संरक्षण
- जल और स्वच्छता

डिजिटल अवसंरचना

कोलंबिया:

- राजधानी: बोगोटा
- मुद्रा: कोलंबियाई पेसो (सीओपी)
- अध्यक्ष: गुस्तावो पेद्रो (2025 तक)
- भौगोलिक विशेषता: प्रशांत महासागर और कैरेबियन सागर की सीमाएँ
- प्रमुख नदी: मैग्डलेना नदी, काउका नदी, पुटुमायो नदी, अमेज़ॉन नदी, ओरिनोको नदी, ग्वावियारे नदी
- प्रमुख निर्यात: कॉफी, पेट्रोलियम, कोयला, सोना और फूल

सदस्यता:

- 2025 में नए विकास बैंक (NDB) में शामिल हुआ
- प्रशांत गठबंधन, OECD और UN का सदस्य
- उल्लेखनीय तथ्य: दुनिया के शीर्ष कॉफी उत्पादकों में से एक
- पड़ोसी देश: वेनेजुएला, ब्राजील, पेरू, इक्वाडोर, पनामा

उज्बेकिस्तान:

- राजधानी: ताशकंद
- मुद्रा: उज्बेकिस्तानी सोम (UZS)
- राष्ट्रपति: शावकत मिर्जियोयेव (2025 तक)
- भौगोलिक विशेषता: दोहरी भूमि से घिरा देश (केवल भूमि से घिरे देशों से घिरा हुआ)
- प्रमुख नदियाँ: अमु दरिया और सीर दरिया, ज़राफ़शान नदी, चिरचिक नदी, सुरखंडार्या नदी, काश्कादर्या नदी
- प्रमुख निर्यात: प्राकृतिक गैस, सोना, कपास, यूरेनियम और वस्त्र

सदस्यता:

- 2025 में न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) में शामिल हुआ
- SCO (शंघाई सहयोग संगठन), CIS और UN का सदस्य
- उल्लेखनीय तथ्य: दुनिया के अग्रणी कपास उत्पादकों में से एक
- पड़ोसी देश: कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अफ़गानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान

सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में उत्तर प्रदेश 29वें से 18वें स्थान पर

उत्तर प्रदेश ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सूचकांक में उल्लेखनीय सुधार किया है और राष्ट्रीय स्तर पर 29वें स्थान से 18वें स्थान पर पहुँच गया है। इस छलांग के साथ, राज्य अब 'अग्रणी' श्रेणी में प्रवेश कर गया है, जो पहले 'प्रदर्शनकारी' की स्थिति से बेहतर है। यह प्रगति विकास और शासन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को दर्शाती है।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रमुख योजनाओं की भूमिका

मुख्यमंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति को गति देने के लिए कई सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को श्रेय दिया, जिनमें शामिल हैं:

- हर घर जल

- हर घर बिजली
- कन्या सुमंगला
- पोषण अभियान
- मुख्यमंत्री आरोग्य योजना
- मिशन शक्ति
- प्रधानमंत्री आवास योजना
- मिशन कायाकल्प
- एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी)

इन योजनाओं ने विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है और शासन में जनता का विश्वास बढ़ाने में मदद की है।

उत्तर प्रदेश:

- राजधानी: लखनऊ
- भारत में क्षेत्रफल: चौथा सबसे बड़ा राज्य (लगभग 243,286 वर्ग किमी)
- जनसंख्या: प्रथम (भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य)
- राज्यपाल: आनंदीबेन पटेल
- मुख्यमंत्री: योगी आदित्यनाथ
- प्रमुख नदियाँ: गंगा, यमुना, घाघरा, गोमती, सरयू, बेतवा
- ओडीओपी योजना: एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) - प्रत्येक ज़िले के अनूठे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देता है

विश्व बैंक द्वारा भारत को दुनिया के सबसे समान समाजों में चौथा स्थान दिया गया

विश्व बैंक ने गिनी इंडेक्स के आधार पर भारत को दुनिया के सबसे समान समाजों में चौथा स्थान दिया है, जो आय या उपभोग वितरण में असमानता को मापता है।

भारत का गिनी इंडेक्स: 25.5

भारत का गिनी इंडेक्स स्कोर 25.5 है, जो इसे "मध्यम रूप से कम असमानता" श्रेणी (25 से 30 के बीच गिनी) में रखता है। यह कई देशों की तुलना में अधिक समान आय वितरण को इंगित करता है।

वैश्विक रैंकिंग

भारत स्लोवाक गणराज्य (24.1), स्लोवेनिया (24.3) और बेलारूस (24.4) के बाद दूसरे स्थान पर है - शीर्ष तीन सबसे समान देश। विश्व बैंक की रिपोर्ट में भारत ने चीन (35.7) और संयुक्त राज्य अमेरिका (41.8) जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं सहित 167 अन्य देशों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

समय के साथ प्रगति

भारत ने असमानता को कम करने में लगातार प्रगति दिखाई है। इसका गिनी इंडेक्स 2011 में 28.8 से बढ़कर 2022 में 25.5 हो गया, जो आर्थिक विकास को सामाजिक समानता के साथ संतुलित करने के प्रयासों को दर्शाता है।

गिनी इंडेक्स क्या है?

गिनी इंडेक्स किसी देश के भीतर आय वितरण का एक प्रमुख संकेतक है, जहाँ 0 का स्कोर पूर्ण समानता को दर्शाता है और

100 का मतलब पूर्ण असमानता है। भारत का नवीनतम गिनी इंडेक्स स्कोर चीन (35.7), संयुक्त राज्य अमेरिका (41.8), और सभी G7 और G20 देशों सहित कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक न्यायसंगत आय वितरण को दर्शाता है। यह 2011 से एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाता है, जब भारत का स्कोर 28.8 था, जो पिछले दशक में अधिक आय समानता की ओर एक सुसंगत प्रवृत्ति को दर्शाता है।

भारत पहली बार एसडीजी प्रगति में शीर्ष 100 देशों में शामिल हुआ

भारत ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में अपनी प्रगति के लिए दुनिया के शीर्ष 100 देशों में स्थान बनाकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा जारी सतत विकास रिपोर्ट (एसडीआर) 2025 के 10वें संस्करण के अनुसार, भारत को एसडीजी सूचकांक पर 67 अंकों के साथ 167 देशों में से 99वें स्थान पर रखा गया है।

पिछली रैंकिंग से सुधार

2025 एसडीजी सूचकांक में भारत का प्रदर्शन 2024 में अपने 109वें स्थान से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है। यह वैश्विक एसडीजी ढांचे के साथ संरेखित प्रमुख विकास संकेतकों को संबोधित करने में देश के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

अन्य देशों के साथ तुलना

- चीन: 74.4 के स्कोर के साथ 49वीं रैंक
 - अमेरिका: 75.2 के स्कोर के साथ 44वीं रैंक
 - भूटान: 74वीं (70.5 अंक)
 - नेपाल: 85वीं (68.6 अंक)
 - बांग्लादेश: 114वीं (63.9 अंक)
 - पाकिस्तान: 140वीं (57 अंक)
 - मालदीव और श्रीलंका: क्रमशः 53वीं और 93वीं रैंक
- फिनलैंड, स्वीडन और डेनमार्क वैश्विक एसडीजी सूचकांक में शीर्ष पर बने हुए हैं, 2025 की सूची में शीर्ष 20 देशों में से 19 यूरोप के हैं।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बारे में

सतत विकास लक्ष्य 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए गए 17 वैश्विक लक्ष्यों का एक समूह है, जिसका उद्देश्य 2030 तक गरीबी को समाप्त करना, पर्यावरण की रक्षा करना और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करना है। नवीनतम रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक प्रगति धीमी हो गई है, समय सीमा तक 17 लक्ष्यों में से केवल 17% ही प्राप्त किए जा सके हैं।

लघु लेख

आय समानता में भारत वैश्विक अग्रणी के रूप में उभरा

भारत न केवल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि अब इसे सबसे अधिक आय-समान देशों में से एक के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। विश्व बैंक द्वारा जारी हालिया आंकड़ों

के अनुसार, भारत का गिनी सूचकांक—आय असमानता का एक प्रमुख संकेतक—25.5 पर है, जो इसे आय समानता के मामले में वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर रखता है।

गिनी सूचकांक को समझना: आय वितरण का एक मापक

गिनी सूचकांक या गिनी गुणांक 1912 में इतालवी सांख्यिकीविद कोराडो गिनी द्वारा विकसित एक सांख्यिकीय उपकरण है। यह पूर्ण आय वितरण से विचलन को मापकर जनसंख्या में आय असमानता को मापता है। 0 का गिनी मान पूर्ण समानता को दर्शाता है, जबकि 100 अधिकतम असमानता को दर्शाता है। भारत का वर्तमान स्कोर 25.5 इसे "मध्यम रूप से कम असमानता" श्रेणी (25-30 की सीमा) में रखता है।

असमानता कम करने में भारत की प्रगति: प्रमुख उपलब्धियाँ

भारत का गिनी सूचकांक 2011 के 28.8 से बढ़कर 2022 में 25.5 हो गया है, जो बढ़ती समानता को दर्शाता है।

भारत अब चीन (35.7) और संयुक्त राज्य अमेरिका (41.8) जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर स्थिति में है।

ये आँकड़े भारत के गहरे ग्रामीण-शहरी विभाजन के बारे में प्रचलित धारणाओं को चुनौती देते हैं, और इसके बजाय व्यापक आय वृद्धि, विशेष रूप से निम्न-आय वर्ग में, पर प्रकाश डालते हैं।

भारत की आय समानता को प्रभावित करने वाले कारक

1. गरीबी में उल्लेखनीय कमी

- विश्व बैंक के वसंत 2025 गरीबी और समानता संक्षिप्त विवरण के अनुसार:
- 2011 से अब तक 17.1 करोड़ भारतीय अत्यधिक गरीबी से बाहर आ चुके हैं।
- अद्यतन 3 अमेरिकी डॉलर/दिन वैश्विक गरीबी रेखा का उपयोग करते हुए, भारत की अत्यधिक गरीबी दर 2022-23 में घटकर 5.3% हो गई, जो 2011-12 में 27.1% थी। अत्यंत गरीब व्यक्तियों की संख्या 344.47 मिलियन से घटकर 75.24 मिलियन हो गई।

2. सुदृढ़ कल्याणकारी वितरण तंत्र

कई प्रमुख योजनाओं ने समतामूलक विकास में योगदान दिया है:

- प्रधानमंत्री जन धन योजना: वित्तीय समावेशन में सुधार के लिए जून 2025 तक 55.69 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए।
- आधार और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) अवसंरचना: 2023 तक 142 करोड़ से अधिक आधार कार्ड जारी किए गए और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से ₹3.48 लाख करोड़ की बचत हुई।
- आयुष्मान भारत: 41.34 करोड़ स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए; डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत 79 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य पहचान पत्र बनाए गए।
- स्टैंड-अप इंडिया: 2.75 लाख से अधिक आवेदकों को 62,807 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, जिससे हाशिए पर पड़े समूहों में उद्यमिता को बढ़ावा मिला।

- पीएमजीकेवाई: 80.67 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँच बनाई गई, जिससे कमजोर आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई।
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना: जुलाई 2025 तक 29.95 लाख पंजीकरण, पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण और ऋण प्रदान करके सहायता प्रदान करना।

समग्र लाभ के बावजूद असमानताएँ बनी हुई हैं

1. व्यापक सीमा के अंतर्गत उच्च गरीबी

3.65 अमेरिकी डॉलर/दिन की सीमा के अनुसार, भारत की गरीबी दर 28.1% है, जिसका प्रभाव 30 करोड़ से अधिक लोगों पर पड़ता है।

2. आय और संपत्ति का संकेंद्रण

- शीर्ष 10% लोग निचले 10% लोगों की तुलना में 13 गुना अधिक कमाते हैं।
- आय का गिनी सूचकांक 0.410 (2023) है, जो 1955 के स्तर (0.371) से अधिक है।
- शीर्ष 1% भारतीयों के पास कुल संपत्ति का 40% से अधिक हिस्सा है, जबकि निचले 50% लोगों के पास केवल 3% संपत्ति है।

3. पुराने पैमाने और अवसरों में अंतराल

- वर्तमान गरीबी रेखा 2014 की रंगराजन समिति पर आधारित है और इसमें वर्तमान मुद्रास्फीति और शहरी जीवन-यापन की लागत को शामिल नहीं किया गया है।
- शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल पहुँच में संरचनात्मक असमानताएँ बनी हुई हैं, खासकर महिलाओं, ग्रामीण समुदायों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अनौपचारिक श्रमिकों के लिए।

समानता को बनाए रखने और गहरा करने के लिए नीतिगत अनिवार्यताएँ

1. गरीबी मापन को पुनर्परिभाषित करें

भारत की राष्ट्रीय गरीबी रेखा को वर्तमान जीवन स्तर, मुद्रास्फीति और शहरीकरण को प्रतिबिंबित करने के लिए अद्यतन करें।

2. श्रम बाजार सुधारों को बढ़ावा दें

उचित वेतन प्रदान करें, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करें और श्रम अधिकारों को लागू करें, खासकर अनौपचारिक क्षेत्र में।

3. मानव पूँजी में निवेश करें

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के लिए धन बढ़ाएँ (जैसे सर्व शिक्षा अभियान, पीएम श्री स्कूल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन)।

4. डिजिटल खाई को पाटें

भारतनेट जैसी योजनाओं को मज़बूत करें, डिजिटल साक्षरता का विस्तार करें और कृषायुती डिजिटल उपकरणों तक पहुँच में सुधार करें।

5. लैंगिक समानता को बढ़ावा दें

समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं के अवैतनिक श्रम को महत्व दें, भूमि, ऋण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुँच बढ़ाएँ।

निष्कर्ष: समावेशी विकास का एक मॉडल

भारत का 25.5 का निम्न गिनी स्कोर, लक्षित कल्याणकारी योजनाओं और समावेशी विकास नीतियों के कारण असमानता कम करने में ठोस लाभ को दर्शाता है। हालाँकि, आय असमानता, गरीबी मापन और अवसरों तक पहुँच के संदर्भ में चुनौतियाँ बनी हुई हैं। समतामूलक विकास के वैश्विक मॉडल के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए, भारत को गतिशील नीतियाँ अपनानी होंगी, गरीबी के मानदंडों को अद्यतन करना होगा और अपने आर्थिक सुधारों की समावेशिता सुनिश्चित करनी होगी।

"यदि मजिल न मिले तो रास्ते बदलो !
क्योंकि वृक्ष अपनी पत्तियाँ बदलते हैं जड़े नहीं !!"

"जब तक किसी काम को किया नहीं जाता !
तब तक वह असंभव ही लगता है !!"

रक्षा एवं सुरक्षा

भारतीय वायुसेना सितंबर 2025 में अपने आखिरी मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर करेगी

भारतीय वायु सेना (IAF) सितंबर 2025 में अपने आखिरी मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर करेगी, जिससे 62 साल का सेवा इतिहास समाप्त हो जाएगा। अंतिम चरण-समाप्ति समारोह 19 सितंबर 2025 को चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा।

शेष स्क्वाड्रन:

- नंबर 23 स्क्वाड्रन (पैथर्स)
- नंबर 3 स्क्वाड्रन (कोबरा)
- दोनों नाल रेगिस्तानी एयरबेस, बीकानेर (राजस्थान) में स्थित हैं

मिग-21 के बारे में:

- भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान
- 1963 में शामिल
- कुल मिग-21 शामिल: 874
- 1971 के युद्ध और शीत युद्ध के दौर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

संचालन संबंधी चिंताएँ:

- लगातार दुर्घटनाओं के कारण "उड़ता ताबूत" और "विधवा निर्माता" उपनाम
- 400 से अधिक मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 200 पायलटों की मृत्यु हुई

स्वदेशी लड़ाकू विमानों से प्रतिस्थापन:

एलसीए तेजस एमके-1ए (एचएएल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित) द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है

आईएनएस निस्तार - समुद्री आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

भारतीय नौसेना को विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) से भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) आईएनएस निस्तार प्राप्त हुआ है। यह पोत लगभग 75% स्वदेशी सामग्री से निर्मित है, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहलों के अनुरूप है। भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) मानकों के अनुसार डिज़ाइन किया गया, आईएनएस निस्तार उन्नत नौसेना इंजीनियरिंग में भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं को दर्शाता है।

आईएनएस निस्तार की मुख्य विशेषताएँ:

- लंबाई: 118 मीटर
- विस्थापन: लगभग 10,000 टन
- नाम उत्पत्ति: संस्कृत शब्द निस्तार, जिसका अर्थ है "मुक्ति" या "बचाव"।
- उद्देश्य: गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव अभियान
- संतृप्ति गोताखोरी क्षमता: 300 मीटर तक
- साइड डाइविंग चरण: 75 मीटर तक

- दूर से संचालित वाहन (आरओवी): 1,000 मीटर गहराई तक कार्य करते हैं
- गहरे जलमग्न बचाव पोत (डीएसआरवी) के लिए 'मदर शिप' के रूप में कार्य करते हैं

रणनीतिक महत्व:

- ऐसी उन्नत बचाव क्षमताएँ रखने वाली विश्व की कुछ नौसेनाओं में से एक
- भारत की उप-सतही परिचालन और पनडुब्बी बचाव क्षमताओं को बढ़ाता है
- भारत के रक्षा निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करता है

भारत ने पृथ्वी-II और अग्नि-I मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से अपनी दो प्रमुख बैलिस्टिक मिसाइलों - पृथ्वी-II और अग्नि-I - का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये रात्रिकालीन प्रक्षेपण सामरिक बल कमान द्वारा किए गए, जिससे भारत की परिचालन तत्परता और मिसाइल विश्वसनीयता पर ज़ोर दिया गया।

परीक्षण की गई मिसाइलें:

- पृथ्वी-II: कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, लगभग 350 किमी की मारक क्षमता वाली, पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के हथियार ले जाने में सक्षम।
- अग्नि-I: मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, 700-900 किमी की मारक क्षमता और लगभग 1,000 किलोग्राम पेलोड; परमाणु क्षमता वाली।
- मिशन परिणाम: दोनों मिसाइलों ने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे उनकी विश्वसनीयता और तत्परता की पुष्टि हुई।
- रणनीतिक महत्व: ये परीक्षण भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत करते हैं और सामरिक बल कमान के तहत देश के स्वदेशी मिसाइल विकास को रेखांकित करते हैं।
- विकास पृष्ठभूमि: पृथ्वी और अग्नि दोनों श्रृंखलाएँ डीआरडीओ द्वारा एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के तहत स्वदेशी रूप से विकसित की गई हैं।

पृथ्वी मिसाइलें

- प्रकार: कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल
- उत्पत्ति स्थान: भारत
- डिज़ाइनर: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- निर्माता: भारत डायनेमिक्स लिमिटेड

अग्नि मिसाइलें

- उत्पत्ति स्थान: भारत
- डिज़ाइनर: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन
- निर्माता: भारत डायनेमिक्स लिमिटेड

➤ अधिकतम गति: 24 मैक (अग्नि-V)

लद्दाख में स्वदेशी 'आकाश प्राइम' वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण

वायु रक्षा प्रणाली को और मज़बूत बनाने के लिए, भारतीय सेना ने लद्दाख में स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा प्रणाली "आकाश प्राइम" का सफल परीक्षण किया है।

- निरीक्षण: इस परीक्षण की निगरानी सेना के वायु रक्षा अधिकारियों और डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की, जिन्होंने इस प्रणाली को विकसित किया था।
- सटीक प्रदर्शन: तेज़ गति से चलने वाले हवाई लक्ष्यों पर दो सीधे प्रहार किए गए, जिससे दुर्लभ वायु परिस्थितियों में इसकी सटीकता की पुष्टि हुई।
- प्रणाली उन्नयन: आकाशप्राइम में एक स्वदेशी सक्रिय आरएफ सीकर है, जिसे कम तापमान और उच्च ऊँचाई पर विश्वसनीय रूप से संचालित करने के लिए उन्नत किया गया है।
- रेजिमेंट एकीकरण: इसे भारतीय सेना की तीसरी और चौथी आकाश रेजिमेंटों को सुसज्जित करने की योजना है, जिससे वायु रक्षा तैयारियों को और मज़बूती मिलेगी।
- संचालन क्षमता: आकाशप्राइम ने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्धक्षेत्र में अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया था, जिसमें पाकिस्तान द्वारा तैनात चीनी जेट और तुर्की ड्रोन जैसे हवाई खतरों का मुकाबला किया गया था।
- रणनीतिक महत्व: यह परीक्षण भारत की बढ़ती आत्मनिर्भर रक्षा क्षमताओं और उच्च ऊँचाई वाले सीमा क्षेत्रों में परिचालन तैयारियों को पुष्ट करता है।

आकाश प्राइम वायु रक्षा प्रणाली

आकाश प्राइम डीआरडीओ द्वारा विकसित एक उन्नत, स्वदेशी रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसे लड़ाकू जेट, ड्रोन और मिसाइलों जैसे हवाई खतरों को रोकने और नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मुख्य विशेषताएँ:

- सटीक लक्ष्य ट्रैकिंग के लिए सक्रिय आरएफ सीकर।
- अत्यधिक ऊँचाई और कम तापमान की स्थितियों में काम करता है।
- पिछले आकाश संस्करणों की तुलना में बेहतर सटीकता।
- त्वरित तैनाती के लिए मोबाइल प्लेटफॉर्म पर स्थापित।
- नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणालियों में एकीकृत किया जा सकता है।

उद्देश्य और उपयोग:

- अग्रिम ठिकानों और रणनीतिक संपत्तियों की रक्षा करता है।
- लद्दाख जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी।
- अभियानों के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण और युद्ध-सिद्ध।

यह क्यों महत्वपूर्ण है:

आकाश प्राइम भारत की आत्मनिर्भर वायु रक्षा क्षमता को बढ़ाता है और आयातित प्रणालियों पर निर्भरता कम करता है।

डीआरडीओ और भारतीय वायुसेना ने ओडिशा में अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सहयोग से ओडिशा में सुखोई-30 एमके-1 लड़ाकू विमान से स्वदेशी अस्त्र मिसाइल, जो दृश्य सीमा से परे (बीवीआर) हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, का सफल उड़ान परीक्षण किया।

तकनीकी विशेषताएँ

अस्त्र मिसाइल की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है और यह अत्याधुनिक मार्गदर्शन और नेविगेशन प्रणालियों से एकीकृत है। एक अग्रणी लड़ाकू मंच से इसका सफल संचालन उन्नत स्वदेशी वायु युद्ध तकनीक विकसित करने की भारत की क्षमता को दर्शाता है।

डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन):

- स्थापना: 1958
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- मुख्य मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
- वर्तमान अध्यक्ष: डॉ. समीर वी. कामत (2025 तक)
- मुख्य भूमिका: वैमानिकी, आयुध, मिसाइल, नौसेना प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक्स और जीवन विज्ञान सहित रक्षा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास

भारत ने स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट ERASR का सफल परीक्षण किया

भारत ने विस्तारित दूरी वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेट (ERASR) के उपयोगकर्ता परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं, जिससे उसकी समुद्री रक्षा क्षमताएँ मज़बूत हुई हैं।

DRDO प्रयोगशालाओं द्वारा सहयोग से विकसित

ERASR, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित एक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) प्रणाली है। इसके प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल हैं:

- आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (ARDE), पुणे
- उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (HEMRL)
- नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (NSTL)

इन संस्थानों ने मिलकर ERASR को भारतीय नौसेना के जहाजों की स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर प्रणालियों के साथ एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया है।

विशेषताएँ और प्रदर्शन

ERASR में दोहरे रॉकेट मोटर विन्यास का उपयोग किया गया है, जो उच्च सटीकता के साथ विभिन्न दूरी पर लचीले ढंग से संलग्न होने की अनुमति देता है। यह स्वदेशी रूप से विकसित इलेक्ट्रॉनिक टाइम फ्यूज से सुसज्जित है, जो इसकी सटीकता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। विभिन्न रेंजों पर कुल 17 रॉकेटों का मूल्यांकन किया गया और रेंज तथा वारहेड की कार्यप्रणाली सहित सभी प्रदर्शन मानदंड सफलतापूर्वक पूरे किए गए।

उत्पादन साझेदारी और रणनीतिक महत्व

सरकार ने इनके साथ साझेदारी की है:

- भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), हैदराबाद
- सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड, नागपुर
- ये उद्योग साझेदार ERASR के उत्पादन और बड़े पैमाने पर तैनाती में सहायता करेंगे, जिससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय नौसेना ने रूस में INS तमाल को शामिल किया

भारतीय नौसेना ने रूस के कलनिनग्राद में यंतर शिपयार्ड में स्टील्थ फ्रिगेट INS तमाल (F-71) को शामिल किया।

मुख्य विशेषताएं:

प्रोजेक्ट 1135.6 के तहत 8वां मल्टी-रोल स्टील्थ फ्रिगेट INS तमाल को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

यह फॉलो-ऑन तुशील क्लास का दूसरा जहाज है (पहला: INS तुशील, दिसंबर 2024 में शामिल किया गया)।

पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह की मौजूदगी में इसे शामिल किया गया। भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में निर्मित, यह 65 वर्षों में इस सहयोग के तहत वितरित किया गया 51वां जहाज है।

जहाज में 26% स्वदेशी घटक शामिल हैं, जैसे:

- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें
- HUMSA-NG सोनार सिस्टम
- कमांडर: कैप्टन श्रीधर टाटा, गनरी और मिसाइल युद्ध के विशेषज्ञ।
- पश्चिमी बेड़े के अंतर्गत कर्नाटक के करवार नौसेना बेस पर स्थित होगा।

महत्व:

- रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के लिए भारत के प्रयास को दर्शाता है।
- भारत-रूस रक्षा संबंधों को मजबूत करता है।
- भारतीय नौसेना की ब्लू-वाटर क्षमताओं और समुद्री प्रभुत्व को बढ़ाता है।
- हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की निवारक और परिचालन शक्ति में इजाफा करता है।

परियोजना पृष्ठभूमि:

- प्रोजेक्ट 1135.6 (क्रिवाक क्लास) के तहत निर्मित।
- तलवार और तेग श्रेणी के स्टील्थ फ्रिगेट की निरंतरता।
- मेक इन इंडिया और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से जुड़ी व्यापक पहल का हिस्सा।

भारत ने नौसेना की सामरिक ताकत के लिए K-6 हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित की

भारत अत्याधुनिक पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) - K-6 हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करके अपनी समुद्री

सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, जो भारतीय नौसेना की दूसरी-स्ट्राइक परमाणु क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी।

K-6 हाइपरसोनिक मिसाइल की मुख्य विशेषताएं

- प्रकार: पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM)
- डेवलपर: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)
- गति: मैक 7.5 (~9,261 किमी/घंटा) तक
- रेंज: अनुमानित 8,000 किलोमीटर, महाद्वीपों में गहरे हमले वाले स्थानों को लक्षित करने में सक्षम
- पेलोड: पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकता है
- चुपके और गति: निरोध और पहले हमले में जीवित रहने के लिए चुपके, उच्च गति और सटीकता प्रदान करता है

रणनीतिक तैनाती

- विशेष रूप से भारत की अगली पीढ़ी की परमाणु पनडुब्बियों - S-5 श्रेणी की SSBN के लिए डिज़ाइन की गई
- ये पनडुब्बियाँ INS अरिहंत से बड़ी हैं और कई स्वतंत्र रूप से लक्षित पुनः प्रवेश वाहन (MIRV) ले जा सकती हैं
- S-5 श्रेणी की पनडुब्बियों में कई K-6 मिसाइलें ले जाने की उम्मीद है, जो समुद्र आधारित निरोध सुनिश्चित करती हैं

माह के रक्षा/सैन्य अभ्यास**IND-INDO CORPAT**

भारत और इंडोनेशिया ने इंडोनेशिया के बेलावन में आयोजित अपने समन्वित गश्ती (IND-INDO CORPAT) के 44वें संस्करण का समापन किया।

- यह दीर्घकालिक द्विपक्षीय समुद्री सहयोग, जो 2002 में शुरू हुआ और वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है, का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में सहयोग बढ़ाना और सुरक्षा बनाए रखना है।
- संस्करण: भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच CORPAT का 44वां संस्करण
- शुरूआत: दोनों देशों के बीच CORPAT 2002 से वर्ष में दो बार आयोजित किए जाते रहे हैं।

तैनात जहाज और विमान:

- INS सरयू - स्वदेशी रूप से निर्मित अगली पीढ़ी का अपतटीय गश्ती पोत (NOPV)
- LCU-55 - लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी (LCU) Mk-IV श्रेणी का पाँचवाँ जहाज
- डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान (MPA)

उद्देश्य और दायरा

- प्राथमिक लक्ष्य: समुद्री सहयोग को बढ़ाना, परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना और भारत और इंडोनेशिया की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता का निर्माण करना।
- रणनीतिक संदर्भ: भारत के "महासागर" दृष्टिकोण के अनुरूप - सभी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति।

सुरक्षा लक्ष्य:

- हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना
- समुद्र में IUU मछली पकड़ने, समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और सशस्त्र डकैती का मुकाबला करना
- संयुक्त EEZ निगरानी, SAR (खोज और बचाव), और तस्करी विरोधी प्रयासों को सक्षम बनाना

भारत-इंडोनेशिया रक्षा अभ्यास पर एक नज़र:

अभ्यास का नाम	प्रकार	आरंभ	आवृत्ति	फोकस क्षेत्र
IND-INDO CORPAT	नौसेना गश्ती	2002	अर्धवार्षिक	समुद्री सुरक्षा, EEZ निगरानी
समुद्र शक्ति	नौसेना युद्ध	2018	वार्षिक	नौसेना अंतर-संचालन, संयुक्त युद्ध अभियान
गरुड़ शक्ति	सेना	2012	वार्षिक	आतंकवाद-रोधी, जंगल युद्ध
हवाई मुठभेड़ें	वायु संचालन / MPA	जारी	तदर्थ	समुद्री गश्त, निगरानी समन्वय

सिम्बेक्स

भारतीय नौसेना इस महीने के अंत में सिंगापुर में होने वाले सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (सिम्बेक्स) के 32वें संस्करण में भाग लेने के लिए तैयार है। पूर्व में अभ्यास लायन किंग के नाम से जाना जाने वाला सिम्बेक्स भारत द्वारा आयोजित सबसे लंबे समय तक निर्बाध द्विपक्षीय समुद्री अभ्यासों में से एक है, जो भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत और निरंतर नौसैनिक सहयोग को दर्शाता है।

रणनीतिक महत्व

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने इस बात पर जोर दिया कि सिम्बेक्स भारत की समुद्री पहलों, विशेष रूप से विज्ञान सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है। इन नीतियों का उद्देश्य क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ावा देना है। उन्होंने समुद्री डकैती और गैर-सरकारी तत्वों की गतिविधियों जैसे बढ़ते समुद्री खतरों पर भी प्रकाश डाला और मुक्त, सुरक्षित और खुले समुद्री व्यापार मार्गों को सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त नौसैनिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

नौसेना की भागीदारी और तैनाती

भारतीय नौसेना ने अभ्यास के लिए सिंगापुर में चार स्वदेश निर्मित युद्धपोत तैनात किए हैं: आईएनएस दिल्ली, आईएनएस सतपुड़ा, आईएनएस किल्टन और आईएनएस शक्ति। ये आधुनिक युद्धपोत पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर रियर एडमिरल सुशील मेनन के अधीन हैं। आगमन पर, सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के

कर्मियों और भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने जहाजों और उनके चालक दल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

नौसेना अभियानों को मान्यता

अरब सागर में भारत के हालिया मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) और खोज एवं बचाव (एसएआर) अभियानों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हुई, जिसने जटिल समुद्री अभियानों में भारतीय नौसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया।

भारत और सिंगापुर के बीच प्रमुख द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यास:**नौसैनिक अभ्यास:**

- सिम्बेक्स (सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास)
- 1994 से वार्षिक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास।
- समुद्री सहयोग, पनडुब्बी रोधी युद्ध और अंतर-संचालन पर केंद्रित।

वायु सेना अभ्यास:

- संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण (जेएमटी)
- भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और सिंगापुर गणराज्य वायु सेना (आरएसएएफ) के बीच प्रतिवर्ष आयोजित।
- पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा वायु सेना स्टेशन पर आयोजित।
- इसमें हवाई युद्ध, वायु रक्षा और अंतर-संचालन अभ्यास शामिल हैं।

सेना अभ्यास:**अग्नि योद्धा**

- भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास।
- तोपखाना युद्ध और संयुक्त अभियानों पर केंद्रित।
- सैन्य प्रशिक्षण के लिए भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय समझौते के तहत आयोजित।

बोल्ड कुरुक्षेत्र

- भारत-सिंगापुर संयुक्त बख्तरबंद इकाई सैन्य अभ्यास।
- यंत्रीकृत युद्ध, संयुक्त अभियानों की योजना और क्रियान्वयन पर केंद्रित।
- भारत के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित।

भारत-फ्रांस ने सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए शक्ति 2025 अभ्यास का आयोजन किया

भारत और फ्रांस ने संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति 2025 का सफलतापूर्वक समापन किया, जिसका उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच परिचालन संबंधी तैयारियों और अंतर-संचालन को बढ़ाना था। यह अभ्यास एवेरॉन (मोनक्लर जिला) और हेराल्ट, फ्रांस में आयोजित किया गया था।

अन्य भारत-फ्रांस रक्षा अभ्यास

- गरुड़ - वायु सेनाओं के बीच
- वरुण - नौसेनाओं के बीच
- शक्ति - सेनाओं के बीच

ये अभ्यास बढ़ते रक्षा सहयोग और वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ

महाराष्ट्र ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए ₹25,000 करोड़ की 'कृषि समृद्धि' योजना शुरू की

महाराष्ट्र सरकार ने टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए 5 वर्षों में ₹25,000 करोड़ के परिव्यय के साथ एक नई कृषि-केंद्रित पहल - 'कृषि समृद्धि' योजना - की घोषणा की है।

योजना के उद्देश्य:

- जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना
- लागत-प्रभावी कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना
- कृषि अवसंरचना में पूंजी निवेश को बढ़ावा देना
- उत्पादकता में सुधार और इनपुट लागत में कमी
- फसल विविधीकरण और मूल्य श्रृंखला विकास को समर्थन
- स्थानीय जलवायु के अनुकूल कृषि-प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सहायता करना

बीमा सखी योजना को बढ़ावा देने के लिए LIC ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ सहयोग किया

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा सखी योजना को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

उद्देश्य: बीमा वितरण में ग्रामीण महिलाओं को करियर के अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना।

योजना विवरण:

- बीमा सखी योजना महिलाओं के लिए एक प्रदर्शन-आधारित, वजीफा-प्राप्त LIC एजेंसी कार्यक्रम है।
- मासिक वजीफा: पहले वर्ष में ₹7,000, दूसरे वर्ष में ₹6,000 और तीसरे वर्ष में ₹5,000 (शर्तें लागू)।
- इस योजना के तहत LIC एजेंटों के सभी मानक लाभ और विशेषाधिकार महिलाओं को भी प्रदान किए जाते हैं।
- कार्यक्रम: गोवा में आयोजित वित्तीय समावेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन 'अनुभूति' के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- अपेक्षित परिणाम: इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की घरेलू आय में सुधार लाना और वित्तीय सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC):

- स्थापना: 1 सितंबर 1956, LIC अधिनियम, 1956 के अंतर्गत।
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र
- संस्थापक: भारत सरकार (240 से अधिक निजी बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण करके गठित)

- नियामक: भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI)

- अध्यक्ष (2024 तक): सिद्धार्थ मोहंती

सहायक कंपनियाँ:

- LIC हाउसिंग फाइनेंस
- LIC म्यूचुअल फंड
- LIC पेंशन फंड
- LIC कार्ड सेवाएँ
- अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति: फिजी, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में परिचालन

कैबिनेट ने कृषि क्षेत्र को बड़ा बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना - मुख्य तथ्य एक नज़र में

- कैबिनेट से हरी झंडी: कमज़ोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में कृषि को बढ़ावा देने के लिए 16 जुलाई 2025 को मंजूरी।
- 6 वर्षों के लिए मिशन मोड: यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक चलेगी, जिसका लक्ष्य 100 कम उत्पादकता वाले ज़िले हैं।
- व्यापक निवेश: प्रति वर्ष ₹24,000 करोड़ आवंटित - छह वर्षों में कुल धनराशि ₹1.4 लाख करोड़ को पार कर जाएगी।
- व्यापक पहुँच: व्यापक हस्तक्षेपों के माध्यम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य।

इसका लक्ष्य:

- फसल उत्पादकता बढ़ाना
- फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना
- सिंचाई और जल उपयोग को मज़बूत करना
- कटाई के बाद और भंडारण के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करना
- बाज़ार संपर्क में सुधार
- एकीकृत दृष्टिकोण: एक एकीकृत राष्ट्रीय रणनीति के तहत चल रही योजनाओं को नए प्रयासों के साथ जोड़ना।
- राज्य भागीदारी मॉडल: राज्य कार्यान्वयन में सहयोग करेंगे, आवश्यकता-आधारित सहायता और स्थानीय अनुकूलन सुनिश्चित करेंगे।
- किसान प्रथम: बेहतर आय सुरक्षा और टिकाऊ प्रथाओं के लिए पिछड़े क्षेत्रों के सीमांत और छोटे किसानों पर केंद्रित।

ईएसआईसी ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के लिए SPREE 2025 लॉन्च किया

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए योजना (एसपीआरईई) 2025 शुरू की है, जिसका उद्देश्य अपंजीकृत नियोक्ताओं और श्रमिकों- जिनमें संविदा और अस्थायी कर्मचारी भी शामिल हैं- को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के दायरे में लाना है। यह योजना पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाकर और पूर्वव्यापी दंड के डर को खत्म करके स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है।

मुख्य विशेषताएँ

SPREE 2025 के अंतर्गत, अपंजीकृत नियोक्ता ESIC पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल या MCA पोर्टल के माध्यम से अपनी इकाइयों और कर्मचारियों को डिजिटल रूप से पंजीकृत कर सकते हैं। पंजीकरण नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से वैध माना जाएगा, और किसी भी पहले की अवधि के लिए कोई योगदान या लाभ लागू नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व-पंजीकरण अवधि के लिए कोई निरीक्षण या पिछले रिकॉर्ड या बकाया की मांग नहीं की जाएगी।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम:

- स्थापना: 24 फरवरी 1952
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- शासी अधिनियम: कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948
- मूल मंत्रालय: श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
- मुख्य उद्देश्य: संगठित और अर्ध-संगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा प्रदान करना।

पात्रता:

- 21,000 रुपये या उससे कम मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर लागू
- 10 या उससे अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने वाली फैक्ट्रियों और प्रतिष्ठानों पर लागू

वित्तपोषण तंत्र:

- कर्मचारियों का योगदान: वेतन का 0.75%
- नियोक्ता का योगदान: वेतन का 3.25%

संगठनात्मक संरचना

सांविधिक निकाय: ईएसआई अधिनियम, 1948 के तहत गठित अध्यक्ष: केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री (डॉ. मनसुख एल. मंडाविया) प्रशासनिक नियंत्रण: श्रम और रोजगार मंत्रालय

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल ने आर्थिक और कृषि सुधारों के लिए दो विधेयकों और प्रमुख योजनाओं को मंजूरी दी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य में कृषि, आर्थिक स्थिरता, बुनियादी ढांचे और शासन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख नीतिगत निर्णयों को मंजूरी दी।

कृषक उन्नति योजना का विस्तार

मंत्रिमंडल ने मार्च 2024 में शुरू की गई प्रमुख कृषि योजना कृषक उन्नति योजना के विस्तार को मंजूरी दी। शुरुआत में धान किसानों के लिए इनपुट सहायता प्रदान करने तक सीमित इस योजना में

अब खरीफ 2025 में दलहन, तिलहन और मक्का की खेती करने वाले किसान भी शामिल होंगे। पात्रता में वे पंजीकृत किसान शामिल हैं जिन्होंने खरीफ 2024 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर धान बेचा था और अब इन वैकल्पिक फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। इस कदम का उद्देश्य फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना और धान पर निर्भरता कम करना है। खरीफ 2023 में इस योजना के तहत प्रति एकड़ 19,257 रुपये का समर्थन दिया गया। इसे MARKFED के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है, जिसमें खाद्य विभाग द्वारा खरीद की जाती है।

छत्तीसगढ़ पेंशन निधि विधेयक, 2025

मंत्रिमंडल ने छत्तीसगढ़ पेंशन निधि विधेयक, 2025 को भी मंजूरी दे दी है, जो भारत में अपनी तरह का पहला कानून है, जिसका उद्देश्य राज्य सरकार के कर्मचारियों की भविष्य की पेंशन देनदारियों का प्रबंधन करना है। यह सक्रिय उपाय दीर्घकालिक राजकोषीय स्थिरता सुनिश्चित करता है और 2025-26 के बजट में पेश किए गए सुधारों का समर्थन करता है।

छत्तीसगढ़ विकास और स्थिरता निधि विधेयक, 2025

राजकोषीय लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए, मंत्रिमंडल ने छत्तीसगढ़ विकास और स्थिरता निधि विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी। यह निधि आर्थिक मंदी, प्राकृतिक आपदाओं या अन्य व्यवधानों के कारण होने वाले राजस्व में उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करेगी। उच्च-विकास अवधि में अधिशेष राजस्व को सार्वजनिक निवेश और दुबले वर्षों के दौरान कल्याणकारी खर्च के लिए बचाया जाएगा, जिससे राज्य की उधार पर निर्भरता कम होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य रसद नीति, 2025

मंत्रिमंडल ने छत्तीसगढ़ राज्य रसद नीति, 2025 को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य राज्य को रसद केंद्र के रूप में स्थापित करना है। यह नीति शुष्क बंदरगाहों, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो और आधुनिक भंडारण सुविधाओं के विकास को बढ़ावा देती है। इसका लक्ष्य वन एवं औषधीय उत्पादों के निर्यात में वृद्धि, रोजगार सृजन तथा राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों से निवेश प्राप्त करना है।

छत्तीसगढ़ जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025

व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए, मंत्रिमंडल ने छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी। इस विधेयक का उद्देश्य विभिन्न राज्य कानूनों के तहत छोटे-मोटे उल्लंघनों को अपराध से मुक्त करना, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करना तथा प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देना है।

पुनर्विकास योजना तथा बुनियादी ढांचे का पुनरुद्धार

एक नई पुनर्विकास योजना के तहत, मंत्रिमंडल ने पुरानी सरकारी इमारतों तथा खाली पड़ी जमीनों के पुनर्विकास के लिए सात परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें शांति नगर तथा बीटीआई शंकर नगर (रायपुर), कैलाश नगर (राजनांदगांव) तथा चांदनी चौक फेज-2 (जगदलपुर) की परियोजनाएं शामिल हैं।

वाणिज्यिक कर विभाग में पदोन्नति नियम में छूट

मंत्रिमंडल ने एक बार की छूट में, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग में उच्च श्रेणी पंजीयन लिपिक या अभिलेखपाल से तृतीय श्रेणी कार्यकारी उप-पंजीयक के पद पर पदोन्नति के लिए न्यूनतम

अर्हक सेवा अवधि को पांच वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दिया, जिससे पात्र कर्मचारियों के कैरियर विकास में तेजी आएगी।

छत्तीसगढ़:

- राज्य का दर्जा: 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से 16 जिलों को अलग करके बनाया गया
- राजधानी: रायपुर
- सीमाएँ: मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश - कुल सात राज्यों के साथ सीमा साझा करती हैं।
- खनिज संपदा: कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर, बॉक्साइट, डोलोमाइट और टिन सहित 28 प्रमुख खनिजों का घर
- भारत के कुल खनिज उत्पादन का 17% से अधिक का उत्पादन करता है
- कोयले और डोलोमाइट में सीसा, लौह अयस्क में दूसरा और टिन सांद्रण में विशेष

राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य

- इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान - बाघ, जंगली भैंसा (दंतेवाड़ा)
- कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान - पहाड़ी मैना, गुफाएँ, झरने (बस्तर)
- गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान - चौथा टाइगर रिजर्व (कोरिया)
- अचानकमार अभयारण्य - यूनेस्को जीवमंडल का हिस्सा (बिलासपुर)
- उदंती-सीतानदी अभयारण्य - जंगली भैंस संरक्षण (गरियाबंद)

झरने

- चित्रकोट जलप्रपात - भारत का नियाग्रा (बस्तर)
- तीरथगढ़ जलप्रपात - कांगेर घाटी पार्क में
- अमृत धारा जलप्रपात - कोरिया में जिला

गुफाएँ

- कोटुमसर गुफाएँ - चूना पत्थर, सबसे लंबी प्राकृतिक गुफा (बस्तर)
- कैलाश और दंडक गुफाएँ - कांगेर घाटी में अद्वितीय चट्टान संरचनाएँ

लघु लेख

क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच मिज़ोरम की मानवीय चुनौती

म्यांमार में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से, मिज़ोरम खुद को एक क्षेत्रीय मानवीय संकट के केंद्र में पाया है, जिसने म्यांमार, बांग्लादेश और यहाँ तक कि पड़ोसी मणिपुर से संघर्ष से भाग रहे हज़ारों लोगों को आश्रय प्रदान किया है।

2025 में नए शरणार्थियों के आगमन से राज्य के संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा

2025 की शुरुआत में, म्यांमार के चिन राज्य से अनुमानित 4,000 शरणार्थी नए सिरे से हिंसा के बाद मिज़ोरम में प्रवेश कर गए,

जिससे राज्य के पहले से ही सीमित बुनियादी ढाँचे और मानवीय सहायता प्रणालियों पर दबाव और बढ़ गया।

- जातीय एकजुटता और नागरिक करुणा जमीनी स्तर पर प्रतिक्रिया को बढ़ावा देती है
- सीमाओं से परे ऐतिहासिक जातीय संबंध
- मिज़ोरम में सीमा पार से लोगों का आना-जाना 1968 के मुक्त आवागमन व्यवस्था (FMR) जैसे आधिकारिक ढाँचों से पहले का है।
- मिज़ोरम का मिज़ो समुदाय चिन (म्यांमार), बावम (बांग्लादेश) और कुकी-ज़ो (मणिपुर) जनजातियों के साथ गहरे जातीय, भाषाई और पारिवारिक संबंध साझा करता है—जो सामूहिक रूप से व्यापक ज़ो जातीय समूह का हिस्सा हैं।

समाज-आधारित सहायता तंत्र

यंग मिज़ो एसोसिएशन (YMA), स्थानीय चर्च और जागरूक नागरिकों जैसे सामुदायिक समूहों ने भोजन, वस्त्र और आश्रय प्रदान किया है।

बढ़ते दबाव के बावजूद, नागरिक प्रतिक्रिया काफी हद तक मानवीय और समावेशी रही है।

राज्य नीति: कानून, भावना और सुरक्षा में संतुलन

साझा पहचान के आधार पर निर्वासन नीति नहीं

मिज़ोरम सरकार ने मानवीय रुख अपनाया है और जातीय संबंधों और नैतिक ज़िम्मेदारी का हवाला देते हुए शरणार्थियों को निर्वासित नहीं करने का फैसला किया है।

उभरती स्थानीय चिंताएँ और आवागमन संबंधी प्रतिबंध

कुछ गाँवों ने कानूनी उल्लंघनों, नौकरी की प्रतिस्पर्धा और सीमा सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शरणार्थियों की आवाजाही और व्यापार पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है।

केंद्र का समर्थन: वित्तीय सहायता और सीमाएँ

प्रारंभिक राहत और अनुमानित कमियाँ

केंद्र सरकार ने ₹8 करोड़ की सहायता राशि स्वीकृत की है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों और नागरिक समाज ने स्वास्थ्य सेवा, आवास और कानून प्रवर्तन की बढ़ती माँगों को देखते हुए इस सहायता को अपर्याप्त बताया है।

शरणार्थी संरक्षण में कानूनी और नीतिगत कमियाँ

- वैश्विक परिभाषाएँ और भारत का रुख
- 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी सम्मेलन और उसके 1967 के प्रोटोकॉल के अनुसार, शरणार्थी वे लोग हैं जो नस्ल, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक राय या समूह पहचान के आधार पर उत्पीड़न से भाग रहे हैं।

भारत इनमें से किसी पर भी हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, न ही उसके पास कोई समर्पित राष्ट्रीय शरणार्थी कानून है।

भारत में शरणार्थियों से संबंधित घरेलू कानून

शरणार्थी विभिन्न सामान्य कानूनों के अंतर्गत आते हैं:

- विदेशी अधिनियम, 1946

- भारतीय पासपोर्ट अधिनियम, 1920
 - कैदियों का प्रत्यावर्तन अधिनियम, 2003
 - पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950
- ये कानून शरणार्थियों, शरण चाहने वालों और अवैध प्रवासियों के बीच अंतर नहीं करते, जिससे नीतिगत अस्पष्टता पैदा होती है।

- मुक्त आवागमन व्यवस्था और सीमा प्रशासन
- सांस्कृतिक पहुँच बनाम सुरक्षा नियंत्रण
- म्यांमार के साथ 1968 का एक द्विपक्षीय समझौता, एफएमआर, आदिवासी समुदायों को 10 किमी की यात्रा सीमा (40 किमी से घटाकर) के साथ सीमा पार करने की अनुमति देता है।

सीमा निगरानी और प्रवेश प्रोटोकॉल

- असम राइफल्स द्वारा प्रबंधित, और स्थानीय अधिकारी क्यूआर-कोड सीमा पास जारी करते हैं।
- सुरक्षा जांच के लिए बायोमेट्रिक डेटा एकत्र और अपलोड किया जाता है।
- हालाँकि, तस्करी और अनधिकृत प्रवेश चिंता का विषय बने हुए हैं, जिससे कड़ी जाँच की आवश्यकता है।
- यूएनएचसीआर की भूमिका और कल्याणकारी प्रणालियों से बहिष्कार
- हालाँकि यूएनएचसीआर कुछ शरणार्थियों को सीमित सहायता प्रदान करता है, भारत सरकार के दस्तावेजों की कमी उन्हें इनसे वंचित करती है:

सरकारी कल्याणकारी योजनाएँ

- बैंक खाते
- सार्वजनिक शिक्षा या स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ
- इससे सामाजिक बहिष्कार और शोषण का खतरा बढ़ जाता है।

प्रस्तावित कानूनी और संस्थागत सुधार

- राष्ट्रीय शरणार्थी कानून की आवश्यकता
- भारत को एक व्यापक शरणार्थी कानून की आवश्यकता है जो:
- शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करे
- निर्वासन से सुरक्षा प्रदान करे
- मानवीय सिद्धांतों के तहत निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार सुनिश्चित करे

मिज़ोरम घरेलू रजिस्टर रखरखाव विधेयक, 2019, यदि अधिनियमित हो जाता है, तो स्थानीय स्तर पर शरणार्थी दस्तावेज़ीकरण के लिए एक आदर्श के रूप में काम कर सकता है।

प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करना

- विदेशी पंजीकरण अधिकारियों (एफआरओ) को स्पष्ट प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण से लैस करना।
- समय पर शरणार्थी प्रक्रिया के लिए गृह मंत्रालय, यूएनएचसीआर और राज्य अधिकारियों के बीच समन्वय बढ़ाना।
- प्रभावी शासन के लिए एक केंद्रीय शरणार्थी समन्वय कार्य बल का गठन करें।

समावेशी शरणार्थी प्रबंधन और स्थानीय विकास

विस्थापितों के लिए बुनियादी अधिकार और सेवाएँ अस्थायी पहचान पत्र, निम्नलिखित तक पहुँच की सुविधा प्रदान करें:

- बुनियादी स्वास्थ्य सेवा
- प्राथमिक शिक्षा
- सुरक्षित आवास
- महिलाओं और बच्चों को तस्करी और दुर्व्यवहार से बचाएँ।

शिविर और बुनियादी ढाँचे का उन्नयन

अस्थायी आश्रयों से सुसज्जित स्वागत केंद्रों की ओर स्थानांतरण। आगमन के प्रबंधन के लिए एनडीएमए और यूएनएचसीआर के साथ सहयोग करें। योजना और निगरानी के लिए रीयल-टाइम शरणार्थी डेटा पोर्टल बनाएँ।

स्मार्ट सीमा नियंत्रण और मानवीय गलियारे

उत्पीड़न से भाग रहे लोगों के लिए सुरक्षित प्रवेश बिंदुओं को संरक्षित करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए स्मार्ट बाड़ और तकनीक का उपयोग करें। जातीय तनाव को बढ़ाए बिना कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा दें।

निष्कर्ष: संप्रभुता और एकजुटता का संतुलन

मिज़ोरम का शरणार्थी संकट क्षेत्रीय अस्थिरता, कानूनी स्पष्टता की कमी और मानवीयजातीय उत्तरदायित्व। भारत को एक ऐसा सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो जातीय संबंधों का सम्मान करे, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करे और वैश्विक मानवीय मानदंडों के तहत अपने नैतिक दायित्वों को पूरा करे।

"जितने वाले कुछ अलग चीज़े नहीं करते !
बस वो चीज़ो को अलग तरीके से करते हैं !!

"इंतेज़ार करने वालो को सिर्फ उतना मिलता है !
जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं !!"

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने प्रदूषण नियंत्रण पोत (पीसीवी) 'समुद्र प्रचेत' लांच किया

भारत ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए विकसित दूसरा स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत (पीसीवी) समुद्र प्रचेत का जलावतरण किया। इस पोत का जलावतरण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा किया गया, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- प्रदूषण नियंत्रण: तेल रिसाव को साफ करने, प्लास्टिक के मलबे को इकट्ठा करने और समुद्री प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सुसज्जित।
- स्वदेशी डिज़ाइन: राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी), चेन्नई द्वारा अत्याधुनिक भारतीय तकनीक से निर्मित।
- उन्नत उपकरण: कुशल प्रदूषण प्रबंधन के लिए स्किमर, भंडारण टैंक और अपशिष्ट संग्रह प्रणालियों से सुसज्जित।
- बहुमुखी संचालन: प्रदूषण की विभिन्न स्थितियों में उथले और गहरे पानी में काम कर सकता है।
- पर्यावरण के अनुकूल: प्रदूषण की घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देकर समुद्री जैव विविधता के संरक्षण में मदद करता है।

सामरिक महत्व:

- महासागर संरक्षण और सतत नीली अर्थव्यवस्था के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करता है।
- तेल रिसाव आपात स्थितियों सहित समुद्र में आपदा प्रबंधन में भारत की क्षमताओं को बढ़ाता है।
- समुद्री सुरक्षा और तटरेखा के साथ पर्यावरण संरक्षण को मज़बूत करता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में अहमदाबाद भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित, इंदौर 'सुपर लीग' में शामिल

10 लाख से अधिक निवासियों वाले शहरी क्षेत्रों में अहमदाबाद को भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है, इसके बाद भोपाल और लखनऊ का स्थान है।

सुपर स्वच्छ लीग:

इस वर्ष की विशिष्ट श्रेणी में इंदौर, सूरत और नवी मुंबई जैसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले शहर शामिल हैं। अहमदाबाद शीर्ष-स्तरीय स्वच्छ शहरों की इस 'सुपर लीग' में शामिल हो गया है।

सर्वेक्षण पैमाना:

नौवें संस्करण में अप्रैल 2024 और मार्च 2025 के बीच 10 मापदंडों और 54 संकेतकों का उपयोग करके 4,589 शहरों का मूल्यांकन किया गया। 3,000 से अधिक प्रशिक्षित

मूल्यांकनकर्ताओं ने 45 दिनों तक मूल्यांकन किया, जिसमें 14 करोड़ नागरिकों ने ऐप्स और प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया के माध्यम से भाग लिया।

अन्य शहर मान्यताएँ:

नोएडा 3 लाख से 10 लाख की आबादी वाले वर्ग में सबसे स्वच्छ शहर के रूप में उभरा। मीरा भयंदर, बिलासपुर और जमशेदपुर अन्य शहर-आकार श्रेणियों में शीर्ष पर रहे।

राष्ट्रपति का समर्थन और 3R अभियान:

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में पुरस्कार प्रदान किए और भारत को "कम करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें" के मंत्र को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वच्छता देश के सांस्कृतिक मूल्यों के लिए आवश्यक है।

वैश्विक रैंकिंग पहल:

स्वच्छ भारत मिशन के तहत, इस वार्षिक सर्वेक्षण का उद्देश्य शहरी स्वच्छता सुधारों और जवाबदेही को बढ़ावा देना है, जिसे अब दुनिया के सबसे बड़े स्वच्छता मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में मान्यता प्राप्त है।

केरल में भारत का पहला तितली अभयारण्य स्थापित किया गया

केरल के कन्नूर में अरलम वन्यजीव अभयारण्य का आधिकारिक तौर पर नाम बदलकर अरलम तितली अभयारण्य कर दिया गया है, जिससे यह तितलियों को समर्पित भारत का पहला संरक्षित वन बन गया है। केरल राज्य वन्यजीव बोर्ड ने 18 जून, 2025 को इस निर्णय की घोषणा की। अभयारण्य पश्चिमी घाट में 55 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल और जैव विविधता हॉटस्पॉट है।

पारिस्थितिक महत्व:

266 से अधिक तितली प्रजातियों का घर, जो केरल की तितली विविधता का 80% से अधिक हिस्सा है। कुछ प्रजातियाँ स्थानिक हैं और अन्य लुप्तप्राय हैं। अभयारण्य में अक्टूबर से फरवरी तक मौसमी तितलियाँ प्रवास करती हैं, जिसमें आम अल्बार्ट्रास जैसी प्रजातियाँ आसमान पर छाई रहती हैं।

गिनी-बिसाऊ का बिजागोस द्वीपसमूह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

यूनेस्को ने गिनी-बिसाऊ (पश्चिम अफ्रीका) स्थित बिजागोस द्वीपसमूह को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।

इस नए सूचीबद्ध स्थल का शीर्षक है: "बिजागोस द्वीपसमूह के तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र - ओमती मिन्हो"।

पारिस्थितिक महत्व: यह द्वीपसमूह अफ्रीकी अटलांटिक तट पर एकमात्र सक्रिय डेल्टाई द्वीपसमूह है।

इसमें तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जैसे: मैंग्रोव, मडफ्लैट और इंटरटाइडल क्षेत्र
 एक द्वीपसमूह है: एक दूसरे के निकट स्थित द्वीपों का एक समूह या श्रृंखला।

उदाहरण:

- बिजागोस द्वीपसमूह - गिनी-बिसाऊ में
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह - भारत में
- इंडोनेशिया - दुनिया का सबसे बड़ा द्वीपसमूह देश

यह क्षेत्र असाधारण जैव विविधता का घर है, जिसमें शामिल हैं:

- हरे और चमड़े के कछुए
- पश्चिम अफ्रीकी मैनेटी
- डॉल्फिन प्रजातियाँ
- दुर्लभ पौधों की प्रजातियाँ और विविध मछली आबादी

प्रवासी और घोंसला बनाने का स्थान:

870,000 से ज्यादा प्रवासी समुद्री पक्षी हर साल इस द्वीपसमूह को अपने प्रवास स्थल या शीतकालीन प्रवास स्थल के रूप में इस्तेमाल करते हैं। द्वीपसमूह का एक हिस्सा, पोइलाओ द्वीप, हरे कछुओं के लिए विश्व स्तर पर एक महत्वपूर्ण घोंसला बनाने का स्थान है।

भौगोलिक विवरण:

यह द्वीपसमूह 10,000 वर्ग किमी से अधिक क्षेत्र में फैला है, जिसमें शामिल हैं:

- 88 द्वीप और टापू
- केवल लगभग 20 द्वीप स्थायी रूप से बसे हुए हैं

कंबोडिया में खमेर रूज-युग के स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

पेरिस में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र के दौरान, कंबोडिया के खमेर रूज शासन से जुड़े तीन स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यह सूची 1975 में खमेर रूज के सत्ता में आने की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर बनाई गई है। इस मान्यता का उद्देश्य शासन के दौरान किए गए अत्याचारों की स्मृति को संजोना और भावी पीढ़ियों को शिक्षित करना है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

खमेर रूज, एक साम्यवादी शासन, ने 1975 से 1979 तक कंबोडिया पर शासन किया, जिसके दौरान लगभग 17 लाख लोग भुखमरी, यातना और सामूहिक हत्याओं के कारण मारे गए। इस शासन ने 17 अप्रैल 1975 को नोम पेन्ह पर कब्जा कर लिया और वहाँ के लोगों को ग्रामीण इलाकों में विस्थापित कर दिया, जहाँ उन्हें कूर परिस्थितियों में जबरन श्रम कराया जाता था।

विरासत सूची में शामिल स्थल

तीन नए सूचीबद्ध स्थलों में शामिल हैं:

- तुओल स्लेंग नरसंहार संग्रहालय (S-21): नोम पेन्ह में स्थित, इस पूर्व स्कूल को एक कुख्यात जेल में बदल दिया गया था जहाँ लगभग 15,000 व्यक्तियों को यातनाएँ दी गईं।

- एम-13 जेल: कम्पोंग छनांग प्रांत में स्थित, यह खमेर रूज के प्रमुख प्रारंभिक निरोध केंद्रों में से एक था।
- चोयंग एक किलिंग फील्ड्स: नोम पेन्ह से लगभग 15 किमी दक्षिण में स्थित एक स्थल, जिसका उपयोग फाँसी और सामूहिक दफ़न के लिए किया जाता था। पत्रकार दिथ प्राण के अनुभवों पर आधारित 1984 की फिल्म द किलिंग फील्ड्स के माध्यम से इसने अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया।

भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

- भारत का 44वाँ विश्व धरोहर स्थल: पेरिस में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र में भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
- संरचना: इस धरोहर स्थल में 17वीं से 19वीं शताब्दी के 12 किले शामिल हैं, जो मराठा साम्राज्य की रणनीतिक सैन्य दृष्टि और स्थापत्य कला की उत्कृष्टता को दर्शाते हैं।

स्थान:

- महाराष्ट्र (11 किले): सलहेर, शिवनेरी, लोहागढ़, खंडेरी, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग
- तमिलनाडु (1 किला): जिंजी किला

प्रस्ताव समय-सीमा:

- प्रस्ताव प्रस्तुत: जनवरी 2024
- समीक्षा प्रक्रिया: अंतराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (ICOMOS) द्वारा तकनीकी मूल्यांकन और स्थल निरीक्षण सहित 18 महीने

महत्व:

- अपनी सांस्कृतिक विरासत, क्षेत्रीय पहचान और ऐतिहासिक निरंतरता के लिए मान्यता प्राप्त
- मराठा शासकों से जुड़ी सैन्य शक्ति, सुशासन और सामाजिक कल्याण पर प्रकाश डालता है

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची:

- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- प्रारंभ: 1972, विश्व धरोहर सम्मेलन के तहत
- उद्देश्य: मानवता के लिए उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की पहचान, सुरक्षा और संरक्षण करना

विरासत स्थलों के प्रकार:

- सांस्कृतिक - स्मारक, इमारतें, पुरातात्विक स्थल
- प्राकृतिक - भूदृश्य, वन, वन्यजीव आवास
- मिश्रित - सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों महत्व
- प्रशासित: यूनेस्को विश्व धरोहर समिति

ICOMOS और IUCN:

- ICOMOS (अंतराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद) सांस्कृतिक स्थलों का मूल्यांकन करता है

- IUCN (अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ) प्राकृतिक स्थलों का मूल्यांकन करता है
- विश्व धरोहर प्रतीक: सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की परस्पर निर्भरता को दर्शाता है
- कुल स्थल (2024 तक): विश्व भर में 167 देशों में 1,100 से अधिक स्थल

भारत की वर्तमान संख्या (जुलाई 2025 तक):

- 44 विश्व धरोहर स्थल
- 32 सांस्कृतिक
- 7 प्राकृतिक
- 1 मिश्रित
- नवीनतम सूची: मराठा सैन्य भूदृश्य (जिंजी किला सहित)
- प्रथम अंकित भारतीय स्थल: अजंता गुफाएँ, एलोरा गुफाएँ, आगरा किला, ताजमहल (सभी 1983 में)

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान को भारत में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया

केरल के संरक्षण रिकॉर्ड को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, मुन्नार में एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (MEE) 2020-25 में भारत का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय उद्यान माना गया है। एराविकुलम ने 92.97% अंक प्राप्त किए, जो जम्मू और कश्मीर के दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के साथ शीर्ष स्थान साझा करता है। मूल्यांकन में भारत भर के 438 संरक्षित क्षेत्रों को शामिल किया गया और IUCN और संरक्षित क्षेत्रों पर विश्व आयोग (WCPA) द्वारा निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन किया गया। मूल्यांकन संरक्षण प्रबंधन के छह प्रमुख पहलुओं के तहत 32 मापदंडों पर आधारित था।

संरक्षण रेटिंग में केरल सबसे आगे

केरल 76.22% के कुल स्कोर के साथ 'बहुत अच्छा' रेटिंग प्राप्त करने वाला एकमात्र राज्य बन गया, जो कर्नाटक (74.24%), पंजाब (71.74%) और हिमाचल प्रदेश (71.36%) जैसे राज्यों से आगे है - जिन्हें 'अच्छा' रेटिंग मिली है।

केरल के मुन्नार वन्यजीव प्रभाग के दो अन्य संरक्षित क्षेत्रों ने भी असाधारण प्रदर्शन किया:

- मथिकेतन शोला राष्ट्रीय उद्यान - 90.63%
- चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य - 89.84%

एराविकुलम का अनूठा जैव विविधता और संरक्षण मॉडल

97 वर्ग किलोमीटर में फैला, एराविकुलम पश्चिमी घाट के उच्च-ऊँचाई वाले शोला-घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र में स्थित है। यहाँ लुप्तप्राय नीलगिरि तहर की सबसे बड़ी आबादी रहती है और यह कुरिजी फूल (स्ट्रोबिलैंथेस कुंथियानस) के लिए प्रसिद्ध है, जो हर 12 साल में एक बार खिलता है।

पार्क की प्रशंसा इस लिए की गई:

- समुदाय द्वारा संचालित मजबूत पारिस्थितिकी पर्यटन
- स्वच्छ और तकनीक-एकीकृत पार्क प्रबंधन का उपयोग

- भारत के पहले वर्चुअल रियलिटी नेचर एजुकेशन सेंटर की मेजबानी
- आवासों की सुरक्षा के लिए एक व्याख्या केंद्र, ऑर्किडेरियम, फ़र्नरी और ज़ोन वाले पर्यटन क्षेत्रों को शामिल करना

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC):

- स्थापना: 1985 (मूल रूप से 1980 में पर्यावरण विभाग के रूप में)
- मुख्यालय: इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग, नई दिल्ली
- वर्तमान मंत्री (2025): भूपेंद्र यादव
- राज्य मंत्री (2025): अश्विनी कुमार चौबे

लघु लेख

विषाक्त निशान: भारत में प्लास्टिक कचरे में वृद्धि के स्वास्थ्य संबंधी खतरे

भारत प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े एक बढ़ते जन स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है—मृदा प्रदूषण से लेकर हृदय संबंधी घातक प्रभावों तक। प्लास्टिक कचरा अब मानव कल्याण के लिए एक गंभीर, बहुआयामी खतरा बन गया है।

1. भारत में प्लास्टिक की खपत और कचरे का स्तर

- भारत में प्रतिवर्ष 90 लाख टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसकी प्रति व्यक्ति खपत 11 किलोग्राम प्रति वर्ष है। (पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का लगभग 60% हिस्सा अधिकांशतः अनौपचारिक क्षेत्रों द्वारा पुनः प्राप्त किया जाता है)।
- अधिकांश कचरे का निपटान अनौपचारिक कूड़ा बीनने वालों द्वारा किया जाता है; बहुपरत प्लास्टिक और डिस्पोजेबल वस्तुएँ अक्सर बिना एकत्र किए ही लैंडफिल में पहुँच जाती हैं या अवैध रूप से जला दी जाती हैं, जिससे विषाक्त प्रदूषक निकलते हैं।

2. प्लास्टिक योजकों और उनके संपर्क से स्वास्थ्य जोखिम

- BPA, फ़थलेट्स, PFAS और रंग जैसे योजक भोजन, वायु, जल और मिट्टी में घुल जाते हैं। ये अंतःस्रावी तंत्र को बाधित करने वाले तत्वों के रूप में कार्य करते हैं, जो मोटापे, बांझपन, कैंसर, तंत्रिका संबंधी विकारों और चयापचय संबंधी विकारों से जुड़े हैं।
- माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक, जिन्हें कभी निष्क्रिय माना जाता था, अब आंतरिक अंगों—फेफड़ों, हृदय, प्रजनन ऊतकों, यहाँ तक कि भ्रूण के प्लेसेंटा—तक पहुँच जाते हैं, जिससे सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव, डीएनए क्षति और हृदय संबंधी जोखिम पैदा होते हैं।

3. घातक स्वास्थ्य प्रभावों के प्रमाण

द लैंसेट ईबायोमेडिसिन (NYULangone) में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, 2018 में भारत में हृदय रोग से होने

वाली 1,00,000 से अधिक मौतों का कारण DEHP (एक प्लास्टिसाइज़र) के संपर्क में आना है, जो किसी भी देश में सबसे अधिक है।

4. पर्यावरणीय मार्ग और पारिस्थितिक प्रभाव

- भारत के तटीय क्षेत्रों में समुद्री खाद्य श्रृंखलाओं में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाते हैं, जो मछली और नमक के माध्यम से मानव आहार में प्रवेश करते हैं।
- मृदा संदूषण: CURaj के एक अध्ययन ने जयपुर लैंडफिल के पास प्लास्टिक के मलबे में BPA को मृदा सूक्ष्मजीवों और नाइट्रोजन-फिक्सिंग बैक्टीरिया की कमी से जोड़ा है।
- दिल्ली के गाजीपुर, गुडगांव के बंधवारी और कोच्चि के ब्रह्मपुरम जैसे स्थानों पर लैंडफिल में लगने वाली आग—जो अक्सर सड़ते हुए कचरे और प्लास्टिक से निकलने वाली गर्मी के कारण होती है—ज़हरीले धुएँ छोड़ती है, जिससे आस-पास के समुदायों में श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ जाती हैं।

5. नीतिगत प्रतिक्रियाएँ और उभरते उपाय

- भारत ने 19 एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं (2022) पर प्रतिबंध लगा दिया है और प्लास्टिक पैकेजिंग उत्पादकों के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (EPR) अनिवार्य कर दिया है।

- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) और भारतीय अनुसंधान निकाय माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाने और भोजन, पानी और सौंदर्य प्रसाधनों में मिलावट को नियंत्रित करने के लिए प्रोटोकॉल को आगे बढ़ा रहे हैं।
- विशेषज्ञ माइक्रोबीड्स पर प्रतिबंध लगाने और EPR के सख्त प्रवर्तन का आग्रह कर रहे हैं, जबकि पर्यावरण समूह कपड़े, कांच और स्टील जैसे विकल्पों की वकालत कर रहे हैं।

6. सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक लागत

- प्लास्टिक प्रदूषण की सामाजिक लागत—जिसमें स्वास्थ्य सेवा, उत्पादकता हानि और पर्यावरणीय क्षति शामिल है—2023 में 62-96 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, और 2025-30 तक सामान्य व्यवसाय परिदृश्य के तहत अनुमानित लागत 541 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकती है।
- कचरा उठाने वाले और अनौपचारिक पुनर्चक्रणकर्ता, व्यावसायिक रूप से BPA, भारी धातुओं और फ़थलेट्स जैसे रासायनिक विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आते हैं, जिससे कैंसर, श्वसन संबंधी समस्याओं और संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

” कोशिश हमेशा आखिरी सांस तक करनी चाहिए !
या तो लक्ष्य हासिल होगा या अनुभव !!”



Importance

To commemorate the discovery of 1st vaccination against a zoonotic disease that can be spread between humans and animals.

Motto

To emphasize and bring the problem awareness amongst people, and teach them to take right action.

Organisation Involved

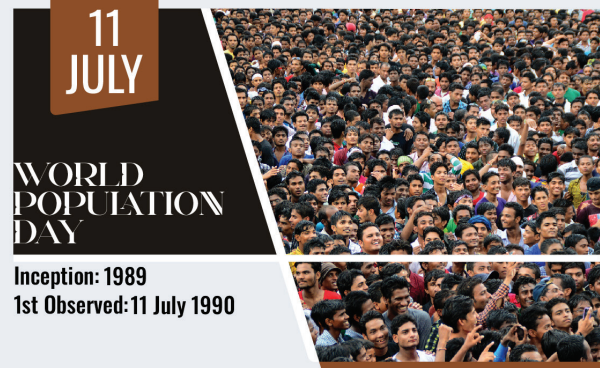
Centers for Disease Control and Prevention (CDC).

Note

The first vaccination against a zoonotic disease was administered by Louis Pasteur on 6 July 1885.

What is Zoonoses?

Zoonosis is derived from the Greek words zoon 'animal' and nosos 'ailment'. It is the process whereby an infectious disease is transmitted between species from animals to humans or vice versa.



Importance

In order to mark the urgency and importance of population issues, UNGA made a resolution to observe the same in 1990.

Motto

To focus attention on the urgency and importance of population issues.

Organisation Involved

United Nations Population Fund (UNFPA).

Note

The day was suggested by Dr. K.C. Zachariah in which population reaches Five Billion when he worked as Sr Demographer at World Bank.

Fact

The Day of Five Billion, which was observed on 11 July 1987 was the inspiration behind World Population Day.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

नासा ने अंतरिक्ष तूफानों के विरुद्ध पृथ्वी की चुंबकीय सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए TRACERS मिशन लॉन्च किया

नासा ने कैलिफ़ोर्निया स्थित वैडेनबर्ग स्पेस फ़ोर्स बेस से स्पेसएक्स फ़ॉल्कन 9 रॉकेट के ज़रिए अपना नवीनतम अंतरिक्ष विज्ञान मिशन, TRACERS, लॉन्च किया है। यह टेंडम रीकनेक्शन और कस्प इलेक्ट्रोडायनामिक्स रीकनेक्शन सेटेलाइट्स का संक्षिप्त रूप है।

उद्देश्य और लक्ष्य:

- पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में चुंबकीय रीकनेक्शन का अध्ययन करना
- सौर वायु और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के बीच परस्पर क्रियाओं को मापकर यह समझना कि अंतरिक्ष का मौसम पृथ्वी पर कैसे प्रभाव डालता है।
- उत्तरी ध्रुव के निकट ध्रुवीय कस्प क्षेत्र में चुंबकीय विस्फोटों की जाँच

मिशन विन्यास:

- दो उपग्रह एक साथ उड़ान भरेंगे, केवल 10 सेकंड के अंतराल पर
- एक वर्ष में 3,000 माप दर्ज करने की उम्मीद
- मिशन अवधि: 12 महीने (प्रमुख मिशन)

नेतृत्व एवं प्रबंधन:

- प्रमुख अन्वेषक: डेविड माइल्स, आयोवा विश्वविद्यालय
- अन्य भागीदार: साउथवेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, यूसीएलए, यूसी बर्कले
- प्रबंधन: नासा का हीलियोफिजिक्स एक्सप्लोरर्स प्रोग्राम, गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर

ट्रेसर्स युक्त राइडशेयर उपग्रह:

- एथेना ईपीआईसी (किफायती पेलोड एकीकरण लागत)
- उद्देश्य: लचीले, वाणिज्यिक स्मॉलसैट आर्किटेक्चर का प्रदर्शन
- कमीशन के बाद का मिशन: 12 महीनों तक पृथ्वी से निकलने वाले दीर्घ-तरंग विकिरण को मापना
- भागीदार: नासा लैंगली, एनओए, यू.एस. स्पेस फोर्स, नोवावर्क्स
- लॉन्च इंटीग्रेटर: SEOPS

इसरो ने पनडुब्बी गोलाकार पोत के लिए एनआईओटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) ने भारत के गहरे महासागर मिशन की समुद्रयान पहल के तहत मत्स्य-6000 नामक एक चालक दल-सहित पनडुब्बी पोत के संयुक्त विकास हेतु राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- चालक दल क्षमता: समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई तक तीन लोगों को ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- संरचना: Ti-6Al-4V ELI ग्रेड टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित, 2.26 मीटर व्यास, 80 मिमी मोटी दीवारों के साथ, 600 बार दबाव और -3°C तक की ठंडी परिस्थितियों को झेलने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- समुद्रयान में अगले चरण: सामग्री उत्पादन और गोलाकार निर्माण के बाद, अब एकीकृत प्रणालियों—हाइड्रोफोन (5.5 किमी से अधिक की वास्तविक समय संचार के लिए इडुक्की बांध पर परीक्षण किया गया), पोजिशनिंग, सोनार और जीवन रक्षक—पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिनका मानवयुक्त गहरे समुद्र में परीक्षण 2026 तक होने की उम्मीद है।

अगली उपलब्धियाँ:

- 2026 की शुरुआत में MATSYA-6000 प्रणालियों का पानी के भीतर पूर्ण एकीकृत परीक्षण।
- चालक दल की सुरक्षा के लिए डेट नॉर्स्क वेरिटास (DNV) जैसी एजेंसियों द्वारा प्रमाणन।
- सफल परीक्षणों के तुरंत बाद मानवयुक्त गहरे समुद्र में अवतरण की योजना बनाई गई है।

भारत स्वदेशी बहु-चरणीय मलेरिया वैक्सीन 'एडफाल्सीवैक्स' विकसित कर रहा है

एडफाल्सीवैक्स नामक एक घरेलू वैक्सीन के विकास के साथ, भारत मलेरिया के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), अपने संस्थानों आरएमआरसी भुवनेश्वर और एनआईएमआर दिल्ली के साथ साझेदारी में, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (डीबीटी-एनआईआई) की सहायता से इस अभिनव प्रयास का नेतृत्व कर रहा है।

- टीका प्रकार: एक पुनः संयोजक काइमेरिक बहु-चरणीय टीका जो प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के दो महत्वपूर्ण चरणों को लक्षित करता है—मलेरिया के सबसे घातक रूप के लिए ज़िम्मेदार परजीवी।
- दोहरी-चरणीय सुरक्षा: RTS, S/AS01 और R21/मैट्रिक्स-M जैसे मौजूदा एकल-चरणीय टीकों के विपरीत, मानव संक्रमण को रोकने और मच्छरों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संचरण को बाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- उत्पादन विधि: व्यापक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिए PfCSP, Pfs230 और Pfs48/45 जैसे संलयन प्रोटीन प्रदान करने हेतु एक सुरक्षित जीवाणु, लैक्टोकोकस लैक्टिस का उपयोग करके निर्मित।

- थर्मोस्टेबिलिटी: कमरे के तापमान पर नौ महीने से अधिक समय तक स्थिर और प्रभावी रह सकता है, जिससे यह शीत-श्रृंखला अवसंरचना के बिना उष्णकटिबंधीय और दूरस्थ क्षेत्रों के लिए व्यावहारिक हो जाता है।
- प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा: पूर्व-नैदानिक अध्ययन उत्कृष्ट प्रभावकारिता, प्रतिरक्षा से बचने के कम जोखिम और दीर्घकालिक सुरक्षा क्षमता—संभवतः एक दशक तक—का संकेत देते हैं।
- विकास समयरेखा: अभी भी पूर्व-नैदानिक चरण में। चरण I के नैदानिक परीक्षण लगभग 2 वर्षों में शुरू होने की उम्मीद है, और पूर्ण व्यावसायीकरण में चार विकास चरणों में लगभग 7 वर्ष लग सकते हैं।
- लाइसेंसिंग रणनीति: ICMR ने गैर-अनन्य तकनीकी हस्तांतरण के लिए योग्य संगठनों से रुचि पत्र (EoI) आमंत्रित किए हैं, जिससे वैक्सीन के विकास, निर्माण और विपणन के अधिकार प्रदान किए जाएंगे, जो
- रॉयल्टी (शुद्ध बिक्री पर 2%) और ICMR के मार्गदर्शन के अधीन होंगे।
- समर्थन ढाँचा: RMRC भुवनेश्वर, ICMR के साथ मिलकर, अनुसंधान एवं विकास और परीक्षण योजना से लेकर
- सुरक्षा/प्रभावकारिता मूल्यांकन और विस्तार तक, हर चरण में तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्रदान करेगा।
- मेक इन इंडिया की उपलब्धि: AdFalcivax भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी पुनः संयोजक मलेरिया वैक्सीन उम्मीदवार है, जो मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है और देश की बढ़ती जैव प्रौद्योगिकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

इसरो-नासा मिलकर NISAR पृथ्वी अवलोकन उपग्रह प्रक्षेपित करेंगे

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (NASA) के साथ संयुक्त रूप से विकसित NISAR (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) उपग्रह प्रक्षेपित करने के लिए तैयार है। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा से GSLV-F16 हेवी-लिफ्ट प्रक्षेपण यान का उपयोग करके किया जाएगा। उपग्रह को 743 किमी की ऊँचाई पर सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

अपनी तरह की पहली द्वि-आवृत्ति रडार तकनीक

NISAR पृथ्वी अवलोकन के लिए द्वि-आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार (SAR) का उपयोग करने वाला दुनिया का पहला उपग्रह है। यह NASA के L-बैंड रडार को ISRO के S-बैंड रडार के साथ जोड़ता है, जो NASA के 12-मीटर अनफ़रलेबल मेश रिफ्लेक्टर एंटीना पर लगा है। L-बैंड रडार घने जंगलों और वनस्पतियों में प्रवेश करने में सक्षम है, जबकि S-बैंड पृथ्वी की सतह की विस्तृत छवि प्रदान करता है।

स्वीपएसएआर तकनीक के साथ उन्नत पृथ्वी निगरानी

निसार स्वीपएसएआर तकनीक का भी उपयोग करेगा—जो उपग्रह-आधारित पृथ्वी अवलोकन में पहली बार है। यह तकनीक

उच्च रिज़ॉल्यूशन के साथ विस्तृत क्षेत्र की इमेजिंग सक्षम बनाती है। यह उपग्रह हर 12 दिनों में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा और सभी मौसमों, दिन-रात कवरेज प्रदान करेगा।

पर्यावरण निगरानी और आपदा प्रबंधन हेतु अनुप्रयोग

इस मिशन का उद्देश्य पृथ्वी की सतह पर सूक्ष्म परिवर्तनों की निगरानी और पता लगाना है, जो समुद्री बर्फ, वनस्पति पैटर्न, तूफानी गतिविधियों, सतही जल और मिट्टी की नमी पर नज़र रखने के लिए महत्वपूर्ण है। निसार से डेटा विश्लेषण के माध्यम से पूर्व चेतावनी संकेत प्रदान करके प्राकृतिक आपदा पूर्वानुमान और प्रबंधन में भी सहायता मिलने की उम्मीद है।

इसरो-नासा के अन्य सहयोग

- चंद्रयान-1 और 2 में नासा का सहयोग
- मंगलयान के लिए ट्रैकिंग सहायता
- गगनयान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए प्रशिक्षण सहायता

इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन):

- स्थापना: 15 अगस्त 1969
- संस्थापक: डॉ. विक्रम साराभाई
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक

प्रमुख मिशन

- चंद्रयान-1 (2008): भारत का पहला चंद्र मिशन
- चंद्रयान-2 (2019): चंद्रमा पर दूसरा मिशन
- चंद्रयान-3 (2023): भारत द्वारा पहली सफल चंद्रमा लैंडिंग
- मंगलयान (2013): मंगल पर भारत का पहला अंतरग्रहीय मिशन
- आदित्य-L1 (2023): भारत का पहला सौर मिशन
- गगनयान (आगामी): भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन

नासा (राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन)

- स्थापना: 29 जुलाई 1958
- कार्यरत: 1 अक्टूबर 1958
- मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., अमेरिका

स्पेसएक्स ने "इज़राइल का सबसे उन्नत संचार उपग्रह" लॉन्च किया

इज़राइल ने अपना सबसे उन्नत संचार उपग्रह - डोर-1 लॉन्च किया

- प्रक्षेपण: स्पेसएक्स का फाल्कन 9
- प्रक्षेपण स्थल: केप कैनावेरल, फ्लोरिडा
- मिशन का नाम: कमर्शियल जीटीओ-1

डोर-1 उपग्रह के बारे में

- निर्माता: इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (IAI)
- प्रकार: राष्ट्रीय संचार उपग्रह
- भार: लगभग 4.5 टन

स्पेसएक्स

- स्थापना: 14 मार्च 2002
- संस्थापक और सीईओ: एलोन मस्क
- मुख्यालय: हॉथोर्न, कैलिफ़ोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका

नोवार्टिस को नवजात शिशुओं और छोटे शिशुओं के लिए पहली मलेरिया दवा के लिए मंजूरी मिली

स्विट्जरलैंड की औषधि नियामक संस्था, स्विस्मेडिक ने कोर्टेम® बेबी (आर्टेमीथर-ल्यूमेफैट्रिन) को मंजूरी दे दी है - यह नवजात शिशुओं और 2 किलो से 5 किलो से कम वजन वाले शिशुओं के लिए पहली मलेरिया दवा है। कुछ देशों में इस दवा को रियामेट® बेबी के नाम से भी जाना जाता है।

ग्लोबल हेल्थ पार्टनर्स के साथ सहयोगात्मक प्रयास

- नोवार्टिस द्वारा मेडिसिन्स फॉर मलेरिया वेंचर (MMV) के सहयोग से विकसित।
- PAMA अफ्रीका कंसोर्टियम द्वारा समर्थित, सह-वित्तपोषित:
- यूरोपीय और विकासशील देशों की नैदानिक परीक्षण साझेदारी
- स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी

यह क्यों महत्वपूर्ण है

अब तक, 4.5 किलो से कम वजन वाले शिशुओं के लिए कोई स्वीकृत उपचार उपलब्ध नहीं था। शिशुओं का इलाज बड़े बच्चों के लिए बनाए गए फॉर्मूले से किया जाता था, जिससे विषाक्तता और ओवरडोज़ का खतरा बढ़ जाता था। अफ्रीका के मलेरिया-प्रभावित क्षेत्रों में हर साल लगभग 3 करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। मलेरिया के कारण शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक होती है - अफ्रीका में मलेरिया से होने वाली मौतों में लगभग 75% मौतें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में होती हैं।

इसरो ने गगनयान प्रणोदन प्रणाली के सफल हॉट परीक्षण किए

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रणोदन परिसर (आईपीआरसी) में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रणोदन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो सफल हॉट परीक्षण किए। ये परीक्षण भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं।

गगनयान कार्यक्रम के बारे में

गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में मनुष्यों को प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है। इस मिशन से प्राप्त अंतर्दृष्टि और अनुभव भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं और भविष्य के गहन अंतरिक्ष मिशनों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एलन मस्क की स्टारलिनक ने श्रीलंका में विस्तार किया

स्टारलिनक ने श्रीलंका में अपनी सेवाएँ शुरू कीं, पहुँच वाला तीसरा भारतीय पड़ोसी बन गया

मुख्य विशेषताएँ:

स्पेसएक्स (एलन मस्क के स्वामित्व वाली) द्वारा उपग्रह इंटरनेट प्रदाता स्टारलिनक ने जुलाई 2025 को आधिकारिक तौर पर श्रीलंका में अपनी सेवाएँ शुरू कीं। श्रीलंका स्टारलिनक के इंटरनेट नेटवर्क तक पहुँच प्राप्त करने वाला भारत का तीसरा पड़ोसी देश (भूटान और बांग्लादेश के बाद) बन गया है।

एशिया में, स्टारलिनक सेवाएँ इन देशों में भी उपलब्ध हैं:

जापान, मंगोलिया, फिलीपींस, मलेशिया, इंडोनेशिया, जॉर्डन, यमन और अज़रबैजान।

स्टारलिनक के बारे में:

स्टारलिनक दुनिया के सबसे बड़े उपग्रह समूह का संचालन करता है, जिसके कक्षा में 6,750 से अधिक उपग्रह हैं। हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी इंटरनेट प्रदान करता है, विशेष रूप से दूरस्थ और कम सेवा वाले क्षेत्रों को लक्षित करता है।

100 से ज़्यादा देशों में अलग-अलग प्लान के साथ उपलब्ध:

- रेजिडेंशियल लाइट (कम इस्तेमाल के लिए)
- रेजिडेंशियल (ज़्यादा इस्तेमाल के लिए)

लघु लेख

भारत ने अंतरिक्ष में दूसरा अंतरिक्ष यात्री भेजा: एक ऐतिहासिक उपलब्धि

भारत ने अपने अंतरिक्ष इतिहास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है क्योंकि भारतीय वायु सेना के अधिकारी, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर कदम रखने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। यह उपलब्धि विंग कमांडर राकेश शर्मा द्वारा 1984 में अंतरिक्ष में उड़ान भरकर इतिहास रचने के 40 साल बाद आई है।

मिशन के बारे में

मिशन का नाम: एक्सओम मिशन 4 (Ax-4)

आयोजक:

- एक्सओम स्पेस (निजी अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी)
- नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से
- प्रक्षेपण तिथि: जुलाई 2025
- प्रक्षेपण यान: स्पेसएक्स फाल्कन 9
- अंतरिक्ष यान: क्यू ड्रैगन कैप्सूल
- गंतव्य: अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)
- मिशन अवधि: लगभग 14 दिन

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कौन हैं?

सेवा: भारतीय वायु सेना के अधिकारी

प्रशिक्षण:

- नासा और एक्सओम केंद्रों में कठोर अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण प्राप्त किया
- सूक्ष्मगुरुत्व, अंतरिक्ष जीवन रक्षा, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन प्रणालियों और वैज्ञानिक पेलोड संचालन में प्रशिक्षित

- चयन: विमानन और तकनीकी कौशल में उनके अनुकरणीय रिकॉर्ड के लिए चुना गया

उपलब्धि:

- आईएसएस पर चढ़ने और उस पर काम करने वाले पहले भारतीय बने
- प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रयोगों में भाग लिया

किए गए वैज्ञानिक प्रयोग

- आईएसएस पर अपने प्रवास के दौरान, ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने विभिन्न शोध प्रयोगों में योगदान दिया, जो निम्नलिखित पर केंद्रित थे:
- सूक्ष्मगुरुत्व में मानव शरीरक्रिया विज्ञान
- अंतरिक्ष चिकित्सा और जैव चिकित्सा निगरानी
- पदार्थ विज्ञान: अंतरिक्ष में मिश्रधातुओं और बहुलकों का व्यवहार
- निम्न-गुरुत्व कृषि: अंतरिक्ष परिस्थितियों में पौधों की वृद्धि
- जल पुनर्चक्रण और जीवन रक्षक प्रणालियाँ: लंबी अवधि के मिशनों के लिए डेटा

ये प्रयोग भविष्य के गहन अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हैं और भारत को अपने स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान की तैयारियों में सहायता करेंगे।

वापसी यात्रा

- शुभांशु शुक्ला सहित Ax-4 का चालक दल पैराशूट की सहायता से अटलांटिक महासागर में स्पलैशडाउन के माध्यम से सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आया।
- वापसी के बाद चिकित्सा और तकनीकी मूल्यांकन ने मिशन की सफलता और किसी भी प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव की पुष्टि नहीं की।

मिशन का महत्व

ISS पर पहली भारतीय उपस्थिति:

भारत अब उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके अंतरिक्ष यात्री ISS पहुँच चुके हैं।

अंतरिक्ष कूटनीति और वैश्विक सहयोग:

वैश्विक अंतरिक्ष साझेदारी में, विशेष रूप से NASA और Axiom Space जैसी अमेरिकी एजेंसियों के साथ, भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

गगनयान कार्यक्रम को बढ़ावा:

"सफलता के लिए किसी भी ख़ास समय का इंतज़ार मत करो !
बल्कि अपने हर समय को ख़ास बनालो !!"

यह मिशन भारत को ISRO के आगामी गगनयान चालक दल मिशन, जो 2025-26 में अपेक्षित है, के लिए वास्तविक समय के अंतरिक्ष यात्री डेटा प्रदान करता है।

वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्यम:

अंतरिक्ष क्षेत्र में भविष्य के सार्वजनिक-निजी सहयोग के द्वार खोलता है, जिसमें भारतीय निजी क्षेत्र की भागीदारी भी शामिल है।

युवाओं और STEM के लिए प्रेरणा:

भारतीय छात्रों और युवा पेशेवरों को अंतरिक्ष अनुसंधान और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत की अंतरिक्ष नीति पर प्रभाव

मानव अंतरिक्ष उड़ान विशेषज्ञता: लंबी अवधि के मानवयुक्त मिशनों के लिए भारत की तैयारी को बढ़ाता है।

रक्षा-तकनीकी संपर्क को मज़बूत करता है: एक IAF अधिकारी की भागीदारी रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों के बीच तालमेल को बढ़ावा देती है।

इसरो की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार: भारत को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

एक्सओम स्पेस के बारे में

एक अमेरिकी-आधारित निजी अंतरिक्ष कंपनी जो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए वाणिज्यिक अंतरिक्ष मिशन विकसित कर रही है और 2030 तक एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कर रही है।

यह नासा और स्पेसएक्स के साथ अनुसंधान, अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण और निजी मिशनों के संचालन के लिए काम करती है।

आईएसएस (अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन) के बारे में

निम्न पृथ्वी कक्षा में एक रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह

नासा (अमेरिका), रोस्कोस्मोस (रूस), ईएसए (यूरोप), जेएक्सए (जापान) और सीएसए (कनाडा) द्वारा संयुक्त रूप से संचालित अंतरिक्ष में वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए उपयोग किया जाता है

अंतरिक्ष में भारत का भविष्य

गगनयान मिशन:

- इसरो द्वारा भारत का पहला स्वदेशी मानवयुक्त मिशन
- इसका उद्देश्य 2-3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 3-5 दिनों के लिए निम्न पृथ्वी कक्षा में भेजना है
- एक्स-4 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मिशनों से प्राप्त जानकारी पर आधारित

अंतरिक्ष स्टेशन योजनाएँ:

इसरो ने गगनयान के बाद एक लघु अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने की योजना की घोषणा की है

"निंदा से घबराकर अपने लक्ष्य को न छोड़े !
क्योंकि लक्ष्य प्राप्त होते ही निंदा करने वालों की राय बदल जाती है !!

संस्कृति एवं इतिहास

गीतांजलि श्री ने 'वन्स एलीफेंट्स लिब्ड हियर' के लिए पेन ट्रांसलेट पुरस्कार जीता

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता हिंदी लेखिका गीतांजलि श्री की पुस्तक "वन्स एलीफेंट्स लिब्ड हियर", जिसका हिंदी अनुवाद डेज़ी रॉकवेल ने किया है, को पेन ट्रांसलेट पुरस्कार जीतने वाली 14 पुस्तकों में से एक चुना गया है।

पुरस्कार एवं घोषणा:

- पुरस्कार: पेन ट्रांसलेट्स पुरस्कार (2025 चक्र)
- घोषणाकर्ता: इंग्लिश पेन, लंदन स्थित मानवाधिकार संगठन
- चयनित कुल शीर्षक: 11 वैश्विक क्षेत्रों की 13 भाषाओं में 14 शीर्षक

विजेता कृति:

- अनुवादक: डेज़ी रॉकवेल
- शैली: लघु कहानी संग्रह
- विषय: स्मृति, क्षति, विस्थापन और सामाजिक परिवर्तन

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025:

- विजेता: बानू मुश्ताक द्वारा लिखित हार्ट लैप
- भाषा: कन्नड़
- अनुवादक: दीपा भाषी
- समर्थक: पेन ट्रांसलेट्स

अन्य उल्लेखनीय पुरस्कार विजेता:

- सारा शगुफ़ता (पाकिस्तान) - आइज़, आइज़, आइज़ (उर्दू, अनुवाद: जावेरिया हसनैन)
- मोहम्मद अल-असद (फिलिस्तीन) - चिल्ड्रन ऑफ़ द ड्यू (अरबी)
- डेनिएला कैटिलियो (चिली) - चिल्को (स्पेनिश)
- कॉन्सेइसाओ एवरिस्टो (ब्राज़ील) - द बैकस्ट्रीट ऑफ़ मेमोरी (पुर्तगाली)
- गेल फे (रवांडा/फ़्रांस) - जकारांडा (फ्रेंच)
- मार गार्सिया पुइग (स्पेन) - द हिस्ट्री ऑफ़ वर्टेब्रेट्स (कैटलन)
- पीटर कुर्ज़ेक (जर्मनी) - अक्रॉस द आइस (जर्मन)
- एना पाउला मैया (ब्राज़ील) - ऑन अर्थ ऐज़ इट इज़ बिनीथ (पुर्तगाली)
- मैडम नीलसन (डेनमार्क) - लैमेंटो (डेनिश)
- मारिया स्टेपानोवा (रूस) - डिसएपियरिंग एक्ट्स (रूसी)

सुहानी शाह 'जादू के ऑस्कर', FISM में पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

भारत की अग्रणी मेंटलिस्ट सुहानी शाह ने इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ मैजिक सोसाइटीज (FISM) में पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है—जिसे व्यापक रूप से जादू का ऑस्कर माना जाता है।

प्राप्त पुरस्कार:

मेंटलिज्म के क्षेत्र में उनके नवाचार के लिए सर्वश्रेष्ठ जादू निर्माता पुरस्कार।

FISM के बारे में:

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ मैजिक सोसाइटीज (FISM) एक प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था है जो जादू और प्रदर्शन कलाओं में उत्कृष्टता को मान्यता देती है। इसकी तुलना अक्सर जादू की दुनिया के "ऑस्कर" से की जाती है।

मेंटलिज्म क्या है?

एक प्रदर्शन कला जिसमें कलाकार निम्नलिखित तकनीकों के माध्यम से मन-पढ़ने का भ्रम पैदा करता है:

- कोल्ड रीडिंग
- सुझाव
- अवलोकनात्मक मनोविज्ञान
- आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन:
- सोहो थिएटर, लंदन: 7-10 अगस्त
- अंडरबेली ब्रिस्टो स्क्वायर, एडिनबर्ग: 12-25 अगस्त

लीला अबुलेला को प्रवास और आस्था पर लेखन के लिए पेन पिंटर पुरस्कार मिला

सूडानी मूल की लेखिका लीला अबुलेला को 2025 का पेन पिंटर पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार प्रवास, आस्था और मुस्लिम महिलाओं के जीवन जैसे विषयों के उनके मार्मिक चित्रण के लिए दिया गया है। वर्तमान में स्कॉटलैंड के एबरडीन में रहने वाली अबुलेला अपने उपन्यासों "द ट्रांसलेटर", "एल्सेव्हेयर", "होम" और "रिवर स्पिरिट" (2023) के लिए जानी जाती हैं।

- कारण: प्रवास, आस्था और मुस्लिम महिलाओं के जीवन पर लेखन के लिए, हेरोल्ड पिंटर के मानकों के अनुसार "अडिग, अटल" सत्य-कथन के दृष्टिकोण के साथ।

पृष्ठभूमि: खार्तूम, सूडान में जन्मी; 1990 से एबरडीन में रह रही हैं; छह उपन्यास और दो कहानी संग्रह लिखे हैं, जिनमें द ट्रांसलेटर, एल्सेव्हेयर, होम और रिवर स्पिरिट (2023) शामिल हैं।

निर्णायक मंडल की प्रशंसा:

नदीफा मोहम्मद ने उनके उपन्यासों को संकट के समय में "एक मरहम, एक आश्रय और एक प्रेरणा" बताया। मोना अर्शी और पेन अध्यक्ष रूथ बोथविक ने विस्थापन और आस्था पर उनके सूक्ष्म दृष्टिकोण की सराहना की।

- पुरस्कार समारोह: पुरस्कार औपचारिक रूप से 10 अक्टूबर 2025 को ब्रिटिश लाइब्रेरी में प्रदान किया जाएगा, जहाँ अबुलेला साहसी लेखक का भी चयन करेंगे।
- पुरस्कार की पहुँच: यूके, आयरलैंड, राष्ट्रमंडल या पूर्व राष्ट्रमंडल के लेखकों के लिए खुला; पिछले विजेताओं में अरुंधति रॉय, चिमामांडा नगोजी अदिची और सलमान रुश्दी शामिल हैं।

SEWA ने पर्यावरण प्रयासों के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की

शारजाह बिजली, पानी और गैस प्राधिकरण (SEWA) को PrintReleaf Standard संगठन से एक प्रतिष्ठित वैश्विक प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। यह सम्मान SEWA की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता की स्वीकृति में प्रदान किया गया। SEWA ने जेरोक्स एमिरेट्स के सहयोग से PrintReleaf द्वारा समर्थित वैश्विक पुनर्वनीकरण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक पहल शुरू की। इस पहल के परिणामस्वरूप 1 जनवरी से 31 मई, 2024 के बीच 115 पेड़ लगाए गए, जिससे मुद्रण गतिविधियों में उपयोग किए जाने वाले कागज की भरपाई हो गई।

SEWA:

शारजाह बिजली, पानी और गैस प्राधिकरण (SEWA) शारजाह अमीरात के भीतर एक सरकारी उपयोगिता है, जो लगभग 300,000 उपभोक्ताओं को बिजली, पानी और प्राकृतिक गैस की सेवा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, SEWA की एक सहायक कंपनी, जुलाल है, जो बोटलबंद पेयजल में विशेषज्ञता रखती है। सईद सुल्तान अल सुवैदी 2020 से अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

आईएनसीओआईएस ने राष्ट्रीय भू-स्थानिक प्रैक्टिशनर पुरस्कार 2025 जीता

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) को ओपन-सोर्स स्थानिक तकनीकों के उत्कृष्ट उपयोग के लिए राष्ट्रीय भू-स्थानिक प्रैक्टिशनर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार आईआईटी बॉम्बे में आयोजित ओपन सोर्स जीआईएस दिवस (संस्करण 02) के दौरान प्रदान किया गया।

पुरस्कार प्रस्तुति

यह पुरस्कार इसरो के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार द्वारा प्रदान किया गया। इसे आईएनसीओआईएस के निदेशक टी.एम. बालकृष्णन नायर ने ग्रहण किया।

INCOIS के बारे में

- पूर्ण रूप: भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र
- मुख्यालय: हैदराबाद
- मूल मंत्रालय: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)
- स्थिति: स्वायत्त संस्था
- मुख्य भूमिका: निम्नलिखित को महासागरीय सूचना और परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है:
- मछुआरे
- तटीय प्राधिकरण
- आपदा प्रबंधन एजेंसियाँ
- वैज्ञानिक और अनुसंधान समुदाय

पुरस्कार के बारे में

- पुरस्कार का नाम: राष्ट्रीय भू-स्थानिक व्यवसायी पुरस्कार
- उद्देश्य: सार्वजनिक सेवाओं में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के नवीन अनुप्रयोगों को मान्यता प्रदान करता है।

- फोकस: बेहतर डेटा पहुँच और रीयल-टाइम सेवाओं के लिए ओपन-सोर्स GIS प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग।

सरनकुमार लिंबाले को चिंता रवींद्रन पुरस्कार 2025 प्रदान किया जाएगा

प्रसिद्ध मराठी लेखक और आलोचक सरनकुमार लिंबाले को वर्ष 2025 के चिंता रवींद्रन पुरस्कार के लिए चुना गया है।

पुरस्कार में शामिल हैं:

- ₹50,000 नकद पुरस्कार
- स्मृति चिन्ह
- प्रशस्ति पत्र

यह पुरस्कार के.पी. केशवमेनन हॉल, कोझीकोड (केरल) में चिंता रवींद्रन स्मृति समारोह के दौरान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेखक एन.एस. माधवन करेंगे।

चिंता रवींद्रन पुरस्कार क्या है?

यह पुरस्कार चिंता रवींद्रन फाउंडेशन द्वारा कोझीकोड के एक प्रसिद्ध मलयालम लेखक, फिल्म समीक्षक, फिल्म निर्माता और पत्रकार चिंता रवि (के. रवींद्रन) की स्मृति में स्थापित किया गया है।

यह पुरस्कार प्रतिवर्ष चिंता रवींद्रन स्मृति व्याख्यान समारोह के दौरान प्रदान किया जाता है, जो आमतौर पर कोझीकोड, केरल में आयोजित किया जाता है।

उद्देश्य और महत्व:

साहित्य, पत्रकारिता, फिल्म आलोचना, सामाजिक चिंतन और सांस्कृतिक विमर्श में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। असमानता को चुनौती देने और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने वाली साहसी, प्रगतिशील आवाज़ों को सम्मानित किया जाता है।

प्रोफेसर सुभद्रत सेन ने 2025 आरएससी होराइजन पुरस्कार जीता

भारतीय विज्ञान और नवाचार के लिए एक बड़ी उपलब्धि में, दिल्ली-एनसीआर के शिव नादर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुभद्रत सेन और उनकी टीम को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी), यूके द्वारा प्रतिष्ठित 2025 होराइजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 2020 में पुरस्कार की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है जब किसी भारतीय टीम को यह सम्मान मिला है।

सतत रसायन विज्ञान में सफलता के लिए मान्यता

टीम को वैकल्पिक इलेक्ट्रोड इलेक्ट्रोलिसिस (AEE) विकसित करने में उनके अग्रणी कार्य के लिए मान्यता दी गई, जो कार्बनिक इलेक्ट्रोसिंथेसिस के लिए एक अभिनव तकनीक है। AEE दो जोड़े इलेक्ट्रोड के बीच इलेक्ट्रोकेमिकल प्रतिक्रियाओं को वैकल्पिक करने के लिए एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग करता है। यह विधि ऊर्जा दक्षता को बढ़ाती है और हानिकारक धातुओं के उपयोग को समाप्त करती

है, जिससे यह रासायनिक निर्माण में एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ प्रक्रिया बन जाती है।

हरित प्रौद्योगिकी और उद्योग पर प्रभाव

AEE तकनीक में फार्मास्युटिकल उत्पादन, एग्रोकेमिकल संश्लेषण और कार्बन-कमी प्रौद्योगिकियों में क्रांति लाने की क्षमता है। यह स्वच्छ ऊर्जा, हरित विनिर्माण और कम उत्सर्जन वाली रासायनिक प्रक्रियाओं की दिशा में वैश्विक प्रयास का समर्थन करता है। यह नवाचार पारंपरिक विद्युत रासायनिक विधियों के लिए एक तेज़, स्वच्छ और अधिक सुसंगत विकल्प प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

लघु लेख

प्राडा और कोल्हापुरी विवाद: जब वैश्विक फैशन भारतीय शिल्प कौशल से मिलता है

2025 की शुरुआत में, वैश्विक लकजरी फैशन हाउस प्राडा ने अपने स्प्रिंग/समर मेन्स फैशन शो के दौरान हाई-एंड लेदर सैंडल की एक जोड़ी प्रदर्शित करके महत्वपूर्ण विवाद खड़ा कर दिया। हालाँकि इसे केवल "चमड़े के सैंडल" के रूप में वर्णित किया गया था, लेकिन उनके डिज़ाइन में पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलों से काफी समानता थी, जो महाराष्ट्र के कोल्हापुर से उत्पन्न सदियों पुरानी हस्तनिर्मित फुटविपर शैली है। इस विवाद ने सांस्कृतिक विनियोग, बौद्धिक संपदा अधिकारों और कारीगर मान्यता पर बहस को जन्म दिया, जिससे यह वैश्विक फैशन और स्वदेशी शिल्प के प्रतिच्छेदन में एक निर्णायक मामला बन गया।

कोल्हापुरी चप्पलें क्या हैं?

कोल्हापुरी चप्पलें पारंपरिक रूप से भैंस की खाल से बनाई गई हस्तनिर्मित चमड़े की सैंडल हैं और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके टैन की जाती हैं। ये खुले पंजे वाले, टी-स्ट्रैप सैंडल अपनी स्थायित्व, आराम और सौंदर्य अपील के लिए जाने जाते हैं। इस शिल्प की जड़ें गहरी हैं, जो 12वीं-13वीं शताब्दी तक जाती हैं। पीढ़ियों से, पश्चिमी भारत में यह जूता एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जिसे पुरुष और महिला दोनों ही व्यापक रूप से पहनते हैं। उत्पाद की विशिष्टता और प्रामाणिकता की रक्षा के लिए, कोल्हापुरी चप्पलों को 2019 में भौगोलिक संकेत (GI) टैग दिया गया था। इसका मतलब है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के विशिष्ट जिलों में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाए गए जूतों को ही कानूनी तौर पर "कोल्हापुरी" कहा जा सकता है। हालाँकि, इस मान्यता के बावजूद, शिल्प के पीछे के कारीगर लंबे समय से कम आय, औपचारिक बाज़ार तक पहुँच की कमी और पीढ़ी दर पीढ़ी घटती दिलचस्पी से जूझ रहे हैं। प्राडा ने क्या किया और क्या नहीं किया प्राडा के मिलान शोकेस में, मॉडल चमड़े के सैंडल पहनकर रनवे पर चलीं, जो कोल्हापुरी चप्पलों से लगभग अप्रभेद्य थे। समस्या सिर्फ़ समानता नहीं थी, बल्कि पारंपरिक डिज़ाइन या इसके भारतीय मूल को श्रेय या स्वीकृति की पूरी तरह से चूक थी। प्राडा ने "कोल्हापुरी" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, न ही उसने भारतीय कारीगरों के साथ किसी सहयोग का उल्लेख किया। आग

में घी डालने का काम उत्पाद की कीमत ने किया- लगभग ₹1.2 लाख (लगभग \$1,200)- जो कोल्हापुरी कारीगरों की मामूली कमाई से बिलकुल अलग था। कई दर्शकों और हितधारकों ने महसूस किया कि प्राडा ने एक स्वदेशी शिल्प को लिया, इसकी सांस्कृतिक पहचान को छीन लिया और इसके रचनाकारों को उचित मान्यता या लाभ दिए बिना इसे लाभ के लिए फिर से पैक किया।

सार्वजनिक और संस्थागत प्रतिक्रिया

इस घटना ने भारत में सार्वजनिक और संस्थागत आवाज़ों दोनों से व्यापक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। कारीगरों, डिज़ाइनरों, राजनेताओं और व्यापार मंडलों ने सभी ने आक्रोश व्यक्त किया। भारतीय कारीगरों के लिए श्रेय और मुआवजे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन हुए। कुछ कारीगर संगठनों और वाणिज्य मंडलों ने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी और बौद्धिक संपदा अधिकारों और सांस्कृतिक विशेषता को सुरक्षित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करते हुए जनहित याचिकाएँ दायर कीं।

प्राडा के कार्यों के आलोचकों ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही ब्रांड ने "कोल्हापुरी" शब्द से परहेज करके सीधे जीआई टैग का उल्लंघन नहीं किया हो, लेकिन इसने जीआई संरक्षण की भावना को कमज़ोर कर दिया है। व्यापक चिंता सांस्कृतिक विनियोजन के बारे में थी - हाशिए पर पड़े या क्षेत्रीय संस्कृति के तत्वों को बिना मान्यता या उचित मुआवजे के लेना सही नहीं था।

प्राडा की प्रतिक्रिया और वक्तव्य

बढ़ते आक्रोश के जवाब में, प्राडा ने एक औपचारिक स्पष्टीकरण जारी किया। कंपनी ने स्वीकार किया कि सैंडल का डिज़ाइन वास्तव में समृद्ध विरासत वाले पारंपरिक भारतीय जूते से प्रेरित था। प्राडा ने कहा कि सैंडल अभी तक व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं थे और अभी भी प्रोटोटाइप चरण में थे। कंपनी ने भारतीय हितधारकों के साथ बातचीत करने और सहयोग के माध्यम से स्थानीय शिल्प कौशल का समर्थन करने की इच्छा भी व्यक्त की।

हालाँकि यह स्वीकारोक्ति विवाद के बाद आई, लेकिन इसने कहानी में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया। कई लोगों ने इसे वैश्विक लकजरी बाज़ार में स्वदेशी ज्ञान और कलात्मकता के मूल्य को पहचानने की दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक कदम माना।

कानूनी और नैतिक आयाम

इस मामले ने इस बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाए कि सांस्कृतिक उत्पादों और पारंपरिक ज्ञान को वैश्विक मंच पर कैसे संरक्षित किया जाता है। जीआई टैग राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर प्रभावी हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन में सीमित हैं जब तक कि द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौतों के माध्यम से विस्तारित न हों।

इस संदर्भ में, कानूनी विशेषज्ञों और कारीगर अधिवक्ताओं ने पारंपरिक शिल्प की रक्षा के लिए बेहतर तंत्रों की मांग की है, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय ट्रेडमार्क, डिज़ाइन पेटेंट, या स्वदेशी डिज़ाइनों के

उपयोग के लिए अनिवार्य लाइसेंसिंग। व्यापक रूप से, इस मामले ने वैश्विक ब्रांडों के नैतिक दायित्व को रेखांकित किया कि वे उन समुदायों को श्रेय दें, लाभ साझा करें और उनके साथ मिलकर काम करें जिनकी परंपराओं से वे जुड़े हैं।

फैशन ब्रांडों के लिए प्रतीकात्मक इशारों से आगे बढ़ने की मांग भी बढ़ रही है। वास्तविक नैतिक जुड़ाव में लाभ साझा करना, कौशल विकास, क्षमता निर्माण और स्थानीय शिल्पकारों के साथ सह-ब्रांडिंग के अवसर शामिल हैं। तभी वैश्वीकरण अधिक न्यायसंगत और समावेशी मॉडल की ओर बढ़ सकता है।

कारीगरों पर आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

दिलचस्प बात यह है कि विवाद ने सांस्कृतिक शोषण को उजागर किया, लेकिन इसने स्थानीय कारीगरों के लिए अप्रत्याशित आर्थिक अवसर भी पैदा किए। कोल्हापुरी चप्पलों में रुचि बढ़ी, ऑनलाइन खोजों में उछाल आया और भारतीय फुटवियर ब्रांडों ने मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की सूचना दी। हस्तनिर्मित चमड़े के सैंडल में विशेषज्ञता रखने वाले कई घरेलू लेबल ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ऑर्डर में वृद्धि देखी।

कई कारीगरों के लिए, इस नए ध्यान ने आशा जगाई। मुख्यधारा के बाजारों में वर्षों तक घटती प्रासंगिकता के बाद, उनका काम अब वैश्विक सुर्खियों में था। कुछ राज्य सरकार के विभागों और वाणिज्य निकायों ने प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और प्रत्यक्ष विपणन चैनलों के माध्यम से इन कारीगरों का समर्थन करने के लिए कार्यक्रमों की खोज भी शुरू कर दी।

कारीगरों ने गर्व और निराशा दोनों व्यक्त की - गर्व इस बात पर कि उनके काम ने एक वैश्विक ब्रांड का ध्यान आकर्षित किया है, और निराशा इस बात पर कि दुनिया को उनके योगदान पर ध्यान देने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय विवाद की आवश्यकता पड़ी।

सांस्कृतिक विनियोग बनाम सांस्कृतिक आदान-प्रदान

इस घटना ने सांस्कृतिक विनियोग और सांस्कृतिक प्रशंसा के बीच की बड़ी बहस को भी बढ़ावा दिया। विनियोग तब होता है जब सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग बिना समझ, सम्मान या स्वीकृति के किया जाता है - अक्सर अधिक शक्ति या दृश्यता वाली संस्थाओं द्वारा। इसके विपरीत, प्रशंसा में सहयोग, शिक्षा और मूल रचनाकारों और संदर्भ के प्रति सम्मान शामिल होता है।

दोनों के बीच की रेखा अक्सर धुंधली होती है, खासकर रचनात्मक उद्योगों में। हालांकि, पारदर्शिता, सहमति और लाभ-साझाकरण जैसे प्रमुख सिद्धांत यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान नैतिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी हो।

विशेष रूप से फैशन, विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं से बहुत अधिक प्रभावित होता है। जापानी किमोनो से लेकर अफ्रीकी प्रिंट और दक्षिण एशियाई कढ़ाई तक, कई शैलियों ने उच्च फैशन में अपना रास्ता खोज लिया है। चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इन शैलियों की उत्पत्ति करने वाले लोगों को मूल्य श्रृंखला से बाहर न रखा जाए।

आगे क्या होगा?

विवाद के मद्देनजर, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कई सुझाव प्रस्तावित किए गए हैं:

- पारंपरिक शिल्प के लिए डिज़ाइन रजिस्ट्री स्थापित करना
- फैशन हाउस के साथ सीधे जुड़ने वाले कारीगर समूहों को बढ़ावा देना
- शिल्पकारों के लिए बौद्धिक संपदा शिक्षा को सक्षम बनाना
- सांस्कृतिक संरक्षण पर केंद्रित कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी भागीदारी को प्रोत्साहित करना
- इसके अलावा, उपभोक्ता जागरूकता एक शक्तिशाली शक्ति के रूप में उभर रही है। जैसे-जैसे खरीदार नैतिक सोर्सिंग और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बारे में अधिक जागरूक होते जा रहे हैं, फैशन ब्रांड उच्च मानकों पर आ रहे हैं।
- यह घटना भारतीय नीति निर्माताओं और संस्थानों के लिए यह पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर भी प्रदान करती है कि वे पारंपरिक शिल्प का समर्थन और वैश्वीकरण कैसे करते हैं। कारीगरों के लिए वैश्विक बाजारों में भाग लेने के लिए सुलभ मार्ग बनाना यह सुनिश्चित कर सकता है कि वे लक्जरी फैशन कथा में केवल फुटनोट न हों - बल्कि पूर्ण सहयोगी हों।

निष्कर्ष

प्राडा-कोल्हापुरी चप्पल विवाद एक समय पर याद दिलाता है कि संस्कृति केवल प्रेरणा नहीं है - यह पहचान, श्रम और इतिहास है। जब वैश्विक ब्रांड स्थानीय परंपराओं से प्रेरणा लेते हैं, तो उन्हें उन परंपराओं को आगे बढ़ाने वालों का सम्मान करने और उनका उत्थान करने की जिम्मेदारी विरासत में मिलती है। विवाद को वार्तालाप और संभवतः सहयोग में बदलकर, यह प्रकरण रचनात्मक आदान-प्रदान के अधिक न्यायसंगत मॉडल का मार्ग प्रशस्त कर सकता है - जहां पारंपरिक कारीगर डिज़ाइन में दुनिया के सबसे बड़े नामों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे।

"यह जरूरी नहीं कि आपकी उम्र क्या है !
जरूरी यह है कि आप किस उम्र की सोच रखते हो !!"

"जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की !
उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की !!"

खेल-कूद

वीनस विलियम्स ने रचा इतिहास, टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज़ महिला बनीं

वीनस विलियम्स (45) ने वाशिंगटन में सिटी ओपन में इतिहास रच दिया, और डब्ल्यूटीए टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज़ महिला बन गईं। उन्होंने डीसी ओपन के पहले राउंड में 23 वर्षीय पीटन स्टर्न्स को हराया - जो लगभग दो वर्षों में उनकी पहली एकल जीत, और गर्भाशय फाइब्रॉइड की सर्जरी के कारण ब्रेक के बाद 16 महीनों में पहला मैच था। 45 साल की उम्र में, वीनस ने मार्टिना नवरातिलोवा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने आखिरी बार 2004 में 47 साल की उम्र में जीत हासिल की थी।

यह ऐतिहासिक क्यों है?

- उम्र को मात देने वाला प्रदर्शन: वह अब टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज़ महिला हैं।
- युवाओं पर विजय: शीर्ष-35 प्रतिद्वंद्वी को हराना, उनके स्थायी कौशल और मानसिक दृढ़ता को दर्शाता है।
- प्रेरणादायक वापसी: लंबी छुट्टी और स्वास्थ्य चुनौतियों के बाद उनके लचीलेपन को दर्शाती है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम: अरोनियन ने खिताब जीता; एरिगैसी पांचवें, प्राग सातवें स्थान पर

लेवोन अरोनियन ने व्यान लास वेगास में अपना पहला फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। फाइनल में हंस नीमन को हराया।

200,000 अमेरिकी डॉलर का विजेता पुरस्कार जीता।

उपविजेता:

हंस नीमन अपने करियर की सबसे बड़ी जीत से बाल-बाल चूक गए। दूसरे स्थान पर रहे और 140,000 अमेरिकी डॉलर जीते।

तीसरा स्थान:

विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को हराया। 160,000 अमेरिकी डॉलर जीते। फाइनल में न पहुँच पाने के बावजूद, ग्रैंड स्लैम टूर की समग्र रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं।

भारतीय प्रदर्शन:

अर्जुन एरिगैसी ने फैबियानो कारूआना को हराकर पाँचवाँ स्थान हासिल किया। आर प्रज्ञानंद ने वेस्ली सो को हराकर सातवाँ स्थान हासिल किया।

चीन के शि युकी और कोरिया की एन से-यंग ने जापान ओपन बैडमिंटन में खिताब जीते

पुरुष एकल चैंपियन: चीन के शि युकी ने फ्रांस के एलेक्स लैनियर को हराकर खिताब जीता। यह 2025 में लिन डैन के बाद जापान ओपन में चीन की पहली पुरुष एकल जीत है। महिला एकल

चैंपियन: दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर 1 एन से-यंग ने चीन की वांग झीयी को केवल 42 मिनट में हरा दिया। इस साल सात टूर्नामेंटों में यह उनका छठा खिताब था।

2025 के विजेताओं पर एक नज़र:

- चीन का शानदार प्रदर्शन: चीन शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीम बनकर उभरा और उसने तीन खिताब जीते:
- पुरुष एकल: शी युकी
- महिला युगल: लियू शेंगशु और टैन निंग
- मिश्रित युगल: जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन
- नोट: पुरुष युगल: किम वोन-हो और सियो सेउंग-जे ने मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज़जुद्दीन को हराया।

2025 जापान ओपन

- संस्करण: 42वां
- स्तर: सुपर 750
- कुल पुरस्कार राशि: US\$950,000
- स्थान: टोक्यो, जापान

भारतीय हॉकी खिलाड़ी दीपिका ने पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड 2024-25 जीता

भारतीय महिला हॉकी फॉरवर्ड दीपिका को एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान शीर्ष रैंकिंग वाली नीदरलैंड टीम के खिलाफ उनके शानदार एकल गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड 2024-25 से सम्मानित किया गया है।

नीदरलैंड के खिलाफ यादगार गोल:

पुरस्कार विजेता गोल फरवरी 2024 में कलिंगा स्टेडियम में लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान आया था। मैच के 35वें मिनट में, दीपिका ने बाएं किनारे से ड्रिबलिंग करके, डच डिफेंडरों को चकमा देकर, गेंद को एक स्टिक के ऊपर से उठाकर, और एक सटीक कोण से गोल करके मैच को 2-2 से बराबर कर दिया। बाद में भारत ने शूटआउट में जीत हासिल की।

पुरुष वर्ग विजेता:

पुरुष वर्ग में, बेल्जियम के विक्टर वेगनेज़ को उनके असाधारण मिडफ़ील्ड खेल के लिए सम्मानित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप स्पेन के खिलाफ एक शानदार टीम गोल हुआ।

अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका जीता, मेस्सी ने अपनी तीसरी बड़ी अंतर्राष्ट्रीय ट्रॉफी जीती

कोपा अमेरिका 2024 के फाइनल में लियोनेल मेस्सी की टीम ने कोलंबिया को हराकर अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका खिताब जीता। मैच के अतिरिक्त समय में जाने के बाद 112वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए लुटारो मार्टिनेज़ ने विजयी गोल किया, क्योंकि दोनों टीमों 90 मिनट और स्टॉपेज में गोल करने में विफल रहीं। कोपा अमेरिका 2024 के उपविजेता को पुरस्कार राशि के

रूप में सात मिलियन डॉलर दिए जाएंगे, और सोलह मिलियन डॉलर विजेता टीम को दिए जाएंगे। यह ट्रॉफी लियोनेल स्कालोनी की टीम के लिए लगातार तीसरा प्रमुख टूर्नामेंट है, जिसने 2022 में कतर में विश्व कप जीत के बाद दो कोपा जीते हैं।

टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक कोपा अमेरिका खिताब:

- अर्जेंटीना: 15 खिताब; 14 उपविजेता।
- उरुग्वे: 15 खिताब; छह उपविजेता।
- ब्राजील: नौ खिताब; 12 उपविजेता।
- पैराग्वे: दो खिताब; छह उपविजेता।
- चिली: दो खिताब; चार उपविजेता।
- पेरू: दो खिताब; एक उपविजेता।

यूरो 2024: स्पेन ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड चौथा खिताब जीता

बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में यूरो 2024 के फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर यूरो चार बार जीतने वाला पहला देश बन गया। इंग्लैंड के कोल पामर ने बराबरी करने से पहले 47वें मिनट में निको विलियम्स ने स्पेन के लिए पहला गोल किया। स्पेन के लिए मिकेल ओयारज़ाबल ने 86वें मिनट में विजयी गोल किया। इंग्लैंड लगातार दूसरा यूरो फाइनल हार गया है।

यूईएफए यूरो 2024:

- चैंपियंस: स्पेन (चौथा खिताब)
- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: रोड्री (स्पेन)
- सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी: लैमिन यामल (स्पेन)

यूरोपीय फुटबॉल संघों का संघ (यूईएफए):

- गठन: 15 जून 1954
- स्थापना: बेसल, स्विट्ज़रलैंड
- मुख्यालय: न्योन, स्विट्ज़रलैंड
- अध्यक्ष: एलेक्जेंडर सेफ़रिन
- महासचिव: थियोडोर थियोडोरिडिस

जैनिन सिनर ने जीता पहला विंबलडन खिताब - इटली के लिए रचा इतिहास

विश्व नंबर 1 जैनिन सिनर ने लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ को हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीता। इस जीत के साथ, सिनर टूर्नामेंट के 148 साल के इतिहास में विंबलडन जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए।

करियर उपलब्धियाँ

इस जीत के साथ, सिनर के नाम अब चार ग्रैंड स्लैम खिताब हो गए हैं और उन्हें करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए केवल रोलेंड गैरोस की जरूरत है। वह अब 3,430 अंकों की बढ़त के साथ PIF ATP रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

2025 विंबलडन चैंपियनशिप:

- संस्करण: 138वां

- पुरस्कार राशि: £53,550,000

चैंपियन:

- पुरुष एकल: जैनिन सिनर (इटली)
- महिला एकल: इगा स्विगाटेक (पोलैंड)
- पुरुष युगल: जूलियन कैश (यूनाइटेड किंगडम) / लॉयड ग्लासपूल (यूनाइटेड किंगडम)
- महिला युगल: कुडरमेतोवा (वेरोनिका) / एलिस मर्टेंस (बेल्जियम)
- मिश्रित युगल: सेम वर्बीक (नीदरलैंड) / कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य)

हरिकृष्णन ए रा भारत के 87वें ग्रैंडमास्टर बने

भारत के शतरंज खिलाड़ियों की सूची में एक और नाम जुड़ गया है, हरिकृष्णन ए रा देश के 87वें ग्रैंडमास्टर (जीएम) बन गए हैं। उन्होंने फ्रांस में आयोजित ला प्लेग्रे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में अपना अंतिम जीएम नॉर्म हासिल करके यह उपलब्धि हासिल की।

ग्रैंडमास्टर खिताब तक का सफर

23 वर्षीय हरिकृष्णन सात साल से अंतर्राष्ट्रीय मास्टर (आईएम) थे। कई प्रयासों और करीबी मुकाबलों के बावजूद, वह अब तक आवश्यक नॉर्म हासिल नहीं कर पाए थे। आखिरकार उन्होंने अपने साथी भारतीय पी. इनियान के खिलाफ अंतिम दौर का खेल ड्रॉ करके सभी मानदंडों को पूरा किया और टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे।

भारत 2027 में ISSF निशानेबाजी विश्व कप और 2028 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (ISSF) ने भारत को दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी स्पर्धाओं - संयुक्त ISSF विश्व कप 2027 और जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2028 - की मेज़बानी का अधिकार प्रदान किया है। इस निर्णय की घोषणा ISSF कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान की गई।

आयोजन विवरण:

नई दिल्ली 2027 में तीनों स्पर्धाओं - राइफल, पिस्टल और शॉटगन - में विश्व कप की मेज़बानी करेगा, जिससे यह एक व्यापक वैश्विक निशानेबाजी स्पर्धा बन जाएगी। 2028 में, भारत ISSF जूनियर विश्व चैंपियनशिप की भी मेज़बानी करेगा, जिससे वैश्विक निशानेबाजी कैलेंडर में एक प्रमुख गंतव्य के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत होगी।

अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ:

- स्थापना: 1907
- पूर्व नाम: अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी संघ (UIT)
- मुख्यालय: म्यूनिख, जर्मनी
- अध्यक्ष: लूसियानो रॉसी (इटली)
- महासचिव: विली ग्रिल (जर्मनी)

फॉर्मूला 1: हुलकेनबर्ग ने पहला पोटियम हासिल किया, नॉरिस ने ब्रिटिश जीपी जीता

विजेता: लैंडो नॉरिस (मैकलारेन) ने सिल्वरस्टोन में एक नाटकीय, गीली-सूखी रेस में अपनी पहली घरेलू जीत हासिल की। उपविजेता: ऑस्कर पियास्ट्री (मैकलारेन) 6.812 सेकंड पीछे दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन सेप्टी कार रीस्टार्ट के दौरान अनियमित ब्रेक लगाने के लिए उन्हें 10 सेकंड की पेनल्टी दी गई। तीसरा स्थान: निको हुलकेनबर्ग (सौबर) ने अपने 239वें करियर की शुरुआत में P19 से चढ़कर अपना पहला फॉर्मूला 1 पोटियम हासिल किया।

2025 ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स

➤ आधिकारिक नाम: फॉर्मूला 1 कतर एयरवेज ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स 2025

➤ स्थान: सिल्वरस्टोन सर्किट, सिल्वरस्टोन, यूनाइटेड किंगडम

चैपियंस:

- | | |
|---------------------|-------------------|
| 1. लैंडो नॉरिस | मैकलारेन-मर्सिडीज |
| 2. ऑस्कर पियास्ट्री | मैकलारेन-मर्सिडीज |
| 3. निको हुलकेनबर्ग | किंग सौबर-फेरारी |

अस्ताना में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में भारत ने अपना जलवा बिखेरा

अस्ताना में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते।

भारत के स्वर्ण पदक विजेता

- साक्षी चौधरी – महिला 54 किग्रा
- जैस्मीन लैम्बोरिया – महिला 57 किग्रा
- नूपुर – महिला 80+ किग्रा

रजत पदक विजेता

- मीनाक्षी – महिला 48 किग्रा
- पूजा रानी – महिला 80 किग्रा
- जुगनू – पुरुष 85 किग्रा
- हितेश गुलिया – पुरुष 70 किग्रा
- अभिनाश जामवाल – पुरुष 65 किग्रा

एशियाई पैरा-तीरंदाजी चैपियनशिप 2025 में भारत ने चमक बिखेरी

बीजिंग में आयोजित एशियाई पैरा-आर्चरी चैपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 9 पदक जीते। चीन पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा।

स्वर्ण पदक विजेता

- हरविंदर सिंह – रिकर्व पुरुष ओपन
- हरविंदर सिंह और भावना – रिकर्व ओपन मिक्सड टीम

- शीतल देवी और ज्योति – कंपाउंड महिला टीम (चीन को 148-143 से हराया)

रजत पदक विजेता

- हरविंदर सिंह और विवेक चिकारा – रिकर्व पुरुष टीम
- राकेश कुमार और श्याम सुंदर स्वामी – कंपाउंड पुरुष ओपन डबल्स
- राकेश कुमार और ज्योति – कंपाउंड मिक्सड टीम

कांस्य पदक विजेता

- पूजा और भावना – रिकर्व महिला डबल्स
- नवीन दलाल और नुरुद्दीन – पुरुष W1 डबल्स (शूट-ऑफ में कज़ाख़स्तान को हराया)
- ज्योति – कंपाउंड महिला ओपन (इंडोनेशिया को 144-133 से हराया)

मुख्य आकर्षण:

हरविंदर सिंह ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी रहे। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 663 अंकों के साथ व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और प्रतियोगिता रिकॉर्ड भी बनाया।

लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के लिए 2025 ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्रिक्स जीता

लैंडो नॉरिस ने 2025 ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्री जीती, उन्होंने अपने साथी ऑस्कर पियास्ट्री को एक कड़े मुकाबले में हराकर सीज़न की अपनी दूसरी जीत हासिल की। मैकलारेन ने एक-दो स्थान हासिल किया, जहाँ पियास्ट्री लगभग टक्कर और पिट स्टॉप में देरी के बावजूद दूसरे स्थान पर रहे।

ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्री

- स्थान: स्टायरिया, ऑस्ट्रिया
- सबसे तेज़ लैप: ऑस्कर पियास्ट्री (मैकलारेन-मर्सिडीज)
- चैपियंस 2025
- पहला लैंडो नॉरिस मैकलारेन-मर्सिडीज
- दूसरा ऑस्कर पियास्ट्री मैकलारेन-मर्सिडीज
- तीसरा चार्ल्स लेक्लर फेरारी

हॉकी मास्टर्स कप: ओडिशा ने महिला वर्ग का खिताब जीता, तमिलनाडु ने पहले संस्करण में पुरुष वर्ग का ताज जीता

पहला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 – मुख्य हाइलाइट्स महिला वर्ग

- चैपियन: हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा
- फाइनल में हॉकी पंजाब को 1-0 से हराया।
- विजयी गोल: रंजीता बेक (34') द्वारा बनाया गया।

कांस्य पदक: हॉकी हरियाणा

करीबी मुकाबले में तमिलनाडु की हॉकी यूनिट को 4-3 से हराया।

पुरुष वर्ग

- चैपियन: तमिलनाडु की हॉकी यूनिट
- फाइनल में हॉकी महाराष्ट्र को 5-0 से हराया।

- पहले हाफ में गोल रहित रहने के बाद दूसरे हाफ में सभी गोल किए गए।
- कांस्य पदक: हॉकी चंडीगढ़
- ओडिशा की हॉकी एसोसिएशन को 2-1 से हराया।

हॉकी इंडिया

- क्षेत्राधिकार: भारत
- स्थापना: 2009
- संबद्धता: अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (2017)
- क्षेत्रीय संबद्धता: एशियाई हॉकी महासंघ (2011)
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- अध्यक्ष: दिलीप तिकी
- सचिव: भोला नाथ सिंह
- पुरुष कोच: क्रेग फुल्टन (दक्षिण अफ्रीका)
- महिला कोच: हरेन्द्र सिंह (भारत)
- प्रतिस्थापित: भारतीय हॉकी महासंघ (1925-2008)

आर. प्रगनानंद ने उज्बेकिस्तान शतरंज कप जीता, लाइव रैंकिंग में भारत नंबर 1 पर पहुंचे

आर. प्रगनानंद ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित उजचेस कप मास्टर्स 2025 जीता। जीत: फाइनल राउंड में नोदिरबेक अब्दुसतोरोव (उज्बेकिस्तान) को काले मोहरों से हराया। खिताब: चैंपियनशिप का खिताब जीता और लाइव क्लासिकल शतरंज रैंकिंग में भारत के नंबर 1 खिलाड़ी बने।

लाइव रेटिंग और वैश्विक रैंकिंग

- लाइव रेटिंग: 2778.3 पर पहुंच गई।
- वैश्विक स्थान: लाइव क्लासिकल रैंकिंग में दुनिया के नंबर 4 पर पहुंच गए।

भारतीय जीएम से आगे निकल गए:

- डी गुक्लेश - 2776.6
- अर्जुन एरिगैसी - 2775.7

दुनिया भर में शीर्ष 3 (लाइव रेटिंग):

- मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) - 2839.2
- हिकारू नाकामुरा (यूएसए) - 2807
- फैबियानो कारुआना (यूएसए) - 2784.2

भारत ने दूसरी एशियाई स्कैश डबल्स चैंपियनशिप में तीनों खिताब जीते

भारत ने दूसरी एशियाई स्कैश डबल्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों खिताब जीते - पुरुष डबल्स, महिला डबल्स और मिश्रित डबल्स।

विजेताओं की सूची:

पुरुष डबल्स

- विजेता: अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार (भारत)
- पराजित: नूर ज़मान और नासिर इकबाल (पाकिस्तान)

महिला डबल्स

- विजेता: जोशना चिनप्पा और अनाहत सिंह (भारत)
- पराजित: आइना अमानी और शिन यिंग यी (मलेशिया)

मिश्रित डबल्स

- विजेता: अभय सिंह और अनाहत सिंह (भारत)
- पराजित: रेचल अर्नोल्ड और अमीशेनराज चंद्रन (मलेशिया)

नवीनतम FIFA रैंकिंग में भारत 133वें स्थान पर खिसका - 9 वर्षों में सबसे खराब

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम नवीनतम FIFA विश्व रैंकिंग में 133वें स्थान पर खिसक गई है, जो दिसंबर 2016 (135वें स्थान) के बाद से उसकी सबसे निचली रैंकिंग है। हाल के अंतरराष्ट्रीय मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण भारत अपनी पिछली रैंकिंग से 6 स्थान नीचे खिसक गया है।

रैंकिंग के मुख्य तथ्य:

भारत के अब 1132.03 से घटकर 1113.22 रेटिंग अंक हो गए हैं। 46 एशियाई टीमों में 24वें स्थान पर है। एशियाई टीमों में जापान शीर्ष पर है, जो विश्व स्तर पर 17वें स्थान पर है।

- भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ FIFA रैंकिंग: 94 (फ़रवरी 1996)।

शीर्ष 5 फीफा पुरुष फुटबॉल रैंकिंग (नवीनतम)

स्थान	देश	अंक
1	अर्जेंटीना	1886.16
2	स्पेन	1854.64
3	फ्रांस	1852.71
4	इंग्लैंड	1819.20
5	ब्राज़ील	1776.03

"ज्यादातर लोग उतने ही खुश रहते हैं !
जितना वो अपने दिमाग में तय कर लेते हैं !!

"मजिल मेरे कदमों से अभी दूर बहुत है !
मगर तसल्ली यह है कि कदम मेरे साथ हैं !!

निधन

कुश्ती के दिग्गज हल्क होगन का 71 वर्ष की आयु में निधन



पेशेवर कुश्ती को वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने वाले अमेरिकी खेल और मनोरंजन जगत के सितारे हल्क होगन का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

कुश्ती करियर की मुख्य बातें:

- शुरुआत: 1970 के दशक में फ्लोरिडा कुश्ती जगत में
- उपनाम: कॉमिक बुक के पात्र से समानता के कारण "हल्क"; मार्वल को रॉयल्टी दी
- "होगन": प्रमोटर विंसेंट जे. मैकमोहन द्वारा दिया गया नाम
- रेसलमेनिया III (1987): 93,000 से ज़्यादा प्रशंसकों के सामने आंद्रे द जाइंट को हराया
- WWF चैंपियन: 1984 में आयरन शेख को हराया; 4 साल तक बेल्ट संभाले रखा

प्रमुख कुश्ती कंपनियाँ:

- WWF/WWE
- WCW - "हॉलीवुड होगन" के रूप में पुनर्परिभाषित और न्यू वर्ल्ड ऑर्डर (nWo) का नेतृत्व किया

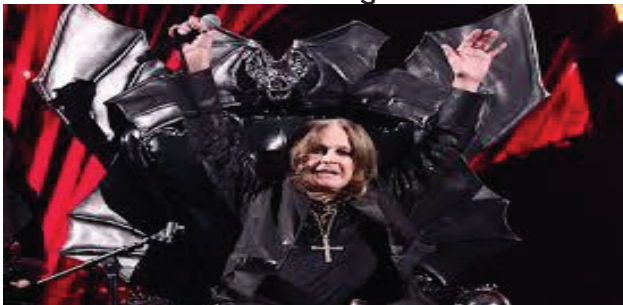
अन्य उद्यम:

- हॉलीवुड फ़िल्में: रॉकी III, सांता विद मसल्स, मिस्टर नैनी
- टीवी रियलिटी शो: होगन नोज़ बेस्ट (2005-2007)
- पत्रिका कवर: स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड में आने वाले पहले पहलवान

विरासत और मान्यता:

- दो बार शामिल: WWE हॉल ऑफ़ फ़ेम

ब्लैक सब्बाथ के संस्थापक और हेवी मेटल के गॉडफादर ओज़ी ऑस्बॉर्न का 76 वर्ष की आयु में निधन



ब्लैक सब्बाथ के दिग्गज फ्रंटमैन और हेवी मेटल के अग्रदूत ओज़ी ऑस्बॉर्न का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 3 दिसंबर, 1948 को इंग्लैंड के बर्मिंघम में जॉन माइकल ऑस्बॉर्न के रूप में जन्मे ओज़ी ने 1968 में ब्लैक सब्बाथ की सह-स्थापना की। "आयरन मैन", "पैरानॉयड" और "वॉर पिग्स" जैसे क्लासिक ट्रैक उस दौर के एंथम बन गए। 1978 में ब्लैक सब्बाथ से अलग होने के बाद, ओज़ी ने "क्रेज़ी ट्रेन", "बार्क एट द मून" और "नो मोर टियर्स" जैसे हिट गानों के साथ एक सफल एकल करियर की शुरुआत की।

पुरस्कार और सम्मान:

- ग्रेमी पुरस्कार
- एमटीवी यूरोप म्यूज़िक अवार्ड्स
- केरंग! पुरस्कार
- रॉक एंड रोल हॉल ऑफ़ फ़ेम
- ब्लैक सब्बाथ के सदस्य के रूप में 2006 में शामिल
- यूके म्यूज़िक हॉल ऑफ़ फ़ेम
- हॉलीवुड वॉक ऑफ़ फ़ेम
- बर्मिंघम वॉक ऑफ़ स्टार्स (यूके)

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और रंगमंच के दिग्गज रतन थियम का 77 वर्ष की आयु में निधन



विश्व स्तर पर प्रशंसित रंगमंच व्यक्तित्व रतन थियम का निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। रतन थियम को "चक्रव्यूह", "उत्तर प्रियदर्शी", "हे नुंगशिबी पृथ्वी", "चिंगलोन मपन तंपक अमा" जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित नाटकों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उन्हें अपने नाटक "चक्रव्यूह" के लिए 1987 के एडिनबर्ग अंतराष्ट्रीय महोत्सव में फ्रिज फर्स्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रतन थियम ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। अकादमी के फेलो होने के अलावा, उन्होंने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। भारत सरकार ने रंगमंच के क्षेत्र में उनके योगदान के सम्मान में उन्हें 1989 में प्रतिष्ठित "पद्मश्री" से सम्मानित किया। उन्हें 1987 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। मणिपुर सरकार ने भी उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया। वे कोरस रिपर्टरी इम्फाल के संस्थापक थे।

वेल्स और लिवरपूल के पूर्व फुटबॉलर जॉय जोन्स का 70 वर्ष की आयु में निधन



वेल्स के दिग्गज फुटबॉलर और लिवरपूल के पूर्व डिफेंडर जॉय जोन्स का लंबी बीमारी के बाद 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वेल्स फुटबॉल संघ और रेक्सहैम एएफसी, जिस क्लब से उन्होंने अपना करियर शुरू और समाप्त किया, ने उनके निधन की पुष्टि की।

लिवरपूल के साथ शानदार करियर

जोन्स का फुटबॉल करियर बेहद शानदार रहा, खासकर लिवरपूल एफसी के साथ, जहाँ उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। उन्होंने क्लब के साथ पाँच प्रमुख ट्रॉफियाँ जीतीं, जिनमें 1977 और 1978 में लगातार यूरोपीय कप, 1977 में इंग्लिश लीग खिताब, यूईएफए कप और यूरोपीय सुपर कप शामिल हैं। अपनी कार्यशैली और समर्पण के लिए जाने जाने वाले जोन्स को लिवरपूल के प्रशंसक और टीम के साथी समान रूप से बहुत पसंद करते थे।

अंतर्राष्ट्रीय योगदान

जोन्स ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वेल्स का प्रतिनिधित्व किया और 1975 से 1986 के बीच 72 मैच खेले। अपने खेल के वर्षों के दौरान, उन्हें वेल्स के सबसे निरंतर और समर्पित डिफेंडरों में से एक माना जाता था।

रेक्सहैम एएफसी में विरासत

जोन्स ने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत रेक्सहैम एएफसी से की, जहाँ उन्होंने वेल्स कप जीता। उन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में क्लब के साथ तीन कार्यकाल बिताए और बाद में प्रथम टीम कोच, युवा कोच, अंतरिम प्रबंधक और क्लब एम्बेसडर सहित विभिन्न भूमिकाओं में काम किया। उनके आजीवन योगदान को मान्यता देते हुए, रेक्सहैम ने घोषणा की है कि वह स्टेडियम के बाहर उनकी एक प्रतिमा स्थापित करके उन्हें सम्मानित करेगा।

पैराग्लाइडिंग दुर्घटना में चरम एथलीट फेलिक्स बॉमगार्टनर का निधन

2012 में अपनी रिकॉर्ड तोड़ अंतरिक्ष छलांग के लिए विश्व प्रसिद्ध ऑस्ट्रियाई चरम एथलीट फेलिक्स बॉमगार्टनर का इटली में एक पैराग्लाइडिंग दुर्घटना में 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया। यह घटना इटली के एड्रियाटिक तट पर पोर्टो सेंट एल्पिडियो में हुई। बॉमगार्टनर अपने पैराग्लाइडर पर नियंत्रण खो बैठे और ले

मिमोस फैमिली कैपिंग विलेज में एक स्विमिंग पूल के पास एक लकड़ी के ढांचे से टकरा गए।



उपलब्धियाँ और करियर की मुख्य उपलब्धियाँ

ऑस्ट्रिया के साल्ज़बर्ग में जन्मे बॉमगार्टनर ने 16 साल की उम्र में पैराशूटिंग शुरू की और बाद में ऑस्ट्रियाई सेना में पैराशूटिस्ट के रूप में सेवा की। 1999 में, उन्होंने एक इमारत (पेट्रोनास टावर्स, मलेशिया) से सबसे ऊँची बेस जंप का विश्व रिकॉर्ड बनाया और ब्राज़ील में क्राइस्ट द रिडीमर प्रतिमा से भी छलांग लगाई। 2003 में, वह विशेष रूप से विकसित कार्बन विंग्स का उपयोग करके, मुक्त पतन में इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले व्यक्ति बने।

रेड बुल स्ट्रैटोस जंप (2012)

बॉमगार्टनर ने रेड बुल स्ट्रैटोस परियोजना के माध्यम से वैश्विक ख्याति प्राप्त की। 14 अक्टूबर, 2012 को, उन्होंने न्यू मैक्सिको, अमेरिका के ऊपर एक हीलियम गुब्बारे से, पृथ्वी से 38,969 मीटर (लगभग 39 किमी) की ऊँचाई से छलांग लगाई।

प्रमुख रिकॉर्ड:

मुक्त पतन में ध्वनि अवरोध को तोड़ने वाले पहले व्यक्ति।

- अधिकतम गति: 1,357.6 किमी/घंटा (मैक 1.25)
- सबसे लंबी मुक्त पतन दूरी: 36,402 मीटर
- अब तक की सबसे ऊँची छलांग: 38,969 मीटर
- यह परियोजना रेड बुल द्वारा प्रायोजित थी, जिसने उनकी मृत्यु की पुष्टि की।

114 वर्षीय महान मैराथन धावक फौजा सिंह का सड़क दुर्घटना में निधन



"पगड़ीधारी बवंडर" के नाम से विश्व प्रसिद्ध सरदार फौजा सिंह का 114 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

प्रारंभिक जीवन और चुनौतियाँ:

1 अप्रैल, 1911 को ब्यास पिंड (तत्कालीन ब्रिटिश भारत का हिस्सा) में जन्मे फौजा सिंह बचपन में गंभीर शारीरिक समस्याओं

से ग्रस्त थे। वे पाँच वर्ष की आयु तक चल नहीं पाते थे और उनके कमज़ोर पैरों के कारण चलना-फिरना मुश्किल हो जाता था। इसके बावजूद, वे युवावस्था में ही किसान बन गए और अपने परिवार की आजीविका में योगदान दिया।

100 वर्ष की आयु में रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धियाँ:

2011 में, 100 वर्ष की आयु में, फौजा सिंह ने कनाडा में ऑटारियो मास्टर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के दौरान एक ही दिन में आठ विश्व आयु-वर्ग रिकॉर्ड स्थापित करके इतिहास रच दिया। उनका समय इस प्रकार था:

100 मीटर – 23.14 सेकंड

200 मीटर – 52.23 सेकंड

400 मीटर – 2:13.48

800 मीटर – 5:32.18

1500 मीटर – 11:27.81

1 मील – 11:53.45

3000 मीटर – 24:52.47

5000 मीटर – 49:57.39

सम्मान और वैश्विक मान्यता:

2003 में, वे नस्लीय सद्भाव और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए एलिस आइलैंड मेडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने वाले पहले गैर-अमेरिकी बने। 2011 में, उन्हें "प्राइड ऑफ इंडिया" की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने पेटा के एक अभियान में सबसे उम्रदराज मॉडल के रूप में काम किया और डेविड बेकहम और मुहम्मद अली के साथ एक स्पोर्ट्सवियर विज्ञापन में अभिनय किया।

दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का 87 वर्ष की उम्र में निधन



अनुभवी दक्षिण भारतीय अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का 87 वर्ष की आयु में बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती, उनका निधन दक्षिण भारतीय फिल्म इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है।

विरासत और मान्यता

बी. सरोजा देवी भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग के दौरान सबसे प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक थीं। उन्होंने तमिल, कन्नड़, तेलुगु और हिंदी सहित कई भाषाओं में अपार लोकप्रियता अर्जित की। तमिल में, उन्हें प्यार से "कन्नदधु पिंगिली" (कन्नड़ का तोता) कहा जाता था, जबकि कन्नड़ सिनेमा में, उन्हें "अभिनय सरस्वती" (अभिव्यक्तियों की सरस्वती) के रूप में सम्मानित किया जाता

था, जो उनके उल्लेखनीय अभिनय कौशल और अभिव्यंजक प्रदर्शन को उजागर करता था।

नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी का 82 वर्ष की आयु में निधन



नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी का 82 वर्ष की आयु में लंदन में निधन हो गया। बुहारी नाइजीरियाई राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जो अपने मज़बूत भ्रष्टाचार-विरोधी रुख और ऐतिहासिक लोकतांत्रिक जीत के लिए जाने जाते थे।

राजनीतिक करियर और उपलब्धियाँ

बुहारी का राजनीतिक सफर 1980 के दशक में शुरू हुआ, जब वे तख्तापलट के बाद नाइजीरिया के सैन्य प्रमुख बने। उनका शासन 20 महीने तक चला, उसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। दशकों बाद, उन्होंने लोकतांत्रिक राजनीति की ओर रुख किया और खुद को "धर्मातरित लोकतंत्रवादी" बताया। तीन असफल प्रयासों के बाद, बुहारी 2015 में राष्ट्रपति चुने गए, उन्होंने वर्तमान गुडलक जोनाथन को हराया। इस तरह, वे नाइजीरिया के इतिहास में बहुदलीय लोकतंत्र की शुरुआत के बाद से किसी मौजूदा राष्ट्रपति को पद से हटाने वाले पहले विपक्षी उम्मीदवार बने। 2019 में उन्हें दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया।

कार्यकाल के दौरान चुनौतियाँ

बुहारी के प्रशासन को कई राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नाइजीरिया ने अपने सबसे बुरे आर्थिक संकटों में से एक का अनुभव किया, जिसकी एक वजह वैश्विक तेल की गिरती कीमतें थीं। इसके अलावा, उनकी सरकार बोको हराम के उग्रवाद को रोकने के लिए संघर्ष करती रही, जबकि उन्होंने इस उग्रवादी समूह को खत्म करने का वादा किया था। उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान सशस्त्र बलों पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप भी लगे।

नाइजीरिया:

- राजधानी: अबुजा
- मुद्रा: नाइजीरियाई नाइरा (₦)
- सीमाएँ: नाइजर, चाड, कैमरून, बेनिन
- तटरेखा: गिनी की खाड़ी (अटलांटिक महासागर) के किनारे
- वर्तमान राष्ट्रपति: बोला अहमद टीनुबू

अफ़ग़ानिस्तान के आईसीसी अंपायर बिस्मिल्लाह जान शिनवारी का 41 वर्ष की आयु में निधन



अफ़ग़ानिस्तान के एक प्रमुख अंपायर और आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय अंपायर पैनल के सदस्य बिस्मिल्लाह जान शिनवारी का 41 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

करियर की मुख्य बातें

शिनवारी ने 2017 में शारजाह में अफ़गानिस्तान और आयरलैंड के बीच एकदिवसीय मैच में अंपायरिंग करते हुए अपने अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग करियर की शुरुआत की।

उन्होंने निम्नलिखित में अंपायरिंग की:

- 34 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे)
- 26 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय (टी-20)
- 170 से ज्यादा घरेलू मैच

अपने पेशेवर रवैये और खेल में योगदान के लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय में व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता था।

राजद नेता चारुपारा रवि का 77 वर्ष की आयु में निधन



राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश उपाध्यक्ष और वरिष्ठ समाजवादी नेता चारुपारा रवि का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। केरल के तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। रवि समाजवादी विचारधारा के प्रति अपनी आजीवन प्रतिबद्धता और श्रमिक आंदोलनों एवं जनसेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए जाने जाते थे।

राजनीतिक यात्रा और समाजवादी सक्रियता

चारुपारा रवि ने 18 वर्ष की आयु में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और जनता दल संगठनों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। वे महात्मा गांधी, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं से गहराई से प्रभावित थे। आपातकाल के कट्टर आलोचक होने के कारण, उन्हें आंतरिक आपातकाल (1975-77) के दौरान चार महीने से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ा।

श्रमिक अधिकारों और बागान श्रमिकों का समर्थन

रवि को बागान क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए, विशेष रूप से हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) के नेतृत्व वाले आंदोलनों में, जो श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग करते थे, व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता था।

ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता जूलियन मैकमोहन का 56 वर्ष की आयु में निधन



प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता जूलियन मैकमोहन, जिन्हें चार्ड और निप/टक जैसी टीवी सीरीज़ में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, का 56 वर्ष की आयु में फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर में निधन हो गया। उनकी पत्नी, केली पनियागुआ ने पुष्टि की कि मैकमोहन कैंसर से जूझ रहे थे।

करियर हाइलाइट्स

जूलियन मैकमोहन सुपरनैचुरल सीरीज़ चार्मड से प्रसिद्ध हुए और बाद में पुरस्कार विजेता मेडिकल ड्रामा निप/टक (2003-2010) में डॉ. क्रिश्चियन ट्रॉय की भूमिका निभाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई, जिसके लिए उन्हें गोल्डन ग्लोब नामांकन मिला।

उन्होंने फैंटास्टिक फोर (2005 और 2007) में डॉक्टर ड्रूम की भूमिका भी निभाई और FBI: मोस्ट वांटेड और नेटफ्लिक्स के द रेसिडेंस में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई, जहाँ उन्होंने एक ऑस्टेलियाई प्रधान मंत्री की भूमिका निभाई।

व्यक्तिगत जीवन: जूलियन मैकमोहन एक पूर्व ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री के बेटे थे।

पूर्व रक्षा सचिव और पूर्व राज्यपाल शेखर दत्त का निधन



पूर्व रक्षा सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल डॉ. शेखर दत्त (सेवानिवृत्त IAS) का निधन हो गया, जिसकी पुष्टि रक्षा मंत्रालय ने की है। वे मध्य प्रदेश कैडर के 1969 बैच के IAS अधिकारी थे।

- सैन्य और प्रशासनिक भूमिकाएँ: एक सम्मानित सैनिक, दत्त ने प्रमुख राष्ट्रीय भूमिकाओं में काम किया - रक्षा सचिव, उप NSA और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल।
- विरासत: एक सैनिक, राजनेता और दूरदर्शी प्रशासक के रूप में याद किए जाने वाले, उन्होंने भारत के रक्षा और शासन परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पद्म श्री पुरस्कार विजेता और मणिपुरी शास्त्रीय नृत्यांगना सूर्यमुखी देवी का 85 वर्ष की आयु में निधन



दिग्गज मणिपुरी शास्त्रीय नृत्यांगना और पद्म श्री प्राप्तकर्ता थियाम सूर्यमुखी देवी का लंबी बीमारी के बाद 29 जून, 2025 को 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले के केशमपट में अपने निवास पर अंतिम सांस ली। सूर्यमुखी देवी अविवाहित थीं और भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रति अपने आजीवन समर्पण के लिए जानी जाती थीं।

पद्म श्री 2025 की प्राप्तकर्ता

सूर्यमुखी देवी 2025 में पद्म श्री के 113 प्राप्तकर्ताओं में से एक थीं। हालाँकि आधिकारिक समारोह 27 मई, 2025 को राष्ट्रपति भवन में हुआ था, लेकिन वे अपनी स्वास्थ्य स्थिति के कारण इसमें शामिल नहीं हो सकीं। 28 जून, 2025 को मणिपुर के मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह और आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा उनके आवास पर औपचारिक रूप से पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र सौंपा गया।

शास्त्रीय नृत्य में विरासत और योगदान

1940 में इंफाल के केशमपट लीमाजम लीकाई में जन्मी, उन्होंने आर्यन थिएटर के साथ एक बाल कलाकार के रूप में प्रदर्शन कला में अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने पद्मा मीशनम अमुबी सहित प्रख्यात गुरुओं से औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाद में जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी (JNMDA) में शामिल हो गईं। उन्होंने 1954 में सोवियत संघ में मणिपुरी

सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और बाद में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों में प्रदर्शन किया। पांच दशकों से अधिक के करियर के साथ, उन्होंने रास लीला, लाई हरोबा और विभिन्न आदिवासी लोक नृत्यों जैसे पारंपरिक रूपों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पद्मश्री कवि सुरेन्द्र दुबे का 72 वर्ष की आयु में निधन



प्रसिद्ध हिंदी कवि और व्यंग्यकार सुरेन्द्र दुबे का 72 वर्ष की आयु में छत्तीसगढ़ के रायपुर में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। निधन के समय उनका एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में इलाज चल रहा था।

साहित्यिक योगदान

8 जनवरी, 1953 को छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में जन्मे सुरेन्द्र दुबे हिंदी कविता में हास्य और व्यंग्य की अपनी अनूठी शैली के लिए जाने जाते थे। पेशे से एक योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक, वे कविता के माध्यम से हास्य और सामाजिक टिप्पणी के मिश्रण के लिए जाने जाते थे। दुबे ने पांच प्रशंसित पुस्तकें लिखीं और टेलीविजन कविता मंचों पर उनकी उपस्थिति हमेशा बनी रहती थी।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान

उनकी काव्य प्रतिभा ने उन्हें न केवल भारत भर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी श्रोताओं का दिल जीता, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका में, जहाँ उन्होंने एक दर्जन से अधिक शहरों में प्रदर्शन किया। उनके काम ने हास्य में लिपटी अपनी गहन अंतर्दृष्टि के लिए प्रतिध्वनित किया, जिसने उन्हें आधुनिक हिंदी साहित्य में एक प्रिय व्यक्ति बना दिया।

पुरस्कार और सम्मान

वर्ष 2010 में भारत सरकार ने साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री से सम्मानित किया। शिकागो में नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन द्वारा उन्हें छत्तीसगढ़ रत्न से भी सम्मानित किया गया, जो उनके वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है।

"व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है !
वह जो सोचता है, वही बन जाता है !!

"सफलता खुशी की चाबी नहीं है, खुशी सफलता की चाबी है !
आप जो कर रहे हैं, उससे अगर आप प्यार करते हैं, तो आप जरूर सफल होंगे !!"

परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन

दिवस	मनाया जाता है	थीम / महत्व
1 अगस्त	यॉर्कशायर दिवस	मिंडेन की लड़ाई और दासों की मुक्ति की वर्षगांठ मनाने हेतु।
6 अगस्त	हिरोशिमा दिवस	1945 में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी की वर्षगांठ को चिह्नित करने हेतु।
8 अगस्त	भारत छोड़ो आंदोलन दिवस	8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत को चिह्नित करने के हेतु।
9 अगस्त	नागासाकी दिवस	द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1945 में जापान के नागासाकी शहर पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराए जाने से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने हेतु।
12 अगस्त	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस	एक सतत भविष्य के लिए युवा सशक्तिकरण
13 अगस्त	विश्व अंगदान दिवस	यह दिन लोगों को जीवन बचाने के लिए मृत्यु के बाद अपने स्वस्थ और कीमती अंगों को दान करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता है।
15 अगस्त	भारत में स्वतंत्रता दिवस	1947 में ब्रिटिश शासन के अंत और एक स्वतंत्र भारत की स्थापना को चिह्नित करने हेतु।
19 अगस्त	विश्व फोटोग्राफी दिवस	1839 में फ्रांसीसी सरकार द्वारा डागुएरियोटाइप प्रक्रिया के पेटेंट की खरीद को चिह्नित करने और इसे उपहार के रूप में दुनिया के लिए मुफ्त बनाने के लिए।
20 अगस्त	विश्व मच्छर दिवस	यह दिन सर रोनाल्ड रॉस की 1897 में मच्छरों और मलेरिया संचरण के बीच संबंध की खोज की याद दिलाता है।
20 अगस्त	सद्भावना दिवस	पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती मनाने हेतु।
21 अगस्त	विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस	यह वृद्ध व्यक्तियों को याद करने और उनके योगदान के लिए धन्यवाद देने का दिन है।
23 अगस्त	दास व्यापार और उसके उन्मूलन की स्मृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	उन पुरुषों और महिलाओं का सम्मान करना जिन्होंने विद्रोह किया और गुलामी और अमानवीयकरण के अंत का मार्ग प्रशस्त किया।
26 अगस्त	महिला समानता दिवस	इस अधिनियम ने संघीय सरकार और राज्यों को लोगों को उनके लिंग के आधार पर वोट देने के अधिकार को रोकने से रोक दिया।
29 अगस्त	राष्ट्रीय खेल दिवस	हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाने हेतु।
30 अगस्त	लघु उद्योग दिवस	छोटे उद्योगों को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए मौजूदा छोटे, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों को संतुलित विकास प्रदान करना।

पुस्तकें एवं लेखक



पुस्तक: दस पैसे का पोस्टकार्ड

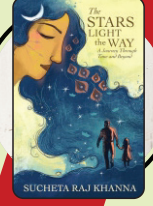
लेखक: एस.एन. अहमद

के बारे में: "दस पैसे का पोस्टकार्ड" पुस्तक उन दिनों को एक मार्मिक श्रद्धांजलि है जब लोग एक-दूसरे से जुड़े रहने के लिए पोस्टकार्ड लिखते थे।

पुस्तक: द स्टार्स लाइट द वे

लेखिका: सुचेता राज खन्ना

के बारे में: यह पुस्तक शाज़मा की कहानी है, जो सिंगापुर में अपने बनाए जीवन और भारत में राजनीतिक नेतृत्व के लिए अचानक मिले आह्वान के बीच झूल रही है।



पुस्तक: कंफेशंस ऑफ़ अ शेक्सपियर एडिक्ट

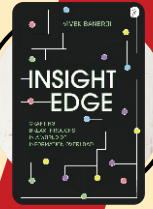
लेखक: वी.एस. रवि

के बारे में: श्री रवि की नई पुस्तक शेक्सपियर की कालातीत कृतियों पर विचारों, स्मृतियों और चिंतन का संग्रह है।

पुस्तक: इनसाइट एज

लेखक: विवेक बनर्जी

के बारे में: इनसाइट एज दर्शाता है कि सच्ची अंतर्दृष्टि केवल जानकारी से नहीं, बल्कि जिज्ञासा, विश्लेषण, रचनात्मकता और सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों से आती है।



पुस्तक: द वन: क्रिकेट, माई लाइफ एंड मोर

लेखक: शिखर धवन

के बारे में: यह संस्मरण पाठकों को धवन के क्रिकेट करियर के पर्दे के पीछे ले जाता है, उनके पेशेवर जीवन की उपलब्धियों, भावनात्मक संघर्षों और व्यक्तिगत परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

पुस्तक: होस्टाइल होमलैंड्स

लेखक: आज़ाद ईसा

के बारे में: यह पुस्तक भारत और इज़राइल के राजनीतिक और वैचारिक संबंधों और जातीय-राष्ट्रवादी परियोजनाओं के समन्वय की पड़ताल करती है।



पुस्तक: सेलेब्रेटिंग वी.वी. कुमार @ 90

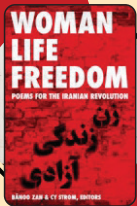
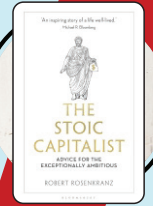
संकलक: प्रताप रामचंद

के बारे में: उनके जीवन और करियर का जश्न मनाती एक स्मारक पुस्तक, जो कुमार की विरासत और भारतीय क्रिकेट के अनदखे नायकों के बारे में बातचीत को फिर से शुरू करती है।

पुस्तक: द स्टोइक कैपिटलिस्ट

लेखक: रॉबर्ट रोसेनक्रांज़

के बारे में: द स्टोइक कैपिटलिस्ट में, लेखक बताते हैं कि कैसे उनकी शिक्षाएँ उपलब्धि, पूर्णता और प्रभाव से भरे जीवन की ओर ले जा सकती हैं।



पुस्तक: वुमन! लाइफ़! फ्रीडम!

लेखक: चौरा मकारमी

के बारे में: यह पुस्तक ऐसे समय में प्रकाशित हुई है जब महिलाओं के नेतृत्व में प्रतिरोध और जमीनी स्तर पर विद्रोह न केवल ईरान में, बल्कि विश्व स्तर पर स्वतंत्रता, सम्मान और राज्य नियंत्रण के इर्द-गिर्द विमर्श को आकार दे रहे हैं।

पुस्तक: विडोज़ - अ ग्लोबल हिस्ट्री

लेखिका: माइनके शिपर

के बारे में: विडोज़, वैश्विक मिथकों, इतिहास और विधवा महिलाओं द्वारा झेली जाने वाली क्रूरता की पड़ताल करती है, और नियंत्रण, बहिष्कार, लचीलेपन और अवज्ञा के स्वरूपों को उजागर करती है।



अभ्यास हेतु प्रश्न बैंक

1. एक अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक तापमान में हर 1°C की वृद्धि से 2100 तक प्रति व्यक्ति कैलोरी उपलब्धता में 4% की कमी आएगी। वैश्विक तापमान प्रवृत्तियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार, वर्ष 2023 वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे गर्म वर्ष था।
 (2) 2023 में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों से लगभग 1.45°C अधिक था।
 (3) पृथ्वी ने 2023 में पेरिस समझौते के तहत निर्धारित 1.5°C वार्मिंग सीमा को स्थायी रूप से पार कर लिया।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कथन 1 सही है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) और यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, 2023 को आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया था, जो 2016 और 2020 में निर्धारित पिछले उच्च तापमानों को पार कर गया।

कथन 2 भी सही है। 2023 में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों (बेसलाइन: 1850-1900) से लगभग 1.45 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो पेरिस समझौते के तहत निर्धारित महत्वपूर्ण सीमा के करीब था।

कथन 3 गलत है। हालाँकि 2023 में कई महीने अस्थायी रूप से 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर गए, लेकिन वार्षिक औसत नहीं हुआ। इसलिए, पृथ्वी ने पेरिस समझौते में उल्लिखित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को स्थायी रूप से पार नहीं किया है।

2. केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने प्रोजेक्ट एलीफेंट के तहत प्रमुख पहलों की समीक्षा की। प्रोजेक्ट एलीफेंट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) प्रोजेक्ट एलीफेंट को 1992 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
 (2) इसका उद्देश्य जंगल में हाथियों, उनके गलियारों की रक्षा करना और मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है।
 (3) इस परियोजना को सीधे भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कथन 1 सही है। भारत में हाथियों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा 1992 में हाथी परियोजना शुरू की गई थी।

कथन 2 सही है। इस परियोजना का उद्देश्य जंगली हाथियों, उनके आवासों और प्रवास गलियारों की रक्षा करना है, साथ ही मानव-हाथी संघर्ष को संबोधित करना है।

कथन 3 गलत है। यह परियोजना भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा सीधे लागू नहीं की गई है। इसे राज्य वन विभागों द्वारा लागू किया जाता है, जबकि WII जैसे संगठन तकनीकी इनपुट के माध्यम से इसका समर्थन करते हैं।

3. भारत के महापंजीयक (गृह मंत्रालय के अधीन) ने सभी राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि पंजीकरण के 7 दिनों के भीतर जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाएं।

भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) आरजीआई की स्थापना 1949 में गृह मंत्रालय के अधीन की गई थी।
 (2) यह भारत की जनगणना करने और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।
 (3) आरजीआई सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन काम करता है।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कथन 1 सही है। भारत के महापंजीयक की स्थापना 1949 में हुई थी और यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

कथन 2 सही है। आरजीआई भारत की दशकीय जनगणना करता है, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) का रखरखाव करता है और नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) की देखरेख करता है।

कथन 3 गलत है। आरजीआई सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन कार्य नहीं करता है; यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

4. विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्र-बाह्य खिलाड़ियों की उपस्थिति बढ़ रही है। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) हिंद महासागर एकमात्र ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है।

(2) मोजाम्बिक चैनल भारत और मालदीव के बीच स्थित है।

(3) मलक्का जलडमरूमध्य हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 – सही:

हिंद महासागर दुनिया का एकमात्र ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश-भारत के नाम पर रखा गया है। अटलांटिक, प्रशांत और आर्कटिक जैसे अन्य महासागरों का नाम पौराणिक पात्रों, भौगोलिक विशेषताओं या क्षेत्रों के नाम पर रखा गया है। यह इस क्षेत्र में भारत के केंद्रीय स्थान और ऐतिहासिक समुद्री महत्व को उजागर करता है।

कथन 2 – गलत:

मोजाम्बिक चैनल मोजाम्बिक (अफ्रीका) के पूर्वी तट और मेडागास्कर के द्वीप राष्ट्र के बीच स्थित है, न कि भारत और मालदीव के बीच। यह चैनल भारतीय उपमहाद्वीप से दूर, हिंद महासागर के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है।

कथन 3 – सही:

मलक्का जलडमरूमध्य, प्रायद्वीपीय मलेशिया और इंडोनेशियाई द्वीप समूह के बीच स्थित है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के रूप में कार्य करता है जो हिंद महासागर (अंडमान सागर के माध्यम से) को प्रशांत महासागर (दक्षिण चीन सागर के माध्यम से) से जोड़ता है। यह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त और सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है।

5. 19वां सांख्यिकी दिवस जून 2025 में मनाया जाएगा, जो प्रशांत चंद्र महालनोबिस की 132वीं जयंती के अवसर पर मनाया जाएगा।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस 29 जून को पी.सी. महालनोबिस की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
(2) कृषि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान महालनोबिस मॉडल को अपनाया गया था।
(3) पी.सी. महालनोबिस भारतीय सांख्यिकी संस्थान और पत्रिका सांख्य के संस्थापक थे।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 – सही:

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस 29 जून को पी.सी. महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जो राष्ट्रीय विकास में सांख्यिकी के महत्व पर प्रकाश डालता है।

कथन 2 – गलत:

द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956-61) के दौरान अपनाए गए महालनोबिस मॉडल में कृषि पर नहीं, बल्कि भारी औद्योगीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इसने पूंजीगत वस्तुओं और इस्पात तथा मशीनरी जैसे बुनियादी उद्योगों में निवेश पर जोर दिया।

कथन 3 – सही:

पी.सी. महालनोबिस ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (1931) और सांख्यिकी पत्रिका सांख्य (1933) दोनों की स्थापना की, जिससे भारत के सांख्यिकीय ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

6.

आईसीएआर-आईआईएसआर ने इलायची थ्रिप्स को नियंत्रित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल जैव कीटनाशक विकसित किया है।

इलायची (एलेटेरिया कार्डामोम) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) इलायची पूर्वी घाट के सदाबहार जंगलों में पाई जाती है।
(2) भारत ग्वाटेमाला के बाद दुनिया में इलायची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
(3) इलायची की खेती के लिए आदर्श मिट्टी अम्लीय, दोमट और ह्यूमस युक्त होती है जिसका पीएच 5.0 से 6.5 के बीच होता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 – गलत:

इलायची पश्चिमी घाट के सदाबहार वर्षावनों में पाई जाती है, पूर्वी घाटों में नहीं।

कथन 2 – सही:

2025 तक, ग्वाटेमाला इलायची का सबसे बड़ा उत्पादक है, उसके बाद भारत (दूसरा) और श्रीलंका (तीसरा) है।

कथन 3 – सही:

इलायची अम्लीय, दोमट और ह्यूमस युक्त मिट्टी में सबसे अच्छी तरह से उगती है, जिसका पीएच 5.0 से 6.5 होता है, 1500-4000 मिमी वर्षा वाले क्षेत्रों में और 10°C से 35°C के बीच तापमान वाले क्षेत्रों में।

7.

केंद्रीय गृह मंत्री ने निजामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया।

भारत में हल्दी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

-

(1) हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन अपने सूजनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

(2) भारत में हल्दी की खेती 10 से भी कम राज्यों में होती है, मुख्य रूप से पूर्वोत्तर में।

(3) लाकाडोंग, कंधमाल और इरोड हल्दी भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणित किस्में हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 सही है - हल्दी में करक्यूमिन एक सक्रिय यौगिक है जो इसे पीला रंग और प्रसिद्ध एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी लाभ प्रदान करता है। इसका उपयोग पारंपरिक आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों में किया जाता है।

कथन 2 गलत है - भारत में हल्दी की खेती सिर्फ पूर्वोत्तर में ही नहीं, बल्कि 20 से ज़्यादा राज्यों में होती है। वास्तव में, प्रमुख उत्पादक महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु हैं, न कि पूर्वोत्तर राज्य।

कथन 3 सही है - लाकाडोंग हल्दी (मेघालय), कंधमाल हल्दी (ओडिशा), और इरोड हल्दी (तमिलनाडु) सभी को उनके अद्वितीय क्षेत्रीय गुणों को मान्यता देते हुए जीआई (भौगोलिक संकेत) टैग प्राप्त हुए हैं।

8. बिहार सी-डैक द्वारा विकसित ई-एसईसीबीएचआर ऐप का उपयोग करके नगरपालिका चुनावों में मोबाइल फोन-आधारित ई-वोटिंग का संचालन करने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया।

भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा शुरू किए गए या अनुशंसित चुनावी सुधारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की शुरुआत का उद्देश्य फर्जी मतदान को कम करना और मतदान प्रक्रिया को सरल बनाना था।

(2) नोटा (इनमें से कोई नहीं) विकल्प को ईसीआई ने 2008 में एक संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पेश किया था।

(3) चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनें शुरू की गईं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 सही है - चुनावी धोखाधड़ी को रोकने, अमान्य वोटों को कम करने और प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पेश की गई थी। पहली बार 1982 (केरल) में इस्तेमाल किया गया,

2000 के दशक के बाद उन्हें व्यापक रूप से अपनाया गया।

कथन 2 गलत है - NTA विकल्प को संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पेश नहीं किया गया था। इसे 2013 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ) द्वारा अनिवार्य किया गया था, और उसी वर्ष ECI द्वारा लागू किया गया था।

कथन 3 सही है - वीवीपीएटी मशीनों को 2013 में पेश किया गया था (पहली बार नागालैंड में इस्तेमाल किया गया था) और 2019 के आम चुनावों तक पूरी तरह से लागू किया गया ताकि मतदाताओं को अपने वोट को सत्यापित करने की अनुमति मिल सके, जिससे ईवीएम में अधिक भरोसा सुनिश्चित हो सके।

9.

हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि द्वितीयक प्रदूषक, विशेष रूप से अमोनियम सल्फेट (सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) + अमोनिया (NH₃)), भारत के PM2.5 प्रदूषण में लगभग एक तिहाई योगदान देते हैं।

वायु प्रदूषण और इसके प्रकारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) द्वितीयक प्रदूषक अपने अंतिम प्रतिक्रियाशील रूपों में सीधे हवा में छोड़े जाते हैं।

(2) पेरॉक्सीएसिटोइल नाइट्रेट (PAN) नाइट्रोजन ऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन से बनने वाला एक द्वितीयक प्रदूषक है।

(3) वायु प्रदूषण में शोर सहित रासायनिक, भौतिक और जैविक कारक शामिल हैं, जो वायु की गुणवत्ता को बाधित करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: कथन 1 गलत है - द्वितीयक प्रदूषक सीधे उत्सर्जित नहीं होते हैं; वे प्राथमिक प्रदूषकों के बीच रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से वायुमंडल में बनते हैं।

कथन 2 सही है - पेरॉक्सीएसिटोइल नाइट्रेट (पीएन) एक द्वितीयक प्रदूषक है जो तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में हाइड्रोकार्बन के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

कथन 3 सही है - वायु प्रदूषण में रासायनिक (गैसें), भौतिक (कण), जैविक (पराग, सूक्ष्मजीव) और ध्वनि प्रदूषण शामिल हैं जो हवा की प्राकृतिक संरचना को बदल देते हैं।

10.

क्यूबेक (कनाडा) के नुवुआगिट्टुक ग्रीनस्टोन बेल्ट में ज्वालामुखीय चट्टान बेल्ट, जिसकी आयु 4.16 बिलियन वर्ष है, को पृथ्वी पर सबसे पुरानी ज्ञात चट्टान के रूप में पहचाना गया है।

पृथ्वी पर सबसे पुरानी ज्ञात चट्टानों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) कनाडा में अकास्टा गनीस सबसे पुरानी ज्ञात चट्टानों में से एक है, जिसकी आयु लगभग 4.03 बिलियन वर्ष है।

(2) ऑस्ट्रेलिया में जैक हिल्स से ज़िरकोन क्रिस्टल की आयु 4.4 बिलियन वर्ष से अधिक है, लेकिन वे खनिज हैं, न कि अक्षुण्ण चट्टानें।

(3) ग्रीनलैंड में इसुआ ग्रीनस्टोन बेल्ट में पृथ्वी के सबसे पुराने जीवाश्म हैं और इसकी आयु 4.5 बिलियन वर्ष से अधिक है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कनाडा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में स्थित अकास्टा गनीस कॉम्प्लेक्स पृथ्वी पर सबसे पुरानी अक्षुण्ण चट्टान संरचनाओं में से एक है। इसे रेडियोमेट्रिक रूप से लगभग 4.03 बिलियन वर्ष पुराना माना गया है, जो इसे हेडियन से लेकर शुरुआती आर्कियन ईऑन के भीतर रखता है। ये चट्टानें पृथ्वी की प्रारंभिक पपड़ी का हिस्सा हैं और ग्रह पर प्रारंभिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के जैक हिल्स ज़िरकोन युवा मेटामॉर्फिक चट्टानों में अंतर्निहित सूक्ष्म क्रिस्टल हैं। इन ज़िरकोन कणों की आयु लगभग 4.375 से 4.4 बिलियन वर्ष है, जो उन्हें पृथ्वी पर बनी सबसे पुरानी ज्ञात सामग्री बनाता है। हालाँकि, ये अलग-अलग खनिज क्रिस्टल हैं, न कि पूरी चट्टानें, और इस प्रकार ये सबसे पुरानी चट्टान संरचनाओं के रूप में योग्य नहीं हैं।

दक्षिण-पश्चिमी ग्रीनलैंड में इसुआ ग्रीनस्टोन बेल्ट वास्तव में प्राचीन है, जो लगभग 3.7 से 3.8 बिलियन वर्ष पुरानी है। इसमें जीवन के कुछ शुरुआती सबूत हो सकते हैं, जैसे कि आइसोटोपिक हस्ताक्षर या संभावित माइक्रोफ़ॉसिल, लेकिन यह 4.5 बिलियन वर्ष से अधिक पुराना नहीं है, और यह सबसे पुरानी ज्ञात चट्टान या जीवाश्म स्थल नहीं है। बयान में दावा की गई आयु तथ्यात्मक रूप से गलत है।

11. आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने पीएम-प्रणाम योजना को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य जैव उर्वरकों के उपयोग के माध्यम से धरती माता को पुनर्स्थापित और पोषित करना है।

भारत में गन्ने की खेती के वर्तमान रुझान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) बीज सामग्री में पर्याप्त बचत तब होती है जब 'बड चिप सेटलमेंट' को नर्स में उगाया जाता है, और मुख्य खेत में प्रत्यारोपित किया जाता है।

(2) यदि पौधों को सीधे रोपने पर खराब मौसम की स्थिति बनी रहती है, तो बड़े पौधों की तुलना में एकल-कली वाले पौधों की उत्तरजीविता बेहतर होती है

(3) गन्ने की खेती टिशू कल्चर से तैयार किए गए सेटलमेंट का उपयोग करके की जा सकती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

व्याख्या: गन्ने की सिंगल-बड/बड-चिप सेटलमेंट रोपाई करने से स्वस्थ पौधे और अच्छी खेत स्थापना के अलावा बीज गन्ने की आवश्यकता को 80 प्रतिशत तक बचाया जा सकता है। पारंपरिक रोपण की तुलना में यह कम खर्चीला और श्रम बचाने वाला है।

जब सेटों का सीधा रोपण किया जाता है, तो एकल कलियों वाले सेटों की तुलना में कई कलियों वाले सेटों में अंकुरण प्रतिशत बेहतर होता है।

यदि पौधों को सीधे रोपने पर खराब मौसम की स्थिति बनी रहती है, तो बड़े पौधों की जीवित रहने की क्षमता एकल-कली वाले पौधों की तुलना में बेहतर होती है।

इन बस्तियों को अंकुरित करने और बढ़ाने के लिए टिशू कल्चर या वनस्पति प्रसार का उपयोग किया जा सकता है जिन्हें बाद में खेत में प्रत्यारोपित किया जा सकता है।

12.

भारत के 'योजना पुरुष' के रूप में प्रसिद्ध प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारत ने 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया।

पीसी महालनोबिस के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) 1931 में उन्होंने दिल्ली में भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) की स्थापना की।

(2) उन्होंने 1933 में पहली भारतीय सांख्यिकीय पत्रिका सांख्य की भी स्थापना की।

(3) 1955 में उन्हें भारत के योजना आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

व्याख्या: 1931 में, उन्होंने सांख्यिकी और संबंधित विषयों में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) की स्थापना की।

उन्होंने 1933 में पहली भारतीय सांख्यिकीय पत्रिका सांख्य की भी स्थापना की।

1955 में, उन्हें प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत के योजना आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

14. उन्होंने दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) में औद्योगीकरण और आर्थिक विकास के लिए भारत की रणनीति को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे उनके अपने गणितीय मॉडल के आधार पर महालनोबिस योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें भारी उद्योगों और पूंजीगत वस्तुओं पर जोर दिया गया था।

13. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा बार-बार हस्तक्षेप के बावजूद, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मैंग्रोव का बड़े पैमाने पर विनाश हो रहा है।

गुजरात के कच्छ क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) कच्छ का रण एक खारा दलदली क्षेत्र है जो पूरे साल पानी में डूबा रहता है।

(2) कच्छ पश्चिमी घाट के वर्षा-छाया क्षेत्र में स्थित है, जो इसे भारत के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक बनाता है।

(3) यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है और 2001 में एक बड़े भूकंप का केंद्र था।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: कथन 1 – गलत

कच्छ का रण गुजरात के थार रेगिस्तान में स्थित एक मौसमी नमक दलदल है।

मानसून के दौरान, यह अरब सागर और नदी के प्रवाह से उथले समुद्री पानी से भर जाता है।

गर्मियों और सर्दियों में, पानी वाष्पित हो जाता है, जिससे विशाल नमक के मैदान पीछे रह जाते हैं। इसलिए, यह साल भर डूबा नहीं रहता है।

कथन 2 – गलत

कच्छ पश्चिमी घाट से दूर, उत्तर-पश्चिमी गुजरात में स्थित है, जो पश्चिमी प्रायद्वीपीय क्षेत्र (महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु) में स्थित है।

कच्छ मुख्य रूप से कम मानसूनी वर्षा और नमी वाली हवाओं से इसकी दूरी के कारण शुष्क क्षेत्र का हिस्सा है, न कि पश्चिमी घाटों के कारण होने वाले किसी वर्षा-छाया प्रभाव के कारण।

कथन 3 – सही

कच्छ एक अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जिसे 15. भारत के भूकंपीय क्षेत्र मानचित्र पर जोन V (सबसे अधिक जोखिम) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

यह 2001 के भुज में आए विनाशकारी भूकंप का केन्द्र था, जिसकी तीव्रता 7.7 थी और जिसके कारण पूरे गुजरात में बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि हुई थी तथा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था।

भारतीय वैज्ञानिकों ने पाया है कि सागौन के पत्तों के अर्क का उपयोग प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल ऑप्टिकल लिमिटर के रूप में किया जा सकता है।

सागौन (टेक्टोना ग्रैंडिस) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) भारत में दुनिया के आधे से अधिक प्राकृतिक सागौन वन क्षेत्र हैं।

(2) सागौन एक नम पर्णपाती वृक्ष प्रजाति है जो पानी, क्षय और कीटों के प्रतिरोध के लिए अत्यधिक मूल्यवान है।

(3) भारत में, सागौन प्राकृतिक रूप से मध्य और दक्षिणी दोनों राज्यों में पाया जाता है, जो अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी और पूर्ण सूर्य के प्रकाश में पनपता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

(C)

उत्तर:

व्याख्या: कथन 1 – गलत

जबकि भारत में दुनिया के लगाए गए सागौन के जंगलों का 35% हिस्सा है, लेकिन वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक सागौन के जंगलों का आधे से ज्यादा हिस्सा भारत में नहीं है।

वास्तव में, म्यांमार में प्राकृतिक सागौन के जंगलों का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसके बाद अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देश हैं।

यह कथन प्राकृतिक सागौन वितरण में भारत की भूमिका को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है।

कथन 2 – सही

सागौन को एक नम पर्णपाती दृढ़ लकड़ी के पेड़ के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो इसकी स्थायित्व, ताकत और कीटों, पानी और क्षय के प्रतिरोध के लिए बेशकीमती है।

ये गुण इसे जहाज निर्माण, उच्च श्रेणी के फर्नीचर, फर्श और नक्काशी के लिए आदर्श बनाते हैं।

कथन 3 – सही

भारत में, सागौन प्राकृतिक रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, असम और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में उगता है।

यह अच्छी तरह से सूखा मिट्टी, उच्च धूप और मध्यम वर्षा वाले क्षेत्रों को पसंद करता है, जो नम पर्णपाती वन क्षेत्रों के लिए विशिष्ट है।

42वें संशोधन के ज़रिए प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को जोड़े जाने पर बहस फिर से शुरू हो गई है।

भारतीय संविधान की प्रस्तावना और 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान अधिनियमित 42वें संविधान

संशोधन अधिनियम, 1976 के ज़रिए प्रस्तावना में शामिल किया गया था।

(2) केशवानंद भारती मामले (1973) में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि संसद संशोधन की उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को हटा सकती है।

(3) 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. बलराम सिंह बनाम भारत संघ के मामले में प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथन 1 – सही

राष्ट्रीय आपातकाल (1975-77) के दौरान अधिनियमित 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 ने प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े। इन परिवर्धनों का उद्देश्य उस समय सरकार की वैचारिक दिशा को प्रतिबिंबित करना था।

कथन 2 – गलत

केशवानंद भारती मामले (1973) में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्षता' संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, जिन्हें संसद द्वारा संशोधित या हटाया नहीं जा सकता, यहाँ तक कि औपचारिक संशोधन प्रक्रिया के माध्यम से भी नहीं। इसलिए, संसद इन शब्दों को हटा नहीं सकती।

कथन 3 – सही

डॉ. बलराम सिंह बनाम भारत संघ (2024) में, सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया और संविधान के मूल दर्शन के साथ उनके संरक्षण की पुष्टि करते हुए उनकी संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा।

16. वन्य जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) ने 1 जुलाई 2025 को 50 वर्ष पूरे कर लिए।

IUCN और CITES के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) IUCN संयुक्त राष्ट्र का एक अंग है और CITES सरकारों के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
(2) IUCN प्राकृतिक वातावरण के बेहतर प्रबंधन के लिए दुनिया भर में हज़ारों क्षेत्रीय परियोजनाएँ चलाता है।
(3) CITES उन राज्यों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है जो इसमें शामिल हुए हैं, लेकिन यह कन्वेंशन राष्ट्रीय कानूनों का स्थान नहीं लेता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

(C)

व्याख्या: कथन 1: गलत

"IUCN संयुक्त राष्ट्र का एक अंग है और CITES सरकारों के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।"

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) संयुक्त राष्ट्र का अंग नहीं है। यह एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो सरकारों, गैर सरकारी संगठनों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग करता है। हालाँकि यह संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ मिलकर काम करता है और संयुक्त राष्ट्र में पर्यवेक्षक का दर्जा रखता है, लेकिन यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का औपचारिक हिस्सा नहीं है।

वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) वास्तव में सरकारों के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उनके अस्तित्व को खतरे में न डाले।

कथन 2: सही

"IUCN प्राकृतिक वातावरण को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए दुनिया भर में हज़ारों फ्रील्ड प्रोजेक्ट चलाता है।"

IUCN वैश्विक स्तर पर फ्रील्ड-आधारित संरक्षण परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला चलाता है। ये परियोजनाएँ जैव विविधता संरक्षण, आवास बहाली, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

यह स्थानीय समुदायों, सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर ज़मीन पर संरक्षण रणनीतियों को लागू करने के लिए काम करता है।

कथन 3: सही

"CITES उन राज्यों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है जो इसमें शामिल हुए हैं, लेकिन यह कन्वेंशन राष्ट्रीय कानूनों की जगह नहीं लेता है।"

CITES एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता है, लेकिन यह राष्ट्रीय कानून की जगह नहीं लेता है।

प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता देश को अपने स्वयं के राष्ट्रीय कानूनों और नियामक ढांचे के माध्यम से CITES के प्रावधानों को लागू करना चाहिए।

CITES अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचा प्रदान करता है, लेकिन प्रवर्तन स्वयं देशों द्वारा किया जाता है।

17.

करियाचल्ली द्वीप 2036 तक जलमग्न हो जाएगा; TNSHORE परियोजना ने बहाली के प्रयास शुरू किए। भारत में करियाचल्ली द्वीप के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) करियाचल्ली द्वीप मन्नार की खाड़ी के समुद्री राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है, जो भारत के चार प्रमुख प्रवाल भित्ति क्षेत्रों में से एक है।

(2) यह द्वीप डुगोंग के लिए एक प्रमुख निवास स्थान है, जो समुद्री घास खाते हैं और IUCN द्वारा उन्हें संवेदनशील के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

(3) TNSHORE परियोजना में द्वीप को लहरों के कटाव से बचाने के लिए कृत्रिम चट्टानों और मैंग्रोव वृक्षारोपण की स्थापना शामिल है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कथन 1: सही।

करियाचल्ली द्वीप मन्नार की खाड़ी में स्थित है, जो भारत के चार प्रमुख प्रवाल भित्ति क्षेत्रों में से एक है - अन्य कच्छ की खाड़ी, लक्षद्वीप द्वीप समूह और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हैं। यह द्वीप मन्नार की खाड़ी के समुद्री राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आता है, जो जैव विविधता से समृद्ध एक संरक्षित समुद्री जीवमंडल रिजर्व है।

कथन 2: सही।

करियाचल्ली डुगोंग (समुद्री गाय) के लिए एक महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है, जो समुद्री शाकाहारी जानवर हैं जो मुख्य रूप से समुद्री घास खाते हैं। डुगोंग को आवास क्षरण, शिकार और तटीय विकास के कारण IUCN रेड लिस्ट में कमजोर के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

कथन 3: गलत।

टीएनशोर (तमिलनाडु सस्टेनेबल हार्नेसिंग ओशन रिसोर्स) परियोजना के तहत, पोषक तत्वों के प्रवाह की अनुमति देने के लिए छिद्रों के साथ 8,500 कृत्रिम रीफ मॉड्यूल (फेरोसीमेंट और स्टील से बने) स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, साथ ही समुद्री घास के पौधे लगाने और कोरल आवास की बहाली पर भी ध्यान दिया गया है। करियाचल्ली द्वीप के लिए मैंग्रोव रोपण इस पहल का हिस्सा नहीं है।

18. तमिलनाडु में हिरासत में हुई मौत ने एक बार फिर हिरासत में यातना के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है।

भारत में हिरासत में यातना के खिलाफ सुरक्षा उपायों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 20(3) व्यक्तियों को अपराध स्वीकार करने के लिए मजबूर किए जाने से बचाता है, जिससे जबरन स्वीकारोक्ति से बचाव होता है।

(2) भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 120, स्वीकारोक्ति प्राप्त करने के लिए लोक सेवकों द्वारा हिंसा के उपयोग को अपराध बनाती है।

(3) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 22, धमकी के तहत किए गए स्वीकारोक्ति को वैध बनाती है, अगर बाद में मजिस्ट्रेट के सामने इसकी पुष्टि हो जाती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: कथन 1: सही।

संविधान का अनुच्छेद 20(3) आत्म-दोष के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता है, जिसका अर्थ है कि किसी भी अपराध के आरोपी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यह यातना-आधारित स्वीकारोक्ति को रोकने में मदद करता है।

कथन 2: सही।

भारतीय न्याय संहिता (2023) की धारा 120 स्पष्ट रूप से स्वीकारोक्ति या जानकारी प्राप्त करने के लिए लोक सेवकों द्वारा जानबूझकर चोट पहुँचाने या गंभीर चोट पहुँचाने को अपराध बनाती है, जिससे ऐसे कृत्य दंडनीय हो जाते हैं।

कथन 3: गलत।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम (2023) की धारा 22 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रलोभन, धमकी या जबरदस्ती के माध्यम से प्राप्त स्वीकारोक्ति साक्ष्य में अस्वीकार्य है। ऐसा कोई अपवाद नहीं है जो मजिस्ट्रेट के समक्ष पुष्टि किए जाने पर भी उन्हें बाद में वैध बनाता हो।

19.

भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड ने कॉर्पोरेट दिवाला विनियमों में संशोधन किया है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (IBBI) की स्थापना 1 अक्टूबर 2016 को हुई थी।

(2) चूंकि यह निकाय संसद के एक अधिनियम द्वारा बनाया गया है, इसलिए यह एक संवैधानिक निकाय है।

(3) इसे कंपनियों के तहत 'प्राधिकरण' के रूप में भी नामित किया गया है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (IBBI) की स्थापना 1 अक्टूबर 2016 को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (IBC) के तहत की गई थी।

चूंकि यह निकाय संसद के एक अधिनियम द्वारा बनाया गया है, इसलिए यह एक वैधानिक निकाय है।

यह एक अनूठा नियामक है: यह पेशे के साथ-साथ प्रक्रियाओं को भी नियंत्रित करता है।

इसका दिवाला पेशेवरों, दिवाला पेशेवर एजेंसियों, दिवाला पेशेवर संस्थाओं और सूचना उपयोगिताओं पर नियामक निरीक्षण है।

इसे देश में मूल्यांकनकर्ताओं के पेशे के विनियमन और विकास के लिए कंपनियों (पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता और मूल्यांकन नियम), 2017 के तहत 'प्राधिकरण' के रूप में भी नामित किया गया है।

21. ई. श्रीनिवास ने हाल ही में पश्चिमी सर्किल, मुंबई के रेलवे सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार संभाला है। रेलवे सुरक्षा आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
 - (2) यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
 - (3) यह रेल यात्रा और परिचालन की सुरक्षा से संबंधित मामलों को देखता है।
- उपरोक्त में से कौन सा सही है / हैं?
- (A) केवल (1) और (2) (B) केवल (2) और (3)
(C) केवल (3) और (1) (D) सभी सही हैं

उत्तर: (B)

व्याख्या: सीआरएस एक सरकारी निकाय है जो देश में रेलवे सुरक्षा प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। यह रेल यात्रा और संचालन की सुरक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित है, कुछ अन्य वैधानिक कार्यों के बीच - निरीक्षात्मक, जांच और सलाहकार - जैसा कि रेलवे अधिनियम, 1989 में निर्धारित किया गया है। इसका मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश में है। यह रेल मंत्रालय के बजाय नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) के प्रशासनिक नियंत्रण में है। इसके पीछे का कारण सीआरएस को देश के रेलवे प्रतिष्ठान के प्रभाव से अछूता रखना और हितों के टकराव को रोकना है।

21. ई. श्रीनिवास ने हाल ही में पश्चिमी सर्किल, मुंबई के रेलवे सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार संभाला है। रेलवे सुरक्षा आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
 - (2) यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
 - (3) यह रेल यात्रा और परिचालन की सुरक्षा से संबंधित मामलों को देखता है।
- उपरोक्त में से कौन सा सही है / हैं?
- (A) केवल (1) और (2) (B) केवल (2) और (3)
(C) केवल (3) और (1) (D) सभी सही हैं

उत्तर: (B)

व्याख्या: सीआरएस एक सरकारी निकाय है जो देश में रेलवे सुरक्षा प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। यह रेल यात्रा और संचालन की सुरक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित है, कुछ अन्य वैधानिक कार्यों के बीच -

निरीक्षात्मक, जांच और सलाहकार - जैसा कि रेलवे अधिनियम, 1989 में निर्धारित किया गया है। इसका मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश में है। यह रेल मंत्रालय के बजाय नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) के प्रशासनिक नियंत्रण में है। इसके पीछे का कारण सीआरएस को देश के रेलवे प्रतिष्ठान के प्रभाव से अछूता रखना और हितों के टकराव को रोकना है।

22. भारत की गुणवत्ता परिषद (QCI) ने 9 जून को विश्व मान्यता दिवस (WAD) 2025 मनाया। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

भारत की गुणवत्ता परिषद (QCI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- (1) यह 1997 में उद्योग और आंतरिक व्यापार (DPIIT) को बढ़ावा देने के लिए विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।
 - (2) QCI के अध्यक्ष को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया गया है।
 - (3) QCI NABCB और NABL जैसे निकायों के माध्यम से राष्ट्रीय मान्यता संरचना का प्रबंधन करता है।
- उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) स्थापित: 1997 उद्योग और आंतरिक व्यापार (DPIIT), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के प्रचार विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में। अध्यक्ष: उद्योग की सिफारिशों के आधार पर प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त। जनादेश: स्वास्थ्य, शिक्षा और गुणवत्ता पदोन्नति जैसे क्षेत्रों में अनुरूपता मूल्यांकन निकायों के लिए राष्ट्रीय मान्यता संरचना (एनएएस) को विकसित करने और प्रबंधित करने के लिए।

प्रमुख निकाय: प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (NABCB) और परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (NABL) QCI के 2 मान्यता बोर्ड हैं।

23. मिज़ोरम की राजधानी आइजॉल सफलतापूर्वक बराबी - सेरंग रेल लाइन के माध्यम से राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से सफलतापूर्वक जुड़ी हुई है।

भारतीय रेलवे के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) भारतीय रेलवे की स्थापना 1853 में बॉम्बे और ठाणे के बीच पहली ट्रेन यात्रा के साथ की गई थी।

(2) राष्ट्रीय रेल योजना (NRP) का उद्देश्य 2030 तक भविष्य के लिए तैयार रेलवे प्रणाली बनाना है।

(3) वित्त वर्ष 2022-23 में, यात्री सेवाओं ने भारतीय रेलवे के आंतरिक राजस्व में माल ढुलाई से अधिक योगदान दिया।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: भारतीय रेल के बारे में

1853 में स्थापित, देश की पहली ट्रेन यात्रा बॉम्बे और ठाणे के बीच 21 मील की दूरी पर थी।

भारत में अमेरिका, चीन और रूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है।

2022-23 में, भारतीय रेलवे ने अपने आंतरिक राजस्व का 69% माल ढुलाई संचालन से और यात्री सेवाओं से 24% उत्पन्न किया, जबकि शेष 7% अन्य स्रोतों जैसे पार्सल सेवाओं, कोचिंग रसीदों और प्लेटफॉर्म टिकट बिक्री से आया था।

इसने FY24 में GDP में लगभग 1.5% योगदान दिया।

2050 तक, भारत को लगभग 40% वैश्विक रेल गतिविधि में योगदान करने की उम्मीद है।

भारत 2030 के लिए राष्ट्रीय रेल योजना (NRP) को इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने और भविष्य के लिए तैयार रेलवे प्रणाली बनाने के लिए तैयार किया गया है।

24. खगोलविदों ने हमारे सौर मंडल से परे लाल बौने स्टार TOI-6894 की परिक्रमा करते हुए एक शनि के आकार के गैसीय ग्रह की खोज की है।

लाल बौने सितारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) लाल बौनेश्व सूर्य की तुलना में उच्च सतह का तापमान, उन्हें एक उज्ज्वल नीले रंग की उपस्थिति देता है।

(2) लाल बौने मिल्की वे गैलेक्सी में सबसे आम प्रकार का स्टार हैं।

(3) लाल बौनों में बहुत कम चमक होती है और यह धीमी गति से जलने के कारण वर्षों के खरबों तक चमक सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: लाल बौना: लाल बौने सबसे छोटे तारे हैं, जिसमें 7.5% और 50% सूर्य के बीच द्रव्यमान होता है।

उनके पास बहुत कम चमक है, सूर्य की चमक का सिर्फ 0.01% से 10% से उत्सर्जित होता है, और कम सतह के तापमान उन्हें एक लाल या नारंगी चमक देते हैं।

उनका धीमा हाइड्रोजन जलने से उन्हें खरबों तक चमकने की अनुमति मिलती है, जो सूर्य के 10 बिलियन-वर्ष के जीवनकाल की तुलना में कहीं अधिक है।

वे मिल्की वे गैलेक्सी में सबसे आम प्रकार के स्टार हैं। सूर्य के निकटतम तारा, प्रॉक्सिमा सेंटौरी, एक लाल बौना है।

25.

तमिलनाडु में बाद के पांड्य काल (1216-1345) का 800 साल पुराना शिव मंदिर खोजा गया है।

प्राचीन दक्षिण भारत में पांड्य राजवंश के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) पांड्यों के रोमन साम्राज्य के साथ सक्रिय समुद्री व्यापार संबंध थे।

(2) पांड्यों ने अपने राजवंश के प्रतीक के रूप में हाथी और मछली की छवियों वाले सिक्के जारी किए।

(3) मार्को पोलो ने नेदुंजेलियन प्रथम के शासनकाल के दौरान पांड्य साम्राज्य का दौरा किया था।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: पांड्यों ने रोमन साम्राज्य के साथ समुद्री व्यापार बनाए रखा, मसाले, मोती और वस्त्र निर्यात किए।

कथन 2 सही है: पांड्य सिक्कों में अक्सर मछली, राजवंशीय प्रतीक और कभी-कभी हाथी होते थे, जो शक्ति को दर्शाते थे।

कथन 3 गलत है: मार्को पोलो ने 13वीं शताब्दी के अंत में मारवर्मन कुलशेखर पांड्यन प्रथम के शासनकाल के दौरान पांड्य साम्राज्य का दौरा किया था, न कि नेदुंजेलियन प्रथम के, जो एक प्रारंभिक पांड्य शासक थे।

26.

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मामल्लपुरम् के प्रसिद्ध गणेश मंदिर का निर्माण पुलकेशिन द्वितीय ने करवाया था।

2. नारद द्वारा कथित 15 प्रकार के दासों का उल्लेख विज्ञानेश्वर ने मिताक्षरा में किया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (B)

व्याख्या:

गणेश रथ मंदिर पल्लवों द्वारा निर्मित महाबलीपुरम में एक सुंदर मंदिर है

27.

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. शाहजहां ने आगरा से दिल्ली मुगलों की राजधानी को स्थानांतरित कर दिया था

2. ताज-महल जहांगीर द्वारा बनाया गया था।

3. शाहजहाँ पचास हजार सेना के साथ अफगान कबीलों का दमन करने के उद्देश्य से काबुल गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (C)

व्याख्या: आगरा में 1631 और 1648 के बीच मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा अपनी पसंदीदा पत्नी की याद में बनवाया गया सफेद संगमरमर का एक विशाल मकबरा, ताजमहल भारत में मुस्लिम कला का आभूषण है और दुनिया की विश्व की उत्कृष्ट कृति में से एक विरासत है।

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अकबर ने पति की चिता पर विधवा के जल जाने की सती प्रथा पर निषेध लगा दिया था।
2. अकबर ने बाल विवाह को हतोत्साहित किया तथा हिंदुओं में विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: अकबर ने पति की चिता पर विधवा के जल जाने की सती प्रथा पर निषेध लगा दिया था। अकबर ने बाल विवाह को हतोत्साहित किया तथा हिंदुओं में विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित किया।

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सिपाही विद्रोह और 1857 का विद्रोह नामक पुस्तक अशोक मेहता द्वारा लिखी गई थी।
2. रिवेलियन 1857 नामक पुस्तक पी.सी. जोशी द्वारा लिखी गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (B)

व्याख्या: सिपाही विद्रोह और 1857 का विद्रोह रमेश चंद्र मजूमदार द्वारा कृत है।

30. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. निकोटिना टुबैकम तथा निकोटिना रस्टिका तम्बाकू की मुख्य किस्में हैं।
2. भारत में कहवा की दो किस्में पैदा की जाती हैं- अरेबिका तथा रोबस्टा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: कॉफी की दो मुख्य किस्में, अरेबिका और रोबस्टा भारत में उगाई जाती हैं। अरेबिका सौम्य कॉफी है, लेकिन फलियां अधिक सुगंधित होने के कारण रोबस्टा बीन्स की तुलना में

इसका बाजार मूल्य अधिक है। दूसरी ओर, रोबस्टा के पास अधिक ताकत है और इसलिए, विभिन्न मिश्रणों को बनाने में उपयोग किया जाता है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत की मानक मध्याह्न रेखा 82 (½)° पूर्व देशांतर को माना गया है। जो इलाहाबाद (प्रयागराज) से गुजरती है।
2. भारत का कुल देशान्तर्रीय विस्तार लगभग 300 है।
3. भारत का मानक समय ग्रीनविच मानक समय से 5 घंटे 30 मिनट आगे है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (D)

व्याख्या: 82° 30' पूर्व देशांतर को भारत के मानक समय के मध्याह्न या आईएसटी के संदर्भ पत्रों के देशांतर के रूप में लिया जाता है, क्योंकि यह भारत के मध्य (इलाहाबाद के निकट मिर्जापुर से) से होकर गुजरता है। इंडियन स्टैंडर्ड मेरिडियन (82° 30' E मेरिडियन) यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से होकर गुजरती है।

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जेलेप ला सिक्किम को तिब्बत से जोड़ता है।
2. बारा-लाचा हिमाचल प्रदेश को लेह से जोड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

जेलेप्ला या जेलेप पास की ऊंचाई 4,267 मीटर या 13,999 फीट है, जो पूर्वी सिक्किम जिला, सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन के बीच एक उच्च पर्वतीय मार्ग है। बारालाचला ज़ांस्कर रेंज में एक उच्च पहाड़ी दर्रा है, जो हिमाचल प्रदेश के लाहौल जिले को लद्दाख में लेह जिले से जोड़ता है।

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गयी थी।
2. मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं अर्ध-न्यायिक संस्थान है जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से विभिन्न से भारत के प्रातिनिधिक संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग की

स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गयी थी। आयोग में वर्तमान में एक मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त होते हैं। जब यह पहले पहल 1950 में गठित हुआ तब से और 15 अक्टूबर, 1989 तक केवल मुख्य निर्वाचन आयुक्त सहित यह एक एकल-सदस्यीय निकाय था।

34. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. भारतीय संविधान में समवर्ती सूची को ऑस्ट्रेलिया के संविधान से उधार लिया गया है।
 2. लोकपाल संस्था शुरू करने वाला पहला देश स्वीडन था। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: भारतीय संविधान में समवर्ती सूची के समावेश का विचार ऑस्ट्रेलिया के संविधान से उधार लिया गया है। 1809 में लोकपाल संस्था स्थापित करने वाला स्वीडन पहला देश था।

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. जिला जजों और सिविल न्यायालयों के मजिस्ट्रेट को राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाएगा।
 2. गुवाहाटी उच्च न्यायालय में पाँच राज्यों पर क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (B)

व्याख्या: जिला जजों और सिविल न्यायालयों के मजिस्ट्रेट को राज्यपाल द्वारा राज्य के मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर नियुक्त किया जाता है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय का असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और नागालैंड जैसे 4 राज्यों पर क्षेत्रीय अधिकार है।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. 1950 के संविधान में एक मुख्य न्यायाधीश और 7 उप न्यायाधीशों के साथ सुप्रीम कोर्ट की परिकल्पना की गई थी।
 2. SC जजों की संख्या संसद द्वारा बढ़ाई गई और वर्तमान में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सहित 34 न्यायाधीश हैं।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (D)

व्याख्या: जैसे-जैसे न्यायालय का काम बढ़ता गया और मामले जमा होने लगे, संसद ने न्यायाधीशों की संख्या (मुख्य न्यायाधीश सहित) को 1950 में मूल 8 से 1956 में, 1960 में 14, 1978 में 18, बढ़ा दिया। 1986 में 26, 2009 में 31, 2019 में 34 हो गई।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद न्यायाधिकरणों और आयोगों में विभिन्न पदों पर नियुक्त नहीं किया जाता है।
 2. राष्ट्रपति एक न्यायाधीश को हटा सकता है जब संसद महाभियोग के पक्ष में प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता के बहुमत से मंजूरी देती है।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (A)

व्याख्या: सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुए व्यक्ति को किसी भी विधि न्यायालय में या भारत में किसी अन्य प्राधिकारी के समक्ष प्रैक्टिस करने से रोक दिया जाता है। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद न्यायाधिकरणों और आयोगों में विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जाता है। संविधान का अनुच्छेद 124 (4), राष्ट्रपति सिद्ध न्यायाधीश के साथ दुर्व्यवहार या अक्षमता पर एक न्यायाधीश को हटा सकता है जब संसद महाभियोग के पक्ष में प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता के बहुमत के साथ अनुमोदन करती है और उपस्थित प्रत्येक सदन के दो तिहाई सदस्यों से कम नहीं होती है।

38. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- I. भुगतान का संतुलन (BOP) किसी राज्य के आर्थिक लेनदेन का समग्र विवरण है।
 - II. वैश्वीकरण एक अधिक एकजुट और अन्योन्याश्रित विश्व अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव है।
- सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: वैश्वीकरण एक अधिक एकजुट और अन्योन्याश्रित विश्व अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव है। बाज़ारों के वैश्वीकरण का अर्थ है, अलग-अलग राष्ट्रीय बाज़ारों को वैश्विक बाज़ार में मिलाना, जिसमें स्वाद और प्राथमिकताएँ वैश्विक मानदंड में परिवर्तित हो जाती हैं। उत्पादन के वैश्वीकरण का अर्थ है कि उत्पादन के कारकों जैसे भूमि, मानव श्रम, ऊर्जा, पूंजी, आदि की लागत या गुणवत्ता में अंतर का लाभ उठाने के लिए दुनिया भर से विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के स्रोतों का जिक्र करना।

शेष राशि का भुगतान (बीओपी) एक देश की आर्थिक लेनदेन का एक समग्र विवरण है, जो आमतौर पर एक वर्ष की अवधि में दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ होता है। बयान दुनिया से प्राप्तियों और वर्तमान और पूंजी खातों में दुनिया को किए गए भुगतानों को इंगित करता है। BoP के चालू खाते में वस्तुओं और सेवाओं में देश का

शुद्ध व्यापार, इसका शुद्ध हस्तांतरण भुगतान और सीमा पार निवेश पर इसकी शुद्ध कमाई शामिल है। BoP के पूंजी खाते में देश की पूंजी और विदेशी सहायता का आयात और निर्यात होता है। यह कथन लेखांकन के सिद्धांत पर आधारित है। इसकी तुलना किसी कंपनी की बैलेंस शीट से की जा सकती है। इसलिए, यह सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है।

39. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 I. EXIM पॉलिसी सरकार की निर्यात-आयात नीति है जो हर पांच साल में घोषित की जाती है।
 II. तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थान डब्ल्यूटीओ, आईएमएफ, विश्व बैंक हैं
 सही विकल्प का चयन करें
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: EXIM पॉलिसी सरकार की निर्यात-आयात नीति है जो हर पांच साल में घोषित की जाती है। इस नीति में निर्यात और आयात, प्रचार उपाय, शुल्क छूट योजना, निर्यात प्रोत्साहन योजना, विशेष आर्थिक क्षेत्र कार्यक्रम और विभिन्न क्षेत्रों के लिए अन्य विवरण के बारे में सामान्य प्रावधान शामिल हैं। हर देश निर्यात और आयात में वृद्धि करता है और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भुनाने के लिए आयात करता है। इससे कुछ ऐसे संस्थानों का होना लाजिमी है जो इन विदेशी व्यापारों पर शासन कर सकते हैं। ये संस्थान विदेशी व्यापार प्रथाओं को नियंत्रित करते हैं और सभी देशों के लिए एक स्तरीय क्षेत्र सुनिश्चित करते हैं और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देते हैं। तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थान डब्ल्यूटीओ, आईएमएफ, विश्व बैंक और यूएनसीटीएडी (व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) हैं।

40. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 I. विश्व व्यापार संगठन (WTO) 1998 में GATT (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते) को बदलने के लिए स्थापित किया गया था।
 II. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में 189 देश शामिल हैं जो वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करते हैं।
 सही विकल्प का चयन करें
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: वॉशिंगटन डीसी में मुख्यालय, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में 189 देश शामिल हैं जो वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुविधा, वित्तीय स्थिरता को कम करने, गरीबी को कम करने और

स्थायी विकास के साथ-साथ उच्च रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करते हैं। इसका गठन 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में किया गया था और आधिकारिक रूप से 1945 में लागू हुआ था। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना 1995 में गैट (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते) को बदलने के लिए की गई थी। 123 देशों द्वारा हस्ताक्षरित, इसे मारकेस समझौते के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया है। GATT को बदलने की आवश्यकता थी जो 1948 में स्थापित किया गया था क्योंकि यह विकसित देशों के पक्षपाती था। डब्ल्यूटीओ राष्ट्रों में व्यापार के वैश्विक नियमों से संबंधित है। अधिक विशेष रूप से, यह व्यापार और विवाद समाधान के नियमन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करके देशों के बीच सेवाओं, वस्तुओं और बौद्धिक संपदा में व्यापार के विनियमन से संबंधित है। डब्ल्यूटीओ द्वारा व्यापार वार्ता में भाग लेने वाले देशों के बीच किसी भी तरह का भेदभाव पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- I. उदारीकरण को इस विचार के साथ लाया गया था कि कोई भी नियम या प्रतिबंध जो मुक्त व्यापार पर लगाए गए थे।
 II. निजीकरण से तात्पर्य सभी क्षेत्र को अधिक अवसर देने से है।
 सही विकल्प का चयन करें।
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II
 उत्तर: (C)

व्याख्या: उदारीकरण एक विचार के साथ लाया गया था कि मुक्त व्यापार पर लगाए गए किसी भी नियम या प्रतिबंध को व्यापार की अनुमति देने के लिए अपनी पकड़ ढीली करनी चाहिए। इसने विदेशी निवेश और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आर्थिक सीमाओं को खोलने की अनुमति दी। उदारीकरण के तहत लगाए गए कई आर्थिक सुधारों में उत्पादन क्षमता, डी-सर्विसिंग उत्पादक क्षेत्रों का विस्तार, सरकार द्वारा औद्योगिक लाइसेंस को समाप्त करना और माल आयात करने की स्वतंत्रता शामिल है। निजीकरण से तात्पर्य विभिन्न सेवाओं के विनियमन में निजी क्षेत्र को और अधिक अवसर देने और उनमें सार्वजनिक क्षेत्र (सरकार के स्वामित्व वाले उद्यमों) की भूमिका को कम करने से है। निजीकरण के साथ, भारत में एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) की शुरुआत की गई, जिसने भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा दी।

निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

- I. पंखे की चाल एक गैर-समान त्वरित गति का एक उदाहरण है।

II. ग्लास एक बुरा थर्मल कंडक्टर है।
सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: ग्लास एक बहुत खराब गर्मी कंडक्टर है। यह सबसे कम संभव गर्मी चालकता में से एक है एक ठोस (इसमें फंसे हवा के बिना) संभवतः हो सकता है, यह ज्यादातर इसके क्रिस्टल संरचना की कमी के कारण है। चूंकि यह एक इन्सुलेटर है, तापीय चालकता के लिए इलेक्ट्रॉनिक योगदान बहुत छोटा है। हालाँकि, फ़ोटॉन अभी भी गर्मी ले जा सकते हैं, लेकिन हीरे के विपरीत जिसमें एक अच्छी तरह से ऑर्डर की गई क्रिस्टल संरचना होती है, ग्लास में ऐसी संरचना का अभाव होता है। यह एहमोनिक प्रक्रियाओं के पक्ष में है, अर्थात् फोनोन-फोनोन इंटरैक्शन जैसे कि ओम्क्लप प्रक्रियाएं जो थर्मल चालकता को गंभीर रूप से सीमित करती हैं। गैर-समान त्वरण वेग में परिवर्तन समान त्वरण के रूप में स्थिर नहीं है। स्वतंत्र रूप से गिरने वाले शरीर में 9.8 m/s का एक समान त्वरण होता है। इसे शुरू करने के ठीक बाद एक पंखे की आवाजाही भी एक समान त्वरण का एक उदाहरण है और इसलिए एक झुकाव वाले विमान को लुढ़काते हुए गेंद की गति है। एक रोलर कोस्टर का वेग बेतरतीब ढंग से बदलता है और इसलिए एक समान गति का एक सटीक उदाहरण है।

43. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. तारे पूर्व से पश्चिम की ओर जाते प्रतीत होते हैं क्योंकि पृथ्वी पूर्व से पश्चिम की ओर घूमती है।
2. ग्रह टिमटिमाते नहीं हैं क्योंकि वे प्रकाश की तीव्रता में कमी के परिणामस्वरूप पृथ्वी से बहुत दूर हैं।

कौन सा / कथन सही है?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: पृथ्वी के घूमने के कारण तारे पूर्व से पश्चिम की ओर जाते दिखाई देते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी के चारों ओर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है। इसलिए, तारे पूर्व से पश्चिम की ओर जाते दिखाई देते हैं। ग्रह टिमटिमाते नहीं लगाते हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के निकट हैं और इसलिए हमें अधिक मात्रा में प्रकाश प्राप्त होता है और इसलिए तीव्रता में मामूली बदलाव ध्यान देने योग्य नहीं हैं।

44. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. धातुएं विद्युत की सुचालक होती हैं क्योंकि इनमें मुक्त इलेक्ट्रॉन होते हैं।
2. रेक्टिफायर का उपयोग डायरेक्ट करंट को अल्टरनेटिंग करंट में बदलने के लिए किया जाता है।

कौन सा / कथन सही है?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: धातुएं अच्छी संवाहक होती हैं क्योंकि उनमें मुक्त इलेक्ट्रॉनों के साथ परमाणुओं की जाली होती है। मुक्त इलेक्ट्रॉनों एक धारा के माध्यम से प्रवाह करने की अनुमति देते हैं। जब एक नकारात्मक चार्ज एक छोर पर लगाया जाता है, तो इलेक्ट्रॉनों को नकारात्मक चार्ज से हटा दिया जाता है, और दूसरे छोर की ओर बढ़ते हैं।

45. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. 'बार चुंबक के केंद्र' में चुंबकत्व अधिकतम होता है।
2. सामग्रियों के चुंबकीय गुण मुख्य रूप से उनके परमाणुओं के परिक्रमा करने वाले इलेक्ट्रॉनों के चुंबकीय क्षणों के कारण होते हैं।

कौन सा / कथन सही है?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: चुंबकत्व चुंबक के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों में सबसे मजबूत है और "एक बार चुंबक के केंद्र" में सबसे कमजोर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि "चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं" केंद्र में चुंबक की लंबाई के समानांतर चलती हैं और ध्रुवों पर करीब और सघन चलती हैं।

46. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

I. नाइट्रस ऑक्साइड 'हंसाने वाली गैस' का रासायनिक नाम है।

II. ऑक्साइड, रासायनिक यौगिकों के एक बड़े और महत्वपूर्ण वर्ग में से है।

सही विकल्प का चयन करें ?

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: नाइट्रसऑक्साइड (N_2O), जिसे डायनाइट्रोजन मोनोऑक्साइड, लाफिंग गैस या नाइट्रस भी कहा जाता है, नाइट्रोजन के कई ऑक्साइडों में से एक, रंगहीन गैस जिसमें सुखद, मधुर गंध और स्वाद होता है, ऑक्साइड, रासायनिक यौगिकों के एक बड़े और महत्वपूर्ण वर्ग में से कोई भी जिसमें ऑक्सीजन दूसरे तत्व के साथ संयुक्त होता है।

47. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शैवाल दो प्रकार के होते हैं- एककोशिकीय और बहुकोशिकीय।

2. एककोशिकीय शैवाल में चल एवं अचल दो प्रकार के शैवाल होते हैं

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: शामिल जीवों में एककोशिकीय छोटे शैवाल जैसे क्लोरेला और डायटम से लेकर बहुकोशिकीय रूप, जैसे कि विशालकाय केल्व शामिल हैं।

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चल शैवालों में कशाभ के द्वारा गति होती है। जैसे- क्लैमाइडोमोनास
2. अचल शैवालों में गति नहीं होती है, जैसे- क्लोरेला

- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: क्लैमाइडोमोनास हरे शैवाल का एक जीनस है जिसमें लगभग 325 प्रजातियां शामिल हैं जो सभी एककोशिकीय फ्लैगेलेट्स, स्थिर पानी में और नम मिट्टी में, ताजे पानी, समुद्री जल में और यहां तक कि बर्फ में "हिम शैवाल" के रूप में पाया जाता है।

क्लोरेला एकल कोशिका वाले हरे शैवाल का एक जीन है जो कि क्लोरोफाइटा से संबंधित है।

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यकृत मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है।
2. यकृत के दो खंड कौडेट तथा काइडेट कहलाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2

- (C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: लिवर मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है। यह लिपिड और विटामिन के अपघटन के लिए पित्त रस के स्राव जैसे कई कार्यों को करता है, रक्त प्लाज्मा के लिए प्रोटीन तैयार करता है जो रक्त के थक्के और विषहरण में भी सक्षम बनता है।

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मृतपोषी जीव सड़े-गले पदार्थों से निकले तरल पोषक पदार्थों को शरीर की सतह से अवशोषित करते हैं।
2. परजीवी जीव अन्य जीवों के जीवित शरीर से अपना भोजन ग्रहण करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: सैप्रोफाइट्स जैसे कि कई प्रकार के कवक और बैक्टीरिया अपने भोजन को तरल रूप में मृत जीवों के अवशेषों से प्राप्त करते हैं।

टेपवर्म और मच्छर जैसे परजीवी दूसरे जीवित जीवों पर निर्भर रहते हैं जिनसे वे भोजन प्राप्त करते हैं।

"किसी भी काम के प्रति सकारात्मक सोच रखनी चाहिए !
क्योंकि नकारात्मक सोच ही हमारी असफलता का कारण बनती है !!

12 JULY
NATIONAL SIMPLICITY DAY



Importance

To mark the birth anniversary of Henry David Thoreau in 1817.

Motto

To be free from the complications of the world and to allow ourselves to just be simple.

Who is Henry David Thoreau?

- He was an American author, an environmentalist, philosopher, naturalist, poet, historian, surveyor and a transcendentalist.
- He is best known for his book Walden which is a reflection upon simple living in natural surroundings.

About Walden: Or, Life in the Woods

Author: Henry David Thoreau

Published: August 9, 1854



सही मिलान प्रश्नावली

1. निम्नलिखित कथनों का मिलान करें -

(A) पहला जिनेवा कन्वेंशन	1- युद्ध के दौरान भूमि पर घायल और बीमार सैनिकों की रक्षा करता है।
(B) दूसरा जिनेवा कन्वेंशन	2- युद्ध के दौरान समुद्र में घायल, बीमार और क्षतिग्रस्त जहाजों के सैन्य कर्मियों की रक्षा करता है।
(C) तीसरा जिनेवा कन्वेंशन	3- युद्धबंदियों पर लागू होता है।
(D) चौथा जिनेवा कन्वेंशन	4- कब्जे वाले क्षेत्र सहित नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: पहला जिनेवा कन्वेंशन - युद्ध के दौरान भूमि पर घायल और बीमार सैनिकों की रक्षा करता है।
दूसरा जिनेवा कन्वेंशन - युद्ध के दौरान समुद्र में घायल, बीमार और क्षतिग्रस्त जहाजों के सैन्य कर्मियों की रक्षा करता है।
तीसरा जिनेवा कन्वेंशन - युद्धबंदियों पर लागू होता है।
चौथा जिनेवा कन्वेंशन - कब्जे वाले क्षेत्र सहित नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

2. निम्नलिखित सरकारी योजनाओं का मिलान करें -

(A) बचत लैप योजना	1- 2009
(B) दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना	2- 2003
(C) दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना	3- 2015

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: बचत लैप योजना - 2009
दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना - 2003
दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना - 2015

3. निम्नलिखित का मिलान करें: जीआई-टैग किए गए उत्पाद और राज्य -

जीआई उत्पाद	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश
(A) कुल्लू शॉल	1 - असम
(B) बंगनापल्ले आम	2 - हिमाचल प्रदेश
(C) मुगा सिल्क	3 - आंध्र प्रदेश
(D) कुल्लू पट्टू पेंटिंग	4 - केरल

विकल्प:

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
(B) a-1, b-2, c-3, d-4
(C) a-2, b-1, c-3, d-4
(D) a-2, b-3, c-1, d-4

उत्तर:

व्याख्या: (A) कुल्लू शॉल - हिमाचल प्रदेश
(B) बंगनापल्ले आम - आंध्र प्रदेश
(C) मुगा सिल्क - असम (असम के लिए विशेष)
(D) कुल्लू पट्टू पेंटिंग - हालांकि कम ज्ञात, यह हिमाचल प्रदेश से पंजीकृत जीआई है, लेकिन अक्सर केरल के रूपांकनों के साथ कलात्मक दस्तावेज़ीकरण में जुड़ा हुआ है

4. निम्नलिखित का मिलान करें: संसदीय समितियाँ और उनके कार्य -

समिति	कार्य
(A) अनुमान समिति	1 - सरकारी व्यय की वैधता और नियमितता की जाँच करती है
(B) लोक लेखा समिति	2 - व्यय में दक्षता और मितव्ययिता में सुधार का सुझाव देती है
(C) सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति	3 - सार्वजनिक उपक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा करती है
(D) याचिका समिति	4 - जनता द्वारा प्रस्तुत शिकायतों की जाँच करती है

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
(B) a-3, b-2, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-2, b-3, c-1, d-4

उत्तर:

व्याख्या: (A) अनुमान समिति - सरकारी व्यय में दक्षता और मितव्ययिता में सुधार करने के तरीके सुझाती है।
लोक लेखा समिति (पीएसी) - जाँच करती है कि क्या सरकारी व्यय संसद के निर्णयों (निधियों का कानूनी और उचित उपयोग) के अनुरूप है।

सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति - सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के प्रदर्शन और कामकाज का मूल्यांकन करती है।

याचिकाओं पर समिति - जनता से प्राप्त याचिकाओं और शिकायतों की जांच करती है और उनकी स्वीकार्यता की जांच करती है।

5. निम्नलिखित वायु प्रदूषकों को उनकी विशिष्ट विशेषताओं या प्रभावों से सुमेलित करें -

प्रदूषक	विशेषता / प्रभाव
(A) पेरोक्सीएसिटाइल नाइट्रेट	1- धुंध पैदा करता है; फेफड़ों और रक्तप्रवाह में प्रवेश करता है
(B) लेड (Pb)	2- निचले वायुमंडल में निष्क्रिय; समताप मंडल में ओजोन को नष्ट करता है
(C) पार्टिकुलेट मैटर	3- न्यूरोटॉक्सिन; लेड युक्त पेट्रोल और बैटरी उद्योगों से उत्सर्जित होता है
(D) क्लोरोफ्लोरोकार्बन	4- द्वितीयक प्रदूषक; आँखों में जलन पैदा करने वाला; NO _x और हाइड्रोकार्बन से बनता है

विकल्प:

- (A) a-4, b-3, c-1, d-2
(B) a-1, b-2, c-3, d-4
(C) a-3, b-1, c-4, d-2
(D) a-4, b-1, c-2, d-3

उत्तर:

- (A) पीएन → 4: एक द्वितीयक प्रदूषक, जो सूर्य के प्रकाश में NO_x और हाइड्रोकार्बन द्वारा निर्मित होता है; आँखों में जलन पैदा करता है।
(B) लेड → 3: एक न्यूरोटॉक्सिक भारी धातु, जो मुख्य रूप से लेड युक्त पेट्रोल और बैटरी उद्योगों से आती है।
(C) पीएम → 1: सूक्ष्म कण पदार्थ श्वसन संबंधी बीमारियों, धुंध का कारण बनते हैं, और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं।
(D) सीएफसी → 2: हालांकि क्षोभमंडल में निष्क्रिय, सीएफसी समताप मंडल में पहुँचते हैं, क्लोरीन छोड़ते हैं जो ओजोन को नष्ट कर देता है।

6. निम्नलिखित नेटवर्किंग शब्दों का उनके सही विवरण से मिलान करें:

शब्द	विवरण
(A) IP पता	1- पथ-आधारित स्विचिंग; IP हेडर के बजाय लेबल का उपयोग करता है

(B) MAC पता	2- नेटवर्क इंटरफ़ेस कार्ड को सौंपा गया हार्डवेयर पहचानकर्ता
(C) DNS	3- डोमेन नामों को IP पतों में अनुवाद करता है
(D) MPLS	4- इंटरनेट संचार के लिए डिवाइस को सौंपा गया तार्किक पता

विकल्प:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4
(B) a-4, b-3, c-2, d-1
(C) a-4, b-2, c-3, d-1
(D) a-3, b-4, c-1, d-2

उत्तर:

- (A) आईपी एड्रेस → 4: नेटवर्क सीमाओं के पार डिवाइस की पहचान करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक तार्किक पता, जैसे 192.168.0.1।
(B) मैक एड्रेस → 2: नेटवर्क इंटरफ़ेस कार्ड (एनआईसी) में हार्डकोड किया गया एक भौतिक हार्डवेयर पता।
(C) डीएनएस → 3: डोमेन नाम सिस्टम डोमेन नामों (जैसे upsc.gov.in) को रूटिंग के लिए आईपी एड्रेस में अनुवाद करता है।
(D) एमपीएलएस → 1: मल्टीप्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग लेबल का उपयोग करके पैकेट को रूट करता है, जो पारंपरिक आईपी स्विचिंग की तुलना में तेज़ और अधिक कुशल रूटिंग प्रदान करता है।

7. भारत के निम्नलिखित लोक नृत्यों का मिलान करें -

(A) असम	1- बगुरुम्बा
(B) गुजरात	2- कुनिथा
(C) कर्नाटक	3- तिप्पनी ज्यूरियुन
(D) ओडिशा	4- पैका

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर:

- (A) असम - बगुरुम्बा
गुजरात - तिप्पनी ज्यूरियुन
कर्नाटक - कुनिथा
ओडिशा - पैका

8. निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों का मिलान करें -

(A) कथासरित्सागर	1- सोमदेव
(B) कामसूत्र	2- वात्स्यायन
(C) प्रश्नोत्तरमालिका	3- अमोघवर्ष

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: कथासरित्सागर - सोमदेव
कामसूत्र - वात्स्यायन
प्रश्नोत्तरमालिका - अमोघवर्ष

9. निम्नलिखित का मिलान करें -

संशोधन	मुख्य प्रावधान जोड़ा गया
(A) 61वाँ संशोधन अधिनियम, 1989	1- दलबदल विरोधी कानून पेश किया गया
(B) 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976	2- मौलिक कर्तव्य जोड़े गए
(C) 52वाँ संशोधन अधिनियम, 1985	3- मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 की गई
(D) 44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978	4- आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 21 को निलंबन से बहाल किया गया

विकल्प:

(A) a-3, b-2, c-1, d-4

(B) a-1, b-4, c-2, d-3

(C) a-4, b-2, c-3, d-1

(D) a-2, b-3, c-1, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

(A) 61वाँ संशोधन अधिनियम → 3 → मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष कर दी गई

(B) 42वाँ संशोधन अधिनियम → 2 → मौलिक कर्तव्य जोड़े गए

(C) 52वाँ संशोधन अधिनियम → 1 → दलबदल विरोधी कानून पेश किया गया

(D) 44वाँ संशोधन अधिनियम → 4 → अनुच्छेद 21 को बहाल किया गया

10. निम्नलिखित का मिलान करें: सरकारी योजनाएँ बनाम लॉन्च का वर्ष

योजना	लॉन्च का वर्ष
(A) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना	1- 2016
(B) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम	2- 2015
(C) अटल इनोवेशन मिशन	3- 2018
(D) राष्ट्रीय बांस मिशन (संशोधित)	4- 2017

विकल्प:

(A) a-2, b-1, c-3, d-4

(B) a-1, b-2, c-4, d-3

(C) a-1, b-2, c-3, d-4

(D) a-3, b-1, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

(A) पीएम कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) → 2016

युवा कौशल प्रमाणन के लिए कौशल विकास मंत्रालय के तहत शुरू किया गया।

(B) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम → 2015

भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम, जुलाई 2015 में शुरू किया गया।

(C) अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) → 2018

नवाचार, उद्यमिता और टिकरिंग लैब को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग की पहल।

(D) राष्ट्रीय बांस मिशन (संशोधित) → 2017

राष्ट्रीय संतत कृषि मिशन के तहत 2017 में नया रूप दिया गया।

11. निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों को सुमेलित कीजिए-

(A) गोपीनाथ मोहंती	1- परजा
(B) गुंजन जैन	2- अ वुमन लाइफ
(C) गुन्नार मिरडल	3- एशियन ड्रामा
(D) गाइ डे मौपासौत	4- शी वॉक, शी लीड्स

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: गोपीनाथ मोहंती - परजा

गुंजन जैन - शी वॉक, शी लीड्स

गुन्नार मिरडल - एशियन ड्रामा

गाइ डे मौपासौत - अ वुमन लाइफ

12. निम्नलिखित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उनके स्थापना वर्ष का मिलान करें -

(A) इंडियन ओवरसीज बैंक	1- 1937
(B) पंजाब एंड सिंध बैंक	2- 1908
(C) पंजाब नेशनल बैंक	3- 1894

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: इंडियन ओवरसीज बैंक - 1937

पंजाब एंड सिंध बैंक - 1908

पंजाब नेशनल बैंक - 1894

13. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) गुलाबी क्रांति के जनक	1- दुर्गेश पटेल
(B) रजत क्रांति के जनक	2- निरपख तुताज
(C) स्वर्ण क्रांति के जनक	3- इंदिरा गांधी
(D) लाल क्रांति के जनक	4- विशाल तिवारी

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: गुलाबी क्रांति के जनक - दुर्गेश पटेल
रजत क्रांति के जनक - इंदिरा गांधी
स्वर्ण क्रांति के जनक - निरपख तुताज
लाल क्रांति के जनक - विशाल तिवारी

14. खेल में निम्नलिखित शब्दावली का मिलान करें -

(A) फुटबॉल	1- राइट आउट
(B) बैडमिंटन	2- डबल फॉल्ट
(C) बेसबॉल	3- स्ट्राइक

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: फुटबॉल - राइट आउट
बैडमिंटन - डबल फॉल्ट
बेसबॉल - स्ट्राइक

15. निम्नलिखित अंतरिक्ष मिशनों को उनकी अनूठी विशेषताओं या पहले के साथ मिलान करें:
अंतरिक्ष मिशन सुविधा / उपलब्धि

(A) पार्कर सोलर जांच	1- एक क्षुद्रग्रह पर उतरने और सतह के नमूनों को वापस करने के लिए पहला मिशन
(B) हायाबुसा2	2- एक तारे के लिए निकटतम दृष्टिकोण एक अंतरिक्ष यान द्वारा प्राप्त किया गया
(C) तियानवेन -1	3- ऑर्बिट, लैंड, और एक बार में मंगल पर एक रोवर को तैनात करने के लिए पहला मिशन

(D) आर्टेमिस I	4- नासा के चंद्र वापसी कार्यक्रम के तहत चंद्रमा के चारों ओर परीक्षण उड़ान
----------------	---

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
(B) a-3, b-2, c-4, d-1
(C) a-4, b-1, c-2, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: पार्कर सोलर जांच (ए -2): सौर कोरोना का अध्ययन करते हुए, सूरज के निकटतम दृष्टिकोण बनाया।
Hayabusa2 (B-1): क्षुद्रग्रह Ryugu पर उतरा और पृथ्वी पर नमूने वापस कर दिए।
Tianwen-1 (C-3): पहले चीनी मिशन ऑर्बिट, लैंड, और मंगल (झुर्रोंग रोवर) पर एक रोवर संचालित करने के लिए।
Artemis I (D-4): भविष्य के मानव चंद्रमा लैंडिंग के लिए Uncrewed चंद्र मिशन परीक्षण प्रणाली।

16.

निम्नलिखित सरकारी योजनाओं को उनके संबंधित कार्यान्वयन मंत्रालयों या सुविधाओं के साथ मिलान करें:

योजना	कार्यान्वयन मंत्रालय / सुविधा
(A) पीएम-दक्ष	1- सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय
(B) श्रेयस	2- शिक्षा मंत्रालय
(C) निपुण भारत मिशन	3- शिक्षा मंत्रालय
(D) नेशनल बांस मिशन	4- कृषि मंत्रालय

विकल्प:

- (A) a-3, b-4, c-2, d-1
(B) a-2, b-1, c-4, d-3
(C) a-1, b-2, c-3, d-4
(D) a-4, b-3, c-1, d-2

उत्तर: (C)

व्याख्या: पीएम-दरश (ए -1): सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा संचालित, यह हाशिए के समुदायों के लिए कौशल विकास प्रदान करता है।
श्रेयस (बी -2): शिक्षा मंत्रालय द्वारा शिक्षण शिक्षा को अपरेंटिसशिप के साथ जोड़ने के लिए लॉन्च किया गया।
नीपुण भारत मिशन (C-3): शिक्षा मंत्रालय की पहल ने संस्थापक साक्षरता और संख्यात्मकता पर ध्यान केंद्रित किया।
राष्ट्रीय बांस मिशन (D-4): कृषि मंत्रालय द्वारा बांस सेक्टर मूल्य श्रृंखला का समर्थन करने के लिए कार्यान्वित किया गया।

17.

निम्नलिखित भारतीय मसालों का उनके प्रमुख उत्पादक राज्यों से मिलान करें:

मसाले	प्रमुख उत्पादक राज्य
(A) काली मिर्च	1. केरल
(B) केसर	2. जम्मू और कश्मीर
(C) हींग	3. हिमाचल प्रदेश
(D) हल्दी	4. तेलंगाना

विकल्प:

- (A) a-1, b-2, c-4, d-3
 (B) a-1, b-2, c-3, d-4
 (C) a-2, b-1, c-4, d-3
 (D) a-3, b-1, c-2, d-4

उत्तर: (B)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

काली मिर्च मुख्य रूप से केरल में पैदा होती है, जो इसकी खेती में अग्रणी है।
 केसर मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर में उगाया जाता है, खासकर पंपोर में।
 हिमाचल प्रदेश में हींग की खेती शुरू की गई है, खासकर लाहौल-स्पीति में।
 हल्दी की खेती तेलंगाना में बड़े पैमाने पर की जाती है, जो प्रमुख उत्पादकों में से एक है।

18. निम्नलिखित अनाजों को उनकी खेती के लिए आदर्श तापमान सीमा से मिलाएं:

अनाज	आदर्श तापमान सीमा (डिग्री सेल्सियस)
(A) गेहूं	1. 10 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस
(B) चावल	2. 20 डिग्री सेल्सियस से 35 डिग्री सेल्सियस
(C) मक्का	3. 18 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस
(D) जौ	4. 12 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
 (B) a-1, b-3, c-4, d-2
 (C) a-4, b-2, c-1, d-3
 (D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: गेहूं को 10°C से 25°C के ठंडे तापमान की आवश्यकता होती है, खास तौर पर अंकुरण और कलियाँ निकलने के दौरान।
 चावल 20°C से 35°C के बीच गर्म और आर्द्र परिस्थितियों में सबसे अच्छा बढ़ता है।
 मक्का मध्यम गर्मी पसंद करता है, जिसमें वृद्धि के लिए 18°C से 27°C इष्टतम है।
 जौ ठंडी जलवायु में पनपता है, आदर्श रूप से 12°C से 25°C के आसपास।

19. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों को सुमेलित कीजिए-

(A) अनुच्छेद 14	1- कानून के समक्ष समानता।
(B) अनुच्छेद 16	2- लोक नियोजन के मामलों में अवसर की समानता।
(C) अनुच्छेद 17	3- अस्पृश्यता का उन्मूलन।
(D) अनुच्छेद 18	4- उपाधियों का उन्मूलन

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-3, d-4
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: अनुच्छेद 14- कानून के समक्ष समानता।

अनुच्छेद 16- लोक नियोजन के मामलों में अवसर की समानता।

अनुच्छेद 17- अस्पृश्यता का उन्मूलन।

अनुच्छेद 18- उपाधियों का उन्मूलन

20. निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गों और उनके मार्गों को सुमेलित कीजिए-

(A) एनएच 53	1- गुजरात में हजीरा और ओडिशा में प्रदीप बंदरगाह।
(B) एनएच 16	2- पश्चिम बंगाल के पूर्वी तट से तमिलनाडु में चेन्नई तक।
(C) एनएच 66	3- पनवेल और कन्याकुमारी पर समाप्त होता है।

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: एनएच 53 - गुजरात में हजीरा और ओडिशा में प्रदीप बंदरगाह।

एनएच 16 - पश्चिम बंगाल के पूर्वी तट से तमिलनाडु में चेन्नई तक।

एनएच 66 - पनवेल और कन्याकुमारी पर समाप्त होता है।

21. भारत में निम्नलिखित राष्ट्रीय उद्यानों का मिलान करें -

(A) मंडला जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान	1- मध्य प्रदेश
(B) कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान	2- गुजरात
(C) काला हिरण राष्ट्रीय उद्यान	3- कर्नाटक
(D) नेओरा घाटी राष्ट्रीय उद्यान	4- पश्चिम बंगाल

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: मंडला जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान - मध्य प्रदेश
कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान - कर्नाटक
काला हिरण राष्ट्रीय उद्यान - गुजरात
नेओरा घाटी राष्ट्रीय उद्यान - पश्चिम बंगाल

22. संयुक्त राष्ट्र के निम्नलिखित संगठन को उनके स्थापना वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए -

(A) कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष	1- 1977
(B) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन	2- 1919
(C) अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन	3- 1948

विकल्प:

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष - 1977
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन - 1919
अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन - 1948

23. निम्नलिखित का मिलान करें: नदियाँ और उनके संगम

प्रावधान	विवरण
(A) मिसौरी - मिसिसिपी	1- सेंट लुइस, संयुक्त राज्य अमेरिका के पास
(B) राइन - मोसेल	2- कोब्लेंज़, जर्मनी
(C) गंगा - यमुना	3- प्रयागराज (इलाहाबाद), भारत
(D) डेन्यूब - सावा	4- बेलग्रेड, सर्बिया

विकल्प:

(A) a-2, b-1, c-4, d-3

(B) a-1, b-2, c-3, d-4

(C) a-1, b-3, c-2, d-4

(D) a-4, b-1, c-3, d-2

उत्तर: (B)

व्याख्या: (ए) मिसौरी - मिसिसिपी → 1: वे सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए के पास मिलते हैं, जो दुनिया की सबसे लंबी नदी प्रणालियों में से एक है।
(बी) राइन - मोसेल → 2: वे कोब्लेंज़, जर्मनी में मिलते हैं, जो ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण यूरोपीय संगम है।
(सी) गंगा - यमुना → 3: भारत के प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) में प्रसिद्ध संगम, जो हिंदू अनुष्ठानों से भी जुड़ा हुआ है।

(डी) डेन्यूब - सावा → 4: ये नदियाँ सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में मिलती हैं, जो एक प्रमुख यूरोपीय जल जंक्शन बनाती हैं।

24.

निम्नलिखित का मिलान करें: शास्त्रीय नृत्य और उनकी अनूठी सांस्कृतिक/दार्शनिक विशेषताएँ

प्रावधान	विवरण
(A) कथकली	1- महाभारत की कहानियों पर आधारित और केरल के मंदिर थिएटरों में प्रदर्शित
(B) सल्लिया	2- श्रीमंत शंकरदेव द्वारा स्थापित असम के वैष्णव मठों में निहित
(C) भरतनाट्यम	3- नाट्य शास्त्र की नींव के साथ तमिलनाडु के मंदिरों में विकसित
(D) कथक	4- उत्तर भारतीय कहानी कहने की परंपरा से उत्पन्न; मुगल दरबारों में विकसित

विकल्प:

(A) a-3, b-1, c-2, d-4

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-3, d-4

(D) a-1, b-4, c-3, d-2

उत्तर: (C)

व्याख्या: (क) कथकली → 1: केरल की एक नृत्य-नाट्य परंपरा, जिसमें ज्यादातर महाभारत और रामायण के दृश्य दिखाए जाते हैं, जिसे पारंपरिक रूप से कूटम्बलम नामक मंदिर थिएटर में प्रदर्शित किया जाता है।
(ख) सल्लिया → 2: असम के वैष्णव मठों (सत्रों) में विकसित; आध्यात्मिक शिक्षा के लिए 15वीं शताब्दी में श्रीमंत शंकरदेव द्वारा संहिताबद्ध।
(ग) भरतनाट्यम → 3: सबसे पुराने रूपों में से एक, तमिलनाडु के मंदिर नृत्यों में निहित; नाट्य शास्त्र से लिया गया और इसमें भक्ति भाव (भक्ति) शामिल है।
(घ) कथक → 4: उत्तरी मंदिरों में कहानी सुनाने की परंपरा (कथा) के रूप में शुरू हुआ, बाद में मुगल दरबारों द्वारा संरक्षण दिया गया, जिसमें फारसी प्रभाव और दरबारी शैली का परिष्कार शामिल था।

25.

निम्नलिखित भारतीय द्वीपों को उनकी संबंधित विशेषताओं या स्थानों से मिलाएं:

द्वीप	विवरण
(A) बैरन द्वीप	1- दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप, ब्रह्मपुत्र नदी, असम में स्थित है
(B) माजुली	2- कैपबेल बे और इंदिरा पॉइंट के साथ भारत का सबसे दक्षिणी द्वीप
(C) लक्षद्वीप	3- भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी, अंडमान सागर में स्थित है

(D) ग्रेट निकोबार	4- अरब सागर में स्थित कोरल एटोल
-------------------	---------------------------------

विकल्प:

- (A) a-3, b-1, c-4, d-2
(B) a-1, b-4, c-2, d-3
(C) a-2, b-3, c-1, d-4
(D) a-4, b-2, c-3, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: बैरन द्वीप - (ए-3): भारत में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी।
माजुली - (बी-1): दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप।
लक्षद्वीप - (सी-4): अरब सागर में प्रवाल द्वीपों का समूह।
ग्रेट निकोबार - (डी-2): इंदिरा प्वाइंट के साथ सबसे दक्षिणी द्वीप।

26. निम्नलिखित ज्वालामुखियों का उनकी अद्वितीय भूवैज्ञानिक या भौगोलिक विशेषताओं के साथ मिलान करें:

ज्वालामुखी	विवरण
(A) मौना लोआ	1- संयुक्त राज्य अमेरिका में एक सुपरवोलकैनो कैल्डेरा जो पिछले मेगा-विस्फोट के लिए जाना जाता है
(B) बैरन द्वीप	2- हवाई में प्रशांत प्लेट हॉटस्पॉट पर स्थित शील्ड ज्वालामुखी
(C) माउंट टैम्बोरा	3- अपने विशाल विस्फोट के कारण 1815 में "बिना गर्मी के वर्ष" का कारण बना
(D) येलोस्टोन कैल्डेरा	4- भारत में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप, सुंडा आर्क सबडक्शन ज़ोन का हिस्सा

विकल्प:

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
(B) a-1, b-2, c-4, d-3
(C) a-3, b-1, c-2, d-4
(D) a-2, b-4, c-3, d-1

उत्तर: (D)

व्याख्या: मौना लोआ - (ए-2): हवाई में स्थित, यह प्रशांत प्लेट हॉटस्पॉट पर बना एक विशाल ढाल ज्वालामुखी है।
बैरन आइलैंड - (बी-4): भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी, सुंडा आर्क पर स्थित है, जो बर्मी प्लेट के नीचे भारतीय प्लेट के दबाव से बना है।
माउंट टैम्बोरा - (सी-3): 1815 में विस्फोट हुआ, जिससे ज्वालामुखीय एरोसोल से वैश्विक शीतलन के कारण वर्ष बिना गर्मी के हो गया।
येलोस्टोन कैल्डेरा - (डी-1): पिछले विनाशकारी विस्फोटों से बना यूएसए का एक सुपरवोलकैनो; यह आज भी भूतापीय रूप से सक्रिय है।

27. निम्नलिखित बोर्डों का उनके मुख्यालयों से मिलान करें:

बोर्ड	मुख्यालय
(A) रबर बोर्ड	1- कोट्टायम, केरल
(B) मसाला बोर्ड	2- कोच्चि, केरल
(C) तंबाकू बोर्ड	3- गुंटूर, आंध्र प्रदेश
(D) राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड	4- निजामाबाद, तेलंगाना

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
(B) a-3, b-2, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-3, d-4
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

रबर बोर्ड → कोट्टायम, केरल

मसाला बोर्ड → कोच्चि, केरल

तंबाकू बोर्ड → गुंटूर, आंध्र प्रदेश

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड → निजामाबाद, तेलंगाना

28. निम्नलिखित पर्यावरण संस्थानों का उनके मुख्यालयों से मिलान करें:

संस्था	मुख्यालय
(A) राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA)	1- चेन्नई
(B) पर्यावरण शिक्षा केंद्र (CEE)	2- अहमदाबाद
(C) केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)	3- नई दिल्ली
(D) भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (IIFM)	4- भोपाल

विकल्प:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4
(B) a-1, b-2, c-4, d-3
(C) a-1, b-3, c-2, d-4
(D) a-1, b-2, c-4, d-3

उत्तर: (D)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

(A) NBA → चेन्नई

(B) CEE → अहमदाबाद

(C) CPCB → नई दिल्ली

(D) IIFM → भोपाल

29. भारत के निम्नलिखित पर्वतीय दरों का मिलान कीजिए -

(A) हल्दीघाटी दर्रा	1- राजस्थान
(B) कुंजुम दर्रा	2- केरल
(C) नामा पास	3- उत्तराखंड
(D) शेनकोट्टई	4- हिमाचल प्रदेश

विकल्प:

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: हल्दीघाटी दर्रा - राजस्थान
कुंजुम दर्रा - हिमाचल प्रदेश
नामा पास - उत्तराखंड
शेनकोट्टई - केरल

30. निम्नलिखित आविष्कारों और उनके आविष्कारकों का मिलान कीजिए -

(A) 3डी प्रिंटिंग	1- चक हिल
(B) प्रिंटिंग मशीन	2- जोहान्स गुटेनबर्ग
(C) तीन पहियों वाली मोटर कार	3- कार्ल बेंज

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: 3डी प्रिंटिंग - चक हिल
प्रिंटिंग मशीन - जोहान्स गुटेनबर्ग
तीन पहियों वाली मोटर कार - कार्ल बेंज

31. विभिन्न क्षेत्रों के निम्नलिखित जनक को सुमेलित कीजिए -

(A) भारतीय फार्मसी के जनक	1- महादेव लाल श्रॉफ
(B) भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक	2- जेम्स ऑगस्टस हिक्की
(C) भारतीय पत्रकारिता के जनक	3- शियाली रामामृत रंगनाथन
(D) भारतीय हॉकी के जनक	4- मेजर ध्यानचंद सिंह

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: भारतीय फार्मसी के जनक - महादेव लाल श्रॉफ
भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक - शियाली रामामृत रंगनाथन
भारतीय पत्रकारिता के जनक - जेम्स ऑगस्टस हिक्की
भारतीय हॉकी के जनक - मेजर ध्यानचंद सिंह

32. जंतुओं के निम्नलिखित वैज्ञानिक नामों को सुमेलित कीजिए-

(A) हिरण	1- आर्टियोडेक्टाइल सर्विडे
(B) डॉल्फिन	2- डेल्फिनिडे डेल्फिंस
(C) मेंढक	3- अनुरा रानीडे

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: हिरण - आर्टियोडेक्टाइल सर्विडे
डॉल्फिन - डेल्फिनिडे डेल्फिंस
मेंढक - अनुरा रानीडे

33. निम्नलिखित महत्वपूर्ण खेल कप और ट्राफियों को सुमेलित कीजिए -

(A) बिलियर्ड्स	1- आर्थर वॉकर ट्रॉफी
(B) शतरंज	2- एशिया कप
(C) गोल्फ	3- कनाडा कप
(D) फुटबॉल	4- नायडू ट्रॉफी

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: बिलियर्ड्स - आर्थर वॉकर ट्रॉफी
शतरंज - नायडू ट्रॉफी
गोल्फ - कनाडा कप
फुटबॉल - एशिया कप

34. निम्नलिखित भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नरों को सुमेलित कीजिए -

(A) बिमल जालान	1- 22 नवंबर, 1997 - 6 सितंबर, 2003
(B) वाई.वी. रेड्डी	2- 6 सितंबर, 2003 - 5 सितंबर, 2008
(C) डी. सुब्बाराव	3- 5 सितंबर, 2008 - 4 सितंबर, 2013

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: बिमल जालान - 22 नवंबर, 1997 - 6 सितंबर, 2003
वाई.वी. रेड्डी - 6 सितंबर, 2003 - 5 सितंबर, 2008
डी. सुब्बाराव - 5 सितंबर, 2008 - 4 सितंबर, 2013

35. भारत में निम्नलिखित मंदिरों का मिलान करें -

(A) अंग्राबादी मंदिर	1- झारखंड
(B) बद्रीनाथ मंदिर	2- कर्नाटक

(C) बृहदेश्वर मंदिर	3- तमिलनाडु
(D) चैत्राकेशव मंदिर	4- उत्तराखंड

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: अंग्राबादी मंदिर - झारखंड
बद्रीनाथ मंदिर - उत्तराखंड
बृहदेश्वर मंदिर - तमिलनाडु
चैत्राकेशव मंदिर - कर्नाटक

36. भारत में निम्नलिखित स्टेडियमों का मिलान करें -

(A) नेहरू स्टेडियम	1- पुणे
(B) कीनन स्टेडियम	2- जमशेदपुर
(C) मोती बाग स्टेडियम	3- वडोदरा

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: नेहरू स्टेडियम - पुणे
कीनन स्टेडियम - जमशेदपुर
मोती बाग स्टेडियम - वडोदरा

37. निम्नलिखित कलाकृतियों का उनके कलाकारों से मिलान करें:

कलाकृतियाँ	कलाकार
1. स्टाररी नाइट	A. पाब्लो पिकासो
2. द पर्सिस्टेंस ऑफ़ मेमोरी	B. विंसेंट वैन गॉग
3. खेर्निका	C. साल्वाडोर डाली
4. द स्क्रीम	D. एडवर्ड मंच

विकल्प:

(A) a-2, b-1, c-3, d-4

(B) a-1, b-4, c-2, d-3

(C) a-3, b-2, c-1, d-4

(D) a-2, b-1, c-4, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: स्टाररी नाइट को विंसेंट वैन गॉग ने चित्रित किया था।
द पर्सिस्टेंस ऑफ़ मेमोरी साल्वाडोर डाली की कृति है।
खेर्निका को पाब्लो पिकासो ने बनाया था।
द स्क्रीम एडवर्ड मंच की एक प्रतिष्ठित पेंटिंग है।

38. निम्नलिखित प्राचीन सभ्यताओं को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों से मिलाएं:

प्राचीन सभ्यताएँ	उल्लेखनीय उपलब्धियाँ
------------------	----------------------

1. प्राचीन मिस्र	A. लेखन प्रणाली (क्यूनिफॉर्म)
2. प्राचीन मेसोपोटामिया	B. पिरामिड और स्फिंक्स
3. प्राचीन चीन	C. महान दीवार और सिल्क रोड
4. प्राचीन ग्रीस	D. लोकतंत्र और दर्शन

विकल्प:

(A) a-4, b-3, c-1, d-2

(B) a-3, b-1, c-4, d-2

(C) a-2, b-1, c-4, d-3

(D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: प्राचीन मिस्र अपने पिरामिडों और स्फिंक्स के लिए प्रसिद्ध है।
प्राचीन मेसोपोटामिया क्यूनिफॉर्म लेखन प्रणाली के विकास के लिए जाना जाता है।
प्राचीन चीन महान दीवार और सिल्क रोड के लिए प्रसिद्ध है।
प्राचीन ग्रीस ने लोकतंत्र और दर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

39. भारत में निम्नलिखित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का मिलान करें

(A) तारापुर	1- महाराष्ट्र
(B) रावतभाटा	2- कर्नाटक
(C) कुडनकुलम	3- तमिलनाडु
(D) कैगा	4- राजस्थान

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: तारापुर - महाराष्ट्र
रावतभाटा - राजस्थान
कुडनकुलम - तमिलनाडु
कैगा - कर्नाटक

40. भारत के निम्नलिखित राष्ट्रपतियों को उनके कार्यकाल के साथ सुमेलित कीजिए -

(A) श्री शंकर दयाल शर्मा	1- 1992-1997
(B) श्री कोचेरिल रमन नारायणन	2- 1997-2002
(C) श्री अवुल पकिर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम	3- 2002-2007

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: श्री शंकर दयाल शर्मा - 1992-1997

श्री कोचेरिल रमन नारायणन - 1997-2002

श्री अवुल पकिर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम - 2002-2007

41. निम्नलिखित महत्वपूर्ण दिनों का मिलान करें -

(A) 17 अप्रैल	1- विश्व हीमोफीलिया दिवस
(B) 5 जून	2- राष्ट्रीय खेल दिवस
(C) 6 जुलाई	3- विश्व जूनोज दिवस
(D) 29 अगस्त	4- विश्व पर्यावरण दिवस

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: 17 अप्रैल - विश्व हीमोफीलिया दिवस

5 जून - विश्व पर्यावरण दिवस

6 जुलाई - विश्व जूनोज दिवस

29 अगस्त - राष्ट्रीय खेल दिवस

42. निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों को सुमेलित कीजिए-

(A) गिरीश कर्नाड	1- तुगलक
(B) गोएथे	2- फ्राउस्तो
(C) गोपीनाथ मोहंती	3- परजा

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: गिरीश कर्नाड - तुगलक

गोएथे - फ्राउस्तो

गोपीनाथ मोहंती - परजा

43. भारत की निम्नलिखित घटनाओं को उनकी संबंधित समयसीमा के साथ सुमेलित करें -

(A) 1836 ई.	1- श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म
(B) 1863 ई.	2- लाला लाजपत राय का जन्म
(C) 1865 ई.	3- स्वामी विवेकानन्द का जन्म
(D) 1869 ई.	4- महात्मा गांधी का जन्म

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: 1836 ई. - श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म

1863 ई. - स्वामी विवेकानन्द का जन्म

1865 ई. - लाला लाजपत राय का जन्म

1869 ई. - महात्मा गांधी का जन्म

44. विश्व के निम्नलिखित प्रमुख जलडमरूमध्यों का मिलान करें -

(A) डोवर जलडमरूमध्य	1- इंग्लिश चैनल और उत्तरी सागर
(B) फ्लोरिडा जलडमरूमध्य	2- मेक्सिको की खाड़ी से अटलांटिक महासागर तक
(C) जिब्राल्टर जलडमरूमध्य	3- अटलांटिक महासागर से भूमध्य सागर तक

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: डोवर जलडमरूमध्य - इंग्लिश चैनल और उत्तरी सागर
फ्लोरिडा जलडमरूमध्य - मेक्सिको की खाड़ी से अटलांटिक महासागर तक

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य - अटलांटिक महासागर से भूमध्य सागर तक

45. पौधों के निम्नलिखित वैज्ञानिक नामों का मिलान करें -

(A) चावल	1- ओरिजा सैटिवा
(B) गेहूं	2- एज़ैडिक्टा इंडिका
(C) नीम	3- ट्रिटिकम एसपीपी
(D) तुलसी	4- ओसीमम टेनुइफ्लोरम

विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2

(B) a-2, b-3, c-1, d-4

(C) a-1, b-2, c-4, d-3

(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: चावल - ओरिजा सैटिवा

गेहूं - ट्रिटिकम एसपीपी

नीम - एज़ैडिक्टा इंडिका

तुलसी - ओसीमम टेनुइफ्लोरम

46. निम्नलिखित पुरस्कारों के नाम और उनकी स्थापना वर्ष का मिलान करें -

(A) राइट लाइव्लीहुड पुरस्कार	1- 1980 में प्रारम्भ
(B) मानवाधिकार शिक्षा के लिए यूनेस्को पुरस्कार	2- 1978 में शुरू हुआ
(C) विश्व खाद्य पुरस्कार	3- 1986 में प्रारंभ हुआ

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3

(B) a-2, b-3, c-1

(C) a-3, b-2, c-1

(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: राइट लाइव्लीहुड पुरस्कार - 1980 में प्रारम्भ
मानवाधिकार शिक्षा के लिए यूनेस्को पुरस्कार - 1978 में शुरू हुआ
विश्व खाद्य पुरस्कार - 1986 में प्रारंभ हुआ

47. निम्नलिखित उन्नत भौतिकी अवधारणाओं को उनकी विशेषताओं से मिलाएं:

अवधारणा	विवरण
(A) क्रांटम उलझाव	1- बताता है कि कण समरूपता भंग के माध्यम से द्रव्यमान कैसे प्राप्त करते हैं
(B) श्रोडिंगर की कैट	2- कण अल्ट्रा-कोल्ड तापमान पर अविभाज्यता के कारण तरंगों की तरह व्यवहार करते हैं
(C) हिग्स तंत्र	3- क्रांटम सुपरपोजिशन को दर्शाने वाला एक विचार प्रयोग
(D) बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट	4- दो कण एक ही अवस्था साझा करते हैं; एक का मापन दूसरे को तुरंत प्रभावित करता है

विकल्प:

(A) a-4, b-3, c-1, d-2

(B) a-3, b-4, c-2, d-1

(C) a-4, b-2, c-3, d-1

(D) a-2, b-1, c-4, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: (A) क्रांटम उलझाव → 4: उलझे हुए कण, दूरी की परवाह किए बिना, सहसंबद्ध परिणाम दिखाते हैं।
(B) श्रोडिंगर की बिल्ली → 3: सुपरपोजिशन को प्रदर्शित करता है - बिल्ली तब तक जीवित और मृत दोनों होती है जब तक उसे देखा नहीं जाता।
(C) हिग्स तंत्र → 1: कण हिग्स क्षेत्र के साथ अंतःक्रिया के माध्यम से द्रव्यमान प्राप्त करते हैं।

(D) बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट → 2: लगभग शून्य पर, बोसॉन एक ही अवस्था में होते हैं और तरंगों की तरह व्यवहार करते हैं।

48.

निम्नलिखित उन्नत रसायन विज्ञान अवधारणाओं को उनकी विशेषताओं के साथ मिलाएं:

अवधारणा	विवरण
(A) लैथेनाइड संकुचन	1- d-d इलेक्ट्रॉन संक्रमण के कारण रंग दिखाने वाले यौगिक
(B) क्रिस्टल फील्ड थ्योरी	2- 4f ऑर्बिटल्स के खराब परिरक्षण प्रभाव के कारण श्रृंखला में आकार में कमी आती है
(C) केलेशन	3- धातु आयनों के साथ रिंग-जैसे समन्वय के गठन से उत्पन्न स्थिरता
(D) एलोस्टेरिक अवरोध	4- गैर-सक्रिय साइट पर अणु के बंधन से एंजाइम गतिविधि बदल जाती है

विकल्प:

(A) a-1, b-2, c-4, d-3

(B) a-2, b-1, c-3, d-4

(C) a-3, b-4, c-2, d-1

(D) a-4, b-3, c-1, d-2

उत्तर: (B)

व्याख्या: (A) लैथेनाइड संकुचन → 2:

4f इलेक्ट्रॉनों द्वारा खराब परिरक्षण के कारण लैथेनाइड श्रृंखला में परमाणु/आयनिक त्रिज्या थोड़ी कम हो जाती है। यह बाद के संक्रमण तत्वों के गुणों को प्रभावित करता है (उदाहरण के लिए, Zr और Hf की त्रिज्या समान होती है)।

(B) क्रिस्टल फील्ड थ्योरी → 1:

डी-ऑर्बिटल्स के विभाजन के कारण समन्वय यौगिकों में रंग, चुंबकीय गुण और स्थिरता की व्याख्या करता है; रंग डी-डी संक्रमण से उत्पन्न होता है।

(C) केलेशन → 3:

लिगेंड द्वारा स्थिर रिंग संरचनाओं का निर्माण जो कई साइटों पर समन्वय करते हैं (उदाहरण के लिए, EDTA); बायोइनऑर्गेनिक और औषधीय रसायन विज्ञान में अत्यधिक प्रासंगिक है।

(D) एलोस्टेरिक अवरोध → 4:

एंजाइम में होता है, जहां एक अणु सक्रिय साइट के अलावा किसी अन्य साइट पर बंधता है, जिससे एंजाइम का आकार बदल जाता है और गतिविधि कम हो जाती है।

49.

निम्नलिखित खेलों इंडिया यूथ गेम्स को उनके मेजबान स्थलों से मिलाएं:
संस्करण स्थल

(A) खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2018 1	पुणे, महाराष्ट्र
(B) खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2019 2	भोपाल, मध्य प्रदेश
(C) खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 3	गुवाहाटी, असम
(D) खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 4	नई दिल्ली

विकल्प:

- (A) a-4, b-1, c-2, d-3
 (B) a-4, b-3, c-1, d-2
 (C) a-4, b-1, c-3, d-2
 (D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: 2018 (A): पहला खेलो इंडिया यूथ गेम्स नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

2019 (B): दूसरा संस्करण पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था।

2022 (C): चौथा संस्करण गुवाहाटी, असम में हुआ।

2023 (D): पांचवें संस्करण की मेजबानी मध्य प्रदेश (भोपाल और आसपास के शहरों) ने की थी।

50. हिरासत में यातना के विरुद्ध उनके संगत संरक्षण के साथ निम्नलिखित प्रावधानों का मिलान करें: प्रावधान सुरक्षा प्रदान की गई

(A) अनुच्छेद 20(3), भारतीय संविधान 1	बलपूर्वक स्वीकारोक्ति अस्वीकार्य
--------------------------------------	----------------------------------

(B) धारा 120, भारतीय न्याय संहिता 2	स्वीकारोक्ति प्राप्त करने के लिए यातना को अपराध बनाती है
(C) अनुच्छेद 14, भारतीय संविधान 3	कानून के समक्ष समानता, यहाँ तक कि राज्य प्राधिकारियों के लिए भी
(D) धारा 22, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 4	आत्म-अपराधीकरण के विरुद्ध संरक्षण

विकल्प:

- (A) a-4, b-2, c-3, d-1
 (B) a-2, b-4, c-1, d-3
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-3, b-1, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: अनुच्छेद 20(3) → (a-4): व्यक्तियों को मजबूर किए जाने से बचाता है आत्म-दोषी ठहराना, यानी जबरन स्वीकारोक्ति।

बीएनएस की धारा 120 → (बी-2): स्वीकारोक्ति करवाने के लिए यातना देना दंडनीय अपराध बनाता है।

अनुच्छेद 14 → (सी-3): कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करता है, जो पुलिस और राज्य एजेंटों सहित सभी पर लागू होता है।

बीएसए की धारा 22 → (डी-1): प्रलोभन, धमकी या जबरदस्ती के माध्यम से प्राप्त स्वीकारोक्ति को अदालत में अस्वीकार्य बनाता है।

"कामयाब होने के लिए अकेले ही आगे बढ़ना पड़ता है !
 लोग तो पीछे तब आते हैं जब आप कामयाब होने लगते हैं !!

"कमजोर तब रुकते हैं, जब वे थक जाते हैं !
 और विजेता तब रुकते जब वे जीत जाते हैं !!

क्विक बाइट्स

- रेलवन ऐप लॉन्च: भारतीय रेलवे ने यात्री सेवाओं को एक मंच पर एकीकृत किया
- गुजरात ने कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करने के लिए जन सुरक्षा समृद्धि अभियान शुरू किया
- भारत, यूएई ने हरित इस्पात और एल्युमीनियम क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी की
- पाकिस्तान ने जुलाई 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली
- केसवन रामचंद्रन आरबीआई के नए कार्यकारी निदेशक नियुक्त
- भारत ने रिकॉर्ड समय में दूसरा प्रोजेक्ट 17ए स्टीथ फ्रिगेट चालू किया
- आईएनएस तमाल कैलिनिनग्राद में चालू
- प्रसिद्ध सम्मोहन विशेषज्ञ डॉ. बी.वी. पट्टाभिराम का 75 वर्ष की आयु में निधन
- भारत का पहला लकड़ी का गुरुद्वारा फाज़िल्का में खुला, जो भक्ति और डिज़ाइन का प्रतीक है
- QUAD लॉन्च समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए पहला समुद्री पर्यवेक्षक मिशन
- श्रीनगर की डल झील में पहली बार खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स का आयोजन होगा।
- ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 2032 ब्रिस्बेन खेलों के लिए 2.2 अरब डॉलर के वित्तपोषण की पुष्टि की।
- पाकिस्तान जुलाई 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना।
- रूस तालिबान सरकार को आधिकारिक रूप से मान्यता देने वाला पहला देश बना।
- एयर मार्शल एस. शिवकुमार ने कार्यभार संभाला। वायु सेना प्रभारी प्रशासन
- सुनील कदम सेबी के कार्यकारी निदेशक नियुक्त
- एनवीडिया इतिहास की दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनने की राह पर
- सेल ने वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने के लिए दुबई में अपना पहला विदेशी कार्यालय खोला
- प्राचीन मिस्र के जीनोम का पहली बार अनुक्रमण किया गया
- पुडुचेरी परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम में टीबी स्क्रीनिंग को एकीकृत करने वाला पहला राज्य बना
- घाना ने भारत के साथ जलवायु-अनुकूल गेहूँ पहल शुरू की
- प्रधानमंत्री मोदी को घाना का राष्ट्रीय सम्मान मिला
- गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जन सुरक्षा समृद्धि अभियान का शुभारंभ किया
- प्रसिद्ध सम्मोहन विशेषज्ञ बीवी पट्टाभिराम का 75 वर्ष की आयु में निधन
- केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने भारत के पहले एकीकृत बाढ़ पूर्वानुमान प्लेटफॉर्म, सी-फ्लड का शुभारंभ किया
- सावित्रीबाई फुले के सम्मान में एनआईपीसीसीडी का नाम बदला गया, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित
- इंदौर ने भारत का पहला क्यूआर-आधारित डिजिटल हाउस एंड्रेस सिस्टम लॉन्च किया
- आरबीआई ने 2026 से एमएसई के लिए फ्लोटिंग रेट लोन पर प्रीपेमेंट पेनल्टी पर प्रतिबंध लगाया
- स्लाइस ने बेंगलुरु में भारत की पहली यूपीआई-संचालित बैंक शाखा शुरू की
- जियो बना दुनिया का सबसे बड़ा फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस प्रदाता
- भारत का पहला ट्रांसजेंडर क्लिनिक हैदराबाद में फिर से खुला
- Microsoft ने 25 साल बाद पाकिस्तान कार्यालय बंद किया
- भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो ने संबंधों को मज़बूत करने के लिए छह नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- प्रधानमंत्री मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार मिला
- एस.आर.एन. मेहता स्कूल ने नासा प्रतियोगिता में शीर्ष पुरस्कार जीता
- सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया पहली महिला नौसेना लड़ाकू पायलट प्रशिक्षु बनीं
- गुकेश ने ज़ाग्रेब में रैपिड शतरंज का खिताब जीता
- अनंत टेक भारत का पहला निजी सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करेगा
- 'फैंटास्टिक फोर' के स्टार जूलियन मैकमोहन का 56 वर्ष की आयु में निधन
- सुकन्या सोनोवाल: राष्ट्रमंडल युवा शांति दूत
- एलोन मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी 'अमेरिका पार्टी' की घोषणा की
- एशियाई पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025: भारत ने 9 पदक जीते
- विश्व बैंक ने भारत को दुनिया के सबसे समान समाजों में चौथा स्थान दिया
- 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले कोलंबिया और उज़्बेकिस्तान एनडीबी में शामिल हुए
- त्रिनिदाद और टोबैगो भारतीय यात्रियों के लिए यूपीआई नेटवर्क में शामिल हुआ
- हरदीप सिंह बरार बीएमडब्ल्यू इंडिया के सीईओ नियुक्त
- अनुभवी पुरातत्वविद् वेदाचलम ने तमिल विक्की सुरन पुरस्कार जीता
- समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने श्री अरबिंदो सोसाइटी के साथ साझेदारी की
- वी.एस. रवि ने हैदराबाद में शेक्सपियर पर किताब का विमोचन किया
- मैग्नस कार्लसन ने सुपरयूनाइटेड शतरंज 2025 जीता
- नाइजीरिया के दिग्गज फुटबॉलर पीटर रुफई का 61 वर्ष की आयु में निधन

- राशन के लिए फेस आईडी इस्तेमाल करने वाला हिमाचल पहला राज्य बना
- जेनिफर गेरलिंग्स-साइमन्स सूरीनाम की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं
- मौना लोआ जलवायु केंद्र 65 साल बाद बंद होने की कगार पर
- 6,099 करोड़ रुपये मूल्य के 2000 के नोट अभी भी चलन में: RBI
- इंडिगो ने अमिताभ कांत को गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया
- साहिल किनी RBI इनोवेशन हब के नए सीईओ नियुक्त
- ICC ने संजोग गुप्ता को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया
- इटरनल ने आदित्य मंगला को फूड डिलीवरी का सीईओ नियुक्त किया
- लैंडो नॉरिस ने बरसाती ब्रिटिश ग्रां प्री जीती
- भारत ने विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में 11 पदक जीते
- प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया
- भारत और नामीबिया ने आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करने के लिए 4 समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- भारत और ब्राज़ील ने आतंकवाद, व्यापार और तकनीक पर केंद्रित छह प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- भारतीय नौसेना ने पहला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत 'निस्तार' को शामिल किया
- दिल्ली ने मुफ्त बस यात्रा के लिए 'सहेली कार्ड' लॉन्च किया
- सरनकुमार लिंगाले ने 2025 का चिंता रवींद्रन पुरस्कार जीता
- स्विट्जरलैंड ने छोटे बच्चों के लिए मलेरिया की पहली दवा को मंजूरी दी
- बुल्गारिया को 2026 में यूरोज़ोन में शामिल होने की मंजूरी
- कासरगोड ने केरल मत्स्य पालन उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 जीता
- पंजाब ने मुख्यमंत्री सेहत योजना शुरू की
- बिहार ने अधिवासी धारकों के लिए 35% महिला आरक्षण को मंजूरी दी
- Apple ने सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया
- इसरो ने गगनयान प्रणोदन के सफल परीक्षण किए
- भारत ने ERASR पनडुब्बी रोधी रॉकेट के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए
- चारुपारा आरजेडी के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि का 77 वर्ष की आयु में निधन
- अफ़ग़ान क्रिकेट अंपायर बिस्मिल्लाह जान शिनवारी का 41 वर्ष की आयु में निधन
- एशिया की सबसे बुजुर्ग हथिनी वत्सला का 100 वर्ष की आयु में निधन
- प्राजक्ता कोली 2025 की टाइम100 क्रिएटर्स लिस्ट में पहली भारतीय बनीं
- ब्रिटेन भारती समर्थित यूटेलसैट में €163 मिलियन का निवेश करेगा, 10.89% हिस्सेदारी लेगा
- 'मराठा सैन्य परिदृश्य' यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल
- तेलुगु फिल्म जगत के दिग्गज और आंध्र प्रदेश के पूर्व विधायक कोटा श्रीनिवास राव का 83 वर्ष की आयु में निधन
- भारतीय वायुसेना और DRDO ने ओडिशा में BVRAAM अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण किया
- इटली ने पहली बार 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया
- पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्रेष्ठ को 'हेम बहादुर मल्ला पुरस्कार' प्रदान किया गया
- भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन शिवा
- कर्टिस कैपर: 5 गेंदों पर 5 विकेट लेने वाले पहले पुरुष क्रिकेटर
- उत्तराखंड फर्जी संतों के खिलाफ 'ऑपरेशन कालनेमि' शुरू करेगा
- केंद्र ने डॉ. अभिजात शेठ को नया एनएमसी प्रमुख नियुक्त किया
- सोनाली मिश्रा नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं आरपीएफ
- अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू ने 14 जुलाई, 2025 को प्रो. आशिम कुमार घोष को हरियाणा का राज्यपाल, पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल और कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया।
- वरिष्ठ अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का 83 वर्ष की आयु में निधन
- दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का 87 वर्ष की आयु में निधन
- पूर्व नाइजीरियाई राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी का 82 वर्ष की आयु में निधन
- भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य - जो महाराष्ट्र और तमिलनाडु के 12 किलों से बने हैं - को 11 जुलाई, 2025 को पेरिस में एक सत्र के दौरान यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- अर्जुनकल पुलिस स्टेशन भारत का पहला ISO-प्रमाणित स्टेशन बना
- जिंजी किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित
- RBI ने नियम तोड़ने पर HDFC बैंक और श्रीराम फाइनेंस पर जुर्माना लगाया
- वर्षा देशपांडे ने 2025 का संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार जीता
- अभिजीत किशोर 2025-26 के लिए COAI के अध्यक्ष फिर से नियुक्त
- DRDO और IAF ने Su-30 MKI से अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण किया
- इटली और नीदरलैंड ने ICC T20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया
- हरिकृष्णन ए भारत के 87वें ग्रैंडमास्टर बने
- NESTS और UNICEF ने आदिवासी युवा विकास के लिए TALASH शुरू किया
- प्रिया नायर HUL की CEO और MD का पदभार संभालेंगी
- भारत 2027 में निशानेबाजी विश्व कप और 2028 में जूनियर विश्व कप की मेज़बानी करेगा
- भारत फीफा रैंकिंग में 133वें स्थान पर खिसक गया, जो 2016 के बाद सबसे खराब है
- वरिष्ठ नेता एन. टिप्पन्ना का 97 वर्ष की आयु में निधन

- भारत का पहला डिजिटल घुमंतू गाँव सिक्किम में खुला
- एक्को भारत में टेस्ला का बीमा भागीदार बना
- आर दोराईस्वामी 2028 तक एलआईसी के एमडी और सीईओ नियुक्त
- राघवेंद्र एस भट कर्नाटक बैंक के अंतरिम सीईओ नियुक्त
- हेमंत रूपानी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज के नए सीईओ नियुक्त
- सूडानी-स्कॉटिश लेखिका लीला अबुलेला ने 2025 का पेन पिंटर पुरस्कार जीता
- भारत-ग्रीस ने नौसैनिक सहयोग बढ़ाने के लिए PASSEX का आयोजन किया
- दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 वर्ष की आयु में निधन
- वरिष्ठ अभिनेता धीरज कुमार का 79 वर्ष की आयु में निधन
- भारत पहली बार ऑस्ट्रेलिया के टैलिसमैन सेबर सैन्य अभ्यास में शामिल हुआ
- IPS अधिकारी सोनाली मिश्रा, इस मिशन का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनने वाली हैं आरपीएफ
- धर्मेन्द्र प्रधान को राष्ट्रपति मुर्मू से कलिंग रत्न पुरस्कार मिला
- कैबिनेट ने 100 जिलों के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी
- महाराष्ट्र ने पशुधन और मुर्गी पालन को कृषि का दर्जा दिया
- यूलिया स्विरीडेको यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री नियुक्त
- एक्सिमपे को सीमा पार भुगतान एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आरबीआई की मंजूरी मिली
- अहमदाबाद स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में सबसे स्वच्छ शहर घोषित
- भारत ने लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने के लिए GE-F404 इंजन हासिल किया
- भारतीय सेना ने लद्दाख में 15,000 फीट की ऊँचाई पर आकाश प्राइम वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण किया
- ज़ेप्टो के संस्थापक हरुन इंडिया U30 सूची 2025 में शीर्ष पर
- आंद्रे रसेल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की
- दीपिका सेहरावत ने प्रतिष्ठित पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड जीता
- विवादित संपत्तियों पर पुलिस के दौरे को सीमित करने वाले नियमों का मसौदा तैयार किया जाएगा: उच्च न्यायालय
- संयुक्त राष्ट्र मंडेला पुरस्कार 2025 में ब्रेंडा रेनॉल्ड्स और कैनेडी ओडेडे को सम्मानित किया गया
- INCOIS को राष्ट्रीय भू-स्थानिक व्यवसायी पुरस्कार मिला 2025
- भारत द्वारा पृथ्वी-2 और अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइलों का सफल परीक्षण
- भारतीय नौसेना सिम्बेक्स 2025 में भाग लेने के लिए तैयार
- रिकॉर्ड तोड़ने वाले डेयरडेविल फेलिक्स बॉमगार्टनर की पैराग्लाइडिंग दुर्घटना में मृत्यु
- नाटो सदस्य अपने सकल घरेलू उत्पाद का 5% रक्षा और सुरक्षा पर खर्च करने पर सहमत हुए
- नीरज चोपड़ा ने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक जेवलिन खिताब जीता
- भारत, दक्षिण अफ्रीका ने पनडुब्बी सहयोग पर समझौते पर हस्ताक्षर किए
- CBSE ने 2026-27 से कक्षा 10 के लिए द्विवार्षिक बोर्ड परीक्षाएँ शुरू कीं
- केरल के अरलम वन में भारत के पहले तितली अभयारण्य का उद्घाटन किया गया
- टाटा समूह भारत का पहला \$30-बिलियन ब्रांड बन गया: ब्रांड फाइनैस 2025
- IFFCO ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का लक्ष्य रखा ब्राजील में पहला विदेशी नैनो फर्टिलाइजर प्लांट
- रिकू सिंह खेल कोटा योजना के तहत यूपी शिक्षा विभाग में शामिल होंगी
- केंद्र ने बेहतर जनजातीय योजना क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए 'आदि कर्मयोगी' की शुरुआत की
- JioBlackRock ब्रोकिंग को ब्रोकरेज संचालन शुरू करने के लिए SEBI की मंजूरी मिली
- IRDAI ने कॉर्पोरेट प्रशासन उल्लंघन के लिए एडलवाइस लाइफ पर ₹1 करोड़ का जुर्माना लगाया
- भारत ने पठानकोट से कतर के लिए गुलाब की खुशबू वाली लीची का पहला निर्यात शुरू किया
- अमिताभ कांत G20 शेरपा की भूमिका के बाद फेयरफैक्स में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में शामिल हुए
- प्रज्ञानंद ने उज्ज्वल कप जीता, भारत के शीर्ष रैंक वाले शतरंज खिलाड़ी बने
- 'कांटा लगा' फेम अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का मुंबई में 42 साल की उम्र में निधन
- शुभांशु शुक्ला आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने
- बिहार अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिससे यह भारत सरकार के राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा मिशन से लाभान्वित होने वाले पहले छह राज्यों में से एक बन जाएगा।
- एमपी सरकार ने 1 जुलाई से स्कूली शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्य कर दिया
- अमेरिका-इज़राइल संघर्ष के बीच ईरान ने आईईए के साथ सहयोग निलंबित किया
- सोनोवाल ने समुद्री वित्तपोषण को बढ़ावा देने के लिए सागरमाला वित्त निगम का अनावरण किया
- जू जियायी को एआईआईबी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वे जिन लिकुन की जगह लेंगे
- यूजीआरओ कैपिटल ने अनुज पांडे को सीईओ नियुक्त किया
- शिखर धवन की संस्मरणात्मक पुस्तक "द वन" में बल्ले के पीछे के व्यक्ति का खुलासा किया गया
- भारत ने बांग्लादेश से भूमि और समुद्री बंदरगाहों के ज़रिए जूट के आयात पर प्रतिबंध लगाया

इन्फोग्राफिक्स

Italy Is the Country With the Most World Heritage Sites

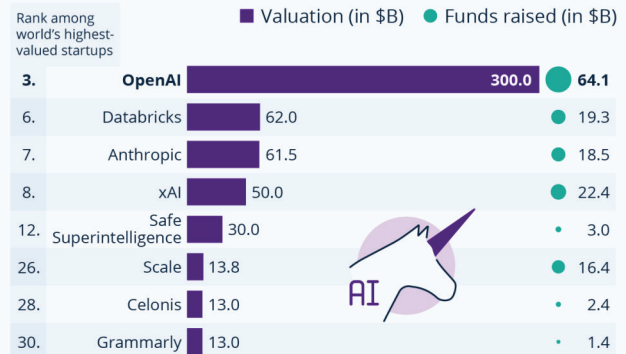
Countries with the highest number of UNESCO World Heritage sites



As of Jul. 16, 2025
Source: UNESCO

AI Unicorns Among World's Highest-Valued Startups

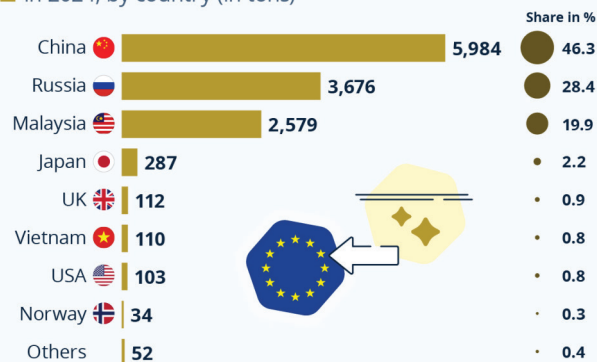
Highest-valued AI startups as of July 2025



Source: CB Insights

The EU Depends on China and Russia for Rare Earths

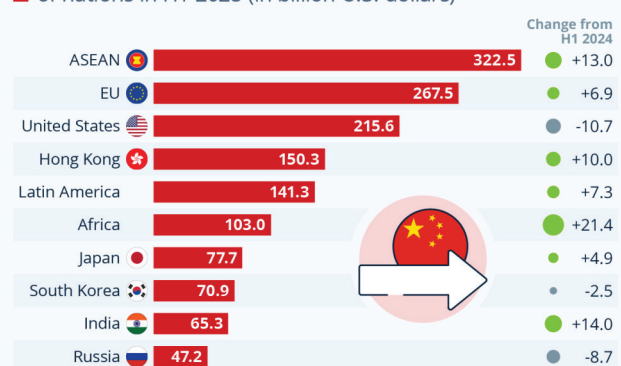
Imports of rare earths into the European Union in 2024, by country (in tons)



Source: Eurostat

China Fills U.S. Exports Gap with ASEAN, EU & Africa

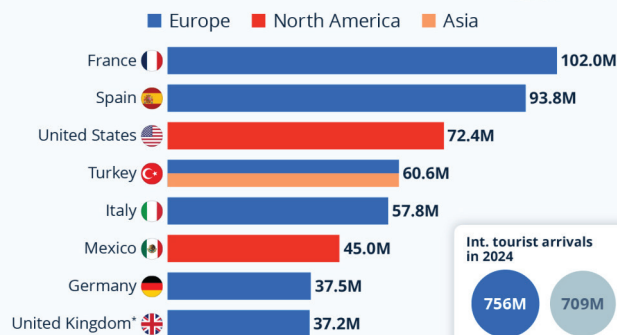
Chinese exports to the following countries/groups of nations in H1 2025 (in billion U.S. dollars)



Source: General Administration of Customs of the People's Republic of China

Europe Is the World's Tourism Hotspot

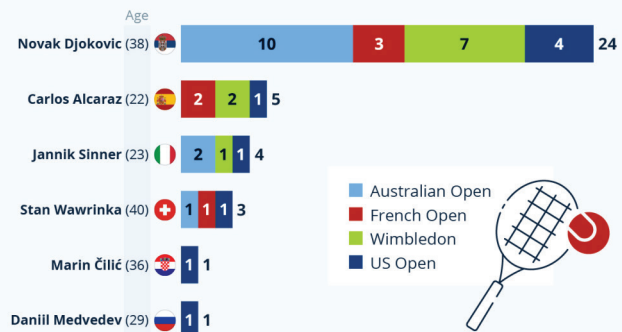
Countries with the highest number of international tourist arrivals in 2024



* UK figure is from 2023
Source: UNWTO

Sinner & Alcaraz Lead the Next Generation in Tennis

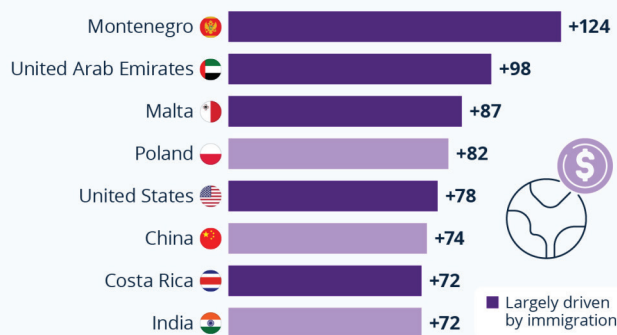
Number of Grand Slam singles titles won by active male tennis players



As of July 14, 2025
Source: ATP

Where Millionaire Populations Are Growing

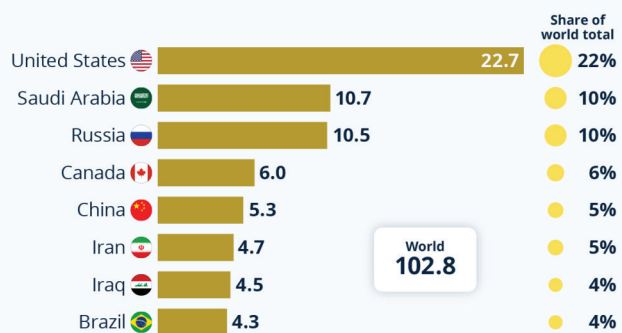
Countries with the highest growth in the number of millionaires between 2014 and 2024 (in percent)



Millionaires defined as individuals with \$1M or more in investable wealth
Source: Henley & Partners

The World's Largest Oil Producers

Production of petroleum and other liquids in 2024 (in million barrels per day)*



* Includes crude oil (incl. lease condensate), natural gas plant liquids and other liquids
Source: U.S. Energy Information Administration



Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

 7 Jawahar Nagar, Khandari, Agra, Uttar Pradesh

 8882388888

 Kumariasacademy@gmail.com

 kumarsias.com

   Kumar Edutainment

 your_kumar_sir



Kumar Edutainment